# भारत का

# राजपत्र

# The Gazette of India

.प्राधिकार से प्रकाशित Publishep by AuthOkiti

सं० 32]

नई बिह्ली, शनिवार, अगस्त 11, 1984 (श्रावण 20 1906)

No. 32]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 11, 1984 (SRAVANA 20, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संश्रानन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### माय 111--खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्य स्यायालयों, नियस्त्रक और महालेखायरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विकास और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जुन 1984

मं० ए० 38014/6/83—प्रजा०—III—कामिक और प्रजासिनक मुधार विभाग के का० जा० मं० 33/12/75—स्था०
(क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के प्रनुसार राष्ट्रपति
द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संबर्ग में के० स० से० के स्थायी
सहायक तथा स्थानापन्न प्रमुभाग प्रधिकारी श्री एस० के०
प्रवस्थी को 30 जून, 1984 के ग्रपराह्न से निवर्तन ग्रायु होने
पर सरकारी सेवा मे सेवा निवृत्त होने की सहर्ष ग्रमुमित
प्रवान की जानी है।

सं० ए० 38013/2/84 प्रणा०—III——कार्मिक श्रीर प्रणा-सिनिक सुधार विभाग के का० ज० सं० 33/12/75 स्था० (क) विनांक 24 नवस्वर, 1973 की शर्तों के श्रनुसार राष्ट्रपित द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न श्रनुभाग श्रीधकारी श्री एम० एम० श्रसनानी को 30 जून 1984 के श्रपराह्म से निवर्तन श्रायु होने पर सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्प श्रनुमित प्रदान की जाती है।

> एस० **बै**नर्जी ग्रवर सचिव (प्रणा०) संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 जुलाई 1984

सं० ए० 32014/1/84-प्रणा०-II (1)--संघ लोक सेवा प्रायोग में के० स० सेव मंवर्ग के निम्निलिखित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा, संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में प्रत्येक के सामने निर्विष्ट अविधि के लिए अववा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, स्वानापन्न एव से तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी का कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:---

ह्रे <b>क</b> ० नाम मं०	पदोन्नर्ति की ग्रविध
<ol> <li>श्रीमती एन० मीरा</li> </ol>	1-7-84 में 31-7-84 तक
2. श्री के० एल० सूद	37-84 में 31-7-84 नक
3. क्०भारती	12-6-84 से 26-7-84 तक
4. श्री एस० डी० मल	18-6-84 में 21-8-84 तक

दिनांक 5 जलाई 1984

सं० ए० 31014/1/84 प्रजा । I--राष्ट्रपति निम्तिलिखित ग्रम्थायी वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (केंग्र स्व ग्रांव सेव का ग्रेड ख), जो संघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग में निम्तिलिखित

(18139)

पदों पर हैं, को संघ लोक मेवा आयोग, नई दिल्ली में प्रत्येक के सामने निविष्ट विश्व में अभिष्ठ नैयिक्तक सहायक के ग्रेड में (के बिश्व के अर्थ का ग्रेड ख) मूल हुप में महर्ष नियुक्त उन्हों हैं:--

ऋ० नाम सं०	वर्तमान पद	पुष्टि को <b>तिथि</b>
1. श्री आई० एन० णर्मा	निजो सचिव (तदर्थ)	1-11-83
2. श्री हुक्मचन्द	(पापपा) श्रनुभाग श्रधिकारी	1-2-84

# दिनांक 7 ज्लाई 1981

सं० पो० 1051-प्रणा०-I—ग्रपनी प्रतिनियुक्ति की ग्रविध पूरी करने श्रौर सिक्किम लोक सेवा श्रायोग, गैंगटोक के सचिव पद से कार्य मुक्त होने के उपरांत के० स० के लेख के सचिव पद से कार्य मुक्त होने के उपरांत के० स० के लेख के सचन ग्रेड श्रिधकारी श्री एस० श्रार० भागवत ने संघ लोक सेवा श्रायोग में उप-सचिव के पद का कार्यभार ,2 जुलाई, 1984 प्रविद्ध में संभाल लिया है।

#### दिनांक 9 जुलाई 1984

ऋ ० सं ०	नाम	जिस मंबर्ग में मनोनीत किया गया
	श्री के० मी० सहगत श्री राजकृमार	कृषि घोर सहकारिता इम्यान

2. सर्वक्षी राजकृमार श्रीर के० सी० सहगत के विरुद्ध कोई भी सनकर्ताका मामला न तो लंबित है श्रीर न ही श्रवक्षित है।

> एम० पी० जैन अवर सचिव (प्रणा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

#### गह मंत्रालय

केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगशाला केन्द्रीय श्रस्वेक्ण व्युरो

नई दिल्लो, दिनांक 19 ज्लाई 1984

मं ० 1-17/81 सी ० एफ ० एस ० एल ०/5414--फेन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगणाला, नई दिल्ली के वैज्ञानिक एड मद्रास में कार्यरत श्री हरवान सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रिधिकार (ग्रेड-II), पलेख के ल्यागण्य को स्वीकुश किए जाने के फलस्वरूप, उन्हें श्रपने पद से 11~6~84 (ग्रपराह्म) में भार मुक्त किया जाना है।

सं ० ए० 19023/4/84-प्रणासन-5--निदेशका, केन्द्रीय प्रत्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षका, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा श्री फूल चन्द्र को दिनांक 9-7-84 के पूर्वाह्न से, 'श्रस्थायी रूप से, लोक श्रीभयोजका, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

उन्हें नई दिल्ली स्थित भ्रार्थिक भ्राराध स्कंध शाखा में पदस्थापित किया जाता है।

# दिनांक 20 जुलाई 1984

सं० ए०/222013/1/84-प्रशासन-5--निदेशक, केम्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना निम्नलिखित निरीक्षकों को, उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित विधि से अगले आदेश तक के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में, तवर्थ आधार पर, स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं:---

श्रधिक।रीकानाम	<ul> <li>माखा जहां पद</li> <li>स्थापित किया गया है</li> </ul>	तदर्थं प्रोन्नति की तिथि
 सर्वेश्री		
1. श्राई० पी० गर्मी,	के० भ्र० ब्यूरो/ विशेष एकक	3-7-84
2. एस० बी० सिन्हा,	के० प्र०ब्यूरो/ सी० ग्राई० यु० (एफ)	306 <b>8</b> 4 (ग्रपराह्न)
3. के० डी० शर्मा,	के० घ० च्यूरों/ मी० घाई० यु० (पी)	30-6-84 (म्रपरास्त्र)
4. रवि प्रकाश सिन्हा,	के० ग्र० ब्यूरो/ ग्रा० ग्र० स्कंध, यम्बई	6-7-84
_5 चेतन कुमार	के॰ घ० ब्यूरो/इंटरपोल समन्वयं प्रभाग	30-6-84 (भ्रपराह्न)
6. बी० एन० पी० श्राजाद	के० घ्र० ब्यूरो/ सी० घाई० यू० (बी)	2-7-84

# दिनांक 21 जुलाई 1984

सं० ए०-19014/6/84-प्रगासन-5--राष्ट्रापि अपने प्रसाद से, श्रो सो० प्रभाकर, भा० पु० सेवा (महाराष्ट्र-1977) को दिनांक 16 जुलाई, 1984 के पूर्वात्व से, श्रापे श्रादेश तक के लिए, प्रतिनिथुक्ति के आधार पर, पुलिस अभीक्षक, केन्द्राय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थाता के छ। में नियुक्त करते हैं।

श्चार० एस० नागपाल प्रशासिनिक श्रधिकारो (स्था ०) के दीय ग्रस्त्रेषण ब्युरो

# महानिदेशालय के० रि० पु० वल

# नई दिल्ली, दिनांक 13 ज्लाई 1984

2. कर्नल वर्मा ने, कमाईंट, सैन्ट्रल वैपन स्टोर के० रि० पु० बल रामपुर केपद, का कार्यभार दिनांक 16-5-84 (अपराह्म) से संभाला ।

# दिनांक 16 जुलाई 1984

सं० डी० एफ०-18/84-स्थापना-1--श्री ए० के० शर्मा, सहायक कमाउँट 39 बटा० के० रि० पु० बल की सेवाएँ दिनोक 31-5-84 (श्रपराह्म) से पंजाब सरकार की डैपुटेशन ब्राधार पर सींपी जाती हैं।

# दिनांक, 23 जुलाई 1984

सं० घो० दो० 1971/84-स्थापना--महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल ने डाक्टर टी० के० राय को 30 जून, 1984 पूर्वाह्म से केबल तीन माह के लिए घ्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारोख तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा ग्रिधिकारों के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

एम० पो० जखमोला सहायक निदेणक (स्थापना)

# महानिदेशालय केन्द्रीय भीखोगिक मुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 5 जुलाई 1984

मं० ई०-16013(2)/1/80-कार्मिक—राज्य काडर को प्रस्थावर्तन होने के फलस्वरूप श्री जी० सी० लेनका, [भा० पु० मे० (उड़ोसा: 67)] ने 30 अप्रैल, 1984 के अपराह्म से केग्रीसुब यूनिट, राऊरकेला स्टोल प्लांट, राऊरकेला के कमांडेंट के पव का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ६०-16013(1)/2/82-कार्मिक--राज्य काश्वर की प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप श्री हंस राज स्वान, भा० पु० से० (हरियाणा: 57) ने 30 अप्रील, 1984 के श्रपराह्म से केग्रीमुंब के उप महानिरीक्षक (पण्चिम क्षेत्र), वस्वई के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-16016/5/82-कार्मिक-के० श्रौ० सु० व० मुख्यालय को दिनांक 24 मार्च, 1984 को समसंख्यक श्रधि-सूचना के सन्दर्भ में।

2. स्थानांतरण के ब्राधार पर ब्रनुभाग अधिकारों के क्ष में श्रो एम० ढलवानी को मूल नियुक्ति को नारोख 1 सितम्बर, 1983 (पूर्वाह्न) के स्थान पर 11 ब्राईंल, 1983 (पूर्वाह्न) संशोधित की जाती है।

मं० ई०-38013(4)/1/8!-कामिक--राष्ट्रपति, निम्न , लिखित निरक्षिकों (कार्यपालक) को उनके नाम के गामने दिखाई गई तारीखों से पूर्णतया तदर्थ ग्रीर ग्रम्थायः ग्राधार पर, प्रोन्नित पर, सहायक कमांडेंट नियुक्त करने हैं:--

ऋ० सं०	, ,	सहाय ह कमांडेंट के रैंक में श्रो- स्नति की तारोख	केथौसुब यूनिट, जहां प्रोन्नति पर तैनात किए गए
1	2	3	4
	 सर्वश्री		
1.	वी० बी०भ्रार० मगुद	ाम 8-6-84	<b>ग्र्प मुख्या</b> लय,
		(पूर्वाह्म)	कलकत्ता
2.	वी० के० थापा	18-6-84	सी० पी० टी०,
		(पूर्वाह्न)	कलकत्ता
3.	<b>प्र</b> ार्० जय राजन	9-6-84	डी० एस० पी०,
		(पूर्वाह्न)	दुर्गापुर
4.	श्राई० ग्रार्० उपल	31-5-84	<b>ग्रार</b> ० एस० पी०
		<b>(पूर्वा</b> ह्म)	राउरकेला
5.	रिसाल सिंह	23-5-84	ग्राई० जी० मिन्₃
		(पूर्वाह्न)	हैदराबाद
6.	सैमग्रल सम्प्रसन	30-5-84	(दक्षिणीक्षेत्र) प्रशि-
		(पूर्वाह्न)	क्षण रिजर्ब, मद्राम
7.	क्षी०के०झा -	25-5-84	पी० टी० पी० पो०,
		(पूर्वाह्न)	प <sup>रि'#</sup> छा
8.	डो० बो० राज	30-5-84	के० घाई० ग्रो० मो०
		(पूर्वाह्न)	एल० कुदरेमुख
9.	जे० एम० पिल्ले	31-5-84	एन० एफ० एल०
		(पूर्वा <del>ह्</del> र)	पानीपत
10.	राजपाल चड्ढा	30-5-84	बी० सी० मो० एव०,
		(पूर्वाह्न)	झरिया
11.	श्री एन० आर० राव	28-5-84	एफ० बी० पी०
		(पूर्वाह्म)	फरक्का
12.	एस० सी० मेहरा		बी० मी० मी० एल०,
		(पूर्वाह्न)	झरिया
13.	कें० के० सिंह	25-5-84	सी० टी० पी० एस०
		(भ्रपराह्न)	चन्द्रपुरा
		<del></del>	

मं० ई०-32015(3)/4/84-कार्मिक--राष्ट्रपति. श्री सी० ग्रार० सिंह की, प्रोन्नति पर. 9 मई, 1984 के पूर्वात्र में पूर्णतया तदर्थ ग्रीर श्रस्थायी ग्राधार पर छः माह की प्रविध के लिए या नियमित नियुक्तियां हीने तक, जो भी पहले हो, के औसुब यूनिट, कोचीन पोर्ट ट्रस्ट, कोचीन के उप कमां डेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

# विनांक 13 जुलाई 1984

सं० ई०-16014(2)/3/81-कार्मिक--मूल काइर को प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप श्रीश्वार० एम० णर्मा ने 5 मार्च 1984 के श्रपराह्न से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिहली के सहायक महानिरीक्षक (इण्डक्णन व योजना) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-16013(2)/20/84-कार्मिक-प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त होने पर, श्री लिलित भाटिया, भा० पु० से० (पंजाब: 70) ने 5 मई, 1984 के प्रपराह्म से के० श्रौ० सु० व० मुख्यालय, नई दिल्ली में कार्यभार संभाल लिया श्रौर उन्हें के० श्रौ० सु० व० यूनिट, श्राई० पी० सी० एल०, बड़ौदा में तैनात किया गया है जहां उन्होंने 17 मई, 1984 के पूर्विह्म से कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-32015(3) 3/84-कार्मिक—राष्ट्रपित, श्री श्रार० सी० कालिया को, 30 मार्च, 1984 के श्रपराह्न से पूर्णतया तवर्थ श्रीर श्रस्थायी श्राधार पर केवल छः माह के जिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, दोनों में जो पहले हो, श्रोश्नित पर के० श्री० मु० ब० यूनिट, एन० एफ० एन० नंगल के उप कमांडेंट के रूप में नियकत करते हैं।

संव ई०-16013(2)/20/84-कार्मिक--प्रितिनियुक्ति पर नियुक्त होने पर श्री जें एसव बहुन, भाव पुरु से व (पंजाब: 65) ने 12 मई, 1984 के पूर्वाह्म से केंव्र श्री व सुव ब मुख्यालय, नई दिस्ली में कार्यभार संभाल लिया श्रीर उन्हें केव्र श्री व सुव ब यूनिट, बीव सीव मिल्लव, झरिया में तैनात किया गया जहां उन्होंने 26 मई, 1984 के अपराह्म से कमाडिंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

# दिनांक 23 जुलाई 1984

सं० ई०-28017/2/84-सा० प्रणा०-11--स्वैच्छिक नि-यृत्ति पर, श्री एस० के० बनर्जी, ने 22-6-84 के अपराह्म ने के० ग्री० सु० ब० यूनिट, आई०पी० सी० एल० बड़ौदा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> एस० आनन्द राम महानिदेशक के० श्री० सु० ब०

# भारत के महारिजस्ट्रार का कार्यालय नई विस्ली-110011, दिनांक 17 जुलाई 1984

सं 10/5/83-प्रणा०-ा—इस कार्यालय की तारीख 4-4-1984 की समसख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्र-पति, श्री के अर० उन्नी, उप निदेशक (प्रोग्राम) को नई दिस्सी में भारत के महारिजस्ट्रार के कार्यालय में संयुक्त निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अविध की विद्यमान शर्ती पर नारीख 31-8-1984 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

#### 2. श्री उन्नी का मुख्यालय नई दिस्ली में होगा।

सं० 10/6/82-प्रशा० 1—इस कार्याक्य की तारीख 10-4-1984 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुऋम में राष्ट्रपति, सहायक्ष निदेशक (प्रीग्राम) श्री प्रदीप मेहरा की नई दिल्ली में भारत के महारिजस्ट्रार के कार्यालय में उप निदेशक (प्रीग्राम) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अविधि को तारीख 31-8-1984 तक या जहां तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविधि पहले हो, विद्यमान शर्ती पर सहर्ष और बकाते हैं।

# 2. श्री मेहरा का मुख्यालय दिल्ली में हीगा।

# दिनांक 21 जुलाई 1984

सं० 11/11/80-प्रशा०-1--राष्ट्रपति, लेखा परीक्षा निदेशक, सी० डब्ल्यू० एण्ड एम० के० कार्यालय की कलकत्ता शाखा में लेखा अधिकारी के पद पर कार्यगत श्री एम० के० भट्टाचार्य की पिष्ट्यम बंगाल, कलकत्ता स्थित जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 1 जून, 1984 (पूर्वाह्म) सेएक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तद पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानतंत्रण द्वारा पूर्णतः अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर सहायक निवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 11/11/82-प्रणा०-1--राष्ट्रपति, निम्नलिखिस अन्वेपकों को उनके नामों के मामने दिशत कार्याक्लयों में सहायक निदेणक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को तारीख 31 अगस्त, 1984 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अवधि पहले हो, सहर्य बढ़ाते हैं:---

 ক		कार्यालय जिसमें कार्यरत है
सं०		
1	2	3
	सर्वश्री	
1.	রীত সাহত অসা	जनगणना कार्य निदेशके,बिहार, पटना
2.	एम० के० मुखर्जी	जनगणना कार्य निदेशक, उड़ीसा, भवनेश्वर
3.	एम० विद्यासागर	जनगणना कार्य निदेशक, मध्य प्रदेश, भोपाल
4.	वी० पी० कटारिया	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
5.	पी० एन० सिन्हा	जनगणना कार्य निदेशक, बिहार, पटना
6.	ए० एल० दास	जनगणना कार्य निवेशक, बिहार, पटना
7	. पी० वी० जेम्स	अनगणना कार्य निदेशक <i>,</i> ल <b>क्षद्वी</b> प

1 2	3
सर्व श्री	
8. जी० एम० डी० लोणे	जनगणना कार्य निदेशक, <b>महा</b> - राष्ट्र, बम्बई
<ol> <li>आर० एस० पाण्डे</li> </ol>	जनगणना कार्य निदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
10. एन० सी० सेन	जनगणना कार्य निदेशक, पश्चिम वंगाल, कलकत्ता
11. बी० एल० सरमा	जनगणना कार्य निदेशक, नागालैंड, कोहिमा
12. डी०पी० जैन	जनगणना कार्य निदेशक, संघ राज्य क्षेस्र चण्डीगढ़
<ol> <li>जी० डी० सिगला</li> </ol>	जनगणना कार्य निवेशक, हरियाणा

2. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्तियां संबंधित अधि-कारियों को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनिकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रधान नहीं करेंगी। तदर्थ आधार पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता श्रीर आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर नदर्थ नियुक्तियों को नियुक्त प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

> बीं० एस० वर्मा, भारत के महारजिस्ट्रार

# श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

#### श्रम ब्यूरो

शिमला, दिनांक ४ अगस्त 1984

सं. 23/3/84-सी.पी.आई---जून, 1984 में औद्योनिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मई, 1984 के स्तर से बारह अंक वढ़ कर 574 (पांच सी चाहतार) रहा। जून, 1984 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 698 (छ: सी अट्ठानवें) आता है।

जितन्त्र नाथ शर्मा संयुक्त निवक्तिक श्रम स्युरो

# वित्त मंद्रालय आर्थिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 13 जुलाई 1984

नस्ती अमांक बी० एन० पी०/सी०/5/84-श्री एम० बी० वेशमुंख, स्थायी नियंत्रण निरीक्षक को स्थानापन्न रूप से उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर ४५ए 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह "ख" राजपितत) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में दिनांक 5-7-84 (पूर्वाह्र) से अन्य आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जाता है।

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/मी०/5/84---इस कार्यालय की अधिसूचना मं० बी० एन० पी०/मी०/5/82 दिनांक 3-11-82 के अनुक्रम में श्री ए० के० रस्तोगी, की तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर की गई नियुक्ति की अविधि दिनांक 2-5-84 तक उन्हीं शतीं एवं प्रतिबन्धों पर श्रीर बढ़ाई जाती है।

# दिनांक 13 जुलाई 1984

नस्ती कर्मांक बी० एन० पी०/जी०/7/84—इस कार्यालयकी समसंख्यक ग्रिध्यूचना दिनांक 26-2-84 में श्रांणिक संगोधन करते हुए श्री एस० बी० देशमुख, स्थायी नियंत्रण निरीक्षक की बैंक नोट मुद्रणालय, देशास में उप नियंत्रण श्रिधकारी, वेतनमान ए० 650-1200 (समूह "ख" राजपत्नित्) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न नियुक्ति की श्रवधि दिनांक 20-3-84 से 13-5-84 के स्थान पर दिनांक 20-3-84 से 18-4-84 पढीं जाये।

# दिनांक 14 जुलाई 1984

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/सी० 5/84—श्री एस० बी० खाड़िलकर, स्थायी नियंत्रण निरीक्षक को स्थानापन्न रूप से उपनियंत्रण अधिकारी के पद पर रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह "ख" राजपित्रत) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में दिनांक 13-7- 4 (पूर्वाह्र) से श्रन्य श्रागामी श्रादेशों तक नियुक्त किया जाता है।

मु० वै० चार महा प्रबन्धक

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 जुलाई 1984

मं० प्रणा०--1 का० ग्रा० मंख्या /147--निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रिधकारियों को 840-1200 रुपए के समयमान में उनके ग्रागे दर्णायी गई तारीख से स्थायी रूप में नियुक्ति करते हैं।

零。	नाम	स्थायीकरग	की नारोख
सं०			
1. 8	ी सी० एल० ग्ररोड़ा		13-6-84
2. 8	ो फ्रो० पी० मलिक		1-7-84

विजया मूर्ति उपनिवेशक लेखा परीक्षा (प्र०) नई विल्ली-110002 दिनांक 20 जुलाई 1984

सं० प्रशा० 1/का० भा० सं० 148—वित्त मंसालय (व्यय विभाग) के पक्ष संख्या ए-39020/14/84—ई० डी०-1 दिनांक 3 जुलाई, 1984 में दी गई शतौं पर इस कार्यालय के श्री श्रार० एस० शर्मा सहायक लेखापरीक्षा श्रीधकारी को भारत हैवी विद्युत लिमिटेड, नई दिल्ली में दिनांक 8-5-1984 (पूर्वाह) से स्थायी कुप में समाविष्ट कर लिया गया है।

इसमें भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के पत्र सं० 2013-एन० 3/20-84-II दिनांक 5-7-84 द्वारा प्रदक्त भारत सरकार का श्रनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है।

> विजया मूर्ति संयुक्त निदेशकले० प० (प्र०)

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० प्रशासन—III/2(1)/VIII/47——निदेशक लेखा परीक्षा, वाणिज्य, निर्माण कार्य एवम् विविध, नई दिल्ली, निम्नलिखित ग्रनुभाग ग्रधिकारियों/सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारियों को उनके नाम के सामने दर्शायी गई तिथि से ६० 840—40—1000— व० रो०—40—1200 के वेतनमान में ग्रनन्तिम ग्राधार पर ग्रस्थायी लेखा परीक्षा ग्रधिकारियों के रूप में, पदोन्नत करने का श्रादेश देते हैं।

सं० नाम	पदोन्नति की तिथि
सर्वश्री	
1. एस० के० भट्टाचार्य	16-3-1984
2. सुप्रिय मित्रा	16-3-1984
3. के० सी० ग्रग्निहोत्री	30-4-1984
4. एस० सी० दत्ता	4-5-1984
5. एम० के० जैन	30-6-1984
6. एम० एम० भारक्षाज	30-6-1984

भ्र० क० पटनायक, उप निदेशक (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, ग्रांध्न प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1984

सं० प्रशा०I/8-132/84-85/80—महालेखाकार लेखा-परीक्षा) श्रांध्र प्रदेश, हैदराबाव के कार्यालय में लेखापरीक्षा प्रधिकारी सर्वश्री एस० सुब्रह्म यम-II जी० श्रार० शर्मा श्रौर बी० मागेश्वरराव विनांक  $30 \pm 6-84$  (श्रपराह्म) से सेवानिवृक्त हुए हैं।

न० रामस्यामी वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन) कार्यालय, महालेखाकार (लेखापरीक्षा) गुजरात श्रहमदाबाद-380001, दिनांक 10 जुलाई 1984

सं ं स्था० (ए) जी० भ्रो०/3(39)/888— महालेखाकार (लेखापरीक्षा) गुजरात श्रहमवाबाद के निर्णय के भ्रनुसार श्री एच० बी० राणा, श्रनुभाग श्रधिकारी (लेखापरीक्षा) को कार्यालय, महालेखाकार, गुजरात, श्रहमदाबाद में स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी के एप में तारीख 19-4-84 पूर्वाह के भ्रगले भ्रादेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

उपरोक्त नियुक्ति भ्रस्थायी है भीर 1984 की विणेष सिविल भ्रावेदन पत्न सं० 388 से माननीय गुजरात उच्च न्यायालम् के निष्कर्ष की शर्त पर की जाती है।

> वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासही कार्यालय, महालेखाकार (लेखापरीक्षा) गुजरात-श्रहमवाबाद-380001 ।

कार्यालय, महालेखाकार (लेखापरीक्षा) केरल तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 18 जुलाई 1984

सं० महालेखाकार लेखापरीक्षा/हकदारी एवं रोकड़/1-10-3/84-85---महालेखाकार का कार्याक्षय, केरल (लेखा-परीक्षा) तिच्वनन्तपुरम, के निम्नलिखित लेखा परीक्षा प्रधिकारी, प्रधिविषता के कारण, उनके नाम के सामने लिखित तारीख से सेवानियृत्त हो गये हैं।

1. श्री एम० के० शंकर-	ले <b>खापरी</b> क्षा	30-6-84
नारायणन '	स्रधिकारी	
2. श्री टी० बी० कृष्णन कुट्टि	लेखापरीक्षा	30-6-84
	प्रधिकारी	
<ol> <li>श्री एम० भ्रार० गोविन्दन्</li> </ol>	लेखापरीक्षा	30-6-84
	ग्रधिकारी	
		سے ہے۔۔۔۔ نیاز سے دیا ہے۔

वि० लक्ष्मीनारायणन महालेखाकार

महालेखाकार का कार्यालय उत्तर प्रदेश इलाहाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1984

सं० प्रशा०/ए० जी० (ग्रीडिट)/1/13-7/364--- निम्न-लिखित लेखा परीक्षा श्रधिकारी, निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर दिनांक 30-6-1984 (ग्रपराह्म) को सेवानिवृत्त हो गये :---

- 1. सर्वश्री जी० एम० भागिया
- 2. "जगदीश नरायण खन्ना

वी० के० चटोपाध्याय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

#### लेखा परीक्षा निदेशक का कार्याक्षय

पुरुसीर जैलखे

मालीगाव, दिनांक 16 जून, 1984

मं० 37—-श्री ए० के० बोधुरी, मेक्शन अफमर को, जो एन० आई० बी० (गृह मंत्रालय) भारत सरकार, तेजपुर में प्रति-नियुक्ति पर प्रवर लेखायाल के रूप में काम कर रहे थे, अगले आदेश तक दिनांक 1-3-84 से तिन्तम्न नियम के अधीन 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040-६० के वेतनमान में सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में प्रोफार्मा पदोन्नित वी गयी है।

श्रार० ए० कोरकर लेखा परीक्षा निदेशक

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा, नई दिल्ली-110001, दिन:क 18 जुलाई 1984

भः 1720/ए-प्रशासन/130/82-84--निदेणक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली, निम्नलिखित प्रावरण वर्ग अनुभाग अधिकारियों/ अभिकारियों (श्राडिट) को उनके सामने शंकित तिथि से सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में 650-30-74०-35-880-

क सं नाम	पदनाम	कार्यालय जहां नियुक्ति की गई हैं	नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री—–			
1. ग्रार० सी० गुप्ना	त्रनुभाग ग्रधिकारी (म्राडिट)	संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा	
		सेवाएँ, पश्चिमी कमान चण्डीगढ़ ।	1-3-84
2. वी० जयरमन	प्रावरण वर्ग श्रनुभाग श्रधिकारी	मुख्यालय नई दिल्ली	
	(भ्राडिट)		1-3-84
<ol> <li>एम० ग्रार० रामाचन्द्रन</li> </ol>	यथोपरि	सहायक निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा	
		सेवाएं, बंगलोर ।	2-3-84
4. बी०एल०देव	धनुभाग म्रधिकारी (श्राडिट)	संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं,	
		पूर्वी कमान, पटना ।	1-3-84
5. मदन लाल	यथोपरि <del>-</del>	लेखा परीक्षा श्रधिकारी रक्षा सेवाएं	
		जलंधर ।	1-3-84
<ol> <li>पी० सी० मिल्रा</li> </ol>	−−यथोपरि <b>−−</b>	लेखा परीक्षा ग्रधिकारी रक्षा सेवाएं	
		(थल सेना) कलकत्ता ।	1-3-84
7. डी० एन० पन्स	<i>−−य</i> थोपरि	मुख्यालय नई दिल्ली	1-3-84
8. के० ए० <b>देव</b> सिया	यभोपरि	संयुक्त निवेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं	_
	40	दक्षिणी कमान पूना ।	1-3-84
9. एन० विण्यनाथन	—ययोपरि—"	निर्देशक लेखापरीक्षा (ब्रायुध फैक्टरियां)	
	, 7 ***-	कलकसा ।	1-3-84
10. डी० पी० गुप्ता	यथोपरि	मुख्यालय नई दिल्ली	1-3-84
11. श्रार० सी० तलवार	—–य <b>धो</b> परि <b>—</b> ्रँ	—यथोपरि—	1-3-8
12. के० सेथुमाधवन	य <b>थोपरि</b>	~∸यथोपरि <b>-</b>	1-3-8
13. एस० एस० गुप्ता	<del></del> यथोपरि	—-यथोपरि	1-3-8
14. राम बाबू भ्रम्भवाल	यथोपरिःॄै	—-यथोपरि	1-3-8
15. के० नटराजन	−−यथोपरि	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (ब्रायुध	
•	-	फैक्टरियां) कानपुर ।	19-3-8
16. ग्रुरुण कान्ति बनर्जी	प्रावरण वर्ग स्रनुभाग स्रधिकारी	संयुक्त निर्देशक लेखापरीक्षा रक्षा मेवाएं,	
TO STATE OF COLOR	(म्राडिट)	पूर्वी कसान पटना ।	1-3-8
17. एम्० २,७ में ९ हर्	—–यथोपरि⊸	सहायक निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवा	
The Adams of the Control of the Cont		मद्रास ।	: 13-3-8

(1	) (2)	(3)	(4)	(5)
	 सर्वश्री			
18.	रंजीत कुमार चटर्जी	प्रावरण वर्ग प्रमुभाग प्रक्षिकारी	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा	
	-	(ग्रा <b>ब</b> ट)	सेवाएं, पूर्वी कमान, पटना ।	1-3-84
19	. के० बी० नटराजन	−–यथोपरि <del>−</del>	संयुक्त निदेक भेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं	
			्(नौसेना) बम्बई ।	1-3-84
20	. कें ० के ० मजूमदार	ग्रनुभाग <b>प्रधिकारी (बा</b> डिट)	संयुक्त निवेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	
		,	पूर्वी कमान पटना ।	1-3-84
21	. एम० सी० पन्त	यथोपरि <del></del>	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (आयुध	
			फैक्टरियो) जबलपुर ।	1-3-84
22.	् ए० घोष	−−यथोपरि"	लेखापरीका ग्रधिकारी रक्षा सेवाएं,	
		-	(पेंशन) इलाहाबाद ।	3-87
23.	- भ्रलोक भट्टाचार्य	—यथोपरि <del>—</del>	मुख्यालय नई दिल्ली	-1. T84
24.	श्रार० एन० बंधोपाघ्याय	—यथोपर <del>ि —</del>	भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक के	
			कार्यालय में प्रतिनियुक्ति ।	1-3-84
25.	एम० के० श्रद्भाइए	ग्रनुभाग श्रधिकारी (ग्राडिट)	लेखापरीका श्रधिकारी रक्षा सेवाएं	
			(भ्रायुध फैक्टरियां) किरकी ।	1-3-84
26.	. घसीटासिंह	यथोप'रि <b></b> -	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा	
			सेवाएं, मध्य कमान मेरठ ।	1-3-84
27.	डी० के० श्रीदास्तव	यथो <del>परि</del>	ले <b>खापरीक्षा ग्रधिकारी</b> रक्षा सेवाएं	
			(पेंगन) इलाहाबाद	1-3-84
28.	ए० के० मिश्रा	यथोपर <del>ि</del>	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रायुध	
			फैक्टरियां) कानपुर ।	1-3-84
29.	एम० एन० मुखर्जी	प्रावरण वर्ग अनुभाग श्रधिकारी	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं	
	·	(भ्राडिट)	(नौसेना) बम्बई ।	1-3-84
30.	सी० के० पाडूरंगा राव	यथोपर <del>ि</del>	सहायक निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा	
	0		सेवाएं, बंगलौर ।	1-3-84
31.	ए० एन० मुखर्जी	यथोपरि <b></b>	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	1 17 04
• -	, , ,		पूर्वी कमान, पटना ।	1-3-84
32.	ग्रोम प्रकाण~I	त्रनुभाग ग्रधिकारी ( <mark>ग्रा</mark> डिट)	लेखापरीक्षा श्रधिकारी रक्षा सेवाएं	1 0 04
, , , , ,		,	(उत्तरी कमान) जम्मू ।	1-3-84
93.	- जी∌ः रामाचन्द्रन	यथोपरि- <del></del> -	संयुक्त निदेशक लेखागरीका रक्षा मेवाएं	1-3-64
50,	-112.	, , , , ,	(विक्षणी कमान) पूना ।	1 2 9.4
34.	ए० के० ग्रधिकारी	यथोपरि	निर्दे <del>णिक लेखा-</del> मरीक्षा (श्रायुध फैक्टरियां)	1-3-84
<b>0</b> 1.	3- 611-1-1-1	,,	कलकता ।	1-3-84-
35.	टी० के० चक्रवर्ती	<b></b> य <b>थो</b> परि	यथोपरि <u>"</u>	1-3-84
	मी० एम० एम० बी० रतना स		लेखा परीक्षा श्रधिकारी रक्षा सेवाएं	1-3-84
<i>5</i>	, , , , , , , , , , , , ,		श्रायुध (फैक्टरियां) श्रावडी	1-3-84
37.	बी० के० <b>ख</b> म्ना	वर्थापरि	लेखापरीक्षा श्रधिकारी रक्षा सेवाएं,	1-5-64
07.		, , , , , ,	दिल्ली छावनी ।	1 2 0 4
38	तुनसी दास	यथोपरि	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं.	1-3-84
<i>J</i> G.	÷ · ·	-	(ब्रायु सेना) । दिहरादून ।	1 0 04
20	सत नारायण सिंह	यथोपरि	(अध्यु समा) - १ - पहुरापूर्य । मुख्यालय, नई दिल्ली ।	1-3-84
	पी० राजागोुदालन नायर	⊸-यथोपरि	सं <mark>युक्त निदेशक लेखाप</mark> रीक्षा रक्षा सेवाएं	1-3-84
* <b>t</b> () -	April Stock (Marketin Stock)	,	(नीसेना) बम्बई ।	1.004
41	एस० पी० श्रीवास्तव	य <b>णो</b> परि <b></b> "	मुख्यालय न <b>र्द</b> दिल्ली	1-3-84

(1) (2)	(3)	(4)	(5)
 सर्वधी			
42. <b>प्र</b> णीम कुमार सेनगृष्ता	अनुभाग अधिकारी (ग्राडिट)	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (ग्रायुध	
		फैक्टरियां) कलकत्ता ।	1-3-84
43. एन० डी० साहा	यथोपरि	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं	
		(पूर्वी कमान) पटना	1-3-84
44. एम० सी० गुप्ता	यथोपरि	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं	
		(वायु सेना) देहरादून ।	1-3-84
45. मदन मोहन लाल	−–यथोपरि−–	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं	
2 6	5.6	(पश्चिमी कमान्) चण्डीगढ	1-3-84
46. रनवीर सिंह	-—यथोपरि	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (श्रायुध)	
,	2.0	फैक्टरिया) कानपुर ।	1-3-84
47. चमन लाल श्रोबराय	—-यथोपरि <del></del>	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	
6 >	->-C-	(पश्चिमी कमान) 'चण्डीगढ़।	12-3-84
48. इश्वर सिंह रामणे	<del>-</del> यथोपरि	— <b>यथोपरि</b> —	1-3-84
49. बी० एस० मिश्रा	यथोपरि	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं	1 0 04
	<del>-&gt;-C</del> -	(पूर्वी कमान) पटना ।	1-3-84
50. भ्रानन्दी प्रसाद यादव	यशोपरि <b></b> -	–यथोपरि <del></del>	1-3-84
51. ग्रार० ग्रार० सोनी	यथोपरि	संयुक्त निवेशक लेखापरीक्षा (ग्रायुध	1 2 0 4
52. हार्ड तिरु <b>मै</b> लाई	-—यथोपरि	फैक्टरियां) जबलपुर ।	1-3-84 1-3-84
	यथापार यथोपरि	मुख्यालय नई दिल्ली संगुलक जिल्लाम सेक्स्परिक उसके केक्समं	1-3-64
53. जनार्देन प्रसाद सिंह		संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं (पूर्वी कमान) पटना ।	1-3-84
5.4 के गोपालाकुष्णन	थथोपरि	(पूर्वा कमान) पटना । संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	1-3-84
२.१ कार्यातालाक्षेत्र्यं		दक्षिणी कमान) पूमा।	1-3-84
55. एन <b>े वी</b> ० दानी	्र प्रावरण वर्ग <b>भ्रनुभाग ग्रधिकारी</b>	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं	1 5 64
३३, एन० पार पाना	प्राप्तरण प्रमुखाय आवसारा (म्राडिट)	(नीसेना) बम्बई।	1-3-84
, 56. एन० एस० वर्मा	प्रताउँ) प्रनुभाग मधिकारी (म्राडिट)	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं.	
	3/g/11/ 4/4/11/11 (4/105)	मध्य कमान मेरठ।	1-3-84
57. जगत सिष्ठ	वर्थोपरि	यथोपरि	1-3-8
58. वी० रामामूर्ति	<del>∽-</del> यथोपरि	सहायक निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	
		(वायु सेना) बंगलौर ।	2-3-8
59. भ्रार० के० शंगारी	यथोपरी	संयुक्त निवेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	
		मध्य कमान, भेरठ ।	1-3-8
60. जगदीम राज		मुख्यालय, नई दिल्ली ।	1-3-8
61 काली चरन	यथोपरि <del></del>	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	
		पश्चिमी कमान, चण्डीगढ़।	12-3-8
62. भवानी लाल वर्मा	––यथोपर <del>ि−−</del>	मुख्यालय, नई विल्ली	1-3-8
63. पी० भास्करन	—यथोपरि	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	•
,		मध्य कमान मेरठ ।	1-3-8
64. के० सुद्रामनियन	<b>य</b> थोपरि	सहायक निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	1-3-8
· -		मद्रास	
65. षी० फिलिप	—यथोपरि—	—-यथोपरि	1-3-84
66. एल <b>० जे० एफ० ना</b> विस	यथोपरि	यथोपयरि <del></del> -	1-3-8
67. रामेश्वर दयाल	यथोपरि	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं	
		मध्य कमान भेरठ ।	1-3-8
68. एस <b>० एन० दधीच</b>	<b>—्यधो</b> परि—	ं ––यथोपरि-–	1-3-8

	(1) (2)	(3)	( 1)	(5)
	सर्वश्री			
	69. एस <b>० रंगाचा</b> री	प्रावरण वर्ग ग्रनुभाग ग्रधिकारी	सहायक निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं	
		(म्राडिट)	मद्रास ।	1-3-84
	70. के० एन० ग्रय्यपन	ग्रनुभाग ग्रधिकारी <i>(</i> ग्राङिट)	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	
		-	(नौसेना) बम्बई ।	1-3-84
	71. जे॰पी॰ व्रिपाठी	—–यथोपरि <del>⊸–</del>	मुख्यालय नई दिल्ली ।	1-3-84
	72. यू० गोपीनाथन	−–यथोपरि <del>−</del>	'संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	
			दक्षिणी कुमान पूना ।	1-3-84
	73. हंस राज अहूआ	य <b>थो</b> परि <b></b> -	संयुक्त निदेशक लेखापरीका रक्षा सेवाएं,	
			(वायु सेना) देहरादून ।	1-3-84
	74. डी० श्रीनियासन	प्रावरण वर्ग ग्रनुभाग ग्रधिकारी	मुख्यालय, नई दिल्ली	
		(भ्राडिट)		1-3-47
	75. प्रेम नाथ हान्डा	—यथोपरि—	—यथोपरि—	1-3-84
	76. के० थी०रमन	–यथोपरि <del>-</del> –	लेखापरीक्षा प्रधिकारी दिल्ली छावनी ।	1-3-84
	77. एस० सी० देणपांडे	—यथोपरि—	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	
			दक्षिणी कमान पूना ।	1-3-84
	78. सुकुमार बोस	ग्रनुभाग ग्रथिकारी (भ्रा <u>डि</u> ट)	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	5 2 0 4
	79. एन <b>ः रामाचन्द्र</b> न	—यथोपरि—	पूर्वी कमान पटना । संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं	5-3-84
	७५ ९५० रामायक्रम	—44141 <del>1. —</del>	संयुक्त । नवशक लखापराचा रका सवाए (नौसेना) बम्बई ।	14-3-84
	80. एस०रामास्वामी	⊸यथोपरि	(नातना) अन्यक् । सहायक निवेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	14-3-64
	<b>७</b> ०. ९५० समास्यामा	,	(वायु सेना) बंगलौर ।	1-3-84
	81. देविन्द्र सिंह	वयोपरि	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	1-3-64
	51. 414.X17.10		पश्चिमी कमान, चण्डीगढ़ ।	1-3-84
	82. सभाष रंजन राय	—यथोपरि—	लेखापरीक्षा श्रधिकारी (श्रामी) कलकसा	
	83. कमल सक्सेना	यथोपरि	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	
			मध्य कमान मेरठ ।	1-3-84
	84. बी० एम० भट्टाचार्य	—यथोपरि—	लेखापरीक्षा भ्रधिकारी रक्षा सेवाएं	•
			(उत्तरी कमान) जम्मू ।	1-3-84
	e e			
	85. बाबू लाल	यथोपरि	संयुक्त निवेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	
			पश्चिमी कमान चण्डीगढ़ ।	1-3-84
	86. ग्रार० बी० बोरोतीकार	—्यथोपरि—	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	
			दक्षिणी कमान, पूना ।	1-3-84
	87. राम बसावन सिंह	—्ययोपरि—	लेखापरीक्षा ग्रधिकारी रक्षा सेवाएं,	
			(पेंशन) इलाहाबाद	1-3-84
	88. विजय कुमार	<del></del> यथोपरि	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	
			पण्चिमी कमान, चण्डीगढ़ ।	1-3-84
	89. लाडली सरन	−−य <del>यो</del> परि <b>−−</b>	लेखापरीक्षा ग्रिकारी रक्षा सेवाएं,	
	AA 800 TT TT	<b>य</b> थोपरि <b>-</b> -	विभाग । लेखापरीक्षा श्रघिकारी रक्षा सेवाएं	1-3-84
	90. श्रार० एन० राम			1 2 0 4
	91. के० एन० वेन्कटारमन	<del></del> -यथोपरि	(पेंगन) इलाहाबाद । संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	1-3-84
	<b>अ</b> . कि० एन० अस्कदारमन	<del></del> 44141 <i>-</i>	सबुक्त । नदशक लखापराका रका सवाए, (नौसेना) बम्बई ।	1-3-84
	92. पी० के० चक्रवर्ती	यथोपरि	(पासपा) अस्थर । लेखापरीक्षा <b>ग्रधिकारी रक्षा सेवा</b> एं,	1-3-04
	972. মাত্মাত স্কংপ্∖া	41111	्रार्मी), कलकत्ता ।	1-3-84
p 4-	ووجم مطاوع فللمشاف فسنست الموادم والمهادوي بالمارية المساب المستموا والماري المراب	V. 10-10-10-10-10-10-10-10-10-10-10-10-10-1	AILILY ANDREIT	1-0-04

(1) (2)	(3)	(4)	(5)
सर्वश्री			
93. एस० के० झा	ग्रनुभाग ग्रधिकारी (ग्राडिट)	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं, (ग्रायुध फैक्टरियां) कलकत्ता ।	1-3-84
94. एस० एल० गुप्ता	—यथोपरि—	संयुक्त निवेशक लेखा परीक्षा (ग्रायुध फैक्टरिया) कानपुर ।	1-3-84
95. कारथ उन्नी कृष्णन मेनन	यथोपरि- <del>-</del>	सहायक निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं, (वायु सेना) बंगलौर ।	1-3-84
96. श्रो०पी० विशष्ट	—-यथोपरि	लेखापरीक्षा भिष्ठकारी रक्षा सेवाएं (उत्तरी कमान) जम्मू ।	1-3-84
ं 97. कुलदीप सिंह	यथोपरि- <del></del> -	लेखापरीक्षा श्रधिकारी रक्षा सेवाएं, दिल्ली छावनी ।	1-3-84
98. मनोहर लाल	यथोपरि	लेखापरीक्षा ग्रधिकारी रक्षा सेवाएं, उत्तरी कमान, जम्मू ।	1-3-84
99. ए० ए० जोस	मथोपरि <b>-</b>	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं (नौसेना) बम्बई ।	
100. ए० के० भौमिक	बथोपरि	(पारता) जन्दर । संयुक्त निवेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं, (ग्रायुध फैक्टरियां) कलकत्ता ।	1-3-84
101. एन० के० सहगल	—यथोपरि—	र्भाषुव क्षयार्था) क्षयार्था । संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं, मध्य कमान मेरठ ।	1-3-84
102 गबर सिंह नेगी	—-यथोपरि	मध्य कमान नर्छ । संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं, मध्य कमान, मेरठ ।	
103. रिष्ठ पाल सिंह	—यथोपरि —	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	1-3-84
104. राम निवास त्यागी	—-यथोपरि	पश्चिमी कमान, चण्डीगढ़। संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	19-3-84
105. शिवध्रत घोष	—-यथोपरि	मध्य कमान, मेरठ। निवेशक लेखापरीक्षा (भ्रायुध फैक्टरियां)	1-3-84
106. के०पी० शर्मा	—-यथोपरि	कलकत्ता । भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक के	1-3-84
107. के० लक्ष्मी नारायनन	प्रावरण वर्ग भ्रनुभाग भधिकारी	कार्यालय में प्रतिनियुक्त । सहायक निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	1-3-84
108. ए० के० चकवर्सी	(ग्राडिट) यथोपरि	मद्रास । संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाए,	1-3-84
109. हरि श्रोम सोंधी	—-यथोपरि	दक्षिणी कमान पूना । मुख्यालय, नई दिल्ली ।	1-3-84 1-3-84
110. समीर कुमार मैत्रा	<b>घनुभाग भ्र</b> धिकारी (म्राडिट)	निदेशक लेखापरीक्षा (ग्रायुध फैक्टरियां) कलकत्ता ।	1-3-84
111. सुनील कुमार बिसवास	यथोपरि	सयुक्कत निदेशक लेखापरीक्षा (श्रायुध फैक्टरिया) कलकत्ता ।	1-3-84
112. मो० इण्राट नसीम	यथोपरि	लेखापरीक्षा ग्रधिकारी रक्षा सेवाएं	1 0 04
113 श्रीमती चित्रा मित्रा (राय)	—-यशोपरि−	(पेंशन) इलाहाबाद । संयुक्त निवेशक लेखापरीक्षा (श्रायुध	1-3-84
चौघरी		फैक्टरियां) अवलपुर ।	5-3-84

(1) (2)	(3)	(4)	(5)
सर्वश्री			
114. भरण कुमार चटर्जी	श्रनुभाग श्रधिकारी (श्राडिट)	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (श्रायुध फैक्टरियां) कलकत्ता ।	13
115. सुदर्शन सिंह	यथोपरि <del></del>	लेखापरीक्षा भधिकारी रक्षा सेवाएं. उत्तरी कमान, जम्मू ।	1 3
116. भनिल कुमार	यथोपरि- <del></del>	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं, (वायु सेना) वेहरादून ।	1-3-
117. त्रमोक कुमार रैना	यथोपरि- <del>-</del> -	लेखापरीक्षा प्रधिकारी रक्षा सेत्राएं (उत्तरी कमान) जम्मू ।	1-3-
118. केवल कृष्ण चुग	—यथोपरि—	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं, पश्चिमी कमान, चण्डीगढ़ ।	1-3-
119. शशी भूषण राय	यथोपरि- <del></del>	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाए. पूर्वी कमान, पटना ।	13-
120. शमीन ग्रहमद खान	यथोपरि	—्यथोपरि	1-3-
121. एम० ई० सिद्दीकी	—-यथोपरि	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (भ्रायुध फैक्टरियां) जबलपुर ।	1-3-
122. प्रम चन्द घोष	—-यथोपरि' <del></del>	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (श्रायुध फैक्टरियो) जबलपुर ।	1~3-
123 नलनी रंजन घोष	यथोपरि	संयुक्त निवेशक लेखापरीक्षा (खाद्म) कलकत्ता (प्रतिनियुक्त)	1~3-
124. राम रंजन प्रसाद वर्मा	—यथोपरि <del>—</del>	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं, पूर्वी कमान पटना ।	1~3~
125. एस० हरिहरन	ययोपरि	सहायक निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाए, (वायुसेना) बंगलौर ।	1-3-
126. निर्मल कुमार त्यागी		लेखापरीक्षा ग्रधिकारी रक्षा सेवाएं, दिल्ली छावनी ।	1-3-
127. वी॰ समानाथन	—यथोपरि—	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं, दक्षिणी कमान पूना ।	1-3-
128. के० सी० कुरुविला	यथापार	संयुक्त निर्देशक लेखापरीक्षा (प्रायुध फैक्टरियां) जबलपुर ।	1-3-
129. एन० सुन्द्राराजन 130. भार० एस० बालाजी	यथोपरि- <b></b>	लेखापरीक्षा भ्रधिकारी रक्षा सेवाएं, (श्रायुध फैक्टरियां) श्रावडी ।	1-3-
130. भारे एसे बालाजा 131. बहाबुर सिंह रंखात्रा	. —-यथोपरि—- —-यथोपरि	सहायक निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाए. मद्रास । लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी रक्षा सेवाएं,	1-3-
131. वहापुर तिह स्वापा 132. एस० विश्वनाथन	यशोपरि	लखा पराका आवकारा रका समाए, जलंधर । संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,	1-3-
133. एन० ग्रार० नारायनन	यथोपरि	दक्षिणी कमान पूना ।यथोपरि	1-3-
134. एम <i>०</i> श्रीधरन	यथापरि यथोपरि	यथापार संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा मेवाएं.	1-3-
134. एमण् श्रावरन 135. गंगा दास		(नौसेना) बम्बई ।	1-3-
	यथोपरि <del></del>	लेखापरीक्षा ग्रधिकारी रक्षा सेवाएं, (पेंशन) इलाहाबाद ।	1-3-
136. एस० मुखर्जी	यथोपरि	मुख्यालय, मई विल्ली ।	1-3-

	(1) (2)	(3)	(4)	(5)
	सर्वेशी	,		<del></del>
	137. महेन्द्र प्रताप	ग्रनुभाग ग्रधिकारी ( <mark>श्राडि</mark> ट)	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं,	
		,	(नौसेना) बम्बई ।	1-3-84
,	138 सुशील रंजन राय	यथोर्पार	लेखापरीक्षा प्रधिकारी (ग्रामी),	
	-		कलकत्ताः ।	1-3-84
	139. सी०पी० दुश्रा	—-यथोपरि	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं.	
	•		(बायु सेना) देहरादून ।	1-3-84
	140. के० एन० प्रसाद	यथोपरि	थयुक्त निदंशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाए,	
. 150	•		पूर्वी कमान, पटना ।	1-3-84
	141. श्रार० बी० मिश्रा	<b>य</b> थोपरि	े लेखापरोक्षा ग्रधिकारी, रक्षा सेवाएं (पेंशन),	
			इलाहाबाद ।	1-3-84
	1 ∔2. जोती राम	यथोपरि	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं,	
	,	,	पश्चिमी कमान, चण्डीगढ़ ।	1-3-84
	143. वी० रामाचन्द्रन	यथोपरि	लेखापरीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाएं,	
	2 70 11 (1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1		विस्त्री छावनी ।	1-3-84
	144. पी० क० भट्टाचार्जी	—-ंयथोपरि	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, (श्रायुध	1 5 64
	Take the last age that	7.11 (1.5)	फैक्टरियां) कलकत्ता ।	1-3-84
	145. एस० एस० सेनगुप्ता		लेखापरीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाए	1 3 04
	140. 74. 24. 44.64	33(1)	(नौसेना), विभाग ।	1-3-84
	146. ए० के० चलील	−-यथापरि	संयुक्त निर्देशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं,	1-3-64
	(40. Co 40.40.1)	બાળા (ગા (	दक्षिणी कमान, पूना ।	1-3-84
	147. पी० एस० राम गर्मा	यथोपरि	लेखापरीक्षा ग्रधिकारी, (ग्रायुध	1-3-64
	147. पाठ एसण राम शना		र्णनाराका आजगराः (आयुद फैक्टरियां) अम्बाझारीः ।	1 0 04
	148. सी० जी० एस० पानीकर	यथोपरि	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं,	1-3-84
	148. सार्व जारु एसरु पानाकर		दक्षिणी कमान, पूना ।	
	149. पी०पी० मोहनन		दाक्षणा कमान, पूना । यथोपरि	1-3-84
	•	यथोपरि यथोपरि		1-3-84
	150. सुभाष चन्द्र	यथापार	सयुक्त निदंशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाए,	
			(वायु सेना), वहरादून ।	1-3-84
	151. एस० बासू राय	−यघो ारि	लेखापरीक्षा प्रधिकारी, रक्षा सेवाएं	
	<u> </u>	> .c.	(पेंशन), इलाहाबाद ।	1-3-84
	152. जे० एम० गाडखिन्दी	<b>-</b> ययोपरि	लखापरोक्षा श्रधिकारी, रक्षा सेवाएँ	
	0.0	5.6	(भ्रायुध फैक्टारयां), किरकी ।	1-3-84
	153. भार० एन० दीक्षित	यथोपरि	तेखापरीक्षा श्रधिकारी, रक्षा सेवाएं(पेणन).	
			दलाहासाव ।	1-3-84
	154. बाबू राम	⊸-यथापरि	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं	
			(बायु सेना) देहरादून ।	1-3-84
	155. ग्रार० डी० श्रीवास	यथोपरि	यथोपरि	1 - 3 - 84
	156. नवीन कुमार	यथापरि	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा मेवाएं,	
			पूर्वी कमान, पटना ।	1-3-84
	157. उमा शंकर प्र <b>मा</b> द	यथोपरि	लेखापरीक्षा श्रधिकारी, रक्षा सेवाए	
			(पेंशन), इलाहाबाट ।	1-3-84
	158. वेद प्रकाश	<del></del> य <b>थो</b> परि	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा रक्षा संवाएं,	
			(त्रायु सेना), देहरादून ।	1-3-84
	159. एल <i>०</i> भ्रा <b>र्० ड</b> भराय	यथापरि	यथोपरि	1-3-84
	160. ए० के० चटर्जी	<del></del> यथोपरि—-	मयुक्त निदेशक <i>,</i> लेखापरीक्षा (ग्रायुध	
			फैक्टरिया), जबलपुर ।	1-3-84

(1)	2)	(3)	(4)	(5)
सर्वश्री				
161. एस० मी०	នា	प्र <mark>नुभाग यधिकारी (ग्राडिट</mark> )	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं (नौसेना), बम्बई ।	1-3-84
162. <b>के</b> ० के० व	<b>ग</b> र्मी	यथोपरि	लेखापरीक्षा श्रधिकारी, रक्षा सेवाएं <i>,</i> (पेंशन), इलाहाबाद ।	1-3-84
163 एस०एम	० हैग	यथोपरि :	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं (वायु -सेना), देहरादून ।	1-3-84
164. एस० मूर्ति		⊸यथोपरि	लेखापरीक्षा ग्रधिकारी, रक्षा सेवाएं, (नौसेना),विभाग ।	1-3-84
165. त्री० रंगान	<b>ग</b> थन		लेखापरीक्षा भ्रधिकारी, रक्षा मेवाएं, दक्षिणी कमान, पूना ।	1-3-84
166. पी० एम०	विजय रधवन	यथोपरि	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, (नौसेना), बम्बई ।	1-3-84
167. श्रीकान्त ि	सह	यथोपरि:	्रंयूक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, (श्रायुध फैक्टरियां), कानपुर ।	1-3-84
168. श्रीमती इ	न्दरारवि वर्मा	यथोपरि	सहायक निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, मद्रास ।	1-3-84
169. के० उपली	ो	<del></del> यथोपरि <del></del>	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, दक्षिणी कभान, पूना ।	1-3-84
170. एस० के०	लक्ष्मी नारायनन	यथोपरि	लेखापरीक्षा ग्रधिकारी, रक्षा सेवाएं, (नौसेना), विभाग ।	1-3-84
171. एस० कल्य	ान रमन	—-यथोपरि—-	्रे लेखापरीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाएं (श्रायुध फैक्टरियां), किरकी ।	1-3-84
172. टी० एन०	गोपीनाधन	—यथोपरि—	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, (नौसेना), बम्बई ।	1-3-84
173. पी० एस०	त्यागी	—यथोपर <del>ि</del>	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, दक्षिणी कमान, पूना ।	1-3-84
174. एम० एम०	• गुप <del>्</del> ना	यथोपरि	लेखापरीक्षा भ्रधिकारी, रक्षा सेवाएं, दिल्ली छावनी ।	1-3-84
175. श्रार० एस	० भड़ारी	− <b>-</b> यथोपरि	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, (वायुसेना), देहरादून ।	1-3-84
176. श्रोम प्रकाश	ग जतिया	यथोपरि <del></del>	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा (स्रायुध फैक्टरियां), कानपुर ।	1-3-84
177. एन० सी०	दास	यथोपरि- <del>-</del>	लेखापरीक्षा ग्रधिकारी (श्रायुध फैक्टरियां), श्रम्बाझारी ।	1-3-84
178. ग्रार० ए०	<b>कु</b> रील	यथोपरि	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं (वायुसेना), देहरादून ।	1-3-84

भगवान शरण तायल संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, नई विल्ली।

#### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालयः रक्षा लेखा महानियंत्रकः

नई दिल्ली, दिनांक 17 ज्लाई 1984

सं० प्रणा०/1/1419/4/जिल्द--)--भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों की ग्रुप 'क' के अनिष्ठ समग्रमान में, प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्णाई गई तोरीखों से पुष्टि की गई है:---

ऋ० सं०, नाम तथा पुष्टिकी तारीख

1. श्री निखिलेश झा

12-02-1984

2. श्री सतीख सिंह

24-12-1983

3. श्री निखोमांग निःसिष्ठल

02-01-1984

वीं० एस० जफा, रक्षालेखा **अ**पर महानियंत्रक

"रक्षा मंत्रालय

आयुद्ध निर्माणी बोर्ड

डी०जी०श्रो०एफ० आमुर्लिपक सेवा

कलकत्ता, दिनांक 7 जुलाई 1984

सं 13—महानिदेशक आयुध निर्माणी, श्री आर प्राप्त वास, आशुलिपिक ग्रेड—बी/बरिष्ठ वैयक्तिक सहायक को कर्न-मान रिक्ति में दिनांक 23-6-84 से आगामी आदेश होने तक आणुलिपिक ग्रेड—ए/वैयक्तिक सहायक (ग्रुप-बी-राज-पिन्ति) पद पर स्थानापन्न रूप से प्योचित करते हैं।

> डी०आर० आयर, उपमहानिदेशक आयुध निर्माणियां/कार्मिक कृते महानिदेशक आयुध निर्माणियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984 आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण

#### स्थापना

सं० 1/18/78-प्रणासन (राज०)/5857---राष्ट्रपति, वाणिज्य मंत्रालय के श्री जे० एस० अक्षणी० उप-निदेशक (निर्यात संवर्धन) की मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई विस्ली में 30 जून, 1984 (अपराह्न) से प्रतिनियुक्ति के आधार पर उप-निदेशक (णुरूक वापसी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

र्राजन्दर सिंह संयुक्त-मुख्य, नियंत्रक आधात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक आधात-निर्या ह नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1984

सं० 6/1389/82-प्रशा० (राज)/5766-सेवा निवृति की आयुहोने पर, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्याप्त के कार्याक्त के नई दिल्ली की श्रीमती मेरी थेएसा (केन्द्रिय स्विट रा आणुलिपि सेवा) की श्रेणी "ए" की अधिकारी 31 जनवरी 1984 के अपराह्म से सुरक्षारी सेवा मेनिक्स हो गई।

> एम० एस० जयन्त उप-मुख्य नियंत्रक, आगात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आगात-निर्यात

विकास आयुक्त (हर्स्साशल्प) कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांघा 3 ज्लाई 1984

फा० सं० 2(2-1)/83- बस्त्र—हस्त छपाई बस्त्र राष्ट्रीय शिल्प मंस्थान, जयपुर की एतद्द्वाणा 1 जून, 1984 में "रंगतंत्र" डिजाइन सोसाइटी के अधीन कार्य दलने के लिए श्रंतरित दिया जाता है।

विकास आयुक्त (हस्तणिरूप) कार्याक्तय, वाणिज्य मंत्रा-लय, नई दिस्की की योजना स्कीम के अन्तर्गत केज्द आवंटन में से इस संस्थान के कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए सोमा-इटी को निधियां उपलब्ध कराई जाएंगी।

> णिरोमणि णर्मा विकास अध्युक्त (हस्तशिल्प)

उद्योग मंत्रालय

भौद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कायलिय नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1984

मं० ए० 19018(297)/77-प्रणा० (राज०)-- बिहार राज्य आवधीय एवं रसायन विकास निगम लिमिटेड पटना में सहायक प्रबन्धक के पट पर प्रतिनियुक्ति से वापस लौटने पर, श्रीमती सुनीता कुमार ने दिनांक 1-6-84 (पूर्वाह्म) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में सहायक निदेणक, ग्रेड-१ (२२१४न) के पद दा कार्यभार सम्माल लिया।

मं० ए०~19018 (676)/83-प्रणा० (राज०)—राष्ट्र पति, पूर्ति तथा निपटान महानियेकालय के निरीक्षण महायक निवेणक, श्री एस०के० खनिजों की विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में सहायक निवेशक, ग्रेड—1 (यांत्रिकी) के पद पर दिनांक 18—6—84 (पूर्विह्न) से अगले आदेणों नक, नियुक्त करते हैं।

> एम० के० पुरकायस्थ उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1984

मं० ए०~31013/3/83-प्रशा० (राज०)---राष्ट्रपति, डां० मनजीत सिंह को दिनांक 1-2-83 से लघु उद्योग विकास संगठन में निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) के पद पर स्थायी रूप से नियक्त करते हैं।

> मीं० सीं० राय उप निदेशक (प्रणासन)

इस्पात श्रीर खान मंद्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1984

मं० ए०—19011(21)/83—स्था०ए०—दिनांक 29 फरवरी 1984 (अपराह्म) को ऐच्छिक सेवा निवृत्ति लेने पर श्री एका जी० लघाटे, रथाओं एए छात निरुद्ध भं स्थानापन्न क्षेत्रीय छान निर्यद्ध को सिट्ह को ए प्रदर्भ 1984के अपराह्म से भारतीय छान द्यूरों है इनके कार्यभ भे मुक्त किया गया है श्रीत तद्दुसार १६९ र म दर्किभागकी प्रभावी स्थापना सेकात दिया गया है।

सं० ए०--19012(113)/83-स्था० ए०/पी०पी०----निवर्तन की आयु पूर्ण कर मेवानिवृत्त होने पर श्री एम जिल श्रीरंगाबादकर, सहायक खानिज अर्थण्यस्ती (सांश्यिकी) की 30 जून 1984 के अपराह्म में भारतीय खान व्यूरों के कार्य-भार से मुक्त कर दिया गया है श्रीर तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

> पी० पी० वादी प्रणासन अधिकारी **कृते म**हानियंत्रक भारतीय खान ब्युरो

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, विनॉक 17 जुलाई 1984

सं० सी०-6099/707-- निग्तिलिंग्सि अधिकारी भार-तीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षण (ग्रुप "बी") के पद पर 650-30-740-35-810-द० रोज-35-880-40-1000-द० रोज-40-1200 रूपये के तैतनमान में प्रत्येक्षके नाम के सामने दी गई तारीख में स्थानापन्न रूप में पूर्णतया सदर्थ अनिसम आधार पर नियुष्टन विष्ण जाते हैं:--

ऋम नाम श्रौर पदनाम यूनिट/कार्यालय हारीख सं०

, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	 · ·	-
""	मंख्या 86 पार्टी इ (वक्षिण मध्य मुक्तिन) विणाखापटनम् ।	7-11-83 (पृर्वाह्न)

2. श्री एम०एल०कुमार संख्या 42 पार्टी 25-8-83 सर्वेक्षक सलेक्शन ग्रेड (पश्चिमोत्तर मिक्ति) (प्याह्र) अस्वाला।

1	2	3	4
3. श्री एस०सी० भम्गार्ड.	मंख्या	92 पार्टी	24-10-83

मर्वे अक् गेलेक्णन ग्रेड (दक्षिण पूर्वी सक्तिल) (पूर्वाह्न) वाराणसी।

> जी० सी० अग्र आस्त मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक

#### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1984

सं० 6429/63-एस०आई०--श्री एम०के० शोम, प्रसा-रण निश्वादक, आकाशवाणी, सिलचर, निवर्त्तन की आयु प्राप्त कुण लेने पण 31 मार्च, 1984 अपराह्म से सरकारी मेथा से संवानिवृत्त हो गये हैं।

> हरीण चन्द्र जयाल प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

# सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, विनांक 20 जुलाई 1984

सं० ए-32012/1/83-स्था०--निदेशक, विजापन भीर दृश्य प्रचार निदेशालय, उत्तर-पूर्व टेलिकाम सर्वल भारतीय डाक-तार विभाग के शिलांग स्थित जनरल मैंनेजर के धार्यालय के अवर लेखा अधिकारी थी जी ० रंगनाथन की, विश्व महालय (आवर्ती विभाग) के समय-समय पर संगोधिक/स्पर्टीकृत कार्यालय ज्ञापन संख्या एफ० सं 10(24)-ई-III (बी)/60 दिनांक 4 मई. 1961 में यथाक्तिपत प्राधिक प्रतिनियुक्ति शतौँ पर, इस निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय, गोहाटी में 9 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्म से तीन साल की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर लेखा अधिकारी नियुक्त करने हैं।

जीव्यीव भट्टी उप--निदेशक (प्रशासन) कृत विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1984

मं ० ए०-19011/5/84-स्टोर-1--स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री मनोज कुमार को 12 जून, 1984 पूर्वाह्म े आगाम देखें विकास सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार बम्बई में सहायक डिपो मैनेजर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

> े आ४० मी० गृलाटी उप महासक निदेशक (स्टोर)

# गई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1984

मं० ए०-19018/9/83-के०स०स्वा०यो०-1-स्वास्य मेवा महानिदेणकः ने डा० पृष्कार देव को 13 जुलाई, 1983 पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में आयु-वेदिक काय-चिकित्सक के पदपर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

> टी० एस० राव उप निदेशक प्रणासन (के०स०स्वा०यो०)

#### कृषि मंत्रालय

#### कृषि एवं सहकारिता विभाग

मि० मं०-5-52/83-स्थापना (1)(भाग-2)—इस निवेशालय से जारी की गई अधिसूचना मि०सं० 2(6)/78-स्थापना (1) दिनांक 10-9-80 के सिलसिले में, डा० डी० बी० सिंह, जो पशुपालन विभाग, मधुबनी (बिहार) में दौरा पशु चिकित्मक अधिकारी के स्थायी पद पर और इस निदेशालय में सहायक पशुधन अधिकारी के प्रतिनियुक्ति पद पर हैं, उनकी प्रतिनियुक्ति अवधि 1-9-83 से 31-8-84 तक एक वर्ष के लिए आगे बढ़ा दी गई है।

# दिनांक 7 जुमाई 1984

मि०सं०2-4/79-स्थापना (1)--विस्तार निदेशालय, फूषि मंत्रालय, (कृषि एवं सहसारिता विभाग), में सहायक प्रणासन अधिकारी, समूह "बी" (राजपित्रत) (लिपिकवर्गीय), पद पर 650-30-740-35-810 द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 स्पये के वेतनमान में श्री पी० एस० चोपड़ा, अधिक्षक (ग्रेड-1) को तदर्थ के आधार पर 30 जून 1984 पूर्वीह्म से 29 सितम्बर 1984 तक या नए आदेश के जारी होने सक, जो भी पहले हो, पदोन्नल किया जाता है।

आर० जी० वनर्जी निदेशक प्रशासन

# ग्रामीण विकास मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीवाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1984

सं ० ए० – 190 ) 11 — महालेखाकार (लेखा परीक्षा) हरियाणा, चण्डीगढ़ के लेखा अधिकारी श्री एस ० डी० एस० यादव जो इस निदेणालय के अधीन फरीदाबाद 3—186 GI/84

में स्थानापन्न लेखा अधिकारी हैं, की प्रतिनियुक्ति अवधि को सामान्य मतीं के अनुसार 2-6-84 के बाद अगले 6 महीनों के लिए बढ़ाया गया है।

# दिनांक 18 जुलाई 1984

मं० ए०--19025/14/84-प्र०-III--संघ लोक सेबा आयोग की सस्तुतियों के अनुभार श्री जगबीश प्रसाद मीना को इस निदेणालय के अर्धान फरीदाबाद में दिनांक 30-6-84 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

## दिनांक 19 जुलाई 1984

सं० ए०-19025/15/84-प्र०-III--संघ लोक सेवा आयोगकी संस्तुतियों के अनुसार श्री कैलाण चन्द्र राउत को इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में 9-7-84 (पूर्वा०) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्गा) के रूप में नियुक्त किया गया है।

अतुल सिन्हा कृषि विपणन सलाहकार

# भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

#### कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 19 जुलाई 1984

सं० एम०/865/एफ०आर०डी०/स्था०/11/3594—श्री गणेण वस्त्रक मराठे वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड "एस० बी०" पद का पदभार 31 मई 1984 अनराह्न को अधि-विषता पर छोड़ दिया।

> आर० सी० कोटियंकर उपस्थापना अधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय श्रौर भन्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 12 जुलाई 1984

मं० डी॰पी॰एस॰/41/3/83-प्रशा॰/17730--परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋष और भन्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी वरिष्ठ लिपिक तथा स्थानापन सहायक लेखापाल श्री दर्शन सिंह की इसी निदेशालय में दिनांक 6-6-1984 (पूर्वाह्म) से 31-7-1984 (अपराह्म) तक रूपए 650-30-740-35-880-द० रो॰-40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्त सहायक लेखा अधिकारी श्री जें० जीं० साठे के स्थान पर की गई है जिन्हें उनन अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

> पी० गोपालन प्रशासन अधिकारी

(निर्माण एवं सेवा वर्ग)

बम्बई-400094, दिनांत 10 ज्याई 1984

सं मोर्डि डो ज | ए ज | 2 | 16 | 4862 - - | लियेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्रो एस जे के मुखर्जी, स्थायी सहायक लेखा राल, निर्माण एवं सेवा वर्ग, को श्रो बी के के सेन प्रतिनियुक्ति गहायक लेखा ग्राधिकारो, जिन्हें महालेखापाल (1), पश्चिम बंगाल के कार्यालय को वापस भेज विया गया है, के स्थान पर दिनांक 30-6-84 पूर्वी ह्रा में निर्माण एवं सेवा धर्म में तदर्थ सहायक लेखा ग्राधिकारी के क्य में नियुक्त करते हैं

बी०वी० थत्ते प्रणासन स्रक्षिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 20 जुलाई 1984

मं० का०प्र०भ० 2/0704/1858--इस कार्यालय की श्रीध-सूचना सं० का०प्र०भ०/0704/1682, दिनांक 22-6-1984 के क्रम में सहायक लेखाकार श्री चु० रा० प्रभाकरन जी की सहायक लेखा श्रीधकारी के रूप में २०650-30-740-35-880-२० रो०-40-960 के वेतनमान में तदक्री नियुक्ति दिनांक 22-8-1984 पर्यंत या श्रागामी श्रादेशों पर्यंत, इतमें मे जो मा पूर्वविद्या हो, बहाई जाती है।

> जी० जी० कुलकर्णी प्रबंधक, कार्मिक व प्रणासन

न्यूक्लीग्रर विद्युत वोर्ड बंबई-5, दिनांक 16 जुलाई 19**8**4

स'० न्यू०वि०बो०/3(262)/83-प्रमासन 6476--झध्यक्ष,म्यूक्लीग्रर विद्युत् बोर्ड बम्बई ने जी० जी० कुलकर्णी एस बोर्ड के स्टेनोग्राफरें (बरिस्ट) को, इसो बोर्ड में जूत 30, 1981 पूर्वाह्न से जुलाई 30, 1981 ग्रम्पह्म तक के लिए सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त श्री टी॰एस॰ ग्रसवाल सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर की है जिन्हें प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है।

> क्षार० व्ही० बाजपेयी सामान्य प्रणासन प्रधिकारी

रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपानकम, दिनांक 21 जून 1984

सं० श्रार०श्नार०सी०/ए-32023/1/83-श्रार०/8857-इस केन्द्र की तारीख 5 जून, 1984 की समसंख्यक (8036)
श्रिधसूचना के क्रम में रिएक्टर श्रनुसंधान केन्द्र के निदेशक
ने इस केन्द्र में उच्च श्रेणी लिपिक के पृष्ट पर मौलिक रूप
से श्रीर प्रवरण कोटि लिपिक के पद पर स्थानापन्न रूप से
निष्कुक्त श्री वेडिवल वैस्वियन की उसी केन्द्र में सहायक
प्रणासनिक श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में भी गई
पदोन्नति की श्रविध को 16-6-84 से 22-6-84 तक
बढ़ा दिया है।

एस० प**र्मनाभन**, प्रणामनिक **स्रधिकारी** 

पर्यंटन श्रीर नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नर्ड दिल्लो-3, दिनांक 18 जुलाई 1984

सं० स्था०(1)00232—13 प्रप्रैल 1983 की सम-संब्यक प्रधिमूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, इा० वीरेन्द्र सक्सेनाको भारत मौसम विज्ञान विभाग में सामान्य केन्द्रीय मेवा समूह "क" (राज्यितित) में हिन्दी प्राधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की प्रविध को 8 सितम्बर 1983 मे 6 जून 1984 तक के लिये बढ़ाते हैं।

> एस० के० दास मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कायलिय नई दिल्लो, दिनांक 11 जुलाई 1984

सं ए०-32014/5/82-ई०सी०--महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निसिखत तकनीकी सहायकों को जो इस समय तकनीकी ग्रंधिकारी के रूप में तदर्थ श्राधार पर कार्य कर रहे हैं प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से श्रीर श्रन्य श्रावेश होने तक सहायंक तकनीकी श्रश्रिकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है।

ऋम संख्या	नाम	पदोन्नति की तारीख
	सर्वश्री	
	1. जी० एम० मैथ्यू	28-12-1983
	2. एस० वी० सुब्बाराव	28-10-1983
	3. के० भ्रंजनेयुष्टू	28-10-1983
	4. एन० पूरनचन्द्र राव	28-10-1983
	5. एस० कुष्णन	28-10-1983
	6. मृणमय मलिक	28-10-1983
	7. जी० एस० जजुहा	28-10-1983
	8. ए० श्रीनिवासन	28-10-1983
	9. सी० के० डे	28-10-1983
]	10. बी० श्रीनिवासन	28-10-1983
1	। 1. डी० एन० एन० मूर्ति	28-10-1983
1	12 पी०बो० राव	28-10-1983

# दिनांक 12 जुलाई 1984

सं ० ए०-38013/1/84-ई०सी०--त्रैमानिक संचार संग-ठन के निम्नलिखित ग्रिधिकारियों ने निवर्तन ग्रामु प्राप्त कर लॅने पर प्रत्येक के सामने दो गई नारीख में ग्रयने पद का कार्यभार त्याग विया है:---

क्रम नामव पदनाम संख्या	स्टेग्रन	सेवा निवृत्ति की तारीख
<ol> <li>श्री टी० पाल, सहायक संचार प्रधिकारी</li> </ol>	वैमानिक संचार स्टेणन दिल्लो	31-5-84 (ग्रवराह्न)
<ol> <li>श्रो बी०जे० हुद्र, सहायक संचार श्रधिकारी</li> </ol>	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद	30~6-84 (ग्रपराह्न)

# दिनांक 13 जुलाई 1984

सं० ए०-19011/132/80-ई०-1--महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री पी० एन० भास्कर, विमान क्षेत्र श्रीधकारी निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्बस्य दिनांक 30-6-1984 अगराह्म को सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

> श्री० पी० अग्रयाज सहायक निदेणक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

सं० ए०-12026/1/83-ई०एस०---महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखत प्रिधिकारियों को नागर विमानन विभाग में दिनांक 30 जून, 1984 (पूर्वाह्म) से दो वर्ष की ग्रवधि के लिए प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर ६पए 650-1200 के वेतनमान में हिन्दी श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए कार्यालयों में तैनात किया है :---

- 1. श्री एम०पी० शर्मा क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नई दिल्ली।
- 2. श्री बी०भ्रार० राजपूत

निदेणक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक का कार्यालय, नई दिल्ली।

3. श्री बृज राज नियंत्रक, रेडियो भंग्डार डिपो का कार्यालय, नई दिल्ली।

सं० ए०-32014/1/84-ई०एस०--प्रधानाचार्य नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद के कार्यालय के श्री जो० एन० महरोवा, प्रशासनिक अधिकारों (तदर्थ) (समूह "ख" पद) ने निर्वतन प्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारों मेवा से निवृत होने पर 30 जून, 1984 श्रपराह्म से श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

# दिनांक 21 जुलाई 1984

सं० ए० 32014/3/83-ई०एस०--महानिदेशक नागर विमानन ने नियन्त्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्लो के कार्यालय के श्री टेक चन्द्र वर्मा, भंडार सहायक को दिनांक 6 जून 1984 पूर्वाह्म से 6 मास की प्रविध के लिए या पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो पहले हो, भंडार ग्राधिकारों (समूह "ख" पद) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है।

बि० भौमिक सहायक निदेशक प्रणासन

#### विदेश संचार सेवा

#### बम्बई, दिनांक

1984

सं 1/546/84-स्था०--धिदेश संचार मेत्रा के महा-निदेशक एतद्दारा श्रो नरेन्द्र सिंह को 4 जून, 1984 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक, स्विचन समूह, बम्बई में स्थातापन्न रूप में सहायक श्रीभियंना नियुक्त करने हैं।

# दिनांक 13 जुलाई 1984

गं वा 1/520/84-स्था०--विदेश संचार सेवा के महा-निदेशन एएड्डारा धम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्रां डी० ए० सल्डाब्हा की नदर्थ श्राधार पर ग्रीर स्थानीय व्यवस्था के रूप में ग्रह्मकालिक रिक्तियों पर 16-4-83 से 30-4-83 तक श्रीर 9-5-83 से 31-5-83 तक की श्रवधियों के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप-परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 23 जुलाई 1984

सं० 1/544/84-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा महालेखाकार, लेखा-परोक्षा—I कार्यालय, मध्य प्रदेश, ग्वालियर के लेखा परोक्षा प्रधिकारी, श्री पी० धार० जवलकर की 25 जून, 1984 के पूर्वाह्म से धागामी धादेशों तक प्रतिनियुक्ति के घाधार पर वि० सं०से०, मुख्य कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न रूप से लेखा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> र० का० ठक्कर उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक ।

#### वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 20 जुलाई 1984

कम सं ० 16/429/84-स्थापना-1—मंघ लोक सेवा श्रायोग की सिकारिश पर श्रध्यक्ष वन श्रनुसंघान संस्थान एवं महा-विद्यालय, देहरादून, डा० सभापति नाथ को दिनांक 18 जून, 1984 की पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक वन श्रनुसंघान संस्थान एवं महा विद्यालय, देहरादून, के श्रन्तर्गत वन मृदा एवं वनस्पति सर्वेक्षण, मिदनापुर में श्रनुसंघान श्रधिकारी के पद पर सहवं नियुक्त करते हैं।

जी० एस० ग्रोबर कुल सचिव वन ग्रनुसंघान संस्थान एवं महा विद्यालय

नौवहन भौर परिवहन मंत्रालय

नौवहन महा निदेशालय

बम्बई-400 038, दिनांक 16 जुलाई 1984

सं० 11 टी० ग्रार० (5)/84—राष्ट्रपति, श्री तापवकुमार प्रामाणिक को तदर्थ श्राधार पर 3-5-1984 (पूर्वाह्न) से ग्रागामी ग्रादेशों तक मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेणालय कलकत्ता में इंजीनियर श्रधिकारी के रूप में नियक्त करते हैं।

> श्रभिताभ चन्द्र नौवहन उप महा निवेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनी अधिनियम 1956 और जीनेंट फाईनैन्स एण्ड चिट फण्ड, प्राइवेट निभिटेड के विषय में जानन्धर, दिनांक 6 जुनाई 1984

सं० इस्टेट/560/2578/2302~-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर डीमेट फाईनैंस एन्ड चिट फन्ड प्रईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल, कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवटित कर दी जायेगी।

"कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ग्रौर मालसा एग्रीकल्चरल एंड मार्किटिंग कम्पनो प्राइवेट लिमिटेड विषय में जालन्धर, दिनांक 16 जुलाई 1984

सं जी/एस्टेट/560/2717/2300 कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एनद्-ग्रारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख में तीन मास के अवसान पर मालसा एग्रीकल्चरल एंड मारकेंटिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिट्रेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण विश्वत न किया गया तो किजस्टर से कॉट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विष्ठित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर फिरदोस फाइनेसियमं एंड चिट फण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में जालन्धर, दिनांक 19 जुलाई 1984

सं० जी/स्टैट/560/3019/2422— कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-हारा सूचना दी जाती है कि फिरदोस फाइनेंसियर्स एंड चिट फण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> बी० एस० जैन, कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं प्रीमियर मीटर्ज एंड इन्स्ट्रूमेन्ट्स मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई 1984

सं० 675/12720/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ऋनुभरण से एनद् ब्रारा सूचना दी जाती है कि प्रीमियर मीटर्ज एंड इन्स्ट्रू- मेन्ट्स, मैन्युफैक्थरिंग, कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटि हो गई है।

> कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं बर्मा शैल प्रापरटीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

> > बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

सं० 651/18655/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (5) के ब्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि बर्मा शैल, प्रापरटीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम ब्राज रिजस्टर में काट दिया गया है ब्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मैसर्म जे० एम० फिल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

म० 654/17115/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपबारा (5) के अनुसरण में एतद्कारा सूचना दी जाती है कि मैमर्म जे० एम० फिल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रचिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विश्वटित हो गई है।

कम्पनी श्राधिनियम, 1956 एवं गौटीज चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बर्घ, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 643/13670/560(5)—कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि मैटीज चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है ।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं मैसर्स ग्रार० खिमजी ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 666/25249/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्म श्रार० खिमजी ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं वैमेक काम्पोनेन्ट्स, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं॰ 660/15573/560(5)—कम्पानी शिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसारण में एसब् द्वारा सूचना दी जाती है कि वैमैक काम्पोनेन्द्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 एवं थरमोभीटर्स एंड एप्लायंसेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 669/12378/560(5)—कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि धरमोमीटर्म एण्ड एप्लायंक्षेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विचटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 19956 एवं मैसर्ग निला प्रोपर्टीज प्राष्ट्रवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 653/15182/560(5)——कम्पनी ग्रिधिनियम 1956की धारा 560की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्-हारा उक्त सूचना दो जातो है कि मैसर्ज निला प्रोपर्टीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्कर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं मुत्रणी फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स लिमिटेड के विषय में

सं० 644/4409/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 को धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्कारा सूचना दी जाती है कि सुवणी फिल्म डिस्ट्रोब्यूटर्म लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 एवं वीनस स्टील, प्रोडम्ट्स (इन्डिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 18417/652/560(5) — कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 को धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतट्- द्वारा सूचना दी जातो है कि वीनस स्टील प्रोडक्ट्स (इण्डिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं एन्टर्स ट्रेडिंग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

वम्बई, दिनाँक 16 जुलाई, 1984

मं० 662/26443/560(5)~-कम्पंती ग्रशिनिधम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्वारा सूचनादी जाती है कि ऐन्टर्स ट्रेडिंग प्राइनेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी मधिनियम 1956 एवं साटूर कन्सट्टमणन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 659/16312/560 (5)—-कम्पनी श्रधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्-द्वारा सूचनादी जाती है कि लादूर कन्सट्रक्शन कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं दी रावर जनरल स्टोर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं ० 667/4747/560(5)—कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दी रावर जनरल स्टीसे प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्भनो विषटित हो गई है।

कम्पती श्रिधिनियम, 1956 एवं विलिमोरिया प्रोडक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 672/12234/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपबारा (5) के श्रनुसरण में एतव्दारा सूचनादी जाती है कि विलिमीरिया प्रोडक्शन्स, प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं मकान्स प्लास्टोफार्म प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 657/17135/560(5)——कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मकान्स प्लास्टोफार्म प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

> कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स रेकोन ऐनामेल्ड बायर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

> > बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 649/17987/560 (5) -- फाप्पती श्रिधिनियम 1956 की श्रारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्- हारा सूचना दो जाती है कि मैसर्ग रेकोन ऐनामेल्ड नायर्श प्राईवेट लिमिडेड का नाम प्राज रिजिस्टर से काट दिया गया और उक्त कम्पनो विषटित हो गई है।

कम्पनो अधिनियम 1956 एवं वेनको केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

वम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 648/15410/560(5)—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उन्धारा (5) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा स्चनादी जाती है कि बेनको केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उन्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी यश्रितियम, 1956 एवं कोश्हापुर विरुद्धने प्राक्ष्त्रेट लिमिटेड के विजय में

वम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 673/16087/560(3) — कमाती अधिनियम, 1956 को धारा 560 को उपवारा (3) के श्रनुभरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कोल्हापुर बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान निक्या गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उकत कमाती विवर्टिन कर हो जायेगी।

कस्तिनी अधिनियम, 1956 एवं भैपनं मास्टर मूबी मेकर्ज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 668/16655/560(3)——कम्नती स्रिधिनियम,
1956 की धारा 560 की उत्थारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दो जातो है कि इस तत्रोख से तीन मास के अवसान
पर मैसर्स मास्टर मूवो मेकर्ज प्रार्टिनेट लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल कारण विंशत न किया गया तो रिजस्टर ] से
काट दिया जायेगा स्रीर उक्त कम्मनो निंधटित कर दो जायेगी।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 एवं सन्चार पब्लिसिटी कन्सर्टेन्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 645/14661/560(5)—कम्मनो अधिनियम 1956 को धारा 560 को उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दो जाती है कि संचार पब्लिसिटो कन्सर्टैन्ट्स प्राईवेट लिमिटेख का नाम याज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्मनी विषाटत हो गई है।

# कम्पनी ग्राधिनियम, 1956 एवं इलैक्ट्राईडस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बर्ड, दिनांक 16 ज्लाई, 1984

गं० 642/14016/560(5)——कम्पनी ग्रिश्चिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इलैक्ट्राईडस प्राइवेट निमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम. 1956 ग्रौर गोम्रा थियेटर्ज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई 1984

मं० 665/18210/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के श्रवसान पर गोत्रा, थियेटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिंगत न किया गया हो तो रिजस्टर में काट दिया जायगा श्रोर उन्ह कम्पनी विषटिन कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं एन्टेर्स प्रापर्टीज एण्ड एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में बम्बई, दिनांक 16 ज्लाई, 1984

सं० 661/26759/560(5)—कम्पनी श्रिधि नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्- द्वारा सूचना दी जाती है कि ऐन्टेर्स प्रापर्टीज एन्ड एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रस्टिर मे काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिक्षिनियम 1956 एवं सोबनर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

मं० 658/16941/560(3)—कस्पती अधिनियम,1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सोबनर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया हो तो रिजस्टर में काट दिया जायेगा और उक्त कस्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी स्रधिनियम, 1956 एवं मैसर्स युवराज फिल्मस प्राडवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बर्ट, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 678/16610/560(3)---कम्पनी अधिनियम. 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह मुचना वी जाती है कि इस तारोख से तीन मास के अवसान पर मैसर्ग युवराज फिल्मस प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनो अधिभियम 1956 एवं मैसर्ग पारस प्रोपर्टीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

वम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

मं० 680/16258/560(3)— कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर मैं सर्स पारस प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उन्त कम्पनी विघटित हर की जायगी।

कम्पन) अधिनियम, 1956 **औ**र ए० ए**च० एफ०** हीजरी एवं रेडी मेक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1984

सं० 663/19428/560(3)—— ग्रम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ए० एव० एथ० ही जरी एण्ड रेडी मेक्स, प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत पारण टिशत न किया गया होती रिजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विष्ठित करवी जायेगी।

ओम प्रकाश जैन कम्पनियों का ग्रीतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र वस्मई

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं श्री हरिकोटा फायर **मुड** एक्सपोटिंड कंपनी प्राईवेट लिमिटेंड के विषय में हैदराबाद, दिनांक 17 जुलाई, 1984

मं० 286/टो०ए-III/560—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्रीहरिकोटा फायर बुड एक्सपोटिंड, कंपनी प्राईवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधटिन कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं दो फ्रीएस ट्रेडिंग कंपनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 17 जुलाई, 1984

मं० 302/टी ब्एंब-III/560— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूजना दी जाती है कि इस तारी ख से तीन माह के अवसान पर दा फ्रेंब्स ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया ता रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956एवं आटी फीरजीन्स प्राईपेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांः 17 जुलाई, 1984

गं० 998/टां ०ए०-III/ 560 क्लिप्सेनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्द्रारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर आटो फोर्जीन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशान न किया गया तो किस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित बार दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं नवीन आंन्ध्रा प्रीण्टिड इन्डस्ट्रीयल एण्डण्प्रीकल्चरल कंपनी प्राईवेट लिमिटड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 17 जुलाई, 1984

मं । 1255/टो॰ए॰-141/560-- (3) -- कम्पनी अधि-नियम 1956की धारा 560की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस नारीख से नीन माह के अवसान पर नवीन आरा प्रीजिटड इंडस्ट्रियन एड एग्रीकल्चरन कंपनी प्राईबेट विभिन्नेड का नाम इसके प्रतिकृत विधरण दिख्या न किया गया तो रिजिस्टर से अट दिशा आएगा और उकत कम्पनी विषटित करकी आयेगी।

> बी० एग० राजू, लम्पनियों का र्यानस्त्रार अस्त्र प्रदेश, हैदरायाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जिलान घाँरद प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बेंगलूर, दिनांब 17 जुलाई. 1984

मं० 4162/560/84-85-- कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारायह मुचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन माह के अवसान पर किसान घौरद प्राइवेट लिमिटेड या नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशान न किया गया तो रिजिस्ट से काट दिया आएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी आएगी।

आर० एस० नेगी, कम्पनियां का प्रशिस्ट्रार बेंगलूर अक्ष आहाँ .. टी . एन , एस . -----

**आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-थ (1) के अधीन स्**चना** 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहनक, दिनांक 10 जुलाई 1984 निदेश सं० हिसार/107/83–84---अतः मुझे, आर०के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं०बी०--VII | 79 | 1-ईस्ट है तथा जो मीहल्ला जींदयान, बाजार खजानचियां, हिसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पुर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय हिसार में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख नवस्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुरूं से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित को सम्बद्धिक रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तस अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन दर अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर जिल्हें ना 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन नार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अत. अब, उक्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अ्तरारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की एपवार्ग (1) के अधीन. निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अधीत इन्तर (1) श्रीमती गकुन्तला रानी विधवा गिरधारी लाल पुत्न श्री उत्तम चन्द जुनेजा मौहल्ला रामपुरा, हिसार।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्बिन्द राम पुत्र लाला श्री राम पुत्र लाला नानू राम नि॰ जैन गली, मोहल्ला काजीयान निकट सिलक बाजार, हिसार।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरें भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा मकोंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### वग्स्वी

सम्पत्ति दुक्तान नं० बीं ०-VII /79/1 ईस्ट, मौहल्ला जीन्दयान बाजार, खजानचियां, हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय ,हिसार में, राजस्ट्री-संख्या 3374, दिनांक 18-11-83 पर दिया है।

> आर०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 10-7-1984 मोहर : प्ररूप अद्भः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहनक रोहनक, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेण सं० हिमार/109/83-84---अतः मुझे, आर० के० भयाना

अस्यकार अधिनिताण 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अस्यकार परवार 'उन्नम अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सत्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित प्राजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 79/111(बेस्ट) है तथा जो मौहल्ला जीन्द्रयान बाजार खजानिवा, हिसार में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) जिस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय हिसार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 18) के अधीन नारीख नवस्त्रर, 1983

धः प्रश्नीत सम्बंक्त के उच्चित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिकार के किए कर्म के विश्वास करने का कारण ही कि यथापवींक्त संपत्ति का उचित बाजार स्व्य, उसके रूथ्यमान प्रतिफाल से, एस दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिकों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्प से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत स्व क्ल अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्योजनार्थ अपारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

ं अतं अव, उपन अधिनियम, की धारा 269-गं के अनुसरण ा, मा, अभिन अधिनियम की पारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती राज रानी परनी श्री राम नारायण पुत्र उत्तम चन्द जुनेजा मौहल्ला रामपुरा, हिसार।

(अन्तरफ)

(2) श्रीमती रमेती देवी गर्ग पत्नी श्री गोबिन्द राम नि० जैन गली मोहरूला, काजियान निकट, तिलक बाजार, हिसार।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यकिरणः---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, वो उक्त अधिनियम्, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस सध्याय में विवा गया है।

#### अगतची

सम्पत्ति दुकान नं० 79/ VIII वेस्ट मौहब्ला जीन्दयान बाजार खजानचिया, हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रिजस्ट्री सख्या 3435 दिनांक 24-11-83 पर दिया है।

> आर०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहसक

तारीख: 10-7-1984

मोहर 🔹

#### प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस .-----

नायकार जांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक, विनांक 10 जुलाई 1984 निवेश सं० अम्बाला/72/83-84-अतः मुक्ते, आर० के० भयाना

नायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 56 बी० माँडल टाउन (511-ब०ग०) है तथा जो माँडल टाउन, अम्बाला सिटी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए: और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, शि धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कैं, कैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीतः निम्निनियिस व्यक्तियों, अधीतः न

 डा० कर्मबीर सिंह पुल श्री ऊधम सिंह, निवास एफ-16, ग्रीन पार्क, न्यू देहली।

(अन्तरक)

(2) श्री जंग बहादुर कौणल पुत्र श्री सोम नाथ . निवासी-बीबीपुर, जिला पटियाला अब मकान नं० 56-बी, मॉडल टाउन, अम्बाला णहर ।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके एवेंक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के जर्मन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारील से
  45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  मूचना की तारीन से 80 दिन का सबिध, जो भी
  सबिध बार में समान्त होतो हो, के भीतर पूर्वोकव्यक्तियों स्वारिक्शिक्शिक द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में लिए का अल्केड

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ कोगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

#### वन्स्यो

सम्पत्ति मकान नं० 56-बी मांडल टाउन, अम्बाला गहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यासय, अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 5060, दिनाक 15-11-83 पर दिमा है।

> आर० के० भगाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

तारीख 10-7-1984 मोहरः

#### प्ररूप बाइ . टी . एम . एस . .....

# भागकर भृभितियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश मं० अम्बाला/73/83--84---अतः मुझे, आर० के० भयाना

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है'

स्रीर जिसको सं० मकान नं० 56(400 व०ग०) है तथा जो मॉडल टाउन, अम्बाला शहर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रति-कस, निम्मनिधित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निधित में शस्तिक कप से कथित नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तर्ज से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वजने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इयोजनार्थ अन्तरिती दूजारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया बाना वाहिए था जिनाने में स्विभा के लिए;

बद: बन, उन्त विभिन्ति की बार 269-प के अनुसरम भी, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) डा॰ नर्मबीर सिंह पुत श्री ऊधम सिंह, निवास एफ-16, ग्रीन पार्क, न्यू देहली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती त्रिपता कौशल पत्नी श्री सोम नाथ , निवास बीबीपुर, अब मकान नं० 56, मॉडल टाउन, अम्बाला शहर ।

(अन्तरिती)

को सह तुलना बारी करके पृत्रों कर सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए का सकोंगे

स्मान्नीकरण: ---इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्सू ची

सम्पति मकान नं० 56 मॉडल टाउन, अम्बाला शहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में, रिजर्ट्री संख्या 5061 दिनांक 15-11-83 पर दिया है।

आर०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

सारीख: 10-7-1984

मोहर 🗵

# प्रसम नाह<sup>र</sup>् दी. एत*्* एत<sub>ः</sub> एत<sub>ः</sub>-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुचना

#### नारत चरकाड

# कार्यासय, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश मं० अस्बाला/74/83-84---अतः मुझे, आर०के० मथाना

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मीमिनयम' कहा गया हैं), की भाग 269-च के मभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्स, जिसका उचित वाकार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं कमकान नं 56 (400 व व ग व ) है तथा जो मॉडल टाउन, अम्बाला शहर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुभूचों में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के आर्थालय अम्बाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम (1908का 18) के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ब्ययमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेक्यों से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिकक रूप से किथा नहीं किया नवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय का बाबत, उक्त बिभिनिसम के अभीन कर दाने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) एमें किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्सियों करें, जिन्हों भारतीय कायकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उका अधिनयम, 1923 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ज प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा की सिए;

मतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, शक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थात् :—  डा० कर्म वीर सिंह पुत श्री उधम सिंह, निवास-एफ०--16. ग्रीन पार्क, न्यू देहसी।

(अन्तरकः)

(2) श्री सोमनाथ कौशल पुत श्री राम जी दास निवासी बीबीपुर अब मकान नं० 56, मॉडल टाउन, अम्बाला णहर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिगा गया है।

# मन्त्रक

सम्पत्ति मकान नं० 56 माँडल टाउन, अम्बाला णहुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता, के कार्यालय अम्बाला में रिजस्ट्री संख्या 5062 दिनाक 15-11-83 पर दिया है।

आर०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 10-7-1984

मोहर :

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 196 । (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुभना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहतय

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1984 निदेश सं० गुडगांवा/120/83-े8य--अतः सृष्टे, आर० के० भयाना,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव मजान नंव 11, सेक्टर-4 है तथा जो अरवत इस्टेट, गुडगांवा में स्थित है (और इसमे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय गुड़गांवा में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल सं, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्च थ्य से उक्त अंतरण निम्निलिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अभ्यारण से हुई किसी जाय की बाबत, खल्स अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बॉट/या
- (क) ए'सी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती सरला देवी बन्तल पत्नी श्री लाल चन्द पुत्र हीरा लाल बन्सल, निवास—प्लाट नं ० 1 1 सैक्टर— 4, अर्बन इस्टेट, गुडगांवा।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्रो मुरेन्द्र चौधरी.
वेबेन्द्र सिंह,
रिवन्द्र सिंह पुतान नारायण सिंह एक्स गार्ड.
निवास गांव मृत्डा खेड़ा
तहसील बहादुरगढ़,अब
मकान नम्बर 11.
सेक्टर 4,
अर्बन एस्टेट,
गुडगावां।

(अन्तरिता)

को यह सुमना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति क बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं !

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बनुसुची

सम्पत्ति महान नं 11, सेक्टर-4, अर्बन इस्टेट.
गुडगांवा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के जार्यालय, गुडगांवा में, रिजस्ट्री संख्या 3574, दिनांक 24-11-83 पर दिया है।

> आरं० के० भयाना यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारी**य**:10-7-1984

मोहर 🤄

# प्रकृष बाइ . ती. एन्. एस . -----

भायकर किंधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-म (1) के अभीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, रोहतम रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1984 निदेण सं० गृडगांत्रा/90/83-84--अतः मुझे, आर०के० भयाना,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त जिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रु. में अधिक है

और जिसेकी सं० कुल भूमि क्षेत्रफल 2की 2की 1/3 हिस्सा 14 बिमचा है तथा जो दिल्ला-गुड़गांचा रोड पर स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण क्ष्म से वर्णित है) रिजस्ट्रीकार्सी अधिकारी के कार्यालय गुड़गांवा में रिजस्ट्री-कारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1983

कर पूर्वोक्त सपित के उभित बाजार मृत्य से कम के प्रश्यमान प्रतिकाश के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रथमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निकित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व वायित्व में कमी करने या उससे अभने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के निए;

बतः सब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ्रों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्त्रसिचित स्पिक्तयों अर्थात् :— (1) श्रीमता राजधन्ती नौर विधवा अजमर सिंह द्वारा अजीत सिंह पुत अजमर सिंह, निवासी 3/11 णान्ति निकेसन, गई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जैकुमार जैन पुत्र सुलादमल जैन, एवं श्रीपक कुमार पुत्र जकुमार जन, निवासी-1773-1774, भागीरथ प्लेस,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त क्रमंदित के वर्णन् के सम्बन्ध में धोई भी जाभेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरण व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वकारणः --- इसमें प्रवृक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नगतची

सम्पति जो कि 14 विस्वा भूमि दिल्ली-गुड़गांधा रोड पर स्थित गुडगांवा में है। जिसका विस्तृत विधरण रिजस्ट्री-कर्ता के कार्यालय गुडगांवा में रिजस्ट्री संख्या 3329 दिनांका 2-11-1983 पर है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोह्तक

तारीख: 10-7-1984

मोहर 🛚

प्ररूप आही, टी. एन. एस. - - --

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त' (निरीक्सण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेण सं० गूडगांवा 91/83-84---अतः, मुझे, आण्ठके० भयाना,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भृमि 14 विस्ता है तथा जो दिल्हीगूडगांवा रोड, गूडगांवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय गूडगांवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
को 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण में हुई किसी बाय की साबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) घी प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना शाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उच्चारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्री अजीत सिंह पुत्र अजमेर सिंह, निवासी, 3/11, मान्ति निकेतन, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्री जैकुमार पुत श्री शुलादमल जैन और दीपक कुमार जैन पुत्र जैकुमार जैन, निवासी-1773-1774, भागीरथ प्लेस, दिल्ला।

(अन्तरिति)

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्ष) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरू शक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पव्हीं करणः -- इसमें प्रयुक्त श्रन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्र ची

सम्पत्तिं जोकि दिल्ला-गूडगांवा रोड पर 14 बिसबा स्थित है इसका विस्तृत विवरण रजिस्ट्राकर्ता के कार्यालय गुडगांवा रजिस्ट्रा संख्या 3330 दिनांक 2-11-1983 पर दिया गया है।

> आर**्के० भयाना** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्म (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 10-7-1984

मोहर 🔅

प्ररूप बाई, टी. एन. एस. ----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के अधीन स्वना

कार्यां तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोष्ट्रसक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० गुड़गांवा/92/83 84--अतः मुझे, आर०के० भयामा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- उ. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 19 विस्वा है तथा जो विल्ली-गुड़-गांवा रोड गुड़गांवा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय गुड़गांवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्नविक हम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उचत अधिनियम के वधीन कर दोने के जंतरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वौर/या
- (क) ऐंभी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः सब, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के नन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 5—186G1|84  श्रीमती दीना ग्रेवाल पुती अजमेर सिंह द्वारा
 श्री अजीत सिंह, निवास-3/11;
 गान्ति निकेतन, विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जैकुमार जैन पुत्र सुलावमल जैन एवं दीपक कुमार पुत्र निवासी--1773--1774, भगीरथ प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जें भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्री, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनसमी**

सम्पति भूमि, 14 विस्ता जो विः विल्ली-गुड़गांवा रोड पर स्थित है। जिसका विस्तृत ब्यौरा र्राजस्ट्रीकर्ता कार्यालय गुड़गांवा रजि॰ संख्या 3338 दिनांक 2-11-1983

> आर०के० मयाना मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, रोहतक

तारी**कं** 10~7—1984 मोहर:

# प्रकण बाइ . टी. एन. एस.------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन समना

#### भारत तरकार

#### कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 11 जुलाई 1984

निवेशक सं० III-957/अर्जन/84-85--अत: मुझे, प्रकाध कुमार दूबे.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उधित बाजार मृत्व 25,000/- रु. से मधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं०-27, पार्ट आफ हो०सं०-7 (पुराना) 18 (नया), वार्ड सं०-2 (पुराना), 11 (नया) है, तथा जो वार्ड संख्या-11 नया, पो०/जिला--भागलपुर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रहयजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि संभाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे रहयभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखिल उचुदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा खे लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-त के, अनुसरण कों, कों, उक्त निधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निध्नतिसित व्यक्तियों. अर्थात् :---

(1) श्री नारायण श्रसाद कोटरीवाला, निवासी-सुजागंज, पो०/जिला-भागलपुर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स डूअर्स ट्राँसपोर्ट प्राइवेट लि० द्वारा— श्री पवन कुमार अग्रवाल, सा०-134/1, महारमां गांधी रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संप्रातित को वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हो:

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपच में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास निचित में किए वा सकीन।

स्वत्यकरण: —-इसमें प्रयुक्त खब्यों आहि पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### नगसभी

2340 वर्गफीट जमीन बनावट सहित जो (वार्ड संख्या 11 नगा में) पो०-जिला भागलपुर में स्थित हैं एवं रूप से वसिका संख्या-I-11320 दिनांक 11-11-83 में वर्णित हैं. तथा सब-रजिस्ट्रार ऑफ एस्पोरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूवें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, पटना

दिनांक : 11-7-1984

मोहर:

श्रुक्य कार्ड .टी. एन् एस .-----

नाय्कर सभिनियस, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (१) की अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सङ्घायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जम रेंज पटना :

पटना विनांक 11 जुलाई 1984

निवेश सं० III-959 /प्रर्जन/84-85---प्रतः मुझे प्रबोध कुमार दुबे

शायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहः से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लोट सं०-27 पार्ट ग्रांफ हो०सं०-7 (पुरानी) 18 (नया) बार्ड सं०-2 (पुरानी) 11 (नया) है, तथा जो वार्ड संख्या-11 (नया), पो०/जिला--भागलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध भनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्भा ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 11-11-83

को पृथांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी नाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा भे विष्; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात् ्र— (1) श्री बनारसी लाल कोटरीवाला, निवासी—सुजागंज, पो०/जिला—भागलपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स बुग्नर्स द्रीसपोर्ट प्राइवेट लि०, द्वारा—श्री पवन कुमार ग्रग्नवाला, सी०-134/1, कलकत्ता।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रशेक्त सम्मित्त के अवन के जिल्क कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 फिल की नवित्त या तरसम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### मन्सूची

3472 वर्गफीट जमीन बनायट सिहत जो वार्ड स०-11 नया में, पो०-जिला-भागलपुर में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या-I-11322 दिनांक 11-11-83 में विजित है तथा सब-रिजस्ट्रार श्रांफ एस्पोरेन्सेज कलकता के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त, ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 11-7-84

मोहर:

प्ररूप आर्ड..टी.एन.एस / ------

भाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकार

भार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 जुलाई 1984

निवेशक सं० III-958/म्रर्जन/84-85--म्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दूवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रूठ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लांट सं०-27, पार्ट ग्रांफ हो० सं०-7 (पुराना) 18(नया), वार्ड सं०-2 (पुराना) 11 (नया) है, तथा जो बार्ड संख्या-11, नया, पो० जिल्ला—भागलपुर। स्थित है (ग्रौर इससे उपलब्ध ग्रनुसूची ; ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन तारीख 11 नवम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्या आस्तिमों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमसी शशिकला कोटरीवाला, सा०--80 जी, लैन्सडाउन रोड, कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स इम्रसं ट्रॉस्पोर्ट प्राइवेट लि॰ द्वारा— श्री पवन कुमार ग्रग्नवाल, सा॰-134/1, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगृष्यी

1948 वर्गफीट जमीन बनावट सहित जो वार्ड सं०-11 नया में, पो०/जिला--भागलपुर में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या--I-11321. विनांक 11-11-83 में वर्णित है तथा सब रजिस्ट्रार आंफ एस्पोरेन्सेज कलकसा के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोधं कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी, निरोक्षी सहायक स्नायकर भ्रायुक्त, स्नर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारी**व** : 11-7-1984

मोहर 🌣

प्रकृप नाइ. टी. एन. एवं ,-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर आयुक्त (निर्दाक्षण) भर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेशक सं० III-954/ब्रार्जन/84-85--ब्रह्नु: मुझे, प्रक्षोधं कुमार दूबे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मौजा-धरया सं०-6, खाता सं०-130, प्लोट सं०-1397 मौजा-धैलया, पो०/जिला-धनबाद में स्थित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 16 सितम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त वीधीन्यम के अभीन कर दोने के बंतरक के दामित्व में कमी कड़ने या उससे बचने में सूर्तिभा के सिए; बौर/या
- (च) ऐसी किसी बाव या किसी धन वा अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, अधीत क्रिक्त (1) मेससं जितेन्द्र इन्वेस्टमेन्ट कम्पनी लि० द्वारा, द्वायरेक्टर श्री देवेन्द्र कुमार श्रग्रवाला, वल्द--श्री बनवारी लाल श्रग्रवाला, रजिस्टर्ड श्रांफिस--लाल बजार, पो०--सारिया, जिला---धनवाद।

(मन्तरक)

(2) श्री मास्टर विभव ग्रग्नवाला, वरूद—श्री जोगेन्द्र कुमार श्रग्नवाला, निवासी—लाल बजार, पो०—ग्रारिया, जिला—धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुबना आही करके पूर्वीकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वान की तामील से 30 दिन की श्विध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्युक्तीकरण:----इसमें प्रयुक्त सन्धां मौट पर्यों का, को उन्स् अधित्यम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित इं., वहीं वर्ष होगा को उस अभ्याय में दिया नवा है।

### मनसर्ची

6.92 डिसमिल जमीन तथा आधा कटिंग बिल्डिंग के साथ जो मौजा-धैया, पो० जिला-धनकाद में स्थित है एवं पुर्ण रूप से वसिका संख्या-12783 दिनांक-16-11-83 में विणित है तथा जिला-प्रवर निवंधक पदाधिकारी धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूब सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, बिहार,पटना

ता**रीख**ः 10-7-84

मांहर 🖫

प्रकृष आइं.टी. एन. एस. ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के नधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, ,सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ृद्र्यजैन रेंज, बिहार, पटना

्रपटना, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० 3-956/म्रर्जन/84-85---म्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

श्रौर जिसकी सं० पार्ट श्रांफ एम०एस० प्लाट सं ● 2083, 2088 एवं 2039 वार्ड सं०— है, तथा जो मेन रोड पर, पो०,/जिला—रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सांगम गोवा में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-12-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम श्रम्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके श्रम्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्रम्यमान प्रतिफल के ब्लाइ प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वरेश से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किश्त से नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली भाय की बाबत, उक्त जिल्लास्य के सभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने या उत्तसे क्यने में दुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को फिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

शतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त स्थिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थीत् ६—→

(1) श्रीमति उमा देवी वृधिया जौजे--श्री शिव प्रसाद वृधिया, सा०/पो०-वरियातु, जिला---रांची।

(मन्तरक)

(2) श्री रोमी जयसवाल,
 बस्य—स्व० कृष्णा लाल जायसवाल,
 निवासी—4,
 क्लाइड रो,
 हास्टिंगस,
 कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पत्त किरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिश्रावित हैं बही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्त्रको

13 कटंठा 4 छटांक 5 वर्गफीट जमीन सिनेमा हांल के साथ जिसे "श्री विष्णु टाकीज" के नाम से जाना जाता है और जो मेन रोख, पर पो०/जिला—रांची, में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या—11230 दिनांक 7—11—83 विश्वत है तथा जिला—धवर निबंधक पदाधिकारी रांची के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 10-7-1984.

प्ररूप वाद. टी. एन. एस. -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालव, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 10 जुलाई 1984

निवेश सं० III-953/ग्रर्जन/84-85--ग्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का क्ष्ररण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० मौजा-धैया सं०-6, खाता सं०-130, प्लाट सं०-1397 है तथा जो मौजा धैया, पौ०/जिला-धनवाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाब्ध श्रनुसूची में श्रौर पुर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय धनवाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 2 नवस्वर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदस्य से उक्त अन्तर्ण सिवित में बास्तिबक कप ने करियत नहीं किया गया है !---

- (भा) जन्तारण ते हुई किसी नाम भागिताया, उत्ता जीभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तारक के बायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए; जीर/मा
- हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलि<del>क्ति व्यक्तियों, नर्थात् १</del>— (1) मेसर्स जितेन्द्र इन्वेस्टमेन्ट कम्पनो लि०, ग्रारा, डायरेक्टर श्री देवेन्द्र कुमार ग्रग्नवाला. वल्द--श्री बनवारी लाल ग्रग्नवाला, रजिस्टर्ड ग्राफिस-लाल बाजार, पो०-न्नारिया, जिला-धनवाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी स्मिता श्रग्नवाला पुत्री---श्री देवेन्द्र कुमार श्रग्नवाला, निवासी---लाल बाजार, पो०--झरिया, जिला--धनबाद।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्वव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त जिमितियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं जर्भ होगा जो उस अध्याय में दिशा गवा है।

#### नगुत्तुची

8 डिसम्ल जमीन तथा श्राधा कॉटेज बिल्डिंग के साथ जो मौजा-थैया, पो॰/जिला-धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या-12513 विनांक 2-11-83 में वर्णित है तथा जिला श्रवर निबंधक पदाधिकारी धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-बिहार, पटना

**सारीब**: 10--7-1984

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत संडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 10 जुलाई 1984

निवेश सं० III-955/म्रर्जन/84-85---म्रतः मुझे, प्रबोध सुमार धूबे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मौजा-धैया सं०-6, खाता सं०-130, प्लाट सं०-1397 है तथा जो मौजा-धैया, पो०/जिला-धनबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाब्द श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय धनबाद में र्राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 30 नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान इतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का, निस्निविद्या उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिक क्या में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की जानता, उनका जिल्लाम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्थ में कमी करने या उससे क्चने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स जितेन्द्र इन्वेस्टमेन्ट कम्पनी लि०, द्वारा, डायरेक्टर श्री देवेन्द्र कुमार श्रप्रवाला, वल्द--श्री बनवारी लाल श्रप्रवाला, रजिस्टर्ड धॉफिस--लाल बाजार, पो०--सरिया, जिला-धनबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी भानी श्रग्नवाला पुत्री, श्री देवेन्द्र कुमार श्रग्नवाला, निवासी——लाल बाजार, पो०——झरिग्रा, जिला—धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना वारी करके प्रतिकत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितनव्भ किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास् लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वाकतीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अमस्त्री

8.25 डिसमिल जमीन तथा श्राधा काँटेज बिल्डिंग के साथ जो मीजा-धैया, पो॰/जिला-धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिका संख्या-13278 दिनांक 30-11-83 में विणित है तथा जिला-ग्रवर निबंधक पदाधिकारी धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहाथक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 10-7-1984

मोहरः 🕄

प्रकृष् आहे. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः सहायक भायबार बाध्यतः (निरोक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

नुधियाना, 12 जुलाई 1984

निदेश सं० चण्डी०/102/83-84---ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

भागकर अधिनियम, 196; (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव एसवसीवएकव साईट नंव 335 है तथा जो मोटर प्राक्षीट शीर कर्माणयल कम्पलैक्स मनी माजरा यूवटीव चण्डांगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, चण्डीगढ़ में. रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निक्तिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिमित में सास्तिवाह एवं से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उपमे बचने में मृधिधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी अाय या किसी धन या अत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जल कम उस्त अधिनियम की थारा 269-ग के अनुसरण में, मैं स्थल अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा ११ के अधीन, हिन्दि स्थित स्थितिस्था क्षितिस्था, अभित्र-6---186GI[84 (1) श्रीमती दलजीत कौर पत्नी, सरदार जसमेर सिंह, निवासी मकान नं० 2101. सैक्टर 35—सी, भण्डीगढ़।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला लाम्बा पत्नी, सरदार जोगिन्द्र सिंह श्रौर भरदार जोगिन्द्र सिंह लाम्बा, निवासी 131 सैक्टर 21-ए०, चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पृत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिंखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

एस॰सी॰एफ॰ साईट नं॰ 335 मोटर मार्कीट भौर कर्माशयल कम्पलैक्स मनी माजरा यू॰टी॰ चण्डीगढ़ में स्थित है।

(श्रवीत् वह जायसद जो रिजिस्ट्रीकर्ना श्रिक्षिकरी सण्डी-गढ़ के बिलेख संख्या नं० 852 के तहत माह नवस्वर 1983 में दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 12-7-1984

मोहर 🗈

त्रक्ष बाह्", टी. एर. एवं

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० चण्डी०/107/83-84---थतः मुझे. जीगिन्द्र

सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान नं 467, मैक्टर 15-ए० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख नवम्बर 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शासित्य में कभी करने या उत्तर्ध वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी साम या किसी धन या अन्य आस्त्यों को जिन्हों भारतीय साम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधिन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात ६——  (1) श्रीमती नरेन्द्र कौर पत्नी श्री तेजा सिंह. निवासी, मकान नं० 467, सैक्टर 15-ए।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लीला वती पत्नी
श्री परस राम शर्मा, श्री धर्म दस,
श्री हक्षीकत राय श्रीर रमेश कुमार पुतान,
श्री परम राम शर्मा निवासी
मुरादाबाद (यू०पी०) केराफ
मै०/स० रमेश मैटल इन्डस्ट्रीज,
43-डी,
केसस्वी (नजदीक गंगा मन्दिर),
मुरादाबाद।

(अन्तरिती)

(3) श्री सत्या पाल जैन, वकील श्री वी०वी० ग्रीयल, दोनों निवासी मकान नं० 467, सैक्टर 15⊸ए, चण्डीगढ़।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त
  स्वित्तयों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

### जन्सू ची

मकाम नं० 467, मैक्टर 15-ए, चण्डीगढ़। (ग्रर्थात वह जायदाद जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 898 के तहत माह नवम्बर 1983 में दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 12-7-1984

मोहर 🕫

प्रकप आईं, टी. एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

नुधिधाना, विनांक 12 जुलाई 1984

निवेश स० चण्डीगढ़/108/83-84--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एम०सी०एफ० नं० 4 है तथा जो सैक्टर 206 चण्डीगढ़ में स्थित है (और इनमे उपाबद अनुमूर्ची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांश नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भित्त का उचित बाजार मूल्य. उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पृन्तह प्रोस्थात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्दरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दार्जित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या धने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ह्वारा धकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः भवः उक्त मिनियम की धारा 269-म के, अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः निम्निलिति ज्यक्तियों, अर्थात् हु—-

(1) श्रोमती अरिवन्द्र कौर विधवा लेट श्रो जी०एस० बेदी मिस सोनू उसकी गार-डियन को हैसियत में और श्रा विरिन्द्र सिंह बेदी पुत्र लेट श्री जी०एस० बेदी निवासी मक्तान नं० 1619. सैक्टर 7-सी० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) डा० कृष्ण लाल बतरा पुत्र श्री खेम चन्द बतरा, निवासो मकान नं० 3016, सैक्टर 20~डो॰, चण्डीगढ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मांश के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के मंबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं वर्ध द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्यो

एस० मी० एफ० नं० 4, सैक्टर 20, घण्डीगढ़ । (अर्थात् वह जायदाद जो रजिस्ट्रीयन्ती अधि गरी, चण्डी-

गढ़ के विलेख संख्या 900 के नहत माह नवम्बर 1983 में दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारोख: 12-7-84

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश स० चण्डोगढ़/110/83-84--अत. मुझे जीगिन्द्र सिह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अवित बाजार मल्य 25,000/- हुए. से अधिक है

भौर जिसकी सं० गाट नं०

3129 सैक्टर 28-डो॰ है तथा जो चर्ण्डागर में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण **रूप से वर्णित है)**, रजिस्ट्रोक्ता अधिकारी के कार्यालय, भण्डीगढ़ में, राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1905 ला 16) के अधीन नारीख नवम्बर 1983

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रीतचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत. अभिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को द्ययित्व में कमी करने या उत्तरो यजने भें तुनिधा क्रो लिए: गौर/या
- (व) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्मियोः को, जिन्हां भारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर् अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः वन, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण **मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा** (1) कै अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात 🛌

- (1) श्री स्वीन भिन्न पूत्र श्री आत्मा सिंह. श्री सन्त सिंह और सुखदेव सिंह (नाबालिंग) पुत्र श्रास्वंन सिंह, कमल जीत कौर श्रीर सखजीत कौर (नामालिंग) पुत्रियांश्रीस्वनसिंह द्वारा उनका पिता और गाडियन थी। स्वेन सिह, निवासी नं 38. पाडितचारोड क्लकता । (अन्तरक)
- (2) श्री प्रेम कुमार वर्मा पैव श्री गिरधारी नान, श्रीमती संतोष वर्मा पतनी श्री प्रेम कूमार वर्मा, रमन वर्मा और अमन वर्मा (नावालिंग) प्रव श्री प्रेम कुमार वर्माः निवासी मकान न० 3149 सैक्टर, 28-डी०, चण्डीगढ ।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन का लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नगीं बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पर्वेक्ट व्यक्तियां मों से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस मूचना के राजभन में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अ्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ कोगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

#### मन्सूची

प्लाट नं० 3129 जोतिः सैक्टर 28-डी, चण्डीगढ में स्थित है।

(अर्थात् यह आयदाद जो रिजस्द्रोकता अधिकारी चण्डोगढ़ के विलेख संख्या नं० 907 के तहत माह नयम्बर 1983 में दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम पाधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

तारोख: 9-7-84

मोहर

प्रकृप बाह्र . टी. यून. एस.-----

जागकर जिम्मियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के जभीन सूचना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियानाः दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० चण्डीगढ़/114/83-84---अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लाट नंव 3076, सैक्टर 35-डी है तथा ज़ी चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कम ने वर्णित है), प्रजिस्ट्री कि अधि छाउँ के कार्यालय, वण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गण्य प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-निग्रम के अधीन भर दमें के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उक्स अधने में सुविधा के सिए; लौर/था
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का प्रतिकार अधिनियम, का प्रतिकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निधिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----  श्रो भगवान दास बंसल और श्रीमती ऊषा बंसल. निवासी 1572, सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री मुखदेव सिंह सोवती पुत्र सरदार प्रेम सिंह सोवती निवामी एस०सी०ओ० नं० 295. सैक्टर 35-डी०. चण्डीगढ़।

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति से नर्जन से सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना अ राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेगे।

स्पद्धिकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित इं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वप्तुची

ण्लाट नं० 3076 जो कि सैक्टर 35—डी, **चण्डीगढ़** में स्थित **है**।

(अर्थात् वह जायदाद जो रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, चण्डी-गढ़ के विल्लेख संख्या 926 के तहत माह नवम्बर 1983 में दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख** : 9~7-1984

### प्रकृष वाहाँ , टी , एक् , एस् , ------

बारकर निर्धातयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नभीन स्थाना

#### नारत उरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज. लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० चर्ण्डागढ़/115/83--84---अतः मृझे जोगिन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है"),, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1177 सैक्टर 34—सी है तथा जो चण्डोगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजिस्ट्रीकृत्ती अधितारों के कार्यालय, चण्डोगढ़ में, रिजिस्ट्रोक्तिण अधितियम, 1908 (1908 की ,16) के अधीन, तारीख नवस्वर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) क बाज एसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित रूप सास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बायत उन्हर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/बा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) तरवार हरी सिंह भण्डारी युव सरदार अवतार सिंह भण्डारी द्वारा उसका जी०पी० ए० श्री करतार चन्व दुआ पुव श्री गण्डा राम दुआ निवासी मकान नं० 2365, सैक्टर 23-सी, चण्डोगढ़। (अन्तरक)

(2) श्रीमतो शांता शर्मा पत्नी श्री एम०एल० शर्मा पुत श्री एम०एल० शर्मा पुत श्री शाभ दास, निवासी मकान न० 1281, सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़। (भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थवधीकरण:--इसमें प्रगुक्त शरदों जोर पदों का, जो सकत जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही जर्थ कांगा, जो उस जध्याय में दिया क्या है।

### प्रमृत्यी

पलाट तं० 1177 सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ (अथित् गायदाद जो रिजस्ट्रोक्स्ती अधिकारी, चण्डीगढ के वित्रेख संख्या तं० 930 के तहत माह नवम्बर 1983 में दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

त्तरीख 12-7-1984 मोहर प्रस्प भार्षं .टी . एन . एस . -----

मायकर मिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाय हे आयक्तर आयुक्त (तिरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 26 जून 1984

निदंश सं॰ चण्डी ॰/ 118,119,120/83-84---अत: मुझे, जोगिनद्र सिंह

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दश्वार मुल्य 25,000 ∕- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० मकान सं० 705 सैक्टर 20 ऐ है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय चण्डीगढ़ में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विक्वास करन का कारण है कि स्थापबोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य, असको एरयमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल को पन्द्रश प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-रिसी (अंतरिनियाँ) के बील एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेख्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिभिक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी जाब की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या लगसे अचने में को लिए: **जरि**/या
- (अत) एसे किसी अगय याकिसी भन या अन्य अगस्तियों को, जिन्ह<sup>े</sup> भारतीय आधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा क्षे किए ।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात:--

1. विरेन्द्र क्मारसूद/अशो√ कुमार सूद, प्तान श्रीनीबत राव सुद और श्रीमती कमलेश सुद पत्नि श्री राजेन्द्र कुमार सूदः गकान नं 0 3 3/11. नाम ज्याटरज, हापूर रोड़, गाजियाबाद।

(अन्धर्क

2. श्री राधेश(म और भारत भूष पृतान श्री चन्दन लाल के/ग्राफ मैं०/म० जै भारत आटो मैन्टर बुथ नं० 23, सैक्टर - 21--सी, चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

(3) श्री हरी लष्ण उपल पूस श्री बोध राज उपल. निवासी मङान नं० 705, मुँक्टर 20-रो. चण्डी(गढ़ ।

क्यों यह सूचना अगरी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रिया गुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की सारीचार्स 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क्ष) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं 🗧

महान नं० 705. सैक्टर 20-एं० चण्डीगढ़ (अर्थात जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 957. 958. 959के तहन माहनयम्बर 1983 में दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना

्र**तारीख**: 13-2-1984

मांहर्

प्ररूप जाइ<sup>1</sup>.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेश सं० चण्डीगढ़ /121/83-84—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

तथा जो चर्णडागढ़ में स्थित (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चर्ण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवम्बर 1983 को र्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गृद्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्विषय से उच्त अन्तरण निचित में मास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हाइ किसी नाय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीबत व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) सरवार सुरजीत सिंह गिल पुत श्री गुरनाम सिंह, निवासी गांव चहलकलां तहसील मोगा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी लेट सरदार गुरदेव सिंह मास्टर परमजीत सिंह श्रौर मास्टरवेविनद्र सिंह पुत्र उनकी माता श्रौर अरंडियन श्रीमती सुरजीत कौर निवासी मकान न० 2268 सैक्टर 35-C चण्डीगढ़

(भन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्परित के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सन्नाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचन। के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के पास निसित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ शोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन संबंध

खुला प्लाट, शीट नं० 54, कोठी बाजार निगम कालोनी वार्ड नं० 13 होशंगाबाद में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी मैं निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना ।

सारी**ख**: 12-7-1984

महरू ह

### प्रकप माई. टी. एन. एस. - - - ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जुलाई 1984

निदेण मं० बरनाला/6,2/83--84---अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ह"

और जिसकी मं० जमीन 16 करनाल है तथा जो हंडयापा वरनाला में स्थित है और 'इससे उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वरनाला में, रिजर्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूल्य में कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एमी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
7 –186G1[84

1. (1) श्री अणोक कुमार पुत्र श्रीः शाम लाल (2) श्रामती सन्तीष परनी श्री अभीवः कुमार (3) श्रामता समलेश परित भूरेण कुमार केअरआपः मै श्रीगनेण 🕑 राईस मिल्ज खुडी रोड़ बरनाला श्रीमती मुलटरानी रानी पर्ना विजय कुमार 5. श्री हेम राज पुत्र र्व≀क्र राम 6. ध्रामती विमला देवी परनी सुभाष कुमार, भीशस्या देवा पर्सा शाम लाल केयरब्राफ गनेश राई मिल्ज, खुई। रोड,बरनाना

(अन्तरक)

2. मैं०/स० नेणनल राईस मिल्ज, खुईं। रोइ. वरनाला।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बासपे :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गयो है।

#### अनुसूची

जमीन 16 करनाल जो कि हंडयाया बरनाला में स्थितहै।

(अथित् जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्शा अधिकारी बरनाला के विलेख संख्या नं० 4168 और 4169 के तहत माह नवम्बर में दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह् मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंख, लुधियाना

तारीख: 18-7-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुभना

#### भारत बहुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्वत (निरीक्षेण)

भ्रजीत रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 12 जुलाई 1984 निदेश सं० नालागढ़/8/83-84--म्रत: मुझे, जोगिन्द्र सिंह

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने ना कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से निधक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन 5 विघा 4 बिस्वा ग्राम है तथा जो खुणमान सहसीम नाला गढ़ में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नालागढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, नारोख नगम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थयमान प्रतिकल से, एसे स्थयमान प्रतिकल का अन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल जल निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निच्चित में बास्त-विक स्था में कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री भागी सिंह पुत गरदार नामक सिंह निवासी ग्राम खुणमान, नहसील नालागढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं०/स० बसरा इन्डस्ट्रीज, कोठी नं० 509, सैक्टर 8-बी, चण्डीगद्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के स्वपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अविध नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वास्त;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवक्ष किसी बन्ध स्थावत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के बाख विविद्य में किये जा सकोंचे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत वीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं क्षे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंची

जमीन 5 विद्या 4 बिस्या ग्राम खुणामान तहसील नालागढ़

(श्रर्यात् वह जायदाद जो रिजस्ट्री कर्त्ता श्रधिकारी नालागढ़ के विलेख संख्या नं० 548 के तहत माह, नवम्बर 1983 में दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना

सारीखः: 12-7-1984

त्रक्य नाहाँ, टी. एन., एस., -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश मं० जी०म्राई०म्बार० संख्या 5-319/एसी स्य--म्रतः भुझे, ए० प्रसाद,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको संख्या भवन संख्या 874 है तथा जो ग्राम महिबुल्लापुर, थाना मंडियाव, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 2 नवस्वर 1983

को पूर्वोक्स सम्पति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कनी करने या उससे वचने में सीजधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम् की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिका स्थिक्तियों, अर्थात् :~~ (1) श्रीमती रेनू सेठ

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स मुमैक इन्टरनेशनल प्रा० लि० लखनऊ द्वार अटानी, भी रजनीश।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रय्क्त शक्त और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका गया है।

### नन्त्री

भूमि मय भवन नं० 874 पैमाईसी 10212 वर्ग-फिट, स्थित ग्राम-महिब्द्ल्लापुर थाना मिडियाव, लखनऊ, जिसका पंजोकरण सब-रिजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 2-11-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद . सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षी) श्रुजन रेज, लखनऊ

तारीख: 12-7-1984

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. - -

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सठ० 5-318/एसी०--ग्रतः मुझे, ए०प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000 ∕- रु. से अधिक ह⁴

श्रीर जिसकी सख्या प्लाट न० 2 व 3 है तथा जो काणोराज-नगर हाउसिंग स्कीम, बालुग्राथाट, इलाहाबाद में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध प्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 9 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम ना धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बंतः वंग, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण वं, में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री मधनवास

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गौतमचंद पिता

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुसुधी

प्लाट नं० 2 श्रीर 3 स्थित काणीराज नगर हाउसिंग स्कीम, बलुग्राघाट इलाहाबाद, जैसाकि फार्म 37—जी संख्या 6600 में वर्णित जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार इलाहा-बाद के कार्यालय में दिनांक 9—11—83 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारोख: 13-7-1984

### मुक्त आहे<u>. सी. एक . एक . - अस्तर---- भ</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### सर्व पर्वाह

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जुलाई 1984 निदेश स० जी०म्राई०म्रार० संख्या एम०—195/ए०सी०—~ म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा वया हैं), की बारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संख्या खुली भूमि है तथा जो मौजामझौला, जो मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रोकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 नम्नवम्बर 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल। के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिधक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई कियी बाय की बाबल, उक्त जीभीन्यम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अभितु:—— (1) श्री छुट्टन सिंह्

(ग्रन्तरक)

(1) श्री के० श्रीनिवासन,

(भन्तिरती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओब :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामीम से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त ज्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना को राजपण में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अन्स्ची

खुलो भूमि पैमाईमो 449.0724 वर्ग-मोटर स्थित मौजा-मझौला मुरादाबाद (खसरा नं० 252) जैसा कि फार्म 37-जी संख्या 6667 में विणित है जिसका पंजोकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 29 नवस्बर 1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

नारीख: 11-7-1984

मोहर 🤄

प्रकथ बाइ . टी. एन्, एस.-----

नायकर नौभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ए (1) के नभीन सूचना

#### भारत करकाड

# कार्याब्य, बुहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जुलाई 1984 निदेश सं० जी०ग्राई०ग्रार०संख्या एम०−194/ए०---ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित वाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या तिमंजिला मकान है तथा जो जयानन्द भारतीय मार्ग कोटढ़ार में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लरल्साउन में रजिस्ट्रोकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 27 नवम्बर 1983 को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विख्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरित (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्का अधिनियम, या धनकृत अधिनियम, या धनकृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः, जब, उक्त जिमिनम् की धारा 269-च के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को जभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्धात् ्र—— (1) श्री राम दास बतरा

(ग्रन्सरक)

(2) मुशलिम फण्ड नजांत्रावा द्वारामैनेजर्, इजफारलहक ।

(भ्रन्तरिती)

(4) আরুর কা

 ग्रहा इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को-श्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्थन के जिल्क कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारी;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

#### मनसची

तिमजिला मकान स्थित जयानन्द भारती माग कोटद्वार, जैसाकि फार्म 37-जी० संख्या 672 में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लेब्रसडाउन के कार्यालम में दिनांक 27-11-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, नखनऊ

तारीख : 11-7-1984

भाहर :

प्ररूप बाइ'. ही. एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक शासकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनड

लखनड, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० जी०आई०आए० संख्या सी—12/ए०—अत: मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो सहसील सदर जिला—— में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9 अनवम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में भृतिधा के बिए; और/वा
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, अधिनार में सुनिया के लिए;

सतः सबः, उक्त सिधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियमं की धारा 269-ध की उपधारा (1) के सभीन निम्बलिकित व्यक्तियों, संशति:—— (1) 1. श्री दीपक खन्डेबाल 2. श्री चन्द्र कान्त खन्डेलवाल

(अन्तरक)

(2) मेसर्स क्लीन फूड कारपोरेणन लि०, द्वारा अटार्नी श्री वाबीर राना रास ।

(अन्तरिती)

भी यह सुपना जारी करके पुनाँक्त सन्परित के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

वक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कांई भी वाक्षेप :---

- (क) इस तुम्ता के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संवंधी व्यक्तियों दर सूम्ता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाद्रा;
- (क) इस सूचना कै राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म स्थावत ब्वारा, अथोहस्ताकारी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रमुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त किंद-नियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होगा, जो उस कभ्याय में दिया गवा है।

#### नगस्पी

भूमि प्रमाईसी 3 बीधा 2 बिस्या 14 बिस्वान्सी स्थित तहर सदर जिला-रामपुर, जैसाकि फार्म 37-जी संख्या 2436 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार राम-पुर के कार्यालय में दिनांक 9-11-83 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 11-7-84 मोहर: प्ररूप आइ. टी. एन. एस. - - -

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-घ (1) के अधीन मुख्या

#### भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनउ, दिनांक 11 ज्लाई 1984

निदेश सं० जी०आई०आर० संख्या सी-43/ए०---अनः मुझे, ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्रीर जिस्की संख्या भूमि है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिरनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14 नयम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास वाज़ का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वाम्नविक एप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी आय की वावत, उक्क विधिनियम के अधीन कर दीने के बन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मॅं, मॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) 1. श्रीमती कमलेश
  - 2. श्रीमती राजकुमारी वर्मा
  - 3. श्रीमती कलामवर्ता
  - 4. श्री एमेश चन्द गीयल

(अलरक)

- (2) चाष्क्यपुरी सहकारी आधास समिति लि० (रजि०नं० 592) द्वारा श्री महेन्द्र प्रसाताप कौशिक,
  - 2 श्री भूशकर गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति ब्वास अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुसुची

तीन प्लाट भूमि पैमाईसी 3.91 एकड़, जैसाकि फार्म 37-जी संख्या 5774 में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 14-11-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहामक आमवार आयुक्त अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 11-7-1984

मोहर 🖺

### प्ररूप आहु". टी. इन्. एस . -------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घ्रधील सूचना

#### भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनक

लखनऊ, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेण सं० जी०आई०आर० संख्या एम० 191/ए० क्यू०---असः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या खसरा नं 160 व 188 है तथा जो लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 नवस्वर 1983

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूरुप से कम के दुश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूरुय, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डत प्रतिकात से प्रविक्त है और प्रन्तरक (प्रस्तरकों) भौर, प्रन्तरितीं (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में नास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त श्रीविश्यम के श्रांशित कर देने के श्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या असमे व्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अस्तिरिती द्वारा प्रकट महीं किया रुया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विद्धा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह— 8—186/84

- (1) 1. श्री बदलू
  - 2. श्री राम वयाल
  - 3. श्री गनेश प्रसाद
  - 4. श्री अपर नाथ

(अन्सरक)

- (2) 1. श्री मो० इरशाद
  - 2. श्री मो० इजहार
  - श्री. मो इफतकार
  - 4. श्री मो० इखलाक
  - श्री मो० इसरार

(अन्सरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वों क्त सम्परिस के अर्जन के सिष् कार्ययाहियां शुरू करता हूं।

### ंडक्त सम्परित के वर्जन के सम्बंत्भ में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- सव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, को उनक अभिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नवा हैं।

### अनुसूची

खसरा नं 160 ग्रीर 188, पैमाईसी 1 बीघा 13 बिस्वा स्थित कल्यानपुर, लखनऊ, जैसा कि फार्म 37-जी संग्रपा 10775 में विणित है िसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 16-11-83 को किया जा सुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, लखनऊ

नारीख: 11-7-1984

मोहर 🕃

त्ररूप भार्च, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 ज्लाई 1984

आयकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित शाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि खसरा नं 17 है तथा जो ग्राम अल्लीपुर, तहसील हसनपुर, जिला सुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद (हन-पुर) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(190 का 16) के अधीन, दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय धाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्या बन्तरण शिखित में भास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर पोने के अन्तरक को क्यिंटर में कभी करने से उससे स्थाने में वृश्चिमा के लिए; और/सा
- (स) एेमी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) 1. श्री टीकाराम2. श्रीमती गोमती देवी

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मेरठ आयल्स एण्ड केमिकल (प्रा०) लि० द्वारा श्री डी०सी० शर्मा, मेरठ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोयस संपरित के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहेस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनस्ची

भूमि खसरा नं 017, पैमाईसी 2.87 एकड़ स्थित ग्राम अस्लीपुर, तहसील हसनपुर जिला मुरादाबाद, जैसाकि फार्म 37-जी संख्या 6221 में विणल है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार हसनपुर के कार्यालय में दिनोक 1-11-1983 को किया जा जुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

(1) श्रोमतं, तौहिदा

(अन्तरकः)

(2) श्री मो० खालिय रणीव

(अन्तरिती)

#### भारत जरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० जी०आई०आर०संख्या एम-193/ए क्यू०--अत: मुझे; ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के स्थीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्पर्णित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या खुली भूमि है तथा जो ग्राम इसलामपुर दाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीक र्ता अधिकारी के कार्यालय बिजनीर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सम्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंशरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाग या किसी भन या अन्य बास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के गयोजनार्थ अंगरिती दूरारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगुसूची

खुली भूमि स्थित ग्राम⊸इसलामपुर दास जैसािक फार्म 37-जी संख्या 4283 में विणित है, जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार बिजनौर के कार्यालय में दिनांक 19-11-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रना**द** सक्षम प्राधिवःसी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

अत:, अब, उक्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नीसिंख व्यक्तियों, अर्थात्:—

नारीख: 12-7-1984

गाम्रः

प्रकार आहे. टी. एन्, एव -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना नारक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिमांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० जी०आई०आर० संख्या ए०138/एक्यू---अत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या आधा हिस्सा मकान मय भूमि है तथा जो मुरादाबाद, दौलसबाग, मुरावाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य मुरादाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उसित बाजार भृत्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उभित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुइ किसी भाग की वासत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के सन्तरण के विधित्व में किमी करने या उससे वचने से सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भून या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, शा भनकर अधिनियम, शा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्था था था किया अना चाहिए था छिपाने में सृतिया के लिए;

अतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिक्किन् व्यक्तियों, नुभात् :--- (1) श्री निवास राम चन्द्र मनोरकर

(अन्तरक)

(2) श्री आलाके कुमार तिवेदी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके प्वार्वित संपत्ति के अर्थन के खिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्स संपरित के कर्जन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेष ा--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूजांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म भ्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव निधित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीक रणः - इतमं प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्स अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं मर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### असम्बर्ग

आधा हिस्सा मकान मय भूमि स्थित दौलतवाग, मुरादा-बाद, जैसाकि फार्म 37-जी संख्या 6707 में विणित है। जिसका पंजीकरण सब-रजिन्द्रार मुरादाबाद के कार्यालय दिनांक 30-11-1983 की किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-7-1984

मोहर 🎉

प्ररूप आर्द्दः टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

### कायसिय, सहायक वायकर वायक्त ([नरीक्षण) अर्जन रेंज, लबनऊ

लखनऊ, विनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० जी०आई०आ२० संख्या जेड-- 5/एनयू--अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या सम्पत्ति नं० 123-सीं, 138, 141 व 169 ग्राम-माहम्मदपुर, तहसील व जिला-लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बखत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मृतिथा के लिए;

वतः जन, उक्त मधिनियम, कौ भारा 269-ग कौ जगुसरम हो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) की अधीतः जिल्लीसिवत स्वीक्तयों, जयात् :--- (1) 1. श्रीमती शान्ती देवी 2. श्रीमती बसन्ती देवी उर्फ शान्ती देवी

(अन्तरक)

(2) 1. श्री जमील अहमद2. श्री मो० जलील

(अन्तरिर्ता)

(3) वित्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पर्शि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अरक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी करां 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा गर्कोंगे!

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 123-र्सा, 138,141 धौर 169 स्थित ग्राम-मोहम्मवपुर तहसील व जिला-लखनऊ जैसाकि फार्म 37-जी संख्या 10814 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल**व**ानऊ

तारी**ख**: 13—7—1984

भोहर:

### एक्ष् वार्ं, टी. एन्. एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० जी० आई० आ ए-139/एक्यु०---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं आधा हिस्सा माकान मय भूमि, दौलताबाग, मुरादाबाद में स्थित हैं. (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिका र के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-11-83

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिस्ति में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी अब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरतीं ब्वारा प्रकट नहीं किया गया बाबा किया जाना आहिए था छिपाने में सुविभा के जिल्हा;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन निम्निकितिक व्यक्तिकार्यों अधितः:---- 1. श्री निवास राम चन्द्र मनोरकर ।

(अन्तरकः)

2. श्री अशोक कुमार तिवेदी ।

(अन्तरितीः)

को गृह सूचना जारी कारके पृश्तिकत सम्परित् के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबा। अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

अध्या हिस्सा मकान मय भूमि स्थित दौलतबाग, मुरादाबाद जैसा कि फार्म 37-जी संख्या 6729 में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, मुरादाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 13-7-1984

प्रक्य आहें. टी. एन. एस. -----

श्रायक्षर विधिनियम, 1951 (1961 का 43) की छारा 209-व(1) के सभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

मखनक, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश संव जीव आईव आरव संव पी-118/एसयुव---अतः मृत्तो, एव प्रसाद

बायकर लिंधनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त विधिनियम कहा गया है), की धारा 260-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को प्रतृ विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उष्ट्रिक बाजार मूल्य 25,000/- रह. से विधिक है

अोर जिसकी सं० भूमि, मोहत्या, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाद्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रे करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधील दिनाक 23-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिल्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 20 धन-कर अधिनियम, 21 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

1. श्री नौवत सिंह।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती पुष्पा नता
  - (2) श्री रता कान्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं
  45 विन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी
  अवभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा:
- (व) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब- वें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कस्य स्थाक्त व्वारा अभोहक्ताक्षरी के पाइ निवित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंधा हैं।

### अनुसुची

भूमि पेसाईशी 334-78 वर्ग मीटर स्थित भक्तीला, मुरादाबाद जैसा कि फार्म 37-जी संख्या 6530 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 23-11-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

कार अन्य, उक्त अधिनियम की धारा 205-न के अन्यरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनांक : 13-7-1984

महिर:

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

कःयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निदेश सं० जी (० आई० आर० नं० 27/37ईई/84—अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः से अधिक है

और जिसकी संव दुकान नंव 9है, तथा जो 11, एमव जीव मार्ग, ह्वीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, अर्जन क्षेत्र, लखनऊ में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 को दिनांक 7-11-1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उधित वाजार म्लय से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मून्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यकों किया जाना चाहिए भा, खिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अध उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण की, की, सकत अधिनियम की भाग 269-व की उपधार (1) के अभीन निम्नितियित व्यक्तियों अर्थात :---

- मसर्स हलत्रासिमा, प्रोपर्टीज, (प्रा०) लि० इलत्रासिया कोर्ट, हजरत मंहल्ला, लखनऊ । (अन्तरक)
  - (-1-4)

2. श्री नवीन टण्डन ।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नन्स्ची

भूमितल पर दुकान नं० 9 पैमाईकी, 255 वर्ग फिट कामर्स हाउस में, स्थित 11 एम० जी० मार्ग, हबीबडरुला, कम्पाउन्ड लखनऊ, करारनामा जैमा कि अर्जन रेंज, कम सं० 27/37ईई/4/अर्जन में सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा विनांक 7-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल**ब**नऊ

दिनांकः 9-7-1983

ा हर:

परूप भाइ टी, एन . एस . -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

#### सारत सरकार

## कार्यात्तर, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांब १ जुलाई, 1984

निदेण मं र्जा० आई० आर० नं 26/37ईई/84-अन: मुझे ए० प्रसाद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है") की भाष 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/- एत. से अधिक हैं

और जिसके। संव दुकान नंव 10 है, तथा जो 11, एम। जीव मार्ग, हुई। बउल्ला, कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित हैं (और इसने उपाबक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकार। के कार्यालय अर्जन रेज, लखनऊ, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 7-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके करयमान प्रतिफल सं, एसे करयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्सरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कस् निम्नासिबत उद्देश्य से उस्त कन्तरण सिबित में वास्तविक क्य से काथित नहीं किया वया है:---

- (क) बन्तरण से हाई किसी बाब की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दांत्रिस्य में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; कीर/गा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या जम्य जास्तियाँ को. जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, छिपाने में कृषिका के जिए:

क्रभः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-स के अनुसरक अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

9-186GI/84

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- घकी उपधारा (1) के

1. मैसर्स हलवासिया प्रापर्टीज, (प्रा०) लि०, हलवासिया कोर्ट, हजरतगंज, लखनऊ

(अन्तरक)

श्री राम जी टन्डन

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां 🕆

उक्त सक्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त थ्यक्तियाँ में में किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वा उक्स क्षींधनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, बही कर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

भिमतल पर दुकान नं० 10, पैमाईशी, 255 वर्ग फिट, कामर्स हाउस, में स्थित 11, एम० जी० माग, हवीबउल्ला. कम्पाउन्ड, लखनऊ, करारनामा जैसा कि अर्जन क्षेत्र, कम संख्या 26/37ईई/84/अजन में सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा दिनांक 7-11-1983 को राजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

दिनाक 9-7-1984 मोहर:

प्रकृष आहू . टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269•व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सड्कार

### कार्यालय, सहायक वायकर भागुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० जार्०आई० आए० नं० 25/37ईई/84---अतः मुझे ए० प्रसाद

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्यति, जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/- क० से प्रधिक है

और जिसेका सं श्राफिस नं 6 व 7 है, तथा जो 11, एम 6 जा 6 मार्ग, हवी वज्ला, कम्पाउन्ड , लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है) रिजस्ट्रीन कर्ती अधिकारी के कार्यालय में अर्जन रेज, लखनऊ में भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांका 1-11-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मृत्य से कम के समयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिमत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी का या जन्म आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

क्षतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्षे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, उर्थात् :---

 मैंसर्स हलवासिया प्रापर्टीण (प्रा०) लिगिटेड, हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।

(अन्तरकः)

2. मास्टर अरुण मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुक्र करना है।

उक्त सम्परित को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 15 दिन की धने या तरसम्बन्धी व्यक्तिया पर भूजना की नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इत्याः
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी क पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रतिवार के प्रशास 20-क में परिभाषित है। बही क्षर्य होगा, जो तम ग्रहपार में दिया गया है।

### अनुसुची

फिल्य फिलोर पर आफिस नं० 6 और 7 पैमाईगी। 540 वर्ग फिट कामसे हाँडिस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, हवींबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ करारनामा जैसा कि अर्जन क्षेत्र कम सं० 25/37ईई/84/अर्जन में सक्षम प्राधिकारी। लखनऊ हारा दिनांन 1-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रशाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, लखनऊ

दिनांक: **9-7-**1984]

प्ररूप, बार्≛, टी., एन., एस.,- - - ----

नायकर न्यिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के न्यीन स्वना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निर्क्षिण)

भ्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निदेश सं० जी० श्राई० ग्रार० सं० 24/37ईई/84----ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं श्राफिस नं 20 व 21 है, तथा जो 11, एम जी मार्ग, हबीबउल्ला, कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर जो पूर्ण क्य से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय में श्रजंन रेंज लखनऊ में भारतीय श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 के श्रीधीन दिनांक 1-11-1983 को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल में, एमें दृश्यमान श्रीतफल के पंग्रह श्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सथ पाया गया श्रीतफल निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की आयत, स्वतः अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. मैसर्स हलवासिया प्रापर्टीज, (प्रा०) लि० हलवासिया, कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रशोक कुमार ढाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 धिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकाँगे

स्थल्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त ज्ञब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्राफिस नं० 20 श्रौर 21 फोर्थ फिलोर पर पैमाईशी 560 वर्ग फीट कामर्स हाउस, में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, हबीब उल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में करारनामा जैसा कि श्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 24/37ईई/84/श्रर्जन में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा विनाक 1-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 9-7-1984

मोहर 🖫

प्रक्य वार्ड.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का.43) की धारा 269-ण(1) के भयीन सुचना

#### भारत महकार

कार्यांस्य, सहायक आयकार वाग्कत (निरीक्षण) ग्रजिन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक १ जुलाई 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० 23/37ईई/84~-श्रतः मुझे मुझे ए० प्रसाद

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिस्की सं० श्राफिस नं० 12 व 13 है, तथा जो 11 एम० जी० मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में श्रजन रेंज, लखनऊ भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन विनांक 1-11-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया बाया वा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-सकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- मैसर्म हलवासिया प्रापटींज (प्रा०) लि॰ हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज. लखनऊ । (अन्तरिती)
- 2. श्रीमती कनक चतुर्वेदी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिद्द कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ग्रांकिस नं 12 ग्रीर 13, पैमाईशी, 661-46, वर्ग फिट कामसं हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, लखनऊ (हबीब स्ला कम्पाउन्ड लखनऊ ) करारनामा जैसा कि प्रजंन क्षेत्र क० संख्या 23/37ईई/84/ग्रर्जन में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 1-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज,ल**ख**नऊ

दिनांक: 9-7-1984

महर :

प्ररूप कार्द. टी. एन. एत. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालयः गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० मी० ए० 5/37ईई 667/84-85— प्रतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैंट नं० 1, सेक्टर नं० 7 है, नथा जो वाशी, नई बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक नवस्बर, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अंतरितियार्ने) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के, बनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. श्री ए० धार० सेठ. पाने प्रवरी को० ओ० हाऊसिंग सोसायटी, लिमिटेड, सैक्टर 7, वाशीं, न्यू वस्बई। (धन्तरक)
  - 2. (1) एस० बी० ताडेल, करावे, पी० घो० मोकन भवन, जिला थाना,
    - (2) श्री बी० जी० पाटिल, कोरेगांव कालबा जिलाधाना।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता-हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के तें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहम्ताक्षरी के पास निष्ठित के किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, हो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

फ्लैंट नं ० 1, पहली मंजिल, ज्ञानेश्वरी को-खापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड सैक्टर 7, बाणी, नयी बम्बई क्षेत्र ० 71,52 स्क्वायर मीटर्स ।

(औसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर, 37ईई/2539/याना/B-84-को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकान्त कुलकर्णी तक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना

दिनांक: 7-6-1984

### प्रकप् वाद्द्र', द्वी. एन , एव . ------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूच्ता

#### भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जुन 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/673/84-85---ग्रतः मुझे, शशिकान्त कूलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव फ्लाट श्रीर इमारत सीव टीव एसव नंव 1205/1/3/4, भाग जियाजी नगर पूना-4 है तथा पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ना धिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983 को पूर्वोंक्त सम्पित्त को जिया वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित्त का जियत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ता , उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ता म्हिल से बिध्य है और मन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, जिम्लीकत उद्देश्य से उकत बन्तरण विश्वास से बास्तिक रूप से किया गया श्री किया गया श्री किया गया श्री किया गया श्री का स्थान का स्थान का स्थान से बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया श्री का स्थान से बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया श्री का स्थान से स्थान स

- (क) अन्तरण में हुई किसी ताय की बाबस, उप्तर विभिन्नियम के अधीन कार दोने के अस्तरक के साबित्य में काबिया करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिये था, स्थिपाने में के सिए;

पिश्विमयम की भारा 269-ग के अनुसरण रम की भारा 269-भ की उपभारा (1) श्यिकतयों, अर्थात्:—

- (1) लात्याराव नामदेव इंगवे
   587 शिवाजी नगर पूना-4
  - (2) श्री राजन राम भाऊ थोरवे धुस पापेश्वर इमारत गिरगांव बम्बई-4

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स डेक्कन स्मिख इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड 13-वील्सन गार्डन, पूना-1

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर प्रवेक्ति उक्त स्थावर सम्प्रिस में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यो का, जो उक्सें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

### वन्स्ची

फ्लेट श्रीर इमारत सी० टी० एस० नं० 1205/1/3/4 भाग शिवाजी नगर पूना-4

(जैसे कि रजिस्ट्री कृत नं० 37ईई/2388/83-84 जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 7-7-1984 मोहर प्ररूपः आईं वी. एन. एस्. - - - -

आयक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

ंनिदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/84-85—स्रतः, मुझे, शशिकास्त कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्धि, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3,बिल्डिंग नं० 2,सी० एस०न० 381, एफ० पी० नं० 364, भवानी पेठ, पूना-2 है, तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए: बौर्/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सविधा को लिए;

जत: शब्त, उप्तत सिंधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत् क्र— मैसर्स दर्शना बिल्डिसं
 813/14, भवानी पेठ. पूना-2।

(भ्रन्तरक)

श्री एस० एच० मोतीवाला,
 140, घानेकर रोड, विले पार्वे, (ईस्ट),
 बम्बई-57।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्र-बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की व्वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 विन की व्वविध, जो भी व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्थव्योकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नम्सूची

फ्लट न० 3. ब्रिल्डिंग नं० 2, सी० एस० नं० 381. एफ० पी० नं० 364, भवानी पेठ, पूना-2 ।

(जैंमा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/1969 जो तारीख नवम्बर, 1983 को सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, सुना के दफ्तर में लिखा है।)

> गशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 7-6-1984 मोहर :

### ्रभ्रम् बार्ह्, टी , एव् , एस् , --------

# भागकर मिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के मुधीन सुचना

#### मारत सरकार

### कार्यास्य, बहायक नायकर भागुनत (निरोक्सभ)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 5 जून 1984

आयकर अधिनियिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कार्रण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 732, भाग-2, सी० एस० 1923. पुराना सर्वे नं० 1911, से 1923 तक भुंजेरी बिबवे, वाडी, पूना में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय में सहायक श्रीयकर श्रिश्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरीं श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बांतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) नमारण से हुए जिसी बाब की बागस, उभत बाबिनियम के नधीन कर बंजे के अन्तरक के बाबिस्त में कमी करने या उससे अधने में भृतिका के निष्; बार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने यें स्विधा के लिए;

श्रतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चन व्यक्तियों, वर्धातु:— श्री एच० व्ही० पायगुडे,
 10/8/4, गुक्रवार पेठ, पुना-2 ।

(भ्रन्तरक)

दुगड फैमिली, ट्रस्ट
 1216, रविवार पैठ, पुना-2।

(धन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वायत सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकों थे।

स्थव्योकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो एक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा प्याह [8]

#### वन्स्ची

सर्वे न'० 732, भाग-2, सी० एस० 1923, पुराना सर्वे नं० 1911 से 1923 तक भुंजेरी, विववे वाडी, पूना। (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2246/पूना/ जो तारीखनवम्बर, 1983 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शिषकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

नारी**ख** 5 6-1984 मा**ह्**द 🌡 प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269- (1) के क्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल 1984

निवेश सं० नी० ए० 5/37ईई/84-85--श्रत:, मुझे, शिशकान्त कूलकर्णी.

भासकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 8, के०पी० टी०टी० 1, एस नं० 17-ए है, तथा जो बानोरी, पूना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वीवत संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के . दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वीक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य . उनके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिंदि जिल्हा उद्यास्य से उवद अन्तरण जिल्हा का अध्यास का अध्यास

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व मीं कभी अपने मा उससे अधार मारिक्स के लिए, और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर किनियम, 1922 (1922 की 11) था उपर विजिन्सम, 1923 धन-कर अधिनियम, 1937 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना जाहिए था, छिपान भ सविधा के लिए;

अतः अदः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण मां, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-६ का उपधारा (१) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अधीत् :---10 —186 GI/84  मैसर्स परमार कन्स्ट्रक्शनस,
 321/3, न्यू टिम्बर, मार्केट, रोड, पूना-2।

(भ्रन्तरक)

2. (1) होमी जे० कैंकोबाद

(2) श्रीमती श्रार० एच० कैकोबाद

431/2, म्राणिर्वाद, गुलटेकरी, पूना-1।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पृत्रांचित सम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर प्रविक्ता में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उपन स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सबीयें।

स्मध्योक्षरणः ---इसमें प्रयोजत राज्यों और पर्यो का, भी उमर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भ्या है।

### मन्स्यो

फ्लैंट नं 8, के ॰ पी ॰ टी ॰ — 1 पलाट नं 2, हिस्पा नं 8, स नं 17-ए, मौजे बानोरी, पूना 1 । क्षेत्र ० 790 स्क्त्रायर फीट ।

(जैसाकी रजिस्ट्रीकृत नम्बर, 3788/2344/पूना/83-84 दिसम्बर, 1983 को सहायक श्रायकर श्रायकृत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना, के दफ्तर में लिखा है।

शशिकान्त कुलकर्णी सञ्जम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 28-4-84

भाहर :

प्रकृपः बाइँ. टी. एन. एस. - - - -

- शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 28 ग्रप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/663/84-85—श्रत: मुझे, शशिकास्त कूलकर्णी,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अभिक है

सौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, स० नं० 17-ए है, तथा को बानोरी, जिला पूना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक फक्करी, 1984

का पूर्वो वस सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ब्रितिश्ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किला में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सूनिधा के लिए; और/सा
- (ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, नर्धात् :---

- मैसर्स परमार कन्स्ट्रक्शनन्स
   321/3, न्यू टिम्बर मार्कीट रोड, पूना-2
   (भ्रन्तरक)
- 2. (1) मोहन केशरलाल कोतवाल,
  - (2) श्रीमती सिंधु मोहन कोतवाल 11, सिनेगारा स्ट्रीट, पूना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहम्लाक्षरों के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

फ्लैंट नं 16, तीसरी मंजिल, के पी टी ०-2, प्लॉट नं 4, हिस्सा नं 6, स॰ नं 17-ए, बानोरी, पूना। क्षेत्र० 530 स्क्वायर फीट।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3232/पूना/83-84/फरवरी, 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 28-4-1984

प्रस्प नाहु . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/1149/37 जी/84-85---अतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं ज्लाट नं 11ए/1, सर्वे नं 9ए, 10ए, और 131, सावेडी, अहमदनगर है, तथा जो अहमदनगर में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुष्यम निबन्धक अमहदनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह, विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में सबिधा के लिए;

बत: अब., उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्थात :—  श्री आवशी राम साख्ती रासने, पार नाइक गली, अहमदनगर।

(अन्तरक)

 श्री राजीव अरविन्द माहा, खिस्ता गली, अहमदनगर।

(भन्तरिती)

कां यह सृथना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाद्यिं वारः करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫 --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जर सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुस्ची

प्लाट 11ए,/1, सर्वे नं० 9ए, 10ए, ग्रौर 131 साबेडी, अष्टमक्तगर ।

(जैसे की र्जिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1516 जो दिनांक नवम्बर, 1983 को दुष्यम निवन्धक अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।)

> गशिकास्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्य पूना

विनांक: 4-6-1984

प्ररूप **बाई**.टी.एन.एस. ------ १.श्री मकुन्द राम चन्द्र धैसा

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

### भारत सरकाड

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37जी/1150/84-85--अतः मुझे, गशिकान्त कुलकर्णी

कायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विदेवाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अपार्टमेंट नं० 301 है, तथा जो सावोडी, श्रहमदनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाग्रद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुष्ययम निबन्धक, अमहमदनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 16-12-83

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रुवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके श्रुवमान प्रतिफल से, एसे श्रुवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिवित में वास्तिक है से बीधत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसे किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् ३—

1.श्री मुकुन्द राम चन्द्र धैसास, 40, कस्पन नन्स्ट्रक्शन्स, अहमदनगर।

(अन्तरक)

डा॰ मोहन शिवदास क्षतिय,
 कुकाणा, तह॰ नेवासा, जिला अहमदनगर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रध्योकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया हुँ।

### वन्त्रवी

अवार्टमेंट नं 301, सावेडी, फाईन प्लार्ट्स नं 274, सब प्लांट नं 11/क्षेत्र 50.37 स्केंगर फीट मीटर्स। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर, 3936/दिनांक 16-12-83 को दूष्यम निबन्धक अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।)

> . शशिकान्स कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 7-6-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

वायकर स्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### बाइक बहुबाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं॰ सी॰ ए॰ 5/1139/84-85—अतः मुझे, संतोष दल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं०  $5/13/\hat{a}$ , साज वाडा सांगली, है, नथा जो सांगली, में स्थित है (श्रौर (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण कम में वर्णित है) रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुरयम निबन्धक, मिरज 1, सांगली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तम पाया गया प्रति-क्ष निम्नितिवित् उद्देष से उच्च बन्दरम् विवित्त में बास्युनिक रूप से क्षित नहीं किया नवा है हिल्ल

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (षा) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त जिथिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— श्री पुरुषोत्तम, राम चन्द्र पावसकर,
 सी० एस० नं० 1/13 के, /2, खण्ड भाग, दुर्वाकुर,
 राजवाडा, सांगली।

(अन्सरक)

2. श्री मोहन लाल दामजी भाई माटे, सी० एस० नं० 1/13 के/2, खण्ड भाग, "दुर्वांकुर," राजवाडा, सांगली।

(अन्तरिती)

को वह बुचना चारी करके पूर्वोचत सम्परित के अर्थन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासपे:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरो।

स्भष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसूची

सी० टी० एस० नं० 5/13/के, राजवाडा सांगली।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2456, जो तारीख नवम्बर,
1983 को दुय्यम निबन्धक, मिरज I, सांगली के दफ्तर में
लिखा है।)

संतोष दत्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांकः 9-7-1984

## द्रक्ष्य कार्यः हो. १४. एव .-----

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जून 1984

**निदेश** सं० सी० ए० 5/37जीं/1140/84-85—अतः, मुझे, शिषकान्त कुलकर्णी

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसकें पश्चात् 'उन्तर निर्धिनसम' कहा गया हैं), की जारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाव्द सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रहः से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं जमीन सी एस व नं 1325-37 है, तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूम से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुष्यम निबन्धक, कोल्हापुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-12-1983

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मुख्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुख्या, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-दिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण वं हुई कियी बाम की वावधा, अवस्थ बीधनियम् के अधीन कर दोने के बन्धरक से दावित्य में कमी करने या जनके वचने में सविधा के सिए; बीर/वा
- (च) एसी किसी नाय या किसी थन या वस्य आरिसयों की, विन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त विधिनियम, वा ध्वनकर विधिनियम, वा ध्वनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

- 1. (1) श्री अनिस विष्णुपन उटकर,
  - (2) श्री मुकुन्द विष्णुपन उटकर प्लाट नं० 68, रूईकर कालोनी, कोल्हापुर । (अन्तरक)
  - मैसर्स शाम फैक्किटर्स,
     शिवाजी, उद्यम नगर, कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

का यह सुपना ज़ररी कारके पूना कर सम्पत्ति के वर्षन के ज़िल् कार्यनाहियां कारता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनभिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकोंगे।

स्थळीकरणः --इसमें प्रयुक्त कृत्यों और पवाँ का, को अक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्तुची

जमीम सी० एस० नं० 1325-37 इवॉर्ड, कोल्हापुर। क्षेत्र 2486, स्क्वायर फीट।

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 4498, ता० 22-12-1983 को बुष्यम निबन्धक, कोल्हापुर के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकान्स कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

अतः अव, उक्त विधितियम की भाष 269-न के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनांक: 4-6-1984

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

जायकर जिथानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्तर्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/1141/37ज़ी/84-85—अतः मुझे, शश्चिकान्त कुलकर्णी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसरें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभाप्नोंकत संपत्ति का उचित गाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 25ए, (भाग), सर्वे नं० 5588-टिक्का नं० 27 (भाग), डोम्बीबली, जिला ठाणा में हैं, तथा जो डोम्बबीवली, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्णा रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुष्यम, निबन्धक, कल्याण में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के क्षदीन दिनांक दिसम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य असके रश्यमान प्रतिफल सं, एसे अयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी, जाय की बाबस, उक्त में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य और/या
- (थ) एसी किसी आयं का किसी धन या अन्य डास्तियों की जिन्ही भारतीय आयंकर अधिनियम 1922 (1922 वा 11) या उकत अधिनियम या धन धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिही ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री एल० व्ही० उरसेकर,
   103, आनन्द अपार्टमेंट, उस्सेकर बाडी, रामनगर,
   डोम्बीवली, (ईस्ट), थाणा ।
  - (**अ**न्तरक)
- मेसर्स आनन्द दीप को ग्रो हौिसग सोसायटी उर्से कर बाडी रामनगर जेम्बी वाडी (इस्ट) ठाणा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी दर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (ख) इस सुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्वध्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ं सर्वे नं० 25ए (भाग) सी० टी० सर्वे नं० 5588 टिक्ः। नं० 27, (भाग), रामनगर डोम्बीवली (ईस्ट) ठाणा। (जैसे रिजस्ट्रीकृत विलेखनं० 2835 जो दिनांक दिसम्बर, 1983 को दृष्यम निबन्धक कल्माण के दफ्तर में लिखा है।)

> प्राणिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी ्सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांकः 4-6-1984

प्रथम आई. टी. एत. एस -----

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन संभग

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 4 मई 1984

निदेश सं० मी० ए० 5/37जी/1142/84-85—श्रतः मुझे शशिकान्त कुलकर्णी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास, करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका जिस्त नाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

प्रौर जिसकी सं० है तथा जो चोले, जिला थाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुष्यम निबन्धक, थाना में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे ध्रयमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्राया गया प्रतिकल कि निम्नलिकित उद्देश्य से एक्त अन्तरण निम्नति में बास्तिवक कर भ करियत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण संहुदं किसी आय की वावत, जवस् अधितियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दाधित्यम के कसी करने या उन्नसं वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (ख) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें जिन्हों भारतीय अगय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती न्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उधन अधिनियम को धारा 269-म की अपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥——  मैसर्स दुबे, ब्रदर्स,
 डी-95 गुरू नानक को-म्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि० थाना (ईस्ट)

(भ्रन्तरक)

 नवीन गौरव को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी डोबोबलो, जिला थाना।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्स सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :-- '

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: ----इसमें अयुक्त शब्दों और पर्यो का, को सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्स्ची

जमीन और मकान जो सं० नं० 208/एपी/ श्रीर सं० नं० 46, हिस्सा नम्बर 3/2 मौजे, वोचे, तह० कल्यान, जिला थाना में है। क्षेत्र० 769 स्क्वायर यार्डस)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर, 37जी 28/83 को दुष्यम निबन्धक थाना के दफ्तर में निश्वा है।)

> शशिकात्न कुलकर्णी भक्षम प्राधिकारः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 4-5-1984

प्रकम् बार्षं ्टी पुन् पुन ----

कारकार अधिनियम , 1961 (1961 का ४२) की भारा 26( भ (1) / अधीन मुचर

### भारत सरकार

कार्यात्यः, सहायक्त आयक्तर आयुक्तः (स्टिजिण) स्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 25 मई 1984

निदेश सं े सी े ए० 5/37जी/1143/84-85—ग्रतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (त्रिसे इसर्टें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' नहां गया हैं), की बाद्य 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करते जा कार्य हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी नं० 355, सब प्लाट नं० 12, पहली ग्रीर दूसरी मंजिल का नौथा हिस्सा है, तथा जो भिगार, जिला ग्रहमदनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बुष्यम निबन्धक, ग्रहमदनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 28-9-1983

को पूर्वों कत सम्मरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके ध्रवमान प्रतिफल से एंसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निष्तिस्त उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सूर्विधा के लिए; आर्/या
- (क) एसी किसी भाग वा किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त्व अधिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: बब, उदन विधिनियम, की भारा 269 ग के अन्मरण बो, मी, उदन अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——
11—186 GI/84

1. श्री श्रमिल भाई भुदर भाई पुजारा, (एव० यू० एफ०) 9. हंटर रोज, कंप, श्रहमद नगर ।

(ग्रन्तरक)

 जोगेश्वर रिजुमल कराचोवाल, महास्मा गांधी रोड, ग्रहमद नगर।

(मन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वाका सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविभ ना तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों धर स्वान की नामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इब स्वना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकारी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

न्यक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, थो उस अध्याय में विका क्या है।

### अनुस्ची

सं० नं० 355, भिगर सब प्लांट नं० 12, की पहली और दूसरी मंजिल का चौथा हिस्सा। क्षेत्र ० 80 स्वयायर मीटर्स। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर, 3215 ता० 28-9-1983 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंन, पूना के दक्तर में लिखा है।)

णिक्सान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) सर्जन रेंज, पूना

दिनांक 25-5-1984 मोहरु: प्ररूप आई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६०-व (1) को अधीर मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक कायकर वायक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज,पूना पूना, दिनांक 29 मई 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/1144/37जी/84-85—प्रतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी,

आयक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित सम्पर मृत्य 25,000/- रहत से अधिक है

भीर जिसकी सं० स० नं० 355, सब प्लाट नं० 12, पहली भीर दूसरी मंजिल है, तथा जो भीजे भिगार तह० ग्रहमदनगर में स्थित है (भीर इससे उपाबढ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय दुश्यम निबन्धक ग्रहमदनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16). के श्रधीन दिनांक 28-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भागार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बागार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मुधिक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुद्दं किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या

एटी किस्ते अस्य या किसी भन या अन्य आस्तियों यो उपकी अपनीय पाय-अप अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना नाहिए था, भिषाने मो स्विधा के निए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री श्रतिलक्षाई मृदरभाई, पुजारा (एच० यू० एफ०)
 हंटर रोड, कंप, महमदनगर।

(भ्रन्तरक)

 श्री परमेश्वर रिजुमल, कराचीवाल, महात्मा गांधी रोड, ग्रहमवनगर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

जक्स सम्परित के अर्जन के सम्बाध में अर्ध भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अर्थाध या तरराम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में जिए एक स्टीगे।

स्यष्टीकरण -- इस्पा प्रभूवत शब्दों और पदी का, भी उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

### अनुसूची

स० नं० 355, सब प्लाट नं० 12, मौजे भिकार पहली भ्रौर दूसरो मंजिल,। क्षेत्र० 1/4 हिम्पा ग्राफ 474 स्क्रायर मीटर्स।

(जैसे कि रजिम्ट्रीकृत विलेख नं० 3216, तारीख 28-9-1983 को दुम्यम निबन्धक, महमदनगर के दफ्तर में लिखा है।')

णशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 29-5-1984 मोहर:

### प्ररूप आई.टी.एन.एस ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सहकार

### कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, पूना पूना, दिनांक 22 मई 1984

निवेश सं० सो० ए० 5/1145/37जी०/84-85—-श्रतः मुझे, शक्तिनन्त कुलकर्णी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यक्त (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269 स के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० सी० टी० कोल्हापुर, सी० वार्ड, सी० एस० 1806, एरिया 157.2, स्क्वेयर मीटर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रोर जो पूर्ण रूप से व्यागत है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दुप्यम निबन्धक, कोल्हापुर में रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विमांक नवम्बर, 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं। और मूफे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वहजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं। और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तबिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जनसरण से हुए किसी जाब की बाबता, उत्कर अधिनियम को अधीन कर दोने को जनसरका के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिसिजित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- श्री विष्णु डी० राणिगकर,
   लक्ष्मीकान्त यही० राणिगकर,
  श्रीमती विजया लक्ष्मा बही० राणिगकर,
   इन्वार्ड, वृन्दावन, को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटो
   लिमिटेड, सुर्खे, कालोनी, कोल्हापुर।
  - (ग्रन्तरक) व्यंकटेण जी० कामत
- श्री व्यंकटेश जी० कामत रमेश बही० गानभाग, ई-वार्ड, होउस नं० 1141, कोल्हापुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते. 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबस्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोदस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

### मन्स्ची

सी० टी० कोस्हापुर. सी० वार्ड, मी० एस० नं० 1806, एरिया 157.2 स्ववायर मीटर्स ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं 4537 जो दिनांक नवम्बर, 1983 को दुय्यम निबन्धक, कोल्हापुर के कार्यालय में लिखा है।)

> शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 22-5-1984

मुक्ष नार्षं . दी . पुन . पुन . ....

भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

### STATE STATE

# कार्यालयः, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्ज्) भर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 मई 1984

निदेश सं० सी० 'ए० 5/1146/37जी/84-85--- भनः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० गुजर गली, सी० टी० एस० नं० 274.

हैतथा जो बी॰ वार्ड कोल्हापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्रा ग्रधिकारों के कार्यालय दुष्यम निबन्धक, कोल्हापुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर, 1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पांचा गया प्रति-क न, निम्नसिवित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित महीं किया गया है है—

- (क) मन्त्रप्त से हुए जिली साम की बावत, उन्हार महिस्तिन्म की नभीन कहा दोने के नकारक के बादित्य में कभी कहने या उससे वजने में सुनिधा के लिए; नौर/बा
- (च) दोती किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री पी० के० पाटील,
 934, ए० वार्ड, कोल्हापुर ।

(ब्रन्तरक)

 श्रीमती एस० ए० राठोड, 1165/ई० वार्ड, कोल्हापुर।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके वृशेंक्त सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

## उन्त सम्पृतित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई ही वासीप्र---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की मामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्वीक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वन्त्र्य

मकान गुजर गली, सी०टी० एस० नं० 274, बी० वार्ड, कोल्हापुर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37जी/5045, जो दिनांक नवस्वर, 1983 को दुश्यम नियन्धक, कोल्हापुर के दतपर में लिखा है।)

> णणिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

तारीख 29-5-1984 मोहर: प्रकृष काई. टॉ. एम. एस. -----

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

प्ना, दिनांक 25 मई 1984

निदेश सं० सो० ए० 5/1147/37जी/84-85--- म्रतः मुझे, शश्चिकान्त कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िनसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी मं० मं० नं० 355, सब प्लाट नं० 12, पहली भ्रीर दूसरी मंजिल, है, तथा जो मौजे भिगार, तह० ग्रहमदनगर में स्थित है (श्रोर इससे उपावद्ध भ्रनुमूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से विगत है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दुष्यम, निबन्धक, श्रहमदनगर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 20-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए क्लिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल, का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिकित में बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाव की नावता, संबत्त निम्नियम के स्थीन केट दोने के जन्तरक के दायित्व में कानी करणे वा उद्यूस वचने में सुनिधा के सिए; जरि/वा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी भ्राध्या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तस निधानयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्सरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्निपान में स्विधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अक्षे अधीन, निम्निसित्ति व्यक्तियों, अधित्य— श्री अनिलभाई मृदरभाई, पुजारा (एच० यू० एफ०),
 हंटर रोड, कैंप, ग्रहमदनगर।

(ग्रन्तरक)

 श्री प्रभुदास रिजुमल, कराचीवाल, महारमा गांधी रोड, महमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह स्वमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति ने अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्यक्ति हा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के बभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस बभ्याय में दिया नवा हैं।

## बर्युक्

सं० नं० 355, सब प्लाट नं० 12, मौजे भिगर, पहली धौर दूसरी मंजिल,। क्षेत्र 80 स्वयायर मीटर्स। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर, 3213 सा० 20-9-1983

(जस कि राजस्ट्राकृत नम्बर, 3213 ती ० 20-9-198 को पुर्यम, निबन्धक, ग्रहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, पूनाः

दिनांक 25-5-1984 मोहर् प्ररूप बार्ड . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 29 मई 1984

निर्देश सं० ए०सी० 5/37जी/1148/84-85—ग्रतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी संब्प्लाट नंव 12, सवनंव 355 है, तथा जो भिगार तहव श्रहमदनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक, श्रहमदनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों करों, किस्ट्रें पार देव आयका अधिविद्या, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिविद्या, या अन-कर अधिविद्या, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः जबः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनूसरण से, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ग्रानिलगाई भुदरभाई पुजारा, (एच०यू०एफ०)
 हंटर रोड, कैंप,
 ग्रहमदनगर।

(ग्रन्तरक)

2. पुरुषोत्तम रिजुमल कराचीवाल, महान्या गांधी रोड, भहमदनगर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुभना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के कार्यनाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकारी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 12, स०नं० 355, पहली घौर दूसरी मंजिल । क्षेत्र ० 474 स्क्यायरमीटर उसका 1/4 हिस्सा। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 3214 दिनांक 28-9-1983

(जस कि राजस्ट्राक्टल नवर 3214 विनाक 28-9-) को बुब्यम निवन्धक, ग्रहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।)

> णशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक 29-5-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० सी०ए० 5/1151/37जी/84-85—स्प्रतः मुझे, शिशिकान्त कुलकर्णी,

कायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 59 (भाग), श्रहमदनगर है, तथा जो श्रहमदनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ग रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय़ दुस्यम, निबन्धक, श्रहमदनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1983

को ,पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य सं कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का फारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमें दृश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर सम्तरिती (अन्तरितियों) के शैच ऐसे सम्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निस्तिविधित उद्देश्य के उक्त अन्तरण खिलान में वास्तिक का ने किया नहीं किया यहा है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्त, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के ज़न्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अल्य आस्तियाँ कारे, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया था किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिल्य  श्री सम्भर ग्रकबर ग्रीर ग्रन्य सावेडी, जिला श्रहमदनगर ।

(भ्रन्तरक)

2. चीफ प्रमोटर्स नियोजित समीर सहकारी गृह निर्माण संस्था मर्यादित: मेली खुंट, ग्रहमदनगर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मनस्यी

सर्वे नं० 59 (भाग), म्रहमदनगर।
(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 144, जो तारीखा जो तारीखादिसम्बर, 1983 को दुव्यम, सिवन्धक म्रहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।

> गशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

सारीख 4-6-1984 मोहर: प्रकृष भार्द्र, ही , एन् , एन् ,-----

नायकाः निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) से अभीन सुचना

### प्राडित बरकाइ

कार्यांत्य, सहायक भायकार जायुक्त (मिरीक्रण)

मर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/671/37ईई/84-85--ग्रत: मुझे शशिकान्त कुलकर्णी

वावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

घौर जिसकी सं० जमीन सब प्लांट नं० 3, पलैट नं० 125, सं० नं० 103, सी० टी० एस० नं० 1973 है, तथा जो येखड़ा, पूना में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में घौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनोक

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृस्य, उसके दृद्यमान प्रतिफल से एसे दृद्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) ये बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत सक्त अधि-जियम की अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसमे अधने में मुक्तिभा को बिये; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, पिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीक्तार्थ अन्तिरिसी व्यास प्रकट नहीं किया भया भा या किया जाना जाहिए था, स्थिपाने यो स्विधा वे शिक्षा

वतः अव, उक्त जींधनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :---

- 1. (1) श्रीमती फातिमा मोहम्मद सांझीबारबाल,
  - (2) श्री मोहम्मद सैफुद्दीन, झांसीवारणाल, फ्लैट नं० 32, 7 एम० जी० रोड, पूना-1 (ध्रन्तरक)
- 2. (1) श्री शिवकुमार सूरजमल गुप्ता
  - (2) श्री ध्रनिलकुमार-सूरजमलगुप्ता काश्मीरी कालोनी, येखंडा, पूना-6

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वय्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गवा हैं।

### नन्त्वी

जमीन सब प्लाट नं० 3, फ्लैंट नं० 125, स० नं० 103, सी०टी० एस० नं० 1973 येखडा. पूना-6 । क्षेत्र० 8700 स्क्वायर फीट ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नंबर 37ईई/1949/पूना/83-84 दिनांक 1-11-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा है।

शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

दिनांक: 4-6-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/670/37ईई/84-85—ग्रन: मुझे शशिकान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए पे अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्राफिस एफ नं 1 दूसरा माला सी एस नं 1044 टिटक रोड पूना है, तथा जो पूना में स्थिल है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिलक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुत्रिधा के लिए;

अन: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है चगीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधात्:—— 12—186 G 1/84  मैंसर्स देयस्थले, करंदीकर ग्रांर एसोशियेट्स 720, नवीं पठ, पूना-30

(भन्तरक)

 भैसर्ग ग्रार- एम० पटेल, श्रौर कम्पनी 816/7, भवानी पेठ, पूना-2

(भ्रन्तिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्यधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक /सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन संदे

न्नाफिय एफ० मं० दूसरा माला, मी० एस० नं० 1044, तिलक रोड, पूना

(जैसेकि रजिस्ट्रीकृत नं० 37६ई/2586/83-84/पूना, जो दिनांक 1983 को महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पुना

तारीख: 25-4-1984

प्ररूपः आर्षः दीः एतः एसः - - - -

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की विश्व का 269 व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० भी० ए० 5/375 = 669/81 - 85 - 47, मुझे, शिश कांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य ?5,000/√रा. में अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फलट नं० ई-- 3 हर्मीक पार्क, को० ग्राप-हाउसिंग कोसायटी -- 30 बंड गार्डन रोइ ,पूना-1 है तथा जो पूना में स्थित है (प्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नयस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चिह्न प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिसी (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित मेरें भन्तियक हुए में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीत कर देने के अन्तरक की यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा औँ जिए, और/या
- (स) एमी किमी आय या किमी धन या ब्रन्य आखितयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः प्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के कधीन, निस्नितिकित व्यक्तितों, अर्थात् ः—  मेललं रमेल कर्य्नुक्शन कंपली, धीरज चैम्बर्स,
 कौधबी रोड, फोर्ट, वम्बई-1।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड 33/ए/1, बंबई पूना रोड, रापोडी, पूना-12।

(भ्रःतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में में किनी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिंखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### नमृज्यो

भवैट नं० ई–3 हर्मीक पार्क को० आ० हाउभिग श्रोसायटी—30 बंड गार्डन रोड, पूना।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ना नं० 37ईई/2092/83-84/ पूना जो नारीख नवस्थर 1983 को सहायक द्यायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर स्रायुवन (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पना

नारीख: 7-6-1984

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास मद्राम, दिनकि 6 जुलाई 1984

निवेश सं० 1/नवम्बर/83---यतः मुझे, प्रेम मालिनि-धासन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 1/23 श्रीर 2/23, नयी सं० 9, काट्टर सडयप्पन स्ट्रीट, पेरियमेट हैं. जो मद्रास-600003 में स्थित है (श्रौर इससे उपायछ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्णलय, मद्रास सेन्ट्रल दस्तारीज मं० 295/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह बिरवास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेर्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप सं क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करन या उपसे अजने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिक्ति व्यक्तिसामों, अर्थात् :--- । श्री इज्ञष्ट ग्रादुल रशीव

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० के० एस० ए० शेक मोहदीन (श्रातरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया:
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत क्रिंगियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया यया है।

### अनुसूची

भूमि ब्रौर निर्माण- 9. काट्ट्रर सडयप्पन स्ट्रीट, पेरियमेट, मद्रास-600003 दस्तावेज सं० 295/83)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, मडास

नारीख: 6-7-1984

भोहर :

प्रक्म भार्च . टी. एन्. एस. - - - ----

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्थान

भारत तरकार

1. श्री भालु मुदलियार श्रीर श्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० जी० रामराज

(बन्तरिती)

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० 3/नव-वर/83--यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ६२ ग्राउण्ड ग्रौर प्रिमसस कोर सं० वेंकटेस मेली स्ट्रीट, नया वापरमेनपेट हैं, जो मद्रास-81 ग्रार० एस० सं० 4/86 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुरम दस्तावेज सं० 1904/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवस्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितफल् को लिए जन्तिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिचित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी थाय की वाबस, उबस जिथितियम् के वधीन कर दोने के बन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को विकार भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिबे;

जतः अज, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-य को जनुसरण मो, मी, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निस्निजिधित स्युक्तियों, अभीत् ६को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्भाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उद्धत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

### मपुत्रची

भूमि श्रौर निर्माण—वेंकटेस मेस्त्री स्ट्रीट, नया वाषरमेनपेट, मद्रास-81 (दस्तावेज सं= 1904/83)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 6—7−1984

मोहर 🛭

प्रकार बार्ड, टी. एक. एम. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिन!क 6 ज्लाई 1984

निदेश सं० 19/नवम्बर/83---यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागर मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० १९६, एस० सं० 223/1 बी कोयम्बेड गांघ है, जो श्रन्ना नगर, मद्रास-40 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रन्ना नगर दस्तावेज सं० 3661/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख नयस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के जिस्त बाजार मृत्य से कम से कम वृष्यमान प्रिक्षिक के लिए ग्रंतरित की गई है और मुझे यह बिरुवाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, जसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत संग्रधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिथों) के बीच ऐसे अन्तरफ के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित जहेश्य से छक्त ग्रन्तरण निकार में बास्तविक क्ष्म के क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी शाय की बाबत, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृधिभा के सिए; जॉर/या
- (ख) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिल्हां भारतीय आयकार अधिनियम, 1000 (1000 का 11) या उदत अधिनियम, या धार-पर परिवास, 1007 (1007 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अंत: सब, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भाग 269-म की उपधारा (1) के अभीत, निम्नतिसित स्पक्ति में, अर्थात र— 1. श्री ए० एम० संयनारायना

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० ग्रां० जान

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- .(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन कि अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्यख्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थे। उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होंगा थे। उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनस ची

भृमि 'लाट मं० 996, एस० सं० 223/18, कोयम्बद् गांत्र, ग्रन्ना नगर, मद्रास-40 (दस्तावेज सं० 3661/83)

> प्रेम मालिनि बासन सक्षम शश्चिकारी गहायक ग्रापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-1, मद्रास

तारोख: 6-7-1984

मोहार :

शरूप् आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

### भारत तरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजंन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निवेश सं० 52/नवम्बर 83—यतः मुझे, पेम मालिनि बासन,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- का बीभिक है

ग्रीर जिसकी संव तोपूर गांव है, जो में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दुर्मपुरी दस्तावेज संव 2278/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर, 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रह्यमान प्रतिफल से एसे रह्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गया वितकत, निम्नसिचित उद्ववस्य स उक्त अन्तरण लिखन

वों बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण सं हुन्दं किसी बाय को बाबत उक्त विध-पिष्क के अधीन कर बंग के बन्तरक के दायित्व मं कती करने वा खब्बे ब्युने में सुविधा के सिए; अरि/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निस्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--- 1 श्री चित्रस्वामी पोयन

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती श्रमित कृताम्बाल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पूर्वाक्त सभ्यतित के वर्षन के सिए कार्यज्ञाह्म करता हुएं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्यंच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हित- क्यां का क्यां का द्वारा अभाहस्ताकरी के पास जिल्हा में किए जा सकति।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिवा नया है।

#### नगत्त्रची

भूमि तोपूर गांव, दुमंपुरी (दस्तावंज सं॰ 2278/83)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्राप्तुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 6-7-1984

प्ररूप आइ\*. टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

1. श्री विक्षस्तामी पौयन

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० जगसाथन

(भ्रावरिती)

#### भारत सरकार

धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 ज्लाई 1984

निदेश मं० 52/नवम्बर/83--यतः मुझे, प्रेम भानिनि,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाचार भूका 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० तोपूर गांव है, तथा जो दुर्मेंपुरी में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दुर्मपूरी दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण सं० 2279/83 में ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्वर 1983

 पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तेयह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागः गया प्रतिफालः, निम्नलिखित उद्धःस्य सं उत्तत अन्तरणः लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई जिसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (वा) ऐसी किसी काय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उच्ल अधिनियम, या भेनकार कभिनियम, 1957 (1957 **का** 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नवाभागकियायानाचाहिए था, क्रियाने से सुविधा के लिए:

अन्तः अन्तः, उत्कलः अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को बहु सुमना जारी करके पुर्वोक्त नम्परित के बर्चन के निर्द कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के मर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबदभ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकोंगे।

स्वयाकिरणः — इसमें प्रयुक्त कर्न्दों और पर्दों का, को **उन्ह** जिभितियम, के अध्याव 20-क में वीरभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया समा 💰

### नन्त्वी

श्यावसाधिक भूमि तापुर गाव, दुर्मपुरी जिला (दस्तावेज सं० 2279/83) I

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक अध्यकर श्रायक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 6-7-1984

मोष्ठर 🗯

प्रकृष् बार्ड. टो. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 ज्लाई 1984

निदेश मं० 57/नवम्बर/83—यंतः मुझे, प्रेम मालिनि थासन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 118, सेलम टौन, सी० श्रिबीजन 6वां वार्ड सेवायपेट्टै है, जो मानिक्कम पिल्लै स्ट्रीट वार्ड जी, ब्लाक थी में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०—III, सेलम दस्तावेज मं० 1308/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नवम्बर 1983

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की यदाँ हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बारतियक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) ब्रन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उसत बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अन्ते या उससे बचने में सुबिधा के लिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा छिपाने में सिविधा के लिए,

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिकित अयिक्तयों, अर्थातः :--- 1. श्री भी० एस० गोविन्दराजुलु

(ग्रन्तरक)

2. भी पी॰ एस॰ रागस्वामी पुत्र आफ पावा नित्यार श्रीर सन्म (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी बाधोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव्य सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया

#### समज की

भूमि—सेलम टाउन सी डिवीजन 6वां वार्ड, सेवायपेट्टै, मानिक्कम पिल्लें स्ट्रीट, जी वार्ड, 5वां क्लाक, टी० एस० सं० 118 (वस्तावेज सं० 1308/83)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्राय**कर** श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मक्षस

नारीख: 6-7-1984

महर 🗈

प्रकप आहें टी. एन. एस.-----

भागकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नभीन सुचना

### धारत ब्रकार

### कार्यास्य, सहायक अध्यक्तर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1, मद्रास

मद्रांस, विनांक 6 जुलाई 1984

निदेण सं० 68/नवम्बर/83—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-ज के अभीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 25,000/- रु. से स्रिधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० भ्मि 78 सेन्डस है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नामक्काल दस्तावेज सं० 1772/83 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवस्वर 1983

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके उदयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी नाव की वावत, अक्ष विधिनियम के जभीन कर दोने के असरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः नव्, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग की वन्तरक में, में, उक्त जिभीनयम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्रीमती वैवापूरी ग्रौर ग्रन्यों

(ग्रन्तरक)

2. श्री भार० सप्पन और ग्रन्यों

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुई 1

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी बाह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ ति किसी में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम्, से अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गुना हैं।

#### बन संची

भिम --0.78 सेन्टस (दस्तावेज सं० 1772/83)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, मब्रास

तारीख: 6-7-1984

मोहरः

## प्रकृष् बार्च. टी. एन. एस. ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन सुमना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० 70/नवस्बर/83—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासनः

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की भारः 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० व्यावसायिक भूमि कोम्मारपालयम है, जो नामक्कल सेलम जिला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नामक्कल जे० एस० ग्रार० 1 दस्तावेण सं० 956/83 और 957/83 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख नवम्बर, 1983

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (तंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

नतः भन, उन्त भौधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात क्ष्म

- 1. श्री डी० कृष्णस्त्रामी चेट्टियार भौर भ्रन्यों (भ्रन्तरक)
- 2. श्री त्री० डी० मानिक्क मुवलियार ग्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाशन :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ते ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाहा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की दारीय ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवहुद् कियी बन्ध व्यक्ति द्वारा, न्याहरताकरी के पास निविद्य में किये वा सकेंगे।

स्वक्डीकरण: ---इश्वमं प्रयुक्त खब्दों और पदों का, वो जनस अधिनदम के अध्याय 20-क में परिभाषित ए<sup>8</sup>, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गुका है।

#### and the

श्यावसायिक भूमि --कोम्मारपालयम, नामक्कल तालुका, सेलम जिला (दस्तावेज सं० 956/83 श्रोर 957/83)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

न:रोब: 6-7-1984

प्रकंप बादी, टी. एत्. एस.------

नाथकार नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

### भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० 72/नवम्बर/83—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कर्कूडलपट्टी गांव है, जो नामगिरिपेट, सेलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नामगिरिपेट वस्तावेज सं० 1102/83 में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृंस्य से कम के श्रूचमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके श्रूचमान प्रतिफल से, एसे श्रूचमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मं बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुदू किसी बाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

सतः अस उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अधीत्:— ा श्री पी० वस्दप्पन ग्रीर ग्रन्यो

(ग्रन्सरक)

2. श्री पी० सेंगोड गोन्डर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मं दिया गया है।

## बक्तूची

व्यावसायिक भूमि कर्क्डलपट्टी गाँव, सेलम (वस्तावेज सं० 1102/83)।

> प्रेम मालिनि वासन संक्षम प्राधिकारी सहीयके ग्रीयकेरें ग्रीयुक्ते (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1; मेद्रास

नारी**ज:** 6-7-1984

मोहरः

## मक्य मार्चाः, व्हाँ । एव । एव । २ - - ----

## धानकर निर्मित्यन, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-म (1) के सभीन ध्रुजना

#### आया जानार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरोक्षण)

मर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० 72/नवम्बर/83---यतः 'मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं कर्क्डलपट्टी गांव, नामगिरिपेट है, जो सेलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नामगिरिपेट दस्तावेज सं 1102/83 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे धरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिचित में अस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने मा उत्तर्भ वचने में सृविधा के लिए कौर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः—

1. श्री पी० सेंगोड गौन्डर

(श्रन्सरक)

2. श्री पी० वस्दप्पन ग्रौर ग्रन्यों

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के जिल् कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्णि को वर्णन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीस रा 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थास्त्रयों में से किसी स्थास्त ब्वास:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिस्था — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्स्ची

व्यावसायिक भूमि कर्कूडलपट्टी गांव, मेलम जिला (दस्ता-वेज सं० 1102/83)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारी**ज**: 6-7-1984

## प्रकम नाइ 👸 टी., एन., एत.,------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्काश)

अर्जन रेंज-1, मद्वास मद्राम, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेण सं० 76/नवम्बर/83——यतः मुझे, प्रेम भालिनि वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० पोनार कुलम पिट गांव है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० संन्दुमंगलम दस्तावेज स० 1456/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रातफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का भेक्ष प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती तायम्माल और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री के० रामस्वामी और अन्य

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पोत्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यी

भूमि पोन्नार कुलम पिट गांव, एस० सं० 146/1, ओय 5.04 एकड (वस्तावेज सं० 1456/83)

> प्रेम मालिनी नासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 6-7-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

**नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं॰ 79/नवम्बर/83----थतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० येकार्ड है, जो येकार्ड, सेलम जिला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, येकार्ड दस्तावेज सं० 228/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और संतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तारण से हुन्द्र निकती काम की बावत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या अनकर निधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः अन, उक्त निभित्रियम की भाष 269-ग के ननुसरन भो, मैं, उक्त निभित्रियम की भाष 269-म की उपभाष (1) के नभीन, निम्निलिसित न्यक्तियों, सभीत् :--- 1. श्रोमती एस० चित्ताल

(अन्तरक)

2. श्रीमती अलगम्मे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियों सुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बालेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्टाक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **अनुस्**ची

भूमि और निर्माण येकार्ड. सेलम जिला (दस्तावेज सं० 228/83)

> प्रेम मालिनि वासन स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 6-7-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, अहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 ज्लाई 1984

निदेश मं० 80/नवम्बर/83—–यतः मुझे. प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० नन्नै उडैयार प्रोस्ट है, जो नामक्कल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलूर (सेलम जिला) दस्तावेज सं० 1429/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नकम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं रिदी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हम्मी

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए:

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एस० चेन्गमलम

(अन्तरक)

2. श्री के० मृत्दरराजन

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ा--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि --4.19 एकड़ भूमि--वेलूर, नामक्कल (दस्ता-वेज सं० 1429/83)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 6-7-1984

मोहर: .

प्ररूप आद्दै. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश मं ० 84/नवम्बर/83--- यतः मुझे. प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जियाो नं ० भूमि कोनेरीपट्टी गांव, आत्तूर तालुका है तथा जो सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्ष्य, तम्मामपट्टी दस्तावेज सं ० 1361, 1362 और 1363/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थीत् ∷--- 1. श्री ए० फकीर मोहम्मद साहिब और अन्यों (अन्तरक)

2. श्री के० जैनुलाख्दीन

(अन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके प्रकेशन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के कर्णन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस तृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पृष्टीकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

### नन्स्ची

व्यावसायिक भूमि—-कोनेरीपट्टी गांव, आसूर तालुका, सेलम जिला (दस्तावेज सं० 1361/83, 1362/83 और 1363/83)।

> श्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 6~7-1984

अस्प आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० 85/नवम्बर/83----यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सेलम जलकन्छपुरम भूमि 4.82 एकरा है जो भूमि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलकन्डपुरम दस्तावेज सं० 1318 और 1319/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (ए957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :----

1. श्रीमती अस्वकानियम्मास

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजामणि और राजम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों श्रुफ करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्ति वृत्रीयों में से किसी व्यक्ति वृत्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितम्बूध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकी।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कार्कों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि सेलम जलकन्डपुरम, वनवासी (दस्तावेज सं० 1318 और 1319/83)

> प्रेम मालिनि वासर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, मदास

तारीख: 6-7-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश मं० 89/नवम्बर/83--- भनः मुझे, प्रेम मः लिनि वासनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसुकी सं० 46/1, 4 एकरा 0.72 ,एस० सं० 46/2, 4 ए 10-74 46/3-4 ए. 0.53-46/7 है, जो 4ए 1.20. 91/3ए, 4 ए 0.63, 91/1 भी 4 ए, 1.05 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के धार्यालय, बीरपान्डी दस्तावेज हूँ मं० 840/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिमत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवार कर से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एन-कर अधिनियम, या एन-कर अधिनियम, 1957 (1947 का 27) के प्रगोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एक भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरणः में, भै. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीतः, निम्निलियतः व्यक्तियों, अर्थातः :---

- श्रीमती चित्तायो अम्माल और अन्य (अन्तरक)
- 2. श्री ईम्बरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### क्रमण की

भूमि सर्वे सं० 46/1 ए 4 0.72
46/2 ए 4 0.74
46/3 ए 4 0.53
46/7 ए 4 1.20
91/3 ए 4 एकरा 0.63
(दस्तावेज मं० पी 840/83 ) 091/1भी 4 एकरा

प्रेम मालिति वागन सक्षम प्राधितरः महामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राम

नारीखा: 6--7-1984

सेहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री एम० सुब्बैय्या

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

2. श्री टी० सुन्नमन्थम

(मन्तरिंदी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्तण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1984

निदेश सं० 93/नवम्बर/83---यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासनः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० भूमि और निर्माण, अयनविलांगुडी पुदुमन्डपम मधुर है. जो में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमन्डपम दस्तावेज सं० 2840/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

कतः अब., उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोंड् भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्यना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संखंधी व्यक्तियों पर सृष्यना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का क्षेत्र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण—अयनविलाँगुडी, पुतुमन्डपम, भधुरै (वस्तावेज सं० 2840/83)

प्रेम मालिनि वासने सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, महास

तारीख: 5-7-1984

प्र**क्ष बार्य**ः टी., <u>एम., एस.,======</u>

1. श्री रमनन

(अन्तरक)

2. श्री मुत्तैय्या तेवर

(अन्तरिती)

नायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वाना

### भारत सहकार

## कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1984

निदेश सं० 96/नवस्थर/83---यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसको सं० भूमि और निर्माण है, जो तिरुप्परकुन्डम 1में स्थित है (और इससे उषाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्परमन्कन्डम दस्तावेज सं० 1734/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना आहरी कहुको पूर्वोक्स, सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्च किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण तिरुष्परकुन्डम (दस्तावेज सं० 1734/83)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनायों, स्थात् :---

तारीख: 5-7-1984

मोहरः

त्रक्ष **भार्च**् टी<sub>ं</sub> एषः एत<sub>ः</sub>----

भायकडु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1984

निदेण सं० 98/नवम्बर/83——अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 40, मेलपेरूमाल मेस्स्री स्ट्रीट, मर्कु चन्दै पट रोड, मधुरै हैं, जो पुदुमन्डपम मधुरै में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूर्चा में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोक्षर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमन्डपम दस्तावेज सं० 2713/83, 2714/83 और 2715/83 में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्ति, रतं की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मूह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वक्षने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अपकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिसिक्त व्यक्तियों, अधीत् में— 1. भी के बेंसटरामन

(अन्तरक)

2. श्री एस० पी० बी० तंगराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 4/5 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकीं।

स्यस्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागगा हाँ।

# गग्स्वी

भूमि और निर्माण सं० 40, मेलचन्दैपेटै स्ट्रीट, पुदु-मन्डपम, मधुरै (वस्तावेज सं० 2713/83, 2714/83 और 2715/83)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,मद्रास

तारीख: 5-7-84

माहर 🤉

प्ररूप भाइ.टी.एन.एस.-----

1. श्री कन्दण्यन

(अन्तरक)

नायकर निभ्गियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना 2. श्री अक्बर भाषा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर भागुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० 106ए/नवम्बर/83---यतः मुझे, प्रेम मालि वासनः

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं० कुरुवकपुरम गांव है, जो रासीपुरम, सेलम जिला में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय रासीपुरम दस्तावेज सं० 2288 और 2289/83 में भारतीव रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित्त बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित उप्देश्य से उसक बन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कायन नहीं किया गया है :---

- (क) शन्तरण से शुध कियी बाब की नानत उक्त विध-णियन की वशील कह दोने के बन्तरक के नावित्य में कमी कहने ना उसने वचने में स्तिन्धा के सिए: नीर/मा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन था अन्य आस्तियाँ की, चिन्हुं आरतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ बन्तरिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना जाहिए था, जिनाये में सुविधा के सिक्त

जत:, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् ः— को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियों करता हो।

उनत सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नासंध ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 4.5 विन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीं से 30 विन की बबीं , को भी बबीं वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्थाबिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उन्ह विधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसूची

व्यावसाधिक भूमि (पुंजा) कुरुकुपुरम गांव, रासीपुरम तालुका (दस्तावेज सं० 288 और 2289/83)।

> प्रेम मालिति वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीखाः 6-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 ज्लाई 1984

निदेश सं० 109/नवम्बर/83--यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि तल्लाकुलम

में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम दस्तावेज सं० 5406/83 में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने पें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारण प्रकार की किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उत्यतः अधिनयम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं. उत्यतः अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— 1. श्री एम० ए० सुब्बुस्वामी

(अन्तरक)

2. श्री एस० बेल्लै पान्डियन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अवसची

भूभि तल्लाकुलम, मधुरै (दस्तावेज सं० 5406/83)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारोख: 5-7-1984

## 

अभयकार अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमृता

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० 116/नवम्बर/83---यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के जधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थापर स्थाप, विस्का स्नाव वाचार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं वोक्किकुलम, है, तथा जो उत्तर मधुरैं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलाकुलम दस्तावेज सं 5230/83 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवस्वर 1983

को पूर्विति संपत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से एसे दूरयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

ा. श्री अरुनाचल नाडार और अन्यों

(अन्तरक)

2. श्री के० रामनायन

(अन्तरिती)

का यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्टि क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयूक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्तुकी

रेसिडेन्सियल हौम चोक्किकुलम गांव, मधुरै-2 (दस्तावेज सं० 5230/83)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंअ-1, मद्रास

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-स के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के वभीत, निम्नुलिचित व्यक्तियों अर्थात् ६——

**सारोख: 6-7-1984** 

वासन,

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्राम मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984 निदेश संट 121/नवम्बर/83—यत: मुझे, प्रेम मालिनि

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 41, दनण मुदली अग्रहारम है, जो मधुरै में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हम में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमन्डपम मधुरै जिला दस्तावेज सं० 6187 और 6188/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पिट्त के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिट्त का उपित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाष्ठिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

1. श्री एस० सुक्रमन्यम और अन्यों

(अन्तरक)

2. श्रो एस० वी० अश्रनाचलम और अन्यकें (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पच्छीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और फ्वाँ का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन सची

भूमि और निर्माण सं० 41, दैनप्प मुबुक्ती अग्रहारम, मध्रै (दस्तावेज सं० 6187 और 6188/83)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायण आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राम

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ्रों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित्ति स्यक्तियों, अर्थात् :---/

नारीखाः 6 -7-1984

प्ररूप बाइ टी. एन. एस. - - - -

आयक्कर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अधीन स्चन।

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० 127/नवम्बर,/83—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डोर सं० 44, श्रार ० सी० स्ट्रीट है, तथा जो मानामधुरै, टाउन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० मानामधुरै, दस्तावेज सं० 1173/83 में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्थर, 1983

को पूर्विक्स सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जियान में मुविशा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, क्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिमार्थे, वर्षीत् ६—-

श्रीमती श्रर्पुद मेरी श्रम्मा,

(ग्रन्तरक)

2. श्री जवाहरलाल श्रौर श्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शित में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों. का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्या

भूमि डोर सं. 44, श्रार० सी० स्ट्रीट, मानामधुरै, टाउन (वस्सावेज सं० 1173/83) ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख 6-7-1984 मोहर: प्रकृप बार्ग .टी .एन .एड . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कायसिय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-1, मब्रास

मद्रास, विनांक 6 जुलाई .1984

निदेश सं० 128/नवम्बर/83— ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 7, मधुरै तल्लाकुलम, सब डिविजन, सर्वे 10, चोक्किकुलम, रेस कोर्स, है, जो ग्रोल्ड सर्वे सं० 840/2बो, डोर 7, मधुरै में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारो के कार्यालय तल्लाकुलम, दस्तावेज सं० 4905/83 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) नौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्ललिखत में अस्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुव किसी भाग की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य व्यक्तियों को, जिन्हें धारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निधनियम, या धन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नृष्टी किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाजे में सूर्विधा के लिए;

जतः। अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

1. श्री बी० सुबामन्यन चेट्टियार,

(धन्तरक)

2. श्री मैनर धार० सरस्वती, पिता एस० राजेन्द्रन धौर धन्य ।

(भन्तरिती)

को कह सूचना जारी करके पूर्वोक्त के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता है।

## बन्त संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी क्वीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास जिसित में किए आ सकीन।

स्यक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाही।

## बन्स्ची

भूमि डोर सं० 7, टी॰ एस॰ सं॰ 840/बी2, तल्लाकुलम, सब डिविजन सर्वे वार्ड 10, चोक्किकुलम, रेस कोर्स, घोल्ड सर्वे सं० 840/2, दस्तावेज सं० 49054, 906, 4907/83)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, महास

दिनांक : 6-7-1984

## हरू वर्षाः कीः प्रान्तु हुव ---

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### बारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकः (निरीजण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० 143/नवम्बर/83--यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

बावकर बीधिनयव, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात् 'उक्त बीधीनयमं कहा गया हैं). की पाछ 269-व के मधीन समय प्रीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीत्त विश्वका अचित बाचार मृश्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

भीर जिसकी सं कोयिलपट्टी है, तथा जो कोयिलपट्टी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय कोयिलपट्टी वस्तावेज सं 2635/83 में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रति-कम निम्नीकवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में वास्त-विक स्म से कथित नहीं किया का है।

- (क) बन्धरण वे हुए किया बाद की बायब क्या विश्व दिवस के स्थीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में भागी करने वा कवाचे स्थाने में बृद्धिया के बिन्ने; जरि/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म का उपधारा (1) को बतीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री टी० पी० सिवानन्दमः ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० गंगीराज भौर धन्यों ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अबद सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेद :---

- (क) इस जूचना के राज्यत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति इंगर ;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निश्चित में किए ना सकेगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में पीरभाधित हैं, वहीं वर्ष द्वीगा को उस अध्यान में दिवः गया हैं।

वन्त्यी

व्यावसायिक भूमि कोयिलपट्टी. (दस्तावेज सं० 2635/83)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, मन्नास

दिनांक : 6-7-1984

महिर:

प्रस्प नाहरं, टी. एन्. एस्. : -- -

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं॰ 155/नवम्बर/83—श्रतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विरवास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक हैं।

भीर जिसकी सं० श्राम्बूर, वेल्लूर, नार्थ श्राकाट, जिला है, तथा जो वेल्लूर, नार्थ श्राकाट जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबख श्रनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वांणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में श्राम्बूर दस्तावेज, सं० 2180/83 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रियमान श्रीतफल से एसे द्रियमान श्रीतफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निक्निलिस्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिस्ति में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं---

- (क) वन्तरण के हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बौद्ध/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिस्हें भारतीय आयक र अभिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उस्त अभिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया शासा का साहिए था, डिजाने में सृविधा के सिए;

बतः अव, उक्त वीधीनयम की भारा 269-श की वनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) हो अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:—

- 1. श्री बो॰ एल॰ म्रब्दुल फसीत ग्रीर ग्रन्यों। (श्रन्तरक)
- 2. श्री के० मोहम्मद जिल्लया साहिश्व। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां अपता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपह्ति में हित-नव्भ किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास-लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बग्स्ची

भूमि श्रीर निर्माण भ्राम्बूर, नार्थ आर्काट — जिला (दस्तावेज सं० 2180/83) ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहाबक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 6-7-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज्=1; मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० 162/नवम्बर/83—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं नयी सर्वे एच 1/12/3 नेसमणी नगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नागरकोयिल, दस्तावेज सं० 1456/83 ग्रौर 1462/83 में नेसमणी रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक नवस्वर, 1983

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक हूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के न्प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री एन० रवीन्द्रनाथ तागूर श्रीर श्रन्यों,

(भन्तरक)

2. श्री एम० पाल, रफीन,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकालन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### सनस्री

व्यावसायिक भूमि नागरकायिल, दस्तावेज सं० 1456 से 1462/83 तक ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 6-7-1984

मोहर 🗈

प्ररूप आध्र. टी. एन्. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1989

निर्वेश सं० आई० 2/37ईई/3744/83-84~-अतः मृझे, लक्ष्मण दास

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इ

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 24, 2री मंजिल, राधिका डिपार्टमेन्ट्स, इला, नाका, विलेपाले, बम्बई-400 049 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2 कख के अधीन प्राधिकारी के नार्याचय में रजिस्ट्री है दिनांक 14-11-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हर्ड किसीं बाय की बाबत उक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में मृदिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन ा अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, शाधन-कर अधिनियम, शाधन-कर अधिनियम, शाधन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान से स्थितिया के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निपिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री अनुपम के० शाह (एच० यु० एफ०),

(अन्सरक)

2. श्री शैलेश आर० खिचर्ड(या,

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपश्य में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में त्रितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए पा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसची

फ्लैट नं० 24, जो '2र्रा नंजिल, राधिका अपार्टमेन्ट, प्लाट नं० 3. सब-प्लाट नं० 3, इला नाका, जेव्हीपीडी स्किम, विलेपाले, बम्बई-400 049 में स्थित है।

(अनूसूची जसा कि क० सं० अई०-2/37ईई/3744/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमन दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, बम्बई ।

दिनांक 12-7-1984 मोहर : मुक्यः वार्दः, डी. **ए**क्, एकः, -----

1. फ्रीड्रक मेंडोंका ।

(भ्रन्सरकः)

2. श्रीफीटरफर्नान्डीस

(ग्रस्तरक)

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ण (1) के अधीव स्चना** 

#### भारत बरकार

कार्याख्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 17 जुलाई, 1984

निदेण सं० अई-3/, 4/37ईई/2731/84-85---अतः मूझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जि की सं० पलैट नं० 22, रोलिंग हिल्स, को-आपरेटिय हार्डिमंग सोमायटी, लिमिटेंड, एंढ/13, जे० बी० नगर, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है और इससे उपाबद अनूचर्वा में और जो पूर्ण स्प से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनोंक 7-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियोंं) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों ने न्ने, जिन्हें भारतीय अपय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में किया के किए;

अतः अस उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- क्ये वह सुचना चारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन्न में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, सभोहरताकरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण; ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में विया गया है।

## जन्स् ची

फ्लट नं० 22, रोलिंग, हिस्स्स को आपरेटिव हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, ए6/13, जे० बी० नगर, बोरीवली, (पश्चिम) बम्बई-104 में स्थित है।

(अनूचची जैसा कि कि सं 3, 4/37ईई/2731/84-85 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-83 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सज्जम प्राधिकारोः, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्ब**ई-4**

दिनांबः : 1**2-7-1983** 

# प्रकृष भारा हो , एन् , एस ,=--=--

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरौक्षण)

अर्जन रेज 3, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जूनाई, 1984

निर्देश सं० अर्ड 3, 4/37ईई/2828/84-85 ए॰ प्रसाद

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से निधक है

और जिसेकी सं० शाप नं० 4, ग्राउन्ड फ्लोर, मिल अपार्टमेंन्ट बापू बागवे रोड, द-सर (पिष्चम), बम्बई 86 में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूर्च में और जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिन्ना उरारनामा आगक्तर अधिनियम 1961 की घारा, 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय म रजिस्ट्री है दिनांक 19-11 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिम्निशिवत् उद्देश्य से उनत् जन्तरण किंवित में बास्तविक रूप से कथित गृहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, बक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वचने में अधिभा के लिए; और/या
- (क) ए'सी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हें भारतीय जाय अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट यहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविभा के लिए;

मैं सर्स गांसालिया एण्ड शहा, एसांसिएट्स,

(अन्तरक)

2. श्रीमतो ामलाबेन अभरेतिलाल नाथवानी (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोतस संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशक की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थायता पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कव्धि वाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से विक्षी व्यक्ति ह्यारा;
- (ख) इस मूचना को राजपक में प्रकाशन की तारीय खें 4.5 दिन को भीतर उपत स्थावर सम्परित में हितबब्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोतस्ताक्षरी के पास किर्यन मा किए जब सकारी।

स्पस्टीकरण:---द्रसमें प्रयूष्ण शक्यों वार पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगर, को उस अध्याय में दिया गया ही।

## बन्स्ची

शाप नं० 4, शाउन्ड फ्लोर, मिनल अपार्टमेंट, बापू बाम्ये रोड, दहिसर (पश्चिम), बम्बई 68 में स्थित है।

अनू सूची जैसा कि के संव आई 3, 4/37ईई/2828/84 85 और जो सक्षम प्राप्तिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-88 को रजिस्ट दे किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी गहायक आक्ष्य आयूक्त (निरीक्षण) ार्जन रेज 4, बम्बई

दिनांक: 11-7-1984

मोहर 🖰

प्ररूप आह<sup>\*</sup>्टी<u>.</u>एन,एस<u>.</u>----

# नायक द्व मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-म (1) के घर्षात सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जूलाई, 1984

निदेश सं० अई०-4, - 37ईई/2807/84ब85-अतः मूझ ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसेकी सं० प्लाट नं० 31, बी, आई० सी० का लोनी, रोड नं० 5, बोरीधली (पण्चिम), बम्बई-103 में स्थित है और इससे उपा द अनूस्ची म और जो पूर्ण रूप से विणत है और सिजका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 259 कख के अधीन सक्षम प्राधिवारी वम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 25-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे मुक्ते में सुविधा के बिए; बीए/शा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय नायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुविभा के न्याए;

1. मैहर्स सम्प्राट बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री विस्टोन परेरा और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की लामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो तस अध्याय में दिया गया है।

# जग्स्ची

प्लाट नं 31; बी; आई० सी०ूकालोनी, रोड नं० 5, बोरीवर्ली (पश्चिम); बम्बई-103में स्थित है।

(अनूचनी जैस। कि कि के सं अई-34,/37ईई/2807/84-85 और सक्षम प्राधिकाएँ) बम्बई के द्वारा दिनांक 25वा 1-1983 कत रुजिस्टर्डेट्र किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकप्रआयूवत (निरीक्षण) अर्ज रेंज,4, बम्बई

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :——

दिनांक: 12ब7-1984

मोहर 🕃

प्ररूप आर्क्त्, दी, पुन , पुन न कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक अयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई,विनांक 12 जुलाई, 1984

निदेश मं० *गई-4*/37ईई/2601/83-84---अत: **मझे** 

ए० प्रसाव

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रु. से अधिक है

और जिसेकी मं० फलैंट नं० 402, 4 थीं मंजिल, "ए" विग, सुमेर नगर, एस० व्हि० रोड, कोरा केन्द्र, और गोकुलधाम के सामने, बोरीयली (पिष्चम), बम्बई-91 नें स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनूचर्चा में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और समेरिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय बम्बई, में रिजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन/ और जिसका करारनापा आय कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, स के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं,

का पृथिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का अरण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मसर्स सुमेर डेवलपमें दस

(अन्तरक)

2. श्री जगदिशप्रसाद गूस्ता (कुलवाल),

(अन्तरिती)

3. बैंडोर

(वह व्यक्ति जिसत अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप हनन

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे.

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

फ्लट नं० 402, 4 थीं, मिजिल, "ए" थिया, सुमेर नगर, एम० व्हि० रोड, कीरा केन्द्र, और गीव्युलवाम के सामने, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अन्सूची जैसा कि कि. सं. अर्ड ।।। '37र्डड'/2601/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा दुनांक 11-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया हो।

> ए० प्रशाद १ सक्षम प्राधिकारी राह्यसम् आयवस्य अत्युक्तः (निर्शक्षण) अर्जन रोजि ४, बस्बई

तारीख: 2-7-84

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.,----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-**घ (1) के अधीन मुच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज 4, बम्बर्ष बम्बर्र दिनांक 12 जुलाई, 1984

निदेश सं० अई-3,374ई/2587/84-85---अतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण हैं कि रक्षावर राज्यों ते, जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्तैट नं० ए/14, 4 थी मजिल, साइंबाबा धाम, आफ एस० व्हि० रोड, वीरीवर्ली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूक्षी में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसदा र पायतामा आयवार अधिन सम, 1961 की धारा 259 कथ के अधीन राक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालयों में रजिस्दी है दिसार 25-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तारत का गई है और मूज यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त समानित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एक बन्तरण के लिए तम पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम सं अधिक गई। किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आप था किसी एन १। अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर आधिनियम या धनकर आधिनियम (1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूर्यिया की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को कारा 269-ए के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम को घारा 269 थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मैसर्स उरुण इण्टरनेशनल, -

(अन्तरक)

2. श्री जयेश हसमुख लाल चोकसी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु—।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं []

## जनसची

पर्लंट नं०.ए/14, 4थी मंजिल, साइंबाबाधाम, आफ एस० व्हि० रोड, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि ते 3, 4/37ईई/2587/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक 12-7-1984 **मोह्**र :

## भूकव बाह<sup>र</sup>्ट<u>ी हम् एतः</u>------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

## शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई 34 /37ईई/2755/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर थांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वति (उक्त निधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी पलैट सं० न० 102, "रोहन अपार्टमेंट", नयागांव मंडपेश्वर रोड, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-68 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आग्रकर अधिनियम 1961 की धारा 259 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरण के बासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; सुद्र/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, सिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तौरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वीवा अ किए:

अतः अम, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसित न्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स विमुतीं, कन्सद्रक्शन्स,

(अन्तरक)

2. श्री गामा बलाविन यादव

(अन्तरिती)

स्त्री वह त्युना बादी करके पृथावत सम्पृतित के अवीत के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

# सक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप ह-न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों प्रस्कान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिर्गः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और वयों का, को उक्क अभिनियम को अध्याय 20 का में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्लैट नं० 102, "रोहन अपार्टमेंट" नयागांव, मंडपेश्वर रोड, बोरीवली (पण्चिम) बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० आई-3 4/37ईई/2755/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बस्बई

दिनांक: 12-7-1984

प्ररूप आही. टी, एन ा एस :-----

अध्यक्तर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 ज्लाई, 1984

निदेश सं० आई-3, 4/37ईई/2754/84-85---अत: मुझें, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **क्सको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है**), की धारा 269-ख के अधीन यहान प्राधिकारी होते, यह विख्वास करने का कारण **है** कि रुप्ति, सम्मत्ति, शिसका उषित वाजार मुख्य 25,000/- रत. से अ**धिक ही** 

अप्रीर जिसकी सं० पर्व : नं० 103, "रोप्त अपार्टमेंट", बोरीवली रोहन को-ऑप० हार्डीमंग सीमायटी लिमिटेड, नयागांव, मंडपेश्वर रोड, बोरीवली, (पश्चिम); बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची वें ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयवार अधिनियम 1961 की धारा 269 के कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी वस्वई के कार्यालय में राजस्द्री है दिनांक 1-11-1983

.को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यूथापूर्वा क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य **उत्सक्ते दश्यमान प्रतिफ**ॉल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं। और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के नीच एसं अन्तरण के लिए त्यु पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तुबिक रूप से किथित नहीं किया गुवा है अ--

- (क) बन्तरण हे हुइ किसी बाय का बावत, उक्त ब्रिपिटिन्स के ब्रापीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तु वृधिनियम् या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा है लिए;

भाराः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण 📭, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) 🗬 छपीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थाह् 🏗 🗕

मैसर्स निमृती, कल्स्ट्रक्श्याः

(अन्तरक)

2. श्रीमती मेरी रेमंड, डिड्ड

(अन्तरिती)

को यह सुचुना आरी करके पुत्र किस सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सा**रीय से** 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त, म्युक्तियों में से किसी व्युक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजयभ में प्रकाशन की तारीख है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पा**स्** लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्सू सी

फ्लैट न० 103, "रोहन अगार्टमेंट", बोरीवली, रोहन को-स्रॉप० हाउसिंग सांसायटी लिमिटेड, नयागांव मंडपेश्वर रोड, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० 3, 4/37ईई/2754/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-11-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी सहराक आयक्षर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- 3, 4, बम्बई

विनाम : 12-7-1984 मोहर:

प्रकल आहें हैं। ध्य एस् , ज्याना स्वता

साम्कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-7 (1) के अभीन सचना

## HIVE EXERT

कार्यालय, सहायक आयकः आयक्त (निरीक्षण) धर्मने रेज-4, बम्बर्ड

वम्बर्ष, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3, 4/37ईई/ :760/84-85—अत: मुझें, ए० प्रसाद

णायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' का गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायत संपरित जिसका उचित का वात्र भून्य 25,000/- ए. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० पलैट गं० 2, ग्राउन्ट पत्तेर, ज्ञान, अमरीत, श्रांतिलाल मोदी रोड, क्यंदिवली (पश्चिम), बग्नई-67 में स्थित है (स्रोर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रांत जो पूर्णक्ष्य से वर्णित है) स्रोर जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 8-11-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापुर्वेक्ति संपत्ति का जिन्न वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ति का प्रतिक्त का पन्ति का प्रतिक्त का पन्ति का प्रतिक्त का पन्ति का परित क्रिक्त है और जन्तर्क (प्रतिरक्तें) और बंतिरिक्तें (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति का निम्निलिखित उद्देश्य से लक्त अन्तरण निखित में बास्तिवदः क्ष्य से क्षित नहीं किया शका है है है—

- (क) जन्तरण से हुन्द किसी काय की वाबन उदा गीध-नियम के अधिन कार हीने के अन्तरक के सायित में कामी सारने का उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन मा कर आस्तियों की, जिल्हा भारतीय सामान शिक्षितात. 1922 (1922 का 11) या उत्तर शिक्षितिया, या धन-कर अधितिया, १९८७ (1907 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिर्णी दूसरा अस्ट नहीं किया गया था या तिया जाना भाडिए था, खिमाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :--- 1. मैसस एम० एन० कन्स्ट्रकगन्स, कंपनी

(अन्तरक)

2. श्री दिलीप भाई लाख जी परेल,

(अन्तरिती)

का यह सूचना भारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्मृति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्ध---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद को समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-गव्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी अमें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हुम्<u>ष्क्रोक हुम्: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का,</u> जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, ज्ञान क्षमरीत बिल्डिंग, णांतीलाल मोदी रोड, कांदिवली (पिष्चम), धम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० आई-3 4/37ईई/2760/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक अग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-7-1984

प्ररूप बाइं. टी., एन., एस.

**भायकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## श्रारत सरकार

# कार्याल्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० आई 4/37ईई/2751/83-84—अत: मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'स्वतं अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भाप नं० ए-1-ए-2/8, छत्रपति, भिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल धिनियम 1908 (1908 का

16) के अधीन दिनांक 17-11-83

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित अने वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोगे के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मूजिधा के लिए; शीर्/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मुक्तियाम अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

बतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-य के वनुसर्ण कें, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) कें वधीन, विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. स्पेर विल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरकः)

 श्रीमती सरलावेन एम० व्यास श्री डी० जी० व्यास, और श्री पी० जी० व्यास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों कत संप्रित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कहता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामी से 30 दिन की सर्वाध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाढ़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनस्ची

शाप न० ए-1-ए-2/8, छत्रपति, शिवाजी मार्ग, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई 3/37ईई/2751/83-84 ग्रौर जुड़े सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-83 को रजिस्टर्ड किया नया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक: 11-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3,4,बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर्ड० 3, 4/37ईई/2756/84-85---अत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, "शहन आपर्टमेंट", नयागांव, मंडपेयबर, रोड, बोरीवली, (पियचम), बम्बई-68 में स्थितहै (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जी पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयवार अधिनियम 1961 की धारा 269 केख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोनें के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मृधिसा के लिए;
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पढ़ा था या किया जाना चाहिए था, हिपाने हों। सुधिन के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्मिनि**श्तिर व्यक्तियों, अर्थात**ः—— 17—1860184 1. मैसर्स त्रिमूर्ति कन्स्ट्रकशनस

(अन्सरक)

2. श्रीमती माबेल विन्सेंट बेरेटी,

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए ार्यकारिया कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बार्शप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## and the

पलैट नं० 101, "रोहन अपार्टमेंट" नयागांव, मंडपेश्वर रोड, बोरीवर्ला (पश्चिम) बम्बई-68 में स्थित है।

अनुस्ची जेसा कि ऋ० सं० आई० 3, 4/37ईई/2756/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर सायुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज÷3,4, बम्बई

विनांक : 12-7-1984

मोहर 🖫

प्रकृप् आहें.टी.एन.एस. - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर नामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, 4,बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मुलाई 1984

निदेश सं० अई० 3, 4/37ईई/2762/84-85---अन: मुझे, ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रापिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ए 6/3, दि ग्रोवर को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जीवन बीमा , नगर बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-103 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 7-11-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितयार) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिबित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निवित्त यो वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सिकाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने से सुबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्रीलिलिल भाई बी० भट्ट

(अन्तरक)

2. श्रीमती शीला पुरुषोत्तम अमीन

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी, व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्वितयों में से किसी स्वीकत ब्वाय;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताकरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्ज्जी

ए 6/3, दि ग्रोवर को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड जीवन बीमा नगर, बोरीवली (पश्चिम) बम्भई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नि आई० 3, 4/3 7ईई/2762/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,4, इम्बर्फ

दिनांक: 12-7-1984

मो**हर**ः

प्रक्रम् **वार्ष**. की. एन. एस. ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्याक्षय, तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-3,4/3 7ईई/2766/84-85 अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने क कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/ रु से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० डी-2, ग्राउन्ड फ्लोर, 'गायती अपार्टमेंट, ''लक्ष्मी, नगर प्रोजेक्ट'' उरी, कस्तूरका रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 15-11-83 को पूर्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफस के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके इक्यमान प्रतिफल से, ऐसे इक्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरम संहुई फिसी नाय की वाब्त, उच्छ नहींभीन्यत में अभीन कर दोने के अन्तरक के दासिए में कनी करने वा उच्चे क्याने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (क्ष) ऐसी किसी बाय मा किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त क्षिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तीरिती व्यत्रा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा व सिय;

जक्तः वयः, उक्त विधिनियम की धारा 269-त के जनुबरण मों, मीं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित स्पिक्तमाँ, जर्मात् स्र—-- 1. श्री मंगेश केशरी नाथ म्हाले,

(अन्तरक)

श्रीमती मिनाबेन विष्णु राव अयडे

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंव :--

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकासन की गरीब के 45 दिन की जब्भि या सस्सम्बन्धी व्यान्तयों पर स्वान की सामील से 30 दिन की स्विध, जो भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यावस्त्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पम्बोफरण :--इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उत्रश बीधनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्थ नवा हैं।

## जनुसूची

फ्लैटनं० डीक्कि ग्राउंड फ्लीर गायत्री अगर्टमट, लक्ष्मी नगर, प्रोजेक्ट, 3 री कस्तूरबः रोड, बीरीबली (पूर्व), बम्बई-में स्थित है।

म्रानुसूची जैता की किं सं अर्ह-3, 4/37ईई/2766/84-85 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984

मोहर 🖫

प्रकल भाई. टी. एन. एड.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व् (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3, 4/37ईई/2677/84-85—-अन: मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं शाप नं 5, प्राउन्ड पलोअर, एस्टी, अपार्टमेंट, साईबाबा, नगर, आक एस विह राड, बोरीवली (पिण्नम) बम्बई-92 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आपकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 21-11-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (बृन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कब निम्नसिवित बद्देव से उक्त अन्तर्ण मिवित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कि इसित, उनत अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्मलि खित व्यक्तियों, अधीत्:— 1. श्री ए० एच० लाखानी

(अन्तरक)

2. श्री डी०पी० तिवारी

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ::--

- (क) इस ग्याना को गायसप मं प्रकाशन की लारील से 45 विस की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थना की सामील से 30 दिन की अपधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्वोगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगत्त्री

णाप नं० 5, प्राउंड फ्लोर, एस्टी अवार्टमेंट, साईबाबा गगर, आफ एस० व्हि० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क० सं० आई-3, 4/37ईई/2677/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहागक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **4, बम्बई** 

दिनांक 12-7-1984 मोहरु ३ प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

अगयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुमना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-3,4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं०/आई/श्चर्जन रेंज 3, 4/37ईई/2898/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 6, ग्राउन्ड फ्लोर, एस्टी, गिजय को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, साईबाबा, नगर, ग्राफ एस० व्हि० रोड, बोरीवली, (पिष्चम), बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय ममें रजिस्ट्री की है दिनांक 11-11-83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ातिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुन्द्र किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के स्थीन कर दोने के अंतरक के दायित में कभी करने या उससे बचले में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी अन या जन्य जारितयों को, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-धार श्रीभिनियम, 1957 (1957 को 27) वे प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपन विधिनियभ की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— 1. श्री ए० एच० लाखानी,

(भ्रन्तरक)

 श्री बाब्भाई वालजी वाघेला, श्रौर श्री रसिकभाई दूलाभाई पंचाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (घ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में वियो जा सकारी।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्धों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गगा है।

## जनसर्थी

शाप नं० 6, प्राउन्ड प्लोर, एस्टी गिजय को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, साई बांबा नगर, भाफ एस० व्हि० रोड, बोरीवली, (पिष्पम), बम्बई-92 में स्थित हैं। धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भाई-3, 4/37ईई/2898/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रागुक्त(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984

माहर ध

प्रकृषः बाष्ट्रं. टी. एन. एस.------

आयकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

## भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-3, 4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० भ्राई०-3, 4/37ईई/2826/84-85---- भ्रतः

मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंके बसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 101, 1 ली मंजिल, "ए" विग, "भ्रादित्य पार्क", छत्तपति शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 3-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उस्त अंतरण किवित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है ---

- (क) कत्तरण से हुई किसी आय कौ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कजी करने वा उत्तरे वचने में सुविधा की लिए; आर्/या
- (स) ऐसी किसी जाम या किसी धन या कत्य मास्तियों को जिल्हां भारतीय काय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निक्निलिसित व्यक्तिस्त्यों, अर्थात् :--- ा. गोयल बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री ग्रोमप्रकाशटी० ग्रग्नवाल, श्रीर
  - (2) श्री श्रोमकार टी॰ भद्रवाल

(भन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नपुज्जी

पत्नैट नं ० 101, 1 ली मंजिल, "ए" विंग, "ब्रावित्य पार्क" छत्रपति शियाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि क० सं ० आई-3, 4/377ईई/2826/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 3-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-3,4, सम्बद्ध

दिनांकः : 11-7-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन'. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० घ्राई-3, 4 /37ईई/2823/84-85—श्रत: मुझे, ए**० प्रसाद** 

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्सं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लैंट नं० 201, 2री मंजिल, "ए" विंग, "स्रादित्य पार्क", छत्नपति, शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रानुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख स्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिसत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय अधिकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. गोयल बिरुडर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(मन्तरक)

2. श्री शिवाजी यशवंत परव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सिट मों किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वारेगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट सं० 201, 2 री मंजिल, "ए" विंग, "झादिस्य पार्क', छत्रपति शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-3, 4/37ईई/2823/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-4, बस्बई

विश्वाकातक्ष्मध-7-1984 मोहरूबा प्ररूप आर्ष. टी एन. एस. ----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/2754/83-84---श्रन:, मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भाल्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० ए-1/ए-2/3, छत्रपति शिवाजी भार्ग, दहिसर (पूर्व), बम्बई- में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध <del>ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है</del>)ग्रौर जिसका करारनामा म्रायकर म्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 16-11-1983

का पूर्वोवन संपारत के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्तेयह विश्वास करनं का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम को अधीन कार दोने के अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा कॅलिए: और/या
- (म) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य किसी को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, । १०22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अस अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाष 🔏) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. मैसर्स स्पेस बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड ।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती निता ए० शाह।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ध्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसची

णाप नं∘ ए-1/ए-2/3, छन्नपति शिवाजी मार्गे, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि कु० सं० श्रई-4/37ईई/2754/ 84-85 में श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, हारा दिनांक 16-11-1983को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-7-1984

मोहर 💠

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-४, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-4/37ईई/2753/84-85---अतः, मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० भॉप नं० ए-3/ए-4/5, छन्नपति शिवाजी भाग, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-11-1983

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल का निम्निलिक उद्योश्य से उपन अंतरण लिखित में धास्तिक का निम्निलिक उद्योश्य से उपन अंतरण लिखित में धास्तिक

- (क) अम्तरण से हुई किसी अध्य की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कार जिन्हों भारतीय आय-कार आंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तों अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट रही किया गया भा से किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :—— 18—18 6GI 84

1. स्पेस बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मालती निरंजन टन्ना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

## भनुसुची

भाप नं ० ए-3/ए-4/5, छन्नपति णियाजी मार्गे, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

श्रन्मूचो जैसा कि क० सं० अई-4/37ईई/2753/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण). ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक 11-7-84 मोहर :

# प्रकृष बाहु , टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्रई०-4/37ईई/2729/84-85—-ग्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का काण्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उखित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 204, "ए" विग,स्टार गॉलक्सी श्रपार्टमेंट, एन० टी० रोड, बोरीवली, (पिष्चम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, खके श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 7-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से पेसे स्वयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष, निम्निसित उद्योग से उक्त बन्तरण लिखत में बास्त- विक रूप से जीवत नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तर न से हुई किसी नाय की बाबस सकत बाँध-नियम के न्धीन कर दोने के बन्तर के दाबित्व वाँ कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिये; और या/
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य गास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाडिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बभीन, निम्नलि<u>लि</u>त व्यक्तियों, अर्थात् !---

1. स्टार इण्टरप्राईमेज,

(ग्रन्तरक)

 श्री मंज्ला, सेवंती लाल शहा, श्रौर सेवन्ती लाल भोगीलाल शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर के पूर्वोक्त संपर्तित के वर्जन के सिए कार्यनाहियां करता हैं।

उंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्रांश,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पव्यक्तिकरणः---इसमें प्रमुक्त कर्वों और पर्वो का, वो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## मनसूची

फ्लैट नं० 204, ''ए'' विंग स्टार गॉलनसी, श्रपार्टमेंट, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं क्षई-4,/37ईई/2729/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, अस्बई

दिनांक 12-7-1984 मो**हर** 🛭 प्रस्य बाह् े टौ ु पुरु पुरा ुननन्त्रन

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सचना

#### मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/2600/83-84--- ग्रत:, मुझे, ए॰ प्रसाद,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं 401, 4थी मंजिल, ए विंग, सुमेर नगर, एस० व्हि० रोड, कोरा केन्द्र स्रौर गोकुलधाम कें बोरीवली (पिष्वम), बम्बई-92 में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विंगत है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 11-11-83

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमाम प्रतिफाल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल सी, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफाल, निम्निकित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण किश्वत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अघने में सुविधा के विद्र; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्का अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जिपान में सुनैवधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधी न, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः—— मैसर्स सुमेर डेवलपमेंट्स ।

(श्रन्तरक)

है 2. श्री शर्ता श चन्द्र जगदीश प्रसाद गुप्ता ।

(ग्रन्तरिती)

4. वेंडार

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसुची

पलैट नं ० 401. 4थी मंजिल, ए विग, सुमेर नगर, एस० विह रोड, कोरा केन्द्र श्रीर गोकुलधाम के सामने, बोरीवली, (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राह्म श्राह्म श्राह्म श्राह्म श्री बम्बर्ह द्वारा दिनांक 11-11-83 को रिजस्ट के किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांकः 12-7-1984

प्ररूप **बाइं**. टी. एन . एस . ------

नायकर निर्मायम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर नायकर (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० म्रई-4,/37ईई/2741/83-84—म्प्रतः, मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 23, एक नं० 2 ग्रीर सी० टी० एस० नं० 332-ई पार्ट ग्रीर ग्रीरीजिनल प्लाट नं० 299 ग्रीर फाइनल प्लाट नं० 242, ग्राफ टी० पी० एस० बोरीवली, III, क्हिलेज एक्सार, बम्बई, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1983

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वंड्र्ड किसी बाय की बाबल, स्वस्त अधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे यथने में सुविधा खे के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाम या किसी धन या अन्य जास्तियों कारे, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया बाना चाहिए था, जिन्ना में स्विधा के लिए;

बतः सव, उक्त नीर्धीनयन की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उक्त निधीनयम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के निधीन, निम्निसिचित न्यक्तियों, निर्मात :—- 1. श्री केसरी नाथ कृष्णजी काथे।

(अन्तरक)

2. श्री विष्णु झिमाजी कांबले ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उनत संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख सं 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पच्छीक रणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सर्वे नं 23, एच ० नं 22, श्रीर सी ० टी ० एस ० नं 0 332 ई पार्ट श्रीर ओरीजिनल प्लाट नं 0 299 श्रीर फाइनल प्लाट नं 0 242, श्राफ टी ० पी ० एस ० बोरीवली, III व्हिलेज एक्सार, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37ईई/2741/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 1-11-83. को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) श्रजंन रेंज-4, बम्बई

दिनोक: 12-7-1984

ोहर:

प्रस्त भार्ः, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(क) (1) के अभीन सुचना

## भारत सद्कार

# कार्यालय, सहायक आयकार नायुक्त (निरोक्त्)

ग्रर्जन रेंज -4, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेण सं० श्रई०-4, 37ईई/4273/83-84—श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० णाप नं० 26, श्राउन्ड फ्लार, "श्रीजी दर्णन" बिल्डिंग, सी०टी० एम० नं० 100, सर्वे नं० 96, एच०नं० 3, श्राफ मालाड एंड एम० व्हि० रोड, कान्डीवाल, (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कृष्व के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय मे रजिस्ट्री है दिनांक 21-11-83

को ग्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रिप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्र) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए 1

जतः थव उक्त अधिनियम की भारा 269-स के अभूतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा— 1. श्री कानजी एम० उहारा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती इला बसंतलाल बारोट।

(भ्रन्तरिती)

3. मन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोक्टरण :--६ममं प्रयुक्त कन्द्रों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ननुसूची

गाँप नं० 26, ग्राउन्ड फ्लोर, ''श्रीजी दर्शन'' बिल्डिंग, सी० टी० एस्० नं० 100 सर्वे नं० 96, एच० नं० 3, ग्राफ मालाङ एट एम० व्हि० रोड,कान्डीवाल (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० 4/37ईई/4273/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षेम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-7-1984

मोहर ध

प्रकृप आहे, टी. एन्. एस. ----

**नायकर मधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के **बधी**न सुचना

## भारत स्रकाह

# कार्यालय, सहस्यक मायकर मायक्स (निरक्षिण) ग्रजन रेंज, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेश सं० ग्रई-4/37ईई/2955/83-84--श्रत:, मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 206 2री मंजिल, 'बी' ब्लाक, स्टार गलैक्सी अपार्टमेंट्स, एल०टी० रोड, बोरीवल (पण्जिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 21-11-83

को पूर्विक्रत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके श्वयमान प्रतिफल से, एसे श्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तर्थ से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनिवृत्त के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाब या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्ह अरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

सतः सव, उस्त सीधनियमं की धारा 269-ग के सनुसरण मा, मी, उस्त सीधनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) की संबीन, निम्नतिथित स्पन्तियों, सर्वात है—  श्री गौतम लालजी भाई पादाडिया, श्रोर श्रीमती पुष्पा गौतम पाताडिया, ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती लीलावती माण कलाल दामानिया । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उमरा सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## मन्स्ची

प्लैट नं० 206, 2री मंजिल, "बी" ब्लाक, स्टार गैलमसी श्रपार्टमेन्ट्स, एल०टी० रोड, बोलीवली (पश्चिम), बम्बई-92, में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं श्रई 3, 4/37ईई/2955/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्ववारा दिनांक 21-11-83को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्रए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4, बस्बई

विनांक : 12-7-1984

मोहर 🥫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

# कार्यासयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्पन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० अर्ह -1/37/ईई/1400/83-84--अतः, मुझे, ए० लहिरी

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६२ के इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको संव क्यमंव 135, दादर क्याणियल प्रिमायसेख को-आपव मोनायदो, ही वपंत्रीष्ठ, दादर, सम्बर्ध-14 में स्थित हैं (और इससे उपायह अनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्ख के अधीन सम्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 23-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात अधिक है और संतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निमित्त के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) वस्तरण से हुई किसी आगकी बाबसः, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा वी निष्; आर्/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था खियाने में सुविभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिंधिनयम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मनिचित व्यक्तियों, जर्थाहर :---- (1) श्री सुखदयाल टिक्सदास दासवानी ।

(अन्तर्भः)

(2) आ के० हयाग्रिया अचार

(अन्त्रिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

## उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विश्व किसी जन्म स्थित इवारा नभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# नगृत्वी

हम नं । 135, दादर कमिशियल प्रिमायसेस को-आप० सोमायटी, डी०पी०रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-1/37/ईई/1296/83-84 और जो सक्षम अधिकारो, बम्बई हारा दिनांक 23-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० नहिरी स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयक्षर आयु**क्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 12-7-1984

मोहर् 🗅

प्ररूप माई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ५-1. बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश मं० अई-1/37ईई/1479/83-84—अतः, मुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० शाप नं० 19, ग्राउन्ड फलोअर, मी विंग, मैं मर्म श्री कृष्णालया को आप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, सायन, वम्बई—22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण में विणत है), और जो आयहार अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारों के शायलिय में रिजस्ट्री है, तारीख 11-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिमत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की याबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) आ विलोड निष्णूभाई दवे।

(अन्तरक)

(2) श्रो राव रिवेद्र बाबूराव ।

(अन्यरिती)

को यह सृथना जारी कारके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

## नन्स्ची

शाप नं 19, ग्राप्टन्ड फलोअर, सी० विंग, मैसर्स श्री कृष्णालया को-आप० हाउसिंग सोशायटी लिमिटेड. सायन, बम्बई-22में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/924/83-84 भ्रो जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई ब्राप दिनांक 11-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायाः श्रायक्तर श्रापुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1. यम्बई ।

तारीख: 11-7-1984

# प्रकृष आहे. ती. एन्. एवं., -----

वारकर अभिनियम् 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, विगांक 12 मुलाई 1984

निर्देण मं० अर्ह-1/37ईई/1328/83-84—अतः, मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

अरंर जिसकी सं व यूनिट नं व 5 और 5-ए, "बैस्ट ब्यू" बिल्डिंग, वीर सावरकर मार्ग, प्रभावेवी, बम्बई—25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 पख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के द्वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख़ 15-11-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल के, एसे ख्यमान प्रतिफल वा पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उन्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औद्र/वॉ
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अधः, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---19—186GI/84

(1) भैंसर्स प्रगति इन्वेस्टमेंट्स।

(अन्तरक)

(2) श्री निलंण किणोर कुमार फीमली ट्रस्ट । (अन्तरिती)

3. भ्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उक्त संपृतित् को अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कृतारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## जन्त्र्या

यूनिट नं० 5 और 5-ए, "वेस्ट ब्यू" बिल्डिंग, शीर स्वर्करमार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फि० सं० अई-1/37ईई/1193/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 15--11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बस्बई:

नारीख: 12--7-1984

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/1266/83-84--अतः, मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु दूसे अधिक हैं

और जिसकी मं व्यूनिट नं । ग्रीर 1-ए, ग्राउन्ड फ्लोअर, और बेसमेंट आफ वेस्ट व्यू बिल्डिंग, वीर सावरजर रोड, प्रभादेवी रोट, बम्बई-25 में अस्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्यार्थलय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स प्रगति इन्वेस्टमेंट्स।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोरकुमार भीमजी झवेरी।

(अन्तरिती)

3. श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि,, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनस्यी

यूनिट नं ० 1 ग्रोर 1 -ए, ग्राउन्ड फ्लोअर, और बेटमेंटग्राफ वेस्ट व्यू बिल्डिंग, बीर सावरकर रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-1/37ईई/1173/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारी**ख**: 11-7-1984

मोहर 💈

प्रकृप बाई, टी. एन. एस.-----

नामकर नीपनियम्, 1961 (1961 की 43) की पारा 269-व (1) के जपीन सूचना

## बारत बरकाइ

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1. बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निदेश सं • आई-/37 ईई • /1418/83-84--अतः, मुझे, ए॰ लहिरी,

शायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 43, पिण्चिम ग्रपार्टमेंट बी० काशी नाथ घुर रोड, ग्राफ कंडेल रोड, दादर, बम्बई—28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जो ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क) के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रस्जिट्री है, तारीख 26—11—83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक का विक्तितिक व्यवस्थ से दक्त मृत्तरण निवास में बास्तिक कर के स्थित वहाँ किया यसा है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किया बाद की बावत उन्त वीप-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के त्रायित्व में क्यी करने वा उत्तरे बचने में सुनिधा के जिस्ह; बीर/वा
- (व) एंबी किसी बाब या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त् नृधिनियम या धन- कर नृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादिना जनतियों क्लारती इनारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः अन्, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती सुशिला टी॰ बंसाल।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स ग्रमर सिल्क मिल्स।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

स्व यह सूचना बारी करके पृत्रों यत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति प्रांत अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में हेक्स जा सकर्ण

स्वक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, वो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

# नन्स्ची

फ्लैंट नं॰ 43, पश्चिम ग्रपार्टमेंट बी, काशीनाथ घुर रोड, ग्राफ केंडल रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० ग्रई/37ईई/1318/83-84 शीर जो सक्षम प्राधिकारी-1 बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुंग्रर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारी**व** : 13-7-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. - - -

शासकर सिंधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के अधीन सुचना

## भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० प्रई-1/37ईई/1314/83-84--प्रतः, मुझे, ए० लहिरी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद जिस्त अधिनियम अहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० श्राफिस प्रिमायसेस इन दि बिल्डिंग नोन एज "स्ट्रेलिंग सेंटर", नार्थ ईस्ट कार्नर, 4थी मंजिल, डा० एनी बेसन्ट रोड, बम्बई-18 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 260 क के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 8-11-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य उसके द्रयमान प्रतिफल सो, एमें द्रयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) पेसी किसी भाय या किसी धन या अभ्य भारतयां को, खिरहें चारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिवनियम, या धक्र-कर धिवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थातः——

- (1) मैं० इण्टरनेशनल निकेल सिवसेस लिमिटेड (यू० के०)। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं० रेडिपयूणन एडवरटार्याजग प्राईवेट लिमिटेड । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मीं हित. बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण :--इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यान में दिया गया है।

## अन्सूची

म्राफिस प्रिमायसेस इन दि बिल्डिंग नोन एज "स्ट्रलिंग सेंटर", नार्थ-ईस्ट कार्नर, 4थी मंजिल, डा० एनी वेसन्ट रोड, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि व सं श्रई-1/37ईई/1215/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-11-83 की रजिस्टडं किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सम्बर्ध रेंग-1, बस्बर्ध ।

तारीख: 13-7-1984

प्ररूप काइ<sup>8</sup>.टी.एस.एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन सुचना

#### नारत चरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/1327/83-84--श्रत:, मुझे, ए० बहिरी,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर् असम्पत्ति, जिसका उपनत बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 3 श्रौर 3-ए, "वैंस्ट व्हयू" विल्डिंग विर सावरकर मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जो श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 15-11-83

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल तो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए हथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उनत बीधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा से सिए; बौर/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुआरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

वतः; अव, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त जीधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क्रोबभीन, निस्तिविक्त क्योंक्तियों, जर्मात् ३०० (1) मैसर्स प्रगति इन्वेस्टमेंट।

(भ्रन्तरक)

(2) निता किशोरकुमार फैमिली ट्रस्ट ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक।

(वह् व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति क्रै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं ।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृयोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसुधी

यूनिट नं० 3 ग्रौर 3-ए, "वेस्ट व्हयू" बिल्डिंग, बिर सावरकर मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई--1/37/ईई/1192/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15--11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

तारीख: 12-7-1984

मोहर 🖫

# प्रकप आद्दी.टी.एन.एस., -------

# आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जलाई 1984

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/1397/83-84—मतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 45, 4थी मंजिल, "डी" बिंग ममता बिल्डिंग, प्लाट नं० 926, टी॰ पी॰ एस० नं० 4, न्यू प्रभा देवी रोड, बम्बर्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जो भायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 23-11-83 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उच्य अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की जावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा के सिए; और/या
- (अ) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) मैसर्स गुंदेचा बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र वेवशीभाई पिथिया, श्रीर श्रीमती रूपा महेन्द्र पिथिया।

(ग्रम्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

# मनुस्थी

फ्लैंट नं० 45, 4थी मंजिल, "डी" विंग, ममता बिल्डिंग, प्लांट नं० 926, टी० पी० एस० नं० 4, न्यू प्रभावेबी रोड, बम्बई में रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज– , यस्बई ।

तारीच : 13-7-84

मोहर 🧐

# प्रकृ जाइ .टी .पन् .एड .-----

भायमर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के बाहीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निवेश में अई-रि~37ईदी/1033ए/83─84──अतः, मुझी, ए० सहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी सं० शाप नं० 20, ग्राउन्ड फ्लोअर, भौर गोडाउन नं० 20 इन दि बेसमेंट, भागवाडी शापिंग आकेड, कालवादेवी रोड, बम्बई—2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जो आयकर [अधिनियम, 1961 की धारा 269 केख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम शाधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 15—11—83

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूक्स से कम के क्स्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुख्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूक्स, उसके क्यमान प्रतिकाल से, एसे क्यमान प्रतिकास का पण्डाइ प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखिल उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण् चे हुई किशी नाम की नामसः, उनक् वृत्तिनियम् भे सभीन कर दोने भे जन्तरक के द्वित्य में कमी चंद्रने ना उत्तर्भ नचने में तृत्विमा के निष्; अद्वर्शनाः
- (ख) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मतिस्ति व्यक्तियों, स्थात् :---

- (1) मैसर्सं डिई बिई एक्सपोर्ट (पार्टनरशिप फर्न) (अन्सरक)
- (2) मैसर्स जिनजूबारीया एण्ड कम्पनी प्राय्वेट लि०। (अन्तरिती)
- प्रन्तरक ।
   (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पति है )

को यह सूचना चारी करके पूचाँकत सम्पृत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहिया कारु करता हो।

उन्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की वनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वनिभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति इदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का को जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्त्रची

शाप नं० 20, प्राउन्ड फ्लोअर, भीर गोडाउन नं० 20 इत वि बेंसमेंट, भागवाडी शापिंग आकेड, कालवा देवी रोड, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37 ईई/डिम्बग्र-37/ 83-84 और जो सक्षम आधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 15-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आर्जन रेंज-1, अम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्रकृप बडहैं.टी. एवं. एस . -----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, बम्बई

बम्बर्ड, विनांश 13 ज्लाई 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/1080/83-84---अत् मुझे, ए० लहिंदी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुः. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० माला नं० 134, 1ली मंजिल, "ए-1" विल्डिंग, शाहा एण्ड नाहार इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, लोअर परेल, वम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जो आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-11-83

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निस्ति में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जंतरण से हुई किसी बाद की वावत, सबस अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या बित्या जाना सोहिए था, छिनाने भे सिवधा के सिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धार्य २६९-ग के अनुसरण हों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-च को उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, वर्षात क्ष--- (1) श्री धनीरण मिल्स प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री संजिय बी० जैन।

(अन्सर्पिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

माला नं ० 134, 1ली मंजिल, "ए" बिल्डिंग, शाहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, लयशर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अर्ह-1/37ईई/957/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 15-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 13-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा > 269-थ (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बहै, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० **धर्ध**-1/37ईई/1367/83-84--अतः मुझे ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रंड से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 26, 5वीं मंजिल, बिस्डिंग नं० 9, नक्षजीवन को—आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, किस्डिंग, बैंड, बम्बई—8 में स्थित हैं। और जो आपकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18−11−83

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का दृष्ट प्रतिफल से अतिरक्त (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने थें सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) भं अधीन निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— 20 —1860I/84

- (1) श्रीमती जेटली मुक्ता मोतीराम,
  - (i) श्रीमती श्रीन्गी शांका कन्हैयालाल,
  - (ji) श्री जैटली मोतीराम टोपनलाली

(अन्तरक)

(2) श्री त्रिवेदी अरविंद जयशंकर, श्रीर-श्रीमती, त्रिवेदी शर्मिण्ठा अरविंद

(अग्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाप्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ ड्रोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 26, 5 वी० मंजिल, बिल्डिंग नं० 9, नवजीवन को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लिमन्टन रोड, बम्बई— 8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/1342/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, विम्बई द्वारा दिनांक 18-14-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्शक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्रस्य आहें.टो.एन.एस.,-----

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुवना

## NICE COM

कार्यासय, सहायक जायकर जायक्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, जम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-1/37-जी/4971/83-84---अत: मुझे, ए० सहिरी

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की बादा 269-व के अभीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आहण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

श्रौर जिसकी सं० लैण्ड बेअरिंग नं० सी० एस० नं० 1390 श्रौर 1/1392 आफ लोअर परेल डिविजन है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-1983

को पूर्वा कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दध्यमान प्रतिफल से, होसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नसिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) बन्तरण से हुई किती बाब की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; बीट्र/बा
- (ह) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या अब-कर अधिनियम, या अब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्षिपान में सुविधा के लिए;

बत् बन, उत्तर विधित्यम की भारा 269-न की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ार—

- (1) श्रीमती प्रतापसिंह करसनवास आणार। (अन्तरक)
- (2) किरण सिल्क मिल्स प्राईवेट लिमिटेड (अन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के बिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का अक्त विभिनियम, के अध्याम 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

## नन्स्थी

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम० 1624/81 श्रौर जो ऊपर रजिस्ट्रार. बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

**सारीख: 13-7-1984** 

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 13 ज्लाई 1984

निर्देश मं० अई-1/37ईई/1297/83-84---अतः मुझे ए० नहिरी

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 19. 1ली मंजिल, मिलन इन्डिस्ट्रियल इस्टेट, काटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 5-11-83

को पूर्नोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री कन्हैया सदारमन इसरानी

(अन्तरक)

(2) श्री नन्द गुलाबराय बन्धलानी

(अन्तरिती)

(3) श्रस्तरक (यह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन संची

यूनिट नं ० 19, 1ली मंजिल, मिलन इण्डस्ट्रियल इस्टेट, काटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37ईई/1203/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-83 की रिजस्टर्ड किथा गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंजें स्वस्वर्ध

नारीख: 13-7-1984

मोष्टर 🖁

सन्दर्भ तरहाँ .टी. एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज---1. बम्बर्ड

बम्बई.दिनांत 13 ज्लाई 1984 निर्देश सं० अई—/37ईई/2522/83—84——अत: मुझे ए० लहिंगी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शिक्के पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 13, 2री मंजिल, गुलेस्थान की-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड. सायन-पूर्व, बम्बई- 22 में स्थित है (और इमसे उपाबद अन्सूची में और पूर्ण कप संविणित है), और जो आपकर अधिनियम. 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-12-83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियारें) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अंतरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन, कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/ण
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में परिवास के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) डा॰ (श्रीमती) इन्द्र तांतामरीया (गांधी). श्री अशीय गोगी गांधी।

(अन्तरक)

(2) डा० व्हि० सुम्रह्यमण्यन

(अन्तरिती)

(3) श्री अणोक जी० गांधी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर्ता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळकीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लैट नं ० 13, 2री मंजिल, गुलेस्थान को-आप० हा० सोमायटी लिमिटेड, सायन-पूर्व, बम्बई-- 22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/डिम्ड-30/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 2-12-83 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, बस्बई

नारीख: 13-7--1984

मोहरः

प्रकप बाह .टी. एत्. एस . -----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के संधीन सुभूना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1.बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 ज्लाई 1984

निदेशि सं० अर्ह—1/37/ईई1315/83—84——अतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आगरण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उणित आणार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, 2री मंजिल, मुप्रभात अपार्टमेंट को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ज्ञान मंदिररोष, दादर, बम्बई—28 में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जो आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्ष के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 16—11—83

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एमे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत उक्त किय-नियम के अधीन कार दों। के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11) ा उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्हें प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री गणेश नारायण नेहरकर

(अन्तर्वा)

(2) श्रो धिरजलाल गगनलाल गाहा, और गालतीबेन धिरजलाल गाहा

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्रादित इवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं० 6, 2री मंजिल, सुप्रभात अपार्टमेंट को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड. जान मन्दिर रोड. दादर बम्बई— 28में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क० सं० अई/137ईई/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई-8 द्वारा/1216/दिनांक 16-11-83 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक् आयकर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

**सारी**ख: 13**-7**-1984

मोहुर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज+3,बम्बई

बम्बई, दिनांकः 13 जुलाई 1984

निर्देश मं० अर्ड 3/37 ईई/3929/84-85 अनः मुझे, ए० लहिरी

शायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 18, 4थीं मंजिल, गोकुल ग्याम सोमावटी लिमिटेड, वेबीदयाल रोड, मुलूंड (प०), बम्बई 80 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारतामा आवकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क का के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारी का 1-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाबा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए:

कतः अस, उक्त जीधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त जीधिनियम की धारा 269-व को उपधारः (1) के जभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थीट (1) श्रीमती सुलोचनादेवी एम० कैंडिया

(अन्तरक)

(2) श्रीसावलापी० डागा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज़क्त सम्पत्ति को अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

## नन्सूची

फ्लैट नं० 18, 4थी मंजिल, मोकूल क्याम सोसायटी लिमिटेड, देवीदयाल रोड, मृल्ंड (प०), बम्बई 80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्रांच अर्द 3/37ईई/1530/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-85 को रिजम्टई किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक: 13-7-84

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालयं, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशका)

प्रार्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/3898/84-85--श्रतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 2, ग्राउन्ड फ्लोग्नर, वरद विनायक, विस्तारीत, घाटकोपरा (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- ((क) जन्तद्रम संहुरं किसी नाय की नायत जनत निध-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिन्यम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तिस्तों अधीत् ह—- (1) श्री प्रताप सी० चन्हाण

(ग्रन्तरक)

(2) श्री द्वारकानाथ एम० काले

(मन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पक्कोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सूची

. श्रनुसूची जैसा कि क० सं०—-3/37ईई/1527/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर 🛭

प्रस्थ आही. थी. एन. एस. ----

**शायकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/4163/84-85---श्रत: मुझे ए० लिहिरी

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० बी०-5, नव स्वधरकुल सहकारी धरबांधनी संस्था (मर्यादिता), वाकीला, सांताऋूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 1-11-83

को पूथोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिघत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंसरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिन्द; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्रीमती ल्यूसी जॉन डायस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय के० पिल्ले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>2</sup>।

## मन्स्ची

फ्लैट नं० बी-5, ''नव स्वधरकुल सहकारी धरबांधनी संस्था (मर्यादित), वाकोला, सांताकूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० मं० अई-3/37ईई/1608-84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई ।

विनांक: 13-7-1984

मोहर 🖫

प्रकृत बार्ड ही पुन एस् -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० घई-3/37-ईई/4363/84-85--- झतः मुझे ए० लक्षिरी

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से पिषक है और जिसकी सं० प्लैट नं० 2, बिल्डिंग नं० 6, दामोदर पार्क, एल० बी० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई –86 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 259 कं, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 1–11–83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्नरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गंग प्रतिकल, निम्नलिखिय उद्देश्य से उन्तर प्रन्तरण विश्वित में वास्तरिक कम से क्षित मंत्री किया गया है।—-

- (कः) अन्तरण सं हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अत्तर चाहिए था, छिपाने में प्रविधा के लिए;

ज्तः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुस्ररण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
21 — 186GI/84

(1) श्रीमती सूरज बेला जैन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सय्यद भ्रली हुसैन ए०

(मन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपज में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में दिवबढ़ निभी प्रन्य व्यक्ति दारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकींगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रीर पदों का, जो उपल भक्ति नियम के ब्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथ होता, जो उा ग्रध्याय में स्थि। गया है।

# अगुजुची

पत्नैट नं o 2, बिस्डिंग नं o 6, दामोदरपार्क, एल o बी o एस o मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37ईई/1646/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-3, बम्बई,

दिनांक : 13-7-84

मोहरु 🛭

# प्राक्य नार्च दी एव एस .-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं अई-3/37-ईई/4113/84-85--- भतः मुझे ए० लहिरी

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 13, ग्राउन्ड पलोग्नर ग्राचार्यं कर्माशयल एण्ड शापिंग सेंटर, डा० गिडवानी रोड, चेंबूर, बम्बई—74 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 29 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1—11—83

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार जूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण से हुन्दे किसी नाम कर्त बावत, उक्त निर्मायम के वधीन कर दोने के अन्तरक के वापित्व में कर्मी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को चिन्हें भगरतीय बायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया वाना वाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री इन्दरजितसिंग सरूपसिंग भसीन (श्रन्तरक)
- (2) श्रीरणजित कोर डी० मागू

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन है सम्बन्ध में कोई भी जाधेप ६---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थळीक्ष्ण:--इसमें प्रयुक्त ध्रव्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### annelli

शाप नं० 13, ग्राउन्ड फ्लोग्नर, ग्राचार्य कर्माशयल एण्ड शापिंग सेंटर, डा० गिडवानी रोड, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/1640/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, अम्बर्ध।

दिनांक -: 13-7-1984

प्ररूप आहील द्वील एनल एस-------

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जलाई 1984

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/4117/84-85-मत: मुझे ए० सहिरी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 25,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 14, श्रवर लेडी भ्राफ एगेप्ट को-भ्राप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्रशांत, कालीना, बम्बई-98 में स्थित है। और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है भीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उवदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ::---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 🖯 अधिनियम के अधीन क्रार््ं रंकी के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए।

अतः वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के वन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) 🖷 अभीन, निम्नलिशित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६---

(1) श्रीमती एलिझाबेथा थामस

(मन्तरक)

(2) श्रीमती मेरी एंकर

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वमस्पी

फ्लट नं० 14, अवर लेडी भ्राफ एगेष्ट को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्रशांत, कालीना, बम्बई-98 में स्थित है। भनुसूची जैसा कि क० सं० **म**इ-3/37ईई/1634/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया 🔊

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी. सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

विनोफ : 13-7-84

प्रस्प बाह् न टी न एन न एस -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना (1) श्रीमती कृष्णा एल० हेमलानीः (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुणवन्ती बीं जैसवानी

(भन्तरिती)

#### भारत सरकांड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

सं॰ मई-3/37-ईई/4285/84-85--मतः मुझे ए॰ लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० पलैट नं० 602, बिल्डिंग एस-2, मालाड कोकिल को-माप, हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सुन्धर नगर, एस० वी० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध मनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य असके दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देशों से उक्त बन्तरण निम्ति में बास्तिक रूप से कुथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबल, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे ब्लामे में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) अक्रिअभीन, निम्निसिस, व्यक्तियों, अर्थात् ः— को यह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकासन को तारी है से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-यद्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम, के अभ्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

## मनवर्षी

पलट नं ० 602, बिल्डिंग एस-2, मालाड कोकिल को-माप० हाउंसिंग सोसायटी लिमिटेंड, सुन्दर नगर, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ईई-3/37ईई/1641/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज-3, बम्बई ।

दिनांक: 13-7-1984

मोहर 🕾

# प्रकृष बाहु । बाँ प्रकृष प्रकृष्ण ।

बायकर जिभितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्योन सूचना

#### बारुव बुरकार

# कार्यालय; सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/3940/84-85--अतः मुर्के, ए० लहिरी

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 17-ए(4), ग्राउंड़ फ्लोर, लैण्ड सर्वे नं० 48 पार्ट श्रीर 19, बाम्बे आग्रा रोड़, घाट कोपर, बम्बई-86 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आग्रकर अधिनिगम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 01-11-83

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निस्निशिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री रघुनाय राय ।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश चावला, एन० जी० आफ मास्टर संजिव घावलर, मास्टर सुशिल चावला, ग्रीर मास्टर संदीप घावला ।

(अन्तरिती)

(4) श्री वेद प्रकाश चावला । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितव्ह है )

को यह सूचना चारी करके पृशांकत सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

सकत् सम्पारत् के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए था सकरें।

स्पट्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त घट्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या हो।

#### अनुसूची

गंला नं० 17-ए(4), ग्राउंड फ्लोर, लैण्ड सर्वे नं० 48 पार्ट ग्रीर 19, बाम्बें आग्रा रोड़, घाटकोपर, बम्बई 86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं अई-3/37 ईई/1531/84- 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रिणस्टफं किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 बम्बई

दिनांक :~ 13-7-84 मोहर व

# प्रकृत वार्त् ही व्यु प्रस्त : -----

नावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1), की नभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरक्षिक) अर्जम रेज-3, वस्वई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अगर्६-3/37 र्र्ड/3974/84-85---असः मुझे ए० लहिरी

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृत्यु 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं अव नं ० 200, (पार्ट), सी ० टी ० एस ० नं ० 288, आग्रा रोड, भांडूप, बम्बई – 78 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर आधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमन प्रित्तिल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रितिक से, ऐसे रहयमान प्रितिक का बंबह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रमा प्रतिकृत निम्नलिखित उद्वेदिय से उस्त अन्तरण जिल्लित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अल्लरण से हुई किसी बाद की बादबा, डिवक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजिल्य में कजी करने वा उसके बुचने में सुविचा के सिए; बॉर/वा
- (व) ऐसी कियों नाय वा किसी धन वा वस्त्र निस्तरी को, विन्हें भारतीय वाय-कर निर्मित्रका, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्रका, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना पाहिए था, कियाने में सुविधा को विष्;

सता अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत र्— (1) श्री • पी • एन • कोठारी।

(अन्तरक)

(2) श्री निलेश कॉर्पोरेशन ।

(भन्तरिती)

को बहु भूषमा बारी करके पूर्वोक्त धंपरित के बर्चन के सिए कार्यवाहिया क्रुपता हो।

जनत संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (च) इस सूभना के राजपण में प्रकाशन को तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकी ।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

# वन्तुन्

सर्वे नं० 200 (पार्ट) सी० टी० एस० नं० 288, आग्रा रोड़, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं - अई - 3/37 ईई/1563/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

विनाक: 13-7-84

मोहरु 🤉 🗀

प्ररूप **बाद<sup>\*</sup>़टी. एम<sub>ः</sub> एस**्य ------

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जभीन सूचना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्तिण)

अजंन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/37 ईई/4483/83-84--अतः मुझे ए० लहिरी

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्पौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, षौथी मंझिल, शांती अपार्टमेंट, सरोजिनी नायबू रोड़, मुर्लूड (प), बम्बई-80 में स्थित है ( श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूणं रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्याक्य में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-11-1983

को पूर्योक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की शावत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहु/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, विश्वार प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

(1) श्री सुलेमान मेमनजीं स्रौर अन्य

(अन्सरक)

(2) श्री बार० आर० मिश्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लैट नं० 401, 4थी मंझिल, शाप्ति अपार्टमेंट, रारोजिनी नायडू रोड, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं०-3/37ईई/1621/83-84 और जो समक्ष प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्फ्

अतः अब, उक्त अधिनियम करि धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) विनाम: 13-7-84

ष्ट्रस्य आहें. टी., एन., एस., ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्योन सूचना

#### **भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

धम्बई, धिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/4126/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृष्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं०, 6, महेख्यर दिप को- आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, घाटको पर (पूर्व), बम्बई में स्थित है। ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से बाजित है), ग्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतिविद्ध कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिए। के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:── (1) शी नटबरलाल डी विश्वकर्मा ।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती निर्मेखा एन० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं

उनत सम्पत्ति के मुर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वता के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा. भो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्स्ची

पलैट नं० 6 , महेश्वर दिप को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, घाटकोपर, (पूर्ष) बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37 ईई/1623 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किशी गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर 🤢

प्रस् वाह. जी. एच. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज, 83 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेण सं० आई--3/37 ईई/4265/84--85---अतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 200 (पार्ट), पी० एन० कीठारी इस्टेट, सी० टी० एस०, नं० 288, आगरा रोड़, भांडुप, बम्बई में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं ) और जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम 1961 की भारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके रह्यमान प्रतिफल से, एसे रह्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप सं कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कभी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में भविधा के लिए;

अतः अअ, अकतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं अधन अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिशित व्यक्तियों, अर्थात् ३००- 22—186 GI|84

(1) श्री पी० एन० कोठारी ।

(अन्तरकः)

(2) श्री फलैंग लिट इण्डरप्रायजेस ।

(अन्त रितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्बक्ति के नर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई बालेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यायतमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास जिला में किए जा सकेंग ।

स्पष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

सर्वे नं 200 (पार्ट), पार एनर कोठारी इस्ट्रेट मीर टार एनर नं 288, आगरा रोड़, भांडुप, बम्बई-78 में स्थित हैं।

अनुसूर्च। जैमाकि क० सं० आई-3, 4/37 ईई/1585/83 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 की रिजस्टई किया गय। है ।

ए० तहिरी मध्यम प्राधिनगरी महागक आग्रहर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

धिनांकः :-18-7-84

प्ररूप बार्ड . टी. एन . एस . -----

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269 व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायभायकर अध्युक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/4187/83-84-अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्ताम करने का अस्ता है कि स्थापन गंपति, जिसका उपित आजार मृत्य 25,000/- रु, से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैट नंव 6 दूसरी मंझील प्लाट नंव 6, सांव टीव एसव नंव 112/6, हिन्लेज चित्रवली, गोरे गांव (पूर्व), बम्बई-63, में स्थित है (और इससे उपायद अनूसूची में और पूर्ण रूप से विण्त है ), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 196 को धारी 269 क, ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी, बम्बई, के कार्यालय में रजिस्ट्री है । तारीख 1-11-83

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उन्दृष्टिश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसमें बचने में सर्विधा े निता, और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अध्य को या किया आना आहिए था, छिपाने में सुविश्य के निए:

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भ क्षीन, निम्नलिभिय अपितसमों, अर्थातः :— (1) श्री रिसक्लाल जे० दवे

(अन्तरक)

- (2) श्री सुभाष एस० पराङ्कर
- (4) अन्तरक और अन्तरिती

(अन्तरितीः)

वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी, जानता है कि वह सम्पति में हितबढ़ है ),

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स संपत्ति के अर्जन के लिध् बार्वार्वाद्वार बार्वाहा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त विदिश्यों में है कि सी व्यक्ति द्वारगः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा मकांगे:

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया ही।

# अनुस्ची

फ्लैंट नै० 6, 2रो मंजिल, प्लाट नै० 6, सी० टी० एग० ने० 112/6, पात्र विचयत्राः, गोरेगांव, (पूर्व), बम्बई-868 में स्थित हैं।

अनुसूर्च। जैसाबि क० सं० अई 37 ईई/ 160/83-84 और जो सक्षम प्राधिकार। वस्बव द्वारा दिनांक 1-11-83 को रिजस्टर्ड िया गया है।

ए० नहिरी यक्षम प्राधिकारी सहायस आयक्ष्य आयुक्त (िरिक्षण) अर्जन रेज-III, **बम्बई** 

ना*रं (*खः : 13 जुलाई 1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-8, बम्बई बम्बई दिनांक 13 जुलाई 1984 निर्देश सं० अई-3/37 ईई/4132/84-85 --अतः मुक्षे, ए० नहिरी

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैंट नं० 9, चंब्रिका बिल्डिंग, अभ्यूदया को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेट, 9वा रस्ता चेंबुर, बम्बई-71 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1--11-83

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, अन्तर्क दश्यमान प्रतिफल तं, एस दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत जबत जीध-रिनयम के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये: श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के जिए?

कतः कथा, उक्त अधिनियम की धारा 2,69-ग के अनुसर्ध में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मालीनी कुरुप ।

(भ्रन्तरक)

(2) व्हि० माधवी अम्मा ।

(अन्तरिखी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्रकटोकरणाः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पड़ों का, जो अक्स अधितियम के अध्यार 20- ह में परिभाषित, है, वही ग्राबं होंगा, ा उस अध्याय में विया गया है।

## जनसूची

फ्लेट नं० 9, चिन्द्रका बिल्डिगं अध्यूमया की आप-हाउसिंग सावायटा तिमिटेड, 9 वा रास्ता, चेंबूर बम्बई-71 में स्थित हैं।

अनुसूची जैमाबि कि सं अई-3/37 ईई/1602 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 17-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिर। मक्षम प्राधिकारी। महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज,7 **बम्बई**

दिनांकः : 13-7-84

# श्रुक्त बाह्र<sup>\*</sup>. टी. एन्. एत् . -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 3, बम्बई 'बम्बई, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/37 ईई/4482/83-84-- अत: मझे, ए० लहिरा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 34, "बी" विंग, तीसरी। मंजील "निलिमा अपार्टमेंट", जंगल मंगल रोड़, भांडुप, बस्बई 78 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप में बणित हैं) और जिसका करारनामा आयवार अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पासा गृंवा प्रतिक कल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्दरम सं सूर्य किसी भाग की नासर, उपक विभिन्नमें के अभीन कर दोने के बन्दरक क वासिरम में कमी करने या उससे बंबने में सूर्विधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी साम या किसी धन या सन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तिहिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बना था वा किया बाना आहिए जा, जियाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीत निमन्तिस्ति व्यक्तियों अधीत् हरू (1) मैंसर्स गणेश बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री बेबी डिनियल।

(अन्तरिती)

व्या यह सूचना चारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाधियां करता हुं।

चनत सम्मृतिसाक वार्यन के सम्बन्ध में कोई मी नार्धाय:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय बुधारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अपनित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे

स्वृद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्तों भीर पद्धें का, जो उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशानित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जनसं ची

फ्लंट नं० 34, "बी" विग, तीसरी मंजील, "निलिमा अपार्टमेंट, जंगल मंगल रोड़, भाडूप, बम्बई -78 में स्थित

अनुसूची जैसािक ऋ० सं०-3/37 ईई/1613/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

प्ररूप काइ. टी. एन. एस.-----

बायकर् अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारो 269-ज (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ई-3 /37 ईई/4485/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरीः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, प्लाट नं० 46, कांजूर को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कांजूर बम्बई 37 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करारनामा आग्रकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों)। के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त सन्तरण निचित में नास्तिनक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुड़ै किसी जाम की शावत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे जचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

शतः जयः, अवल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स मार्डन बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरम)

(2) श्री संतीष लुइस ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं )

(4) श्री ए० एस० काले । श्री (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों, में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विस्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्यांकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

#### ana di

फ्लैट नं० 11, प्लाट नं० 46, कांजूर, को-आपरेटिब हाँउंसिंग सोसायटी लिमिटेड, कांजूर, बम्बई-77 में स्थित है ।

अनुसुची जैसाकि ऋ० सं०-3/37 ईई/1614/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा धिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक : 13-7-84

प्रकृष आह<sup>4</sup>. टी. एन. ऐस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### धारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

**अ**र्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/4167/84-85-अतः मुझे ए० लहिरी

काश्वकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-12, "नव स्वघरकुल सहकारी घरवांधनी सस्था, वाकोला, सांताकूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करा नामा आगकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,

बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1~11-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करूने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का गुजह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बोच एले कत्तरण है जिए तम श्राम गया प्रति क्षा निम्मलिसित उद्दोस्य में स्वस्त सन्तर्भ कि मित में बास्तिस्क कम से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधीनयम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- धन-कर अधिनियम, या धन- धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोक्तार्थ जन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया श्वा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

बत: अब, बन्त अधिनियम की पारा 269-न के बन्बरण मों., मीं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तिसों, अधीत :--- (1) श्री भिमराव के० राकटे।

(अन्तरक)

(2) श्री एफ० एल० मार्टिन ।

(अन्तरिती)

भन्ने यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के जर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20 के में तथा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं॰ ए-12 "नव स्वघरकुल सहकारी घरश्राधनी संस्था (मर्यादिल) वाकोला, सांताऋूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० आई-3/37 ईई/1635/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रिजस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बुम्बई

विनाम : 13-7-84

मोहर ः

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. -----

बाबकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा (।) की अधीन भणना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्श बम्बर्श, दिनांग् 13 जुलाई 1984 निर्देश स० ग्राई-3/37 ईर्श/4130/84-85--अतः मुझे ० लहिरी

बायकर र्जीविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, अभिलाषा अपार्टमेंटस, जे० एन० मुलूड रोड, (पिक्चम), बम्बई-80 में स्थित है। (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यालय नें राजिस्ट्री है। दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कारी कारने या उपमां अचने में मृतिधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार एकट नहीं किया गरा था या किया जगा कि जिल्हा था, कियाने में स्थिश के लिए:

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः :~ (1) मंत्री डेनलपमेंट कॉर्पोरेशन ।

(अन्तरक)

- (2) श्री पदमणी ए/एस वेलजी के० धा रोड़, ग्रीर श्री मुकेण वेलजी ए/एस पदमणी धारोड़ (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ती है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

#### ननस्पी

पलैट नं० 6 अभिलाषा अपार्टमेंट, जे० एन० रोड़, मूलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी करु सं०- आई-3/37 ईह/1600/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, बस्बई

दिनांक: 13-7-84

# प्रस्त नाइ. टी. एत. एस. - - - ----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय , स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-3, ्बम्बई बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984 नर्देश सं० आई-3/37 ईई/4127/84-85--अतः स

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/4127/84-95—अत: मुझे ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 75,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लैट न० 102, पहली मंजिल, शिक्स अपार्टमेंट, वाकीला पाइप लेन, सांताकूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है ), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रामकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-11 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिप्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिल्लाम के जधीन कर दोने के जन्तरक के वाबित्य में कभी करणे या उससे बचने में सुविधा के लिए जौर/या
- (ए) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाच प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

शतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्षात् ध— (1) श्री अफझल जे० लाडक श्री सलिम इक्राहिम स्पानी

(अन्तरक)

(2) श्री जोमेफ मरीअनो डि" कोस्टा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्यार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा त्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्यख्यीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलैट न० 102 पहली मंजिल शिक्ष अपार्टमेंट, बाकोला पाइप लाइन, सांताकूझ (पूर्व), बम्बई -55 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० आई-3/3 के ईई/1601 84-85 श्रीर जो सक्षम श्रिधकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज~3 बस्बई

दिनांक : 13-7-84

प्रकृप बार्ष्: टी. एन. एस. -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन युवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

क्राज़न रेंज-3, बम्बई बम्बई दिनांक 13 जलाई 1984

निर्वेश स० आई-3/37ईई/4181/84-85- अत: मुझे,

ए० लहिरी

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संवसर्वे नंव 200 पीव एनव कोठारी इस्टेट सीव टीव एसव नंव 288, श्रागरा रोड भांडूप, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणक्ष है ) ग्रीर जिसका करारनामा श्राथकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के,खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-11

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिस्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० एन० कोठारी ।

(बन्सरक)

(2) श्री हरिराम ताहिलराम कालाणी ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जया है।

## नन्त्वी

पी० एन० ठाकोरी इस्टेंट, सर्वे नं० 200 (पार्ट), सी० टी०, एस० नं० 288, आगरा रोड भांडूप, अम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि० सं० आई-3/37 ईई/1590 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर 🦠

23 -186 GI]84

# प्रस्तप् नार्षेख टी.. एक् प्रस्त —

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

#### भारत् सङ्काङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देण सं० ग्राई-3/37ईई/4358/84-85 ग्रतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

मृत्य 25,000/- राप्य से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, बिल्डिंग नं० 9, मुकंद
श्रीयर्न अण्ड स्टाफ श्रामोसिएणन कोन्नापरेटिक हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, गवाणपाडा रोड़, मुलूंड (पूर्व) – बम्बई
81 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड बनुसूची में पूर्ण रूप
से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्राधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधि
कारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 1–11–83
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्त्यमान
श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निखत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात्:— (1) श्री राजेंन्द्र हंसराज ठक्कर ।

(ग्रन्तरिक)

(2)श्री प्रविण जमणादास ठक्कर ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्ष्रेप ध---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वतः की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजफ्त में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का को उक्त कियाय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगुल्यी

फ्लैंट नं० 11, बिल्डिंग नं० 9, मुक्तं घायर्न स्टाफ ग्रासोिएशन को ग्रापरेटिय हाॐसिंग सोसायटी लिमिटेड, गवा-णपाड़ा रोड़, मुकुंद (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

धनुसूची जैसािक ऋ० सं० ध्राई-3/37 ईई/1593 84-85 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्श किया बया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण,) ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर 🗈

प्ररूप वार्दे.टी.एन. एस. -----

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन स्थना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज,-3 वम्बई

बम्बई दिनांक 13 जुलाई 1984 निर्देश सं० ब्राई-3/37 ईई/4331/84-85--ब्रत: मुझे ए० लहिरी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के के कंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० शाप नं० 5, बिल्डिंग-ए, त्रियेणी नवर, कोलीना पाड़ा, बांव कुयार मालाड़ (पूर्व), अम्बई में स्थित है ( ग्रौर इससे उपावद्ध बनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन उक्षम प्राधिकारो, अम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पाश नया प्रतिफल, विस्नितियों उद्वेष से स्थन बंतरण निवित्त में बास्सिक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जंतरण से हुई किती नाय की वाबता, उपत् अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बज़ने में सुविधा के सिद; सौर/शः
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्स अस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सृतिथा के लिए,

(1) श्री गुप्ता गोयल

(भ्रन्तरक)

(2) तिवेणी डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त बुम्पृतित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अमिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राष्ट्रिय में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य अयक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकींचे।

स्वच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कवाँ और पवाँ का, जो उक्त विध-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया पदा है।

## नग्स्ची

शाप नं० 5, बिल्डिंग-ए, त्रिवेशी नसर, कोलीनी पाड़ा क्हिलेज कुयर, मालाड (पूर्व), बम्बई-में स्थित है। मन्सूची जैसाकी ऋ० सं० म्राई; 3/37 ईई/1597/, 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, भोपाल

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, कर्णात् ६—

विमांक : 13-7-84

मोहर

प्रकृष् वार्षः टी. एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत तुरकार

कार्यासय, त्रश्लायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० भ्राई-3/37 ईई/4323/84-85—ग्रतः मुझे ए० लहिरी

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्रक्षोत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- 45 से अधिक है

गौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, चौथी मंत्रिल लक्ष्मी निवास प्लाट नं० 63—बो, झवेर रोड़, बम्बई —80 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध बनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), भौर जिसका करारनामा श्रायकर ध्रधिनियम 1961 को धारा 269 क,ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1—11—83 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काल के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नृतिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) नंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अत: शब, उक्त निधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) जे नधीन हिनम्ति हिंदा स्पन्तियों, नर्मात् हे— (1) मजय बिल्डर्स ।

(मन्सरक)

(2) माताप्रसाद सुख्राम चौराजिया ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी कड़के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्यान के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हिसबब्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निवित में किसे जा सकेंस।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### गन्त्यी

पलैट नं० 11, चौथी मझील, लक्ष्मी निवास, प्लाट नं० 63 बी, झवेरी, बम्बई-90 में स्थित है। अनुसूची जैसांकि ऋ० सं० बाई-3/37 ईई/1594/8484-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है

> ए० लहिरी सक्षम प्राघिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-3 बम्बई

विनाक : 13-7-84

मोहर 🖫

प्रकृष बार्ड . दी . एम् . एत् , ---- सक्तान----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज,-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984 निर्वेण सं० बाई-3/37 ईई/4203/84-85- बतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मौर जिसको सं०५कैट नं० 502, पांचश्री मंझील, विना नबर, "सी" विंग, गोविंद नगर, रोड़, मालाड (पश्चिम), वम्बई—64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यलय में रजिस्ट्री है दिनांक 1--11

को पृवा नित संपरित के उचित बाजार मूख्य से कम के रह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूख्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त अभिनियंत्र, के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए;

बृतः अव, उक्त विधिनवम की भारा 269-त के वनुसरण में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-त की उपधारा (1) के वभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, वर्थात्:--- (1) श्री बंशाराम रावलवास

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेंद्र सञ्जनराज गांधी ।

(भन्तरिती)

(3)

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई नहीं (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ती में हितबद्ध है)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के औतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवकूथ किसी बन्स क्योनित स्वारा अश्वोहस्ताकडी के पाठ सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पंद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त अध्यों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के वध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याम में दिका प्याही।

## भग्स्ची

फ्लैट नं० 502, 5वी मंझील, बिना नबर, 'सी' विग गोविंद नगर रोड़, मालाड़ (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० बाई-3/37 ईई/1571 84-85 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11 1983 को रिजस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर:

**प्रकृत भारत**े हों है पुरस्क पुष्ट के के के ने सन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यासन्, सहायक नायकर भागुक्त (निर्देश्न)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, विनोक 13 जुलाई 1984 सं० आई--3/37ईई/4119/84--84---अतः,

निर्देश सं० आई--3/37ईई/4119/84-84---अतः, मुझें, ए० लहिरी

बायकर श्विनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्जात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4879, बिल्डिंग नं० 175, दूसरी मंझील, सुवणे रेखा को-आपरेटिय हाउसि सोसायटी लिखिटेड, पंतनगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है ( ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है ), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी.

बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-83 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्ययमान प्रतिफल से, एसे ध्वमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्वे) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरियों से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की वावत, अवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के जिए; शीर/या
- (थ) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए (१)

बत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्करण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च का उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिचत व्यक्तियों, अधीर ह— (1) श्री द्वारकानाथ मागिकराथ काले।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती, मधुबन बार० आंधी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविद्यां करता हुं।

उन्त सम्पृति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील श्रे 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्रागः;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जीभृतियम् के सभ्याय 20-क में पृरिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस सभ्याय में दिया गया ही।

## बगुजुची

प्लाट नं० 4869, बिल्डिंग नं० 175, दूसरी मंझील, सुवर्ण रेखा को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड पंतनगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई-3/37ईई/1624/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है:

> ए० नहिरी सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर जामुक्त (निरीक्षण)

विनोक : 13-7-84

मोहर :

# प्रक्ष काइ . टी. एन . एस . ------

जासकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनॉक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/4188/84-85--अतः, मुझें, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9 ग्राऊंड फ्लोअर, अजित पार्क, सोमबार वसार रोड़, मालाड (पिचम), बस्बई-64 में स्थित है ( ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है। ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बस्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनांक 1-11-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (बंतरितयों) के बीच एसे बंतरण के सिए तथ पामा गया प्रतिफल निम्नित्वित उद्वेषय से उक्त जन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किशी बाब की बावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जियाने में सुविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीं देशमुख बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड (अन्सरक)
- (2) श्री सीमा जमराम श्रीराणे श्रीमती रेखा सोमा राणे।

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री एल० बार० नार्बेकरू। (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलबदा है),

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी अक्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी बसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (जं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्रुभ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए वा सकोंगे।

स्वकाश्वरण:--इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्त विध-विसम के बध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस बध्याम में दिया गमा है।

#### बन संची

पलंट नं० 9, ग्राउंड़ पजोर, अजितः पार्क, सोमवार बजार रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसासि क० सं० अई-3/37 ईई/1628 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बर्ट

दिनांक : 13-7-84

मोहर 🛭

प्रक्य नाइ<sup>क</sup>. टी. एत. एस.-----

# नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नुधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यासन, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/37 ईई/4166/84-85 --अतः मुझें, ए० लहिरी

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, सुहाना को आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, फ्लाट नं० 4/5, सर्वे नं० 193 (पार्ट), एल० बी० एस० मार्ग, कुर्ला, में स्थित है ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अअत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उन्तसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, विश्वास प्रकट अभिनियम, विश्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, किया विश्वास विश्वास

शतः अव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण को, भी, उक्त जीभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीम, निक्नितिष्ठत क्यॉक्तिवीं अर्थात् ध— (1) श्री एस० प्रदाष्ट्रे ।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती लितिका सरफू विदन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति की वर्षन को हिंच्यू कार्यवाहियां शुरु करता हैं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत व्वास अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रवृक्त शब्दों और दवों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है हैं।

# **अनुस्**ची

फ्लैट नं 12 सुहाना को-आपरेटिव हाउसिंग सोसामट लिमिटेड, प्लाट नं 415, सर्वे नं 192 (पार्ट), एल० बी० एस० मार्ग, कुर्ला बम्बई--70 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं अई-3/37 ईई/1622/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 1-11-83 को 'रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्य ३, बम्बई

विनांक :- 13-7-1984 मोहर प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1884

निर्देश सं० अर्ड-3/37 र्डर्ड/4354/84-85--अत: मुझे. ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० आर-4/14, श्री सप्तरत्न को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मुदंर नगर, एस म्हि, रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई -64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर रपूर्ण रूप से विजत हैं ), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83

कों पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित गाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अर्लारत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अत्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरणः से हुद्दं किसी जाम की माजत, सक्त श्रीभिष्यस के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे स्थान में सुविधा की सिए; सौर/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था व्यापने में मृविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मोहनदास बिजूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती परमजित कोर भाराज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित कै वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

### ननसूची

पत्तैट नं० आर०-4/14, श्री सप्तरत्न को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड मुदंर नगर, एस व्हि रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित ।

अनुसूची जैसाकी क० सं० अई $\sim 3/37$  ईई/1629 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

दिनांक :-- 13-7-84

मोहर:

# प्रकृष् बाइ टी पुन एस : -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभारा

#### भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 17 जुलाई 1984

निर्वेश सं० आई/33 ईई/4185/84-85--अतः मृन्न, ए० लहिरी

श्राम्कर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 8, ग्राऊंड फ्लोर, अजित पार्थ सोमयार, बक्रार रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है और इससे उपादक अनूसूची में और पूर्ण रूप से बणिव है), और जिसका बन्यानामा आध्यकर अधिन्यम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी

बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-11-88
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अअत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थीत्:——

- (1) देशमूख बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री काशिनाथ एन० राउल, और श्री अशोक के० राउल ।

(अन्तरिती

- (3) अन्तरक (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),
- (4) श्री एल० आर० नार्वेकर (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है )

की यह सूचना जारी कारके पूर्वकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के तम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों क्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिकित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# मम्स्यू

पर्लैट नं० 8, ग्राउंड फ्लोर, अजित पार्क, सोमवार बजार रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। अतूसूची जसाकि ऋ० सं० अई-3-/37 ईई/1627/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिलंक 1-11-33 की रजिस्टडें किया गया है।

> ए० लृहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दम्बई

दिनांक :- 13-7-84 मोहर: प्रारूप आइं.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर सायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/47-ईई/4075/84-85-अतः मूझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लेट नं० 9 सी० टी एस० नं० 734 से 737, व्हिलेजकोले वाल्याण, बाकोला, सांताकू (पूर्व), बम्बई--55 में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूर्च। में और पूर्ण रुप से विणित है और जिसका वारार-नामा आयदार अधिनियम, 1961 की धारा 269 बा,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख -1-11-84

पूर्वितत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिष्ठल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उनके इज्यमान प्रितिष्ठल में, एसे ध्रयमान प्रतिष्ठल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की यायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः कव, उत्तत अभिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैसेर्स गोल्ड काईन बिल्डर्स ।

(भन्तरक)

(2) श्री यु० कोरीया

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोतुस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरें।

स्वय्दीकर्णः ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में पिया गया है।

# वन्स्ची

फ्लट नं० 9, सी॰ टी॰ एस० नं० 734 से 737, गौथ कोने कल्याण, बाकोला साँताकुझ (पूर्व) वस्बई—55 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि कि सं अर्ध०-3,4/3क देही/1554 84-85 ओर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ध द्वारा विनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ल**हिरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

धिनांक : 13-7-84

मोहर:

प्ररूप नार्च . ती . एन् . एस . ------

मायकर संधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० भाई-3,37—ईई/4276/84–85-— श्रतः मुझे ए० लहिरीः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी से पलैट नं 204, ए-1 सबाह, सोमवार बाजार, बाम्बे टाकिज कंपाउंड के पीछे एस नं 388/3, मालाड, बम्बई-64में स्थित है और इससे उपाबद अनुस्वी में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/सा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने को स्विधा के सिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधाद्धा (1) के अधीन, निस्तिशिवत स्थितिकों, अर्थात ६(1) श्री करमाली इण्डटर प्रायजजेज ।

(अन्तरक)

('2) श्रीमती सुनदा वासुदेव भोगलें, और श्री सुरेश वासूदेव भोगले ।

(अन्तरका)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पच्चीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

फ्लैट नं० 204, ए-1 सवाह, सोमवार बजार, बाम्बे टाकिज कंपाउंड के पीछे एस० नं० 388/2, मलाड, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि० संक० आई-3,37ईई,1568,8484-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० ल हिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्ब**ई** 

दिनांकः : 13-7-84

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन तुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,-3, बम्बई जबम्बई, दिनांम, 13 जुलाई 1984

निर्वेग सं० आई--/337 ईई/4111/84-85---अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित याजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12 (प्रभिलाशा प्रपार्टमेंट) जे० एँन० रोड़, मूलूंड (पश्चिम), बम्बेई-80 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुमूर्च। में और पूर्ण रूप से विणित है। ओर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 हक के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-11-83

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिक्त उद्योग्य से उसत अन्तरण लिखित में सास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-फिक्क को बचीन कर दोने के अन्तरक को दावित्थ में कनी करने या अध्ये वचने में सुविधा के किए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, धनह भारतीय आय-कर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवर्ज में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिख व्यक्तियों, अर्थात् ह—-

- (1) मसेर्स मंद्री। डिवेल्पमेट कार्पोरेशन, । (अन्तरक)
- (2) श्री रमेश चन्द्र शंकरलाल व्यास, अर्थर श्रीमती प्रविणा रमेशचंद्र व्यास। (ग्रन्सरिती)
- (3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लट नं 12, अभिलाषा अपार्टमेन्ट, जे० एन० रोड मूलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37ईई/1625/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

विनांकः 13-7-84

मोहर 🛭

प्ररूप ः आइ<sup>\*</sup>ः टी ः एक्ः एस<u>ः</u>, =---=

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 198 !

निर्देश सं० प्राई-3/37 ईई/3990/84-85-- प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पुरुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21, दूसरी मंझिल, देव श्रपार्ट-मेंट, कोले कल्याण, वाकोला, सांताकूझ, बम्बई-55 में स्थित है (ग्रोर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1—11-83 को

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और सभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विय से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया बया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरल के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के तिप्र; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नरेंद्र शांताराम सावंत ।

(अन्तरक)

(2) श्री पांडूरंग राजजी सावत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गूरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी.

स्पक्षतिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

क्लैट नं० 21. दूसरी मंझील, देवें श्रपार्टमेंट, कोले कल्याण िहलेज, वाकोला पाईप लाउन, सांताक्झ (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक ऋ० सं० श्राई-3/27 ईई/1543 /84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∽3, बम्बई

विनांक : 13-7-84

माहर

प्रस्य वार्ड, टीं, एव. एस्.-----

अध्यक्तर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

### भारत सरकार

कार्षास्य, राहायक भायकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-3 ,बम्बई

बम्बई विनांक 13 जुलाई 1985

निर्वेश सं॰ श्राई-3/37 ईई/3987-84-83—श्रत: मुझे, ए॰ लिहरी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, ग्राऊंड फ्लोर, प्लाट नं० 18, शाली कुंज, भाहूल रोड, चेंब्र्र, बम्बर्ड-74 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), ग्रौर करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क.ख , श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83 को

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह चिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ऑस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती एस० द्यार० मोहिते।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस निसा हुहुसेन राइस । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यम्बीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### रत संची

पलैट नं० 1, ग्राउंड प्लोर, प्लाट नं० 19, शांती कुंज माहुल रोड, धेंब्र, बम्बई 174 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० ग्राई-3/37 ईई /1540 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर 🧈

ang nganggan ang kalanggan ang Ma<mark>nagan ang kalan</mark> ang

प्ररूप बाइं. टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ध्रजेन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० म्राई-3.4/37 ईई /4329/84-85---म्रतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर कुजिसकी सं० बी० 315, विरवानी इण्डस्ट्रियल इस्टेट वेस्टर्न एक्सप्रेम हायवे, तीसरी मंझील,गोरेगांव, बम्बई -62 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है ), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रीटीन प्राधिकारी, बम्बई के कार्यीलय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का करण है कि प्रथाप्वेक्ति संपत्ति का जियन पाजान मूला, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिचित के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन यह अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण 'शा क-किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तियिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैसर्स बी० पारीख अगण्ड कपनी ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री रविकांत कृष्णकांत काले।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया न्या हैं [8]

# न्यूस्यी

बी-315 विरवानी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्ने एक्सप्रेस हायवे, तीसरी मंझील, गोरेगांव, बम्बई-62 में स्थित हैं। श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्राई-34/37 ईई /1603 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-93 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∽3, बस्वई

क्तिनांक : 13-7-84

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्मना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बभ्यई

बम्बई दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देण मं० प्राई-3/37 ईई/4124/84-85-- प्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित्र वाजार मृज्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, किम कांटेज, संत न० एम मार्ग, घाटकोपर (पिचम), बम्बई-84 में स्थित हैं। (श्रीर इससे उपावज्ञ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा बायकर श्रिधिनियम 1961 की श्रारा 269 क.ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी, बम्बई

के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-84 को को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

श्रत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, वर्षात्— 25—18 6GI|84 (1) मैंसर्स किम कांपीरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रमिल के० परव, ग्रीर श्री कृष्णा एम० परव ।

(ब्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्द राम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिध या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूजना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे

स्पव्हींकरण ६—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्थी

ालैंट नं० 7 किम कांट्रेज, संत एन० एम० मार्ग, पाटकोपार (प०), बम्बई-84 में स्थित है । अनुसूची जैसाकि क० सं० माई-337 ईई/1647/84-85 श्रीर जो सक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बग्बई

विनांक : 13-7-84

बांहर : 👵

प्रकप भाष्टी, टी.; एन :: एस्. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत चर्चार

# कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई-3/37 ईई /3951/84-85--ग्रतः मुझे ए० लहिरी

कायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूट. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9/3री मंजिल रुषभ नगर एस० नं० 74, सी० टी० एस नं० 564 मुल्ड (पूर्व) 90 कास रोड़ बस्बई-81 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है) ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं,, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ह्य पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, खक्त प्रक्रितियम के प्रधीत कर देने के ग्रन्तरक के वादित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा में चिए; बॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मैसर्स अजय बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वंसत बिष्णू मयेकर ग्रीर श्रीमती संध्यावसंत मयेकर ।

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ती है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी अयक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याथ में दिया गया है।

## प्रमृज्यी

पलैट नं० 9-2री मंझील स्थाभा नगर एस नं० 74; सी० टी० एस० नं० 564 मुल्ड (पूर्व), 90, कास रोड बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० श्राई-3/37 ईई /1533/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्नायकत (निरीक्षण) सर्जन रैंज-3, बम्बई

विनांक : 13-7-84

मोहर १

# अक्ष नहीं, दो, एन्, प्रव्,ः:-----

# नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरोक्षण) ग्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेण सं० प्राई-3/37 ईई /4161/83-84-प्रत: मुझे ए० नहिरी

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 22 विकास ग्राफ श्री चेंबूर गणेश को ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटे कं भारवाडा चेंबूर नाका बम्बई-71 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ध्रममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर निर्मित्यभू के नभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के निए; जीर्/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों करों, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया बाना बाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः सन्, उक्त विधिनयमं की धारा 269-व के अन्धरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, संघति है----

- (1) श्रीमती राधाकावाई विरुमल हिरानी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चंपागोबिद तलरेजा । (ग्रन्तरिती)

क्रों यह सूचना आरी करके पूर्वां क्त संपर्तित के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं। उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वो इक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित ही, वहीं स्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गवा

### जनसूची

फ्लैट नं० 22 विकास स्नाफ श्री चेंबूर गणेण को-धापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिडेड कुंभारवाडा चेंबूर नाका सम्बई 71 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं०-आई-3/37 ईई/1619/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया.

है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज्-3, बस्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर 🛭

प्रकृष आहें. टी., एन., एस. -----

भायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269'-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (रिनरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विमांक 13 जुलाई 1984 निर्देश सं० ग्राई-3 /37-ईई /4379/84-85-- ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, 2री मंक्षील, प्रेम बिंदू बिल्डिंग, ए० व्हिं, रोड़, फिल्मिस्थान स्टिडिग्रो के बाजू में, गोरेगांव (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुक्ती में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नया है:----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा की निए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की अनुसरण में, मैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिस्सिविक व्यक्तियों, जर्थात् क्र

- (1) श्रीमती लक्ष्मी मुरलीधर कोटाई।
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीं मुख्तार अहमद ग्रन्यूल गफार भ्रन्साऱी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति को कर्षन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए पा सकींगी।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विदा गया है।

# ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 12, दूसरी मंश्रील, प्रेम बिंदू बिल्डिंग, एस व्हि, रोड़, फिल्मिस्थान स्टूडिंडो के बाजू में, गोरेगांव,(प०)है बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसािक कि० सं० श्राई-3/37 ईई/1595/84- 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11 83 को रिजस्टडं किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्फ

दिनाक :-- 13-7-84

मोहर:

# प्रकृष् **वार्** ः टी ः <u>एत् ः एसः प्रमाननम</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के ब्रंधीन सूचना

## भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3 बम्बई

बम्बर्ष दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ब्राई-3/37-ईई /4325/84-85-- ब्रत: मुझे ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15, चौथी मंजिल, गांत कोले फल्याण कालीना, बम्बई-29 में स्थित है। ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा धायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त् अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था लियाने में मृतिधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरस मी, मी, तक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसि**खत व्यक्तियों:--**- (1) मैसर्स गोल्डन कन्स्ट्रम्शन कंपनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शाहिदा एम० हुसेन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के सबंध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी अप से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्विवस्था पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजी कर व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ब्रितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा ख्धाहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वह⊈ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह्वै।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० 15 चौथी मंझील, गांव कोल क्ल्याण, कालीन बम्बई-29 में स्थित हैं ।

श्रनुसूत्री जैसा कि ऋ०सं० श्राई-3/37 ईई /160484-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रंज-3 बम्बर्ष

दिनांक : 13-7-84

मोहर 🛭

प्रस्प. बाई. टी. एन. एस. ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के जभीन स्थना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-3 बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई-3/37 ईई 4330/84-85 -- ग्रत: मझे १८१६ र्र

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी मं शाप नं 4 बिल्डिंग ए, त्रिवेणी नगर, कोकणीपाड़ा, गांव कुरव, मालाड (पूर्व) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961

है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रोंहै दिनांक 1-11-83

का पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरित की गई है बुद्ध मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंक्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सृविधा के लिए;

श्रतः जन उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण कों, मीं, उन्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) भू अभीत, निम्मितिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री जनाहरलाल एन० गुप्ता ग्रीर अन्य ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स विवेणी डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन । (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए. जा सकरेंगे।

स्पक्टोकरणः—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनसंची

शाप नं० 4. बिल्डिंग ए, विवेणी नगर, कोकणीपाड़ा विहोतन कुत्रर, मानाइ (पूर्व) वस्त्रई में स्थित है। अनुसूची जेंगा कि क्र० सं० अइ--3, 4/37ईई/159 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-11-83 को जिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84 मोहरः प्रकष् वार्षः, दीः एत्. एवः,----

नायकर मुधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन सुचना

### भारत दरकार

कार्याल्य, सहायक वायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज~3, बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देण सं० भ्राई-3/37 ईई/4378/84-85--श्रतः मुझे ए० लिहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० बी/7, तीसरी मंझील, पार्ट ए, गांव वालनाय, आर्लेम, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा ायकर श्रिष्ठिनयम 1961 की धारा 269 के,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-84

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिकत के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थ्यमान प्रतिकल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकल का पंचह प्रतिकत से अधिक है और वंतरक (वंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अम्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए;
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या कर्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बनारा प्रवट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था किया में सुविधा के सिए;

कतः विव उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---- . (1) मैसर्स लूबिन इण्डरप्रायजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० भाय० मेटटो।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई' भी वालेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीन के 45 दिन की जनिश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तायीज से 30 दिन की जनिश, को बी जनिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपूज में प्रकादन की तारींच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी क्च्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षित्रणः -- इसमें प्रमुक्त शन्दों और प्रदोका, वो उत्तर अभिनियम्, के वृभ्याय 20-क में परिभावित् हाँ, बही वर्ष होगा वो उस अभ्याय में विका भ्या हो।

#### नगसची

प्लैट नं बी/7, तीसरी मंझील, पार्ट-ए, गांव वालनाय, श्रोलेंम, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० प्राई-3/37 ईई /1596/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है:

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयवार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ध (1) के अधीन म्यना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देक्षण)

प्रतित रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० श्रार्ड० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 11-83/1351---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. में अधिक है

ष्ठीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मिलकपुर कोही (रंगपुरी), नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, नवम्बर, 1983

की पृषेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रथिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) शन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; जार/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री गिजिन्दर सिंह,
 निवासी 7/1,
 रूप नगर,
 दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री णिवराज गुप्ता, निवासी 6, कम्युनिटी सेन्टर, पंचशील पार्क, नई दिल्ली।

(ग्रन्तेरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार।;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्स्**चीं

कृषि भूमि तादादी मलिकपुर, एलियस रंगपुरी, तहसील महरौली, नई दिल्ली, तादादी 1 बीघे, खसरा नं० 1950।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-<sup>I</sup>, नई दिल्ली

नारीख : 6-7-1984

मोहर छ

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

फायालय, सहायक आगकर आयुक्त (भिरीक्षण) स्रजैन रेंज⊶!, नईदिक्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० ग्रार०-3/ 11-83/1349—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी मं० भाप नं० 3 है तथा जो खन्ना मार्केट, लोबी रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपावद अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को प्रतिकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, असके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्त- विक कप के किथद नहीं जिस्सा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में त्विधा के लिए, और/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतंत्र्य आध-कार की धनियम, 1922 (1922 का 10 या उक्स अधिनियम, या धनुमन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट जहीं किया गया था या किया जाना चिह्न या कियाने में अनिया के निए:

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 26--186 GI|84

(1) श्री गोबिन्द्र राम, निवासी—बी-44. श्रलीगंज, करला, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अर्जन दास भीर श्री राम प्रकाण मुगूत श्री रामचन्द, निवासी बी-43, ग्रलीगंज-करबाला, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कादे भी ग्राक्षेप ६-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तिमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पाव लिखत में किए जा सकीये।

स्पव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# **मन्**स्**नी**

शाप नं 3, खन्ना मार्केट, लोदी रोड, नई दिल्ली, तादादी 27.07 श्रीर 5.8 वर्ग गज ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

सारीख: 6-7-1984

महिर 🛭

# प्रकल वार्षः दी एन । एव व्यक्ताननननन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर सायकत (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-], नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/एस० श्रार०-3/ 11-83/1347--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्वावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/-राज्य में अधिया हैं

श्रौर जिसकी सं० 45 है तथा जो 90/2, चर्च रोड, जंगपुरा भोगल, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीकीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्रम् प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे लन्तरण के लिए तय वाया गया वित्रका, निम्नितिचित लब्बेण्य से उक्त कस्तरण विचित्त में बास्तिका हम से क्षित्र नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, अन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, के, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कथीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, तथान '—— (1) श्रो गुरबचन सिंह मुपुत श्री बिणन सिंह, प्लाट नं० 54, तुगलकाबाद एवसटेंगन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कंबलजीत सिंह सुपृत एस० राजा सिंह, बी-47, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यनाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वर्ष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के शस जिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

प्रो० नं० 45, खसरा नं० 615/1, ब्लाट नं० 90/2 चर्च रोड, जंगपुरा भोगल, नई दिल्ली, तादादी 171 वर्ग गज ।

सुधीर चन्द्रा स्वयम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विल्ली-नई, विल्ली-110001

तारीख: 6-7-1984

मोहर:

# प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० | एक्यू०/1 | एस० आर०-3 | 11-83/1344--- श्रत. मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जो ग्राम तुगलकाबाद, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रशिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंसरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निस्ति में वास्तविक एप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय कौ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक को दायिस्त्र में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिनित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरम जो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के कथीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैं० बटर वर्थ (इण्डिया) प्रा० लि० 15, मंजिल आत्मा राम हाऊस, नई दिल्ली, टालस्टाय मार्ग ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रीत पाल सिंह, बी-24, बैंस्ट एण्ड कालोनी, नैंडें दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है। 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्धि में द्वित ब्रूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्काकरी के पास लिखित में किए आ सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

### मनसूची

कृषि भूमि तादादी 19 बीघा, 10 बिगवे, खसरा नं० 1525, 1526, 2270/1518. ग्राम तृगलकाबाद, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्ष**म प्राधिकारी,** सहायक आपकर आयुक्त (निरी**क्षण),** ग्रर्जन रेंज—<sup>I</sup>, नई दिल्ली

तारीख: 6-7-1984

मोहर 🔅

प्रका नाइ. टी. एन. एस. -----

सायकर सिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के संधीन सुमना

### नाएउ बर्चार्

# कार्थालय, सहायक गायकर गायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० छुपि भूमि है तथा जो ग्राम जैतपुर महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोदित सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गर्ड है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>न</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ध्यिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्त्रमिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अर्जुन सिंह सुपुत्र स्व० श्री एस० नवता सिंह, ग्राम जैतपुर, महर्राली, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) मैं अग्रहलुवालिया कन्ट्रेक्ट्स (इण्डिया) प्राक्ष्वेट लिमिटेड, बी-4/205, सफदरजंग इनक्लेय, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धा और द्वार्य का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सभी

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे श्रौर 8 बिग्वे, खसरा नं० 76, मिन, ग्राम जैतपुर, तहसील महरीली, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्राय हर आयुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज–्रा, नई दिल्ली

तारीख : 6-7-1984

मोहर 🧈

१५६ १ वार्ट भी . ध्रम **. एस** . जनन-ध्रमन्द्रम्यस

माथकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्थना

## BIEG STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश मे० आई० ए० मी० /एक्यू०/1/एम० आर०-3/ 11-83/1339--श्रत. मुझे, मुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जैतपुर, महर्गली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रांग इससे उपाबद ध्रतुसूची में स्रोंगपूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यात्वय. दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधन तारीख नवस्वर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मृत्य से कम के इक्ष्यमान प्रोतफान के लिए अनिरित्त की गढ़ें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्ष्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त मन्तरण निवित्त में सम्मिचिक ४० से किथन नहीं किया गया है:--

- (७) अम्सरण संहुई किसी अाब की बाबस, उक्स जिलियम के अधीन कर दोने के जन्तरण के दाहिस्ल में कबी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१६-२२ १८) २० उजल अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया तया था का किया जाना चाहिए चा, कियाने के

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-प बते उपधारा (1) के अधीत, निम्मतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अर्जुन सिंह सुपुत श्री नीता सिंह, निवासी ग्राम जैतपुर, महर्राली, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० म्राहलुवालिया कंस्ट्रमशन्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, बी-4/205, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली द्वारा एम० डी०,श्रीबी०जे० वालिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पौत्त को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भे अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत अविद्यार में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है
  45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थावत स्थाद सम्पत्ति में वित्व द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाब विस्ता में किए या सकींगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आरे सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं... वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया गया हों।

## मन्स् भी

कृषि भूमि तादादी 2 बीधे और 6 बिष्ये, खंसरा नं 77/1, ग्राम जैतपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-<sup>I</sup>, नई दिल्ली

तारीख : 6—7—1984

मोहर 🖟

प्रकृष आहर् हो. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

## भाउत् सरकार :

कार्वालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० मी० /एन्यू० 1/एस० आर०-3/ 11-83/1340-अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम'क हा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जैनपुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मित्रफूल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कार्यण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वंश्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तिक हम्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुइ किसी मांग की बाबत, उक्त जिमित्सम के जभीन कर देने के अन्तरक के दाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे किए; बीर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया आना शाहिए था, कियाने में सुविधा में लिए;

भतः अत्र , उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण था , भी , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन , निम्नुलिश्चित व्यक्तियों , अर्थात् :— (1) श्री अर्जुन सिंह मुपुत्र श्री नौता सिंह, निवासी ——ग्राम जैतपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) मै० ग्राहलुवालिया कन्स्ट्रम्शन (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, बी-4/205, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली द्वारा: एम० डी०, श्री बी० जे० वालिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सं लें भी क्या कित्यों पर सूचना की तामील में 30 दिश की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्मन्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क यों परिभाषिक है, वहीं वर्ष होगा जो उस् हिंगव् में दिवा गया है।

### वनस्य

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे श्रौर 6 बिश्वे खसरा नं० 77/1, ग्राम जैतपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली !

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—I, नई दिल्ली

तारीख: 6-7-1984

नहिर 🖁

श्रस्प बाह". दी. एन. एस.-----

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-!, नई दिल्ली

नई दिस्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० ब्राई. ए० सी०/एभ्यू०/ 1/एस० ब्रार०-3/ 11-83/1341--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से बधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जैतपुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोश्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान्
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्यों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य , उसके वश्यमान प्रतिफल में , एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह्
प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरिंशियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-केल निम्नीलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में यास्य-विक क्ष्य से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी जाय की वाबत, उन्त मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया के जाहिए था हिस्साने में स्विधा के लिए;

कतः अव, अवंतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त कीधीनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रजुंन सिंह मुपुत श्री नौता सिंह, निवासी---ग्राम जैतपुर, महरौली, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं श्राहलुवालिया कन्सट्रमणन (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेट, बी-4/205, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली द्वारा: एम० डी० श्री बी० जे० वॉलिया। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रांड् भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी अन्य अपवित द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इत्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया नया है।

#### नगत्त्रपी

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे श्रीर 8 बिश्वे, खसरा नं० 75-मिन, ग्राम जैतपुर, तहसील महरीली, नई दिल्ली।

> सुधीर घन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 6-7-1984

मोहर ः

प्ररूप नाइ<sup>\*</sup>. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सूचना

#### भारत सरकार

हार्यालय, सहायक आगकार बायकत (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/ 11-83/1342---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिएका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

थौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जैतपुर, महरौकी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रतुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अनारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (कः) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के बायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने से सुविधा के लिए और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनवर अधिनियम या धनवर अधिनियम या धनवर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री अर्जुन मिह सुपृत स्व० एम० नोगा सिह, निवासी ग्राम जैतपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) मैं श्राहलुवालिया कंस्ट्रक्शन (इण्डिया) प्राह्वेट लिमिटेड, बी-4/205, मफदरजंग इनक्लेब, नई दिल्ली हारा: एमं डी श्री बी जे बे बालिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मंपनि के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समान्त हाती हो, वो भीतर पर्योक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिर्थ, गया है।

### नग्त्रची

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे और 8 बिक्वे खसरानं० 76-मिन, ग्राम जैनपुर, तहसील महरीली, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निम्मलिखित स्पिक्तयों, स्पीत्

गारीख : 6-7-1984

सोहर 🔑

प्रकृप काई. टी. एन. एस.-----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वनाः

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)
प्रार्जन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० श्रार्ड० ए० सी०/एस्यू०/1/एस० श्रार०-3/11-83/1343--श्रत: मुझे, सुधीर घन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जैतपुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रुयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण किवित में बास्सविक रूप से किया नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त विधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने यें सुविधा के जिए; बौद/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथी अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के सिए;

भतः अस, जवत अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्निचित्र व्यक्तियों, अर्धात् :—— 27-—186 GI/84 (1) श्री धर्जुन सिंह सुपुत्र श्री नौता सिंह, निवासी ग्राम जैतपुर, महरौली, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) सै० श्राहलुबालिया कन्स्ट्रक्शन (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, वी-4/205, सफदरजंग इनक्लेख, नई दिल्ली, द्वारा: एम० डी० श्री बी० जे० वालिया। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में पकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाब सिवित में किए का सकेंगे।

स्थळतीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिशा वृद्य है।

## न**्यू**पी

कृषि भूमि तादादी 1 बीधे भौर खसरा नं० 107/3, ग्राम जैतपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारी**क :** 6-7-1984

मोहर 8

# प्ररूप आर्थ्ः, टी. एम. एस∴५-४-४-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निडीक्सण) स्त्रर्थन रेंज-I, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एन्यू०/1/ एस० श्रार०-3/ 11-83/1332--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर, तहसील महरोली, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ता्रीख नवस्थर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेशों से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मानिय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) श्रीमती कमला वेबी पत्नी श्री एल० छांगा मल, निवासी गवाईपुर, महरौली, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय मेहता, 65, फेण्ड्स कालोनी, नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रो० मं० खसरा नं० 640, ग्राम गवाईपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली, तादादी 1 बीघे ग्रीक्19 बिग्वे।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंड--!, मई दिल्ली

तारीख : 6-7-1984

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एसँ.-----

नायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निषेश सं० आई० ए० सी०/एमयू०/1/एस० आर०-3/ 11-83/1329--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2/17ए है तथा जो जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नयस्वर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण निचित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किशी जाय की वायत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने ना उसके बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाया थाहिए था, सिपाने के स्वित्या के लिए;

जतः अव, उक्त निभिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण ने, में, अक्त निभिन्यन की धारा 269-य की उपधारा (1) के नधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, नथीत्:—— (1) श्री व्यासा वास, निवासी 2/4 बी, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती, लीलाबन्ती निवासी 2/17-ए, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ा-

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी अयिकत द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षणी के पास सिचित में किये जा सकोंगे।

स्थळकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही क्थे होगा को उस अध्याय में दिया गुवा है।

## वन्स्यी

प्रापर्टी नं॰ 2/17 ए, अंगपुरा एक्सटेशन, नई दि $\omega$ नी, तादादी 200 वर्ग गज ।

सुधीर वन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 6-7-1984

मीहर:

# प्रकृष् वार्षः,दौ . युक्, एस . --------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के बधीन सुमना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, नई थिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 11-83/1327-बी--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा '269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सुलतानपुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख नयम्बर, 1983

करो पूर्वाक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिश्वात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- जन, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर बोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने वा उक्ते बृज्ने में सुविधा के लिए; बाँद्र/ना
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नत्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम या भनकर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में तिकथा के सिए;

ब्युश बन्ध, उचत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मी, बी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं ० औपिटल इनवेस्टमेन्ट कारपोरेशन, जी-9, सिझार्थ 96, नेहरू पैलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री यूसुफ हुसैन एण्ड मान पैकर हुसनः निवासी 78, यसवन्त प्लेस, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वार्कत सभ्यत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाना;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में धरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भगसनी

कृषि भूमि तादादी खसरा नं० 739(1-0), 740(0-6), 743(1-10), 744 मिन (0-15), 745(4-4), 746(4-16), ग्राम सुलतानपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

्तारी**थ ः 6−7−**1984 म**हिर**ः प्रकृप , बाई , टी , एन , एस , -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के जभीन सूचना

### भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई-107 है तथा जो अली गंज, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ति है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नयम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धिश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे जचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिर्यों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाजनार्थ संतरियों। वृतास प्राप्त अधिनियम सा किया जाना चाहिए था, छिपाने मो सुविधा के लिए;

(1) श्री प्रेमवास ग्रोर श्री परमेस्वरी वास, श्री तुलसी वास, निवासी ई-107, ग्रलीगंज, नई दिस्ली।

(मन्तरक)

(2) एस० विदार सिंह, निवासी ई-107, ग्रलीगंज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुस्वी

अरकारी अना हुआ क्वाटर नं ० ई-107, (डी० माई०) ग्रलीगंज, नई दिल्ली तावादी 291.36 वर्ग फीट ।

> मुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

कत: कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग भी अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु—

लारीख : 6~7—1984

मोहर 🥫

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेज-1, नई विरुली
नई दिल्ली दिनांक 6 जुलाई 1984
वेग सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/ एस० आर०-3/3/1323--अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

बायकर लिपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रो. जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय-विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्वर 1983

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गैया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तवे बचने में सविभा के निए; बौदु/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त विधिनयम की भाष 269-ग की अनुसरण वो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) की अभीत, निम्नीलियन व्यक्तियों. अभीत कि----

- (1) 1. मैसर्ज़ पालम फार्म्स ग्राम राजोकरी, मई विल्ली द्वारा प्रोप० श्री कमल सूथरा सुपुत्र श्री जे० आर० लूथरा निवासी राजोकरी, नई दिल्ली।
  - 2. श्री रतीराम
  - 3. श्री लाला राम
  - श्री रामस्बरूप
  - 5. श्री नरपत
  - 6. श्री रामेश्वर सुपुत्रगण श्री नेता निवासी ग्राम राजोकरी, महरौली, नई दिल्ली।

(अन्सरकः)

(2) मैसर्स लूथरा फार्म्स, ग्राम राजोकरी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## वक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेचिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव वे 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकने।

स्वक्रीकरण्:---इसमें प्रयुक्त क्षेत्र्यों और पत्रों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में क्या क्या हैं।

### मन्त्रवी

कुषि भूमि तादावी 13 बीधे थाँर 1 विश्वे, खसरा नं० 1126 (3-18), 1133(4-16), 1138(4-7), ग्राम राजकोरी, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

ं सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), क्षर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-7-1984

मोहर 🦈

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-१९ (1) की भधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, 6 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 11-83/1324—अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपावक अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विज्ञार है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उच्त अंतरण कि बिए स्थ

- (क) अन्तरण वे हुए किसी नाम की बावल उपव शर्मि-हिम्बन के बधीन कर बोने के अन्तरक के समिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; करि/वा
- (क) एसी किसी नान या किसी अन वा नन्य नास्तियों को, विन्हों भारतीन नायकर निभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभनियम या अन कर निभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के जिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीस ध--- (1) मैसर्स पालम फार्स्स, ग्राम राजोकरी, गई दिस्ली द्वारा :
प्रोप० श्री कमल लूथरा मुपुत श्री जे० आर० लूथरा, निवासी ग्राम राजोकरी, नई विस्ली श्री रती राम, श्री लाला राम, श्री राम स्वरुप, श्री नरपत ग्रीर श्री रमेण्वर सभी सुपुत्रगण श्री नेता, निवासी ग्राम राजोकरी, महरौली, नई दिस्ली।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स लूथरा फार्म्स ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली द्वारा: प्रोप० श्री बिमल लूथरा, सुपुत श्री जे० आर० लूथरा, निवासी ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष ए---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विभ की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधीनयम के अध्याय 20-क में परिआवित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नग्त्ची

कृषि भूमि तादादी 12 बीघे और 2 बिग्वे खसरा नं० 1139 इस्ट (2-5), 1140 ईस्ट (2-17), 1142(7-0), ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

तारीख: 6-7-1984

मोहर 🖫

# प्ररूप आहुँ, टी, एन, एखा, -------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/ एस० आर०-3/ 11-83/1259—अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके वश्चात् 'उनतं निर्मानयम' नहा गया है) की भारा 269-च के निर्मान समाप्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. सं अधिक है

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम शावरपुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिस्तियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; वार/या
- क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, छिपान में सुविधा वै लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्री लक्ष्मण यास सुपुत्र श्री फकीर चन्द लूथरा श्रीर श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री लक्ष्मण दास, निवासीसी-32, मालबीय नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० एच० के० इन्टरनेणनल,
 4/12, इण्डस्ट्रीमल एरिया,
 कीर्ति नगर,
 नई दिल्ली
 द्वारा :प्रोप० कृष्ण भौधरी ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन की जबिंध या तत्सक्तिभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3/0 दिल की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्ड सम्पत्ति में दित- वृक्ष किसी अन्य स्थान्त बुवारा, अभोहस्ताक्री के पास सिवित में किए वा सकेंने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त वृधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

# **अन्स्**ची

कृषि भूमि तावादी 3 बीघे भीर 10 विश्वे, खसरा नं० 3, ग्राम सावरपुर, तहसील महरौली, नई विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-ा, नई दिल्ली

लारीख: 6-7-1984

मोहर:

प्ररूप भाइ ुटी. एन ुएस .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकः आयकर आयुक्तः (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम शावरपुर, महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नथम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्सरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अन्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्**विधा** के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए, था खिपाने में ब्रुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :+~  लक्षमण दास सुपुत्र श्री फकीर चन्द सुयरा और श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री० लक्षमन मास, निवासी-सी-32, भालवीय नगर, नई दिल्ली,

(भ्रन्तरक)

2. एच० के० इन्टरनेशनल, 4/12 इन्डस्ट्रीयल एरीया किर्ती नगर, नई दिल्ली द्वारा प्रोप० श्रीमती कृष्णा चौधरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास तिलित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो जन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अन्**्यो

कृषि भूमि तादादी 3 वीधे ग्रौर 9 बिस्वे, खसरा न  $\sim$  3(1-8), 2 मिन (2-1), ग्राम शावरपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर **भन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक आ्रायकर श्रा**युक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज-1, न**ई दिल्ली** 

तारीख: 6-7-1984

मोहर:

# মুক্ত্য<sub>ে</sub> লাষ্ট্<sub>ন</sub> হ<u>্</u>তি, দুক্<sub>ত</sub> ব্যৱত সময়ত

लायकर मधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धाछ 269-म (1) मी मधीन सूचना

#### भारत सरकाह

# कार्यालय, सहाथक नामकर नामुक्त (निद्वालक)

ध्रजैन ऐंज-1, मई दिल्ली नर्छ दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके पश्चात् (उक्त अधिनियम) कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उज़ित गजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-शावरपुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व क्य मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 83

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के द्वामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वामान प्रतिफल से, एसे द्वामान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहाँ किया गया है ६——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त क्षियित्यम के अधीन कर दोने के जन्तरक के तियत्व में कभी करने या उससे ब्यूने में सुविधा भी लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों अर्थ जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के निए;

भतः अत उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री लक्ष्मन दास सुपुत्र श्री फकीर चन्द लूथरा भीर श्रीमती लाजवंती पत्नी श्री लक्ष्मन दास नियासी-सी-32 मालबीय नगर, नई दिल्ली

(भन्तरक)

(2) एभ के इष्टरनेशनल,
4/12 इंडस्ट्रियल एरिया कीर्ति नगर,
नई दिल्ली
द्वारा प्रोप० श्रीमती कृष्णा चौधरी
(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को संबंध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वाध ा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसुची

कृषि भूमि तादादी 4 बीवे श्रीर 12 बिस्वे, खसरा नं, 4, ग्राम-शावरपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 6/7/84

मोहर 🖫

# प्रकृत आहे. टी. एवं, एक्ल पास सम्बद्ध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### शास्त सरकार

कार्यांनय, सहायक अत्यक्त श्रायुक्त ([नरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 84

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार०-3/ 11-83/1262---म्रल: मुझे, मुधीर चन्द्रा

मावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उकत मिनियम' कहा गया है), की भाष 269-च के मधीन सक्षम श्रीधकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-शावरसुर, महराली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवस्त्रर 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान वृतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित गंपित का उचित बाजार कृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एने इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित के वास्तिक हम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्ते अधिनियम के अधीन भर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृद्धिमा के लिए; अदु/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अस्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा खियाने में सुविधा के निष्

कतः अप, उक्त निर्धानमम् की भारा 269-थ को अन्तरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपभारा (1) भौ सभीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, नर्भाव :— (1) श्री लक्ष्मन दास सुपुत श्री फकीर चन्द्र लूथरा ग्रीर श्रीमती लाजबन्ती पत्नी लक्ष्मन दास, निवासी-सी०-32, मालबीय नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) एच० के० इन्टरनेशनल,
4/12 इंडस्ट्रियल एरिया, कीर्ति नगर,
नई दिल्ली,
इारा प्रोप० श्रीमती कृष्णा चौधरी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट संपति के कर्यत के लिए कार्यवाहियां करता हूं ॥

उन्त सम्मरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप अन्न

- (क) इस स्कृता के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनश्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाका करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिस्तियत हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया ग्या है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 3 बीचे श्रीर 8 विशंत प्रतास संबंध 2 मिन (1-1), 5-तमन (2-7) श्राम शाबरपुर, तहसंस्य-महरौली, नई दिल्ली।

्रुप्रे(ः चन्द्रा सक्षम गाँवकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख: 6-7-84

मोहर 🛭

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 84

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी ैर्क्यू०/1/एस०-ग्रार०-3/ 11-83/1268-श्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे ईसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति., जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1861 है तथा जो ग्राम मुबारिकपुर कोटला, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुभूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवस्बर 83

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिश्वित व वस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुदं किसी आव की बाबता, उक्त जिथानियम के जभीत कर दाने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या अससे बचने में स्विभा के लिए जीड़/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियः की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् द्र-- (1) श्री तिरखा राम निवासी-एल०-12, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-92,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर कुमार जैन, ग्रशोक कुमार जैन,
सुपुत्रगण श्री नत्थू राम जैन,
ग्रीर मास्टर राजेश कुमार जैन सुपुत्र,
श्री ग्रशोक कुमार जैन,
निवासी-136, टैगोर पार्क,
दिल्ली-9,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्यित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नम्सूची

प्रो० नं० 1861, ग्राम-मुबारिकपुर कोटला, नई दिल्ली तादादी 127.8 वर्गगज।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 6→7-84.

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1351 का 43) की धारा 269-६ (1) के अभिन सूचना

पारत सरकार

कार्यातय, सहायक आगकर जोगुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 84

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एस्यू०/1/एस०-ग्रार०-3/11-83/1272—ग्रतः भृक्षे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपात, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी यं० कृषि भूमि है, जो ग्राम-गदाईपुर, महरौली नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवस्वर 83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यूपापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी नाय की बाबस, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आंट्र/गा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) हकुमतबाई पत्नी श्री श्रारू मल, ग्राम—गदाईपुर, महरौलो, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अशोक कनकड़ श्रीर मुरेश कुमार कड़कड़, सुपुत्र श्रा दर्गीड़ दास, निवासी-ग्रेटर कैनाण, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां क्रता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हाँ।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे श्रौर 3 बिग्वे, खसरा नं० 531 मिन, ग्राम-गदाईपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

सुघीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, दिस्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ज्यिक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 6-7-1984

मोहर ,

प्ररूप अर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजंन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनांक 6 जुलाई 84

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्/ू०/1/एस०-प्रार०-3/ 11-83/1274--प्रत . मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्ह के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बाजार मृल्य 25,000/- का से जीवक है

गौर जिसकी सं क कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-जौनपुर, तहसीलमहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध
प्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्प से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीरक ग्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्मलिणित उद्दर्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्सर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बिलोक करण कि श्री दया राम निवासीनप्राम भ्यार्थपुर, महरौली, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रशोक कक्कड़ श्रीर सुरेश कुमार कक्कड़, सुपुत्र श्री दर्गाह दास, निवासी-ग्रेटर कैलास-1, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि हो उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील हो 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्जारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकारी।

स्पष्टीकरण: ---इसमों प्रय्वत अध्या अरि पर्वो का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी, 1212 बाघ धौर 4 बिख्ये, मुस्तातील नं० 27 किला नं० 11/2(1-2), 18/(4-8), 19(4-16); 20/1(2-1), ग्राम-जौनपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सह।यक कायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-1, दिल्ली

तारी**ज:** 6-7-84

मोहर 🤻

ୁଦ୍ୟ ଜାହ<sup>୍ୟ</sup> . **ଣ**ି . **୧୯ . ୧୯** . ୧୯୯୯

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की गारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, गलायतः जायभार प्रायुक्त (निरीक्ण) श्रजन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांग 6 जुलाई 1984

निदेश सं० प्राई० ए० ही०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 11-83/1273--श्रत : मुहो, एओर यन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात जिस्त अधिनियम कहा कहा वया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम आध्यार्थ को बह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, एवर का उचित बाजाड मुल्न 25,000/- का से संधिक ही

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूषि है तथा जो प्राम-जीवापुर, महरीली, नई विल्ली में स्थित है (आंट इतसे उपावत श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), राजन्य जान अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजन्य करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारी व नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त संप्रित के उचित राजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफी यह विश्वास, करने का कारण है कि युआप कित संपरित का जिल्ला राजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त निम्नलिख्त उद्देश्य से अपत अन्तरण कि सिक्त में अस्त-

- (क) अभ्यत्व भं कृषः िहसी बाधः द्वी धानसः, उभेक अभिनियमः कः लभीतः करः दोने को अन्तरकः वी वायित्व मी कभी कार्या मा उसमे बोधां मी स्विभा को निष्णु अन्ति/स्यः
- (ए) एसी किसी आयं या डेक्सी धन या अन्य मास्तियाँ को, पिन्हों भारती । शाध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) भा अवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम (१५५७ १५५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिक्ष इनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, खब्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण भाँ, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियाँ, अधित धु— (1) श्री वेद प्रकाश सुपुत्र श्रो दया राम, निवासो-ग्राम-गदाईपुर, महरौली, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रमोक कक्कड़ और श्री सुरेश कक्कड़, सुपुत्रगण श्रो दर्गीह दास, निवासी—ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली (ध्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृजीवत सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

# उथत सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्ति प्रविक्त प्रविक्त प्रविक्त में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## मनस्ची

1/8 भाग कृषि भूमि तादादी 12 बीघे भौर 4 बिक्ने, मुस्तातील नं० 27, किला न० 11/2(1-2), 18(4-5), 19(4-16), 20/1(2-1), ग्राम-जौनापुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा संक्षम प्राधिकारी राहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारीख: 6-7-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

भागकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीर सुजना

## भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक जायक र आयुक्त (निरक्षिण) मर्जन रेज-1, दिल्ली

दिल्ली दिनांक 6 जुलाई 84

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०--ग्रार०-3/ 11-83/1275--श्रत: मुझे, सुधीर धन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

मीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जौनपुर, महरौली नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावड भ्रनुपूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरणा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नविषय 84

को पूर्वोक्त सम्मत्ति का उणित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृहं हैं और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें बायित्य में कमी कारने या उससे बचने में सृत्रिधा के सिए; जौर/वा
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ध

- (·) श्रो श्रोम पकाण सृप्त श्री दया राम. तिवासं: -ाम गताईपूर, गई दिल्ला हारा जनरत श्राःभी श्री त्या राम सृप्त, मृती राम, तिवासी ग्राम गवाईपुर, नई दिल्लो (श्रन्तरक)
- (2) र्श्वा भ्रमोक कक्कड़ ग्रौर सुरेस कक्कड़, सुपुत्र श्री दर्गाहि दास, निवासो-ग्रेटर कैलास, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्वार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन<u>ुस</u>ृषीं

1/8 कृषि भूमि तादादी 12 वीषे ग्रौर 4 बिश्वे, एम० नं० 27, किला नं० 11/2(1-2), 18(4-5), 19(4-6), 20/1(2-1), ग्राम-जौनपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली 11

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज<sup>—I</sup>, नई दिल्ली

ता**रीख:** 6-7-1984

मोहर 🤌

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जौनापु, तहसील महरौली, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण हुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकर्र श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्धरितियों) के धीत्र एसे अन्तरण के निए सक पाया गयः प्रतिफल, निस्निविधित उद्देश्य से उक्त प्रश्वरण निविधत में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वायत जनत अधि-निवम के बाधीन कर देने के अन्तरफ के वास्तरण में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नतः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) स्ने सभीन, निम्नसिक्ति स्थितिस्था, वर्धात क्ष्म (1) श्री राजिन्द्र प्रकाण सुपुत्र श्री दयाराम, विवासी प्राम गदाईपूर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रणोक कक्कड़ श्रीर-श्री सुरेश कृमार कक्कड़ सुपुत श्री दर्गीड़ दास, गिवासी ग्रेटर कैलाग--, गुई जिल्ही।

(अन्तरिती)

को यह सूचना लाग्ने सरके पृवांकित सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) द्वार प्राप्त वर्ग गरिय में प्रकाशन की तारीस से 45 विशे की जविश भा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अविध, जो भी अविध भाष में समाण हाती हो, के भीतर पूर्वांक्स विशेष में कि मी कि कि कि कि विशेष देवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिए के भीतर उक्त स्थावर सम्मित मों हिस- यद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विकास की किसी जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमा अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

1/8 कृषि भूमि तादादी 12 बीघे और 4 बिएके, एम० नं० 27, किला नं० 11/2 (1-2), 18(4-5) 19 (4-16), 20/1 (2-1), ग्राम जीनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चल्द्रा सक्षम<sup>े</sup> प्राधिकारी सहायक अक्ष्यकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, न**ई दिल्ली** 

तारीख: 6-7-1984

मोहर :

' 29-186GI|84

# धक्य वार्<u>ट्</u>टी, एव .एस., २०००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यां नय, सहायक नायक हु नायुक्त (निर्देशक)) श्रशंन रेंज-1; नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० झार०~3/ 11-83/1292—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० बी-27 है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्णोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृन्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल निम्नलिचित उच्चेस्य से उच्च संतरण हैं——

- (क) वंतरण से हुई किसी वाव की वावत, उक्त अभिनियम के सभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः अस, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के समृतरण भी, मी, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की सधीम, निम्निजिक्त स्पितितयों, स्थितिः— (1) श्री गुरवीप सिंह भाटिया,
श्री प्रीतम सिंह भाटिया,
लेफ्टि० कर्नेल जसपाल सिंह भाटिया,
श्री गुरबचन सिंह भाटिया,
सुपुत्र स्व० श्री छा० सुन्दर सिंह भाटिया,
निवासी 429, रेस कोर्स रोड,
प्रम्बाला कैन्ट,
हरियाणा ।

(मन्तरक)

(2) एस॰ सम्तोष सिंह सुपुत्र स्व॰ सरदार रतन सिंह, निवासीसी-111/226; जनकपूरी, नई दिल्ली।

(धन्तरिती)

कारी यह सूचना चारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाहा;
- ((ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकपुण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गवा है।

# न्युज्या

मकाम नं० बी-27, डिफेंस कालोनी, नई विल्ली, तादादी 325 वर्ग गज ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, नई दिल्ली

तारीख : 6-7-1984

मोहर 🖁

# प्रस्त आहोत दीहा हमूह एस-----

# आयुक्त अधितियम् 1961 (1961 का 43) की आया 269-क (1) के मुचीन सुचना

### HICO SCORE

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निऱ्रीक्षण) धर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1994

निवेश सं० भाई० ए० सी०/एनयू०/1/एस० भार०-3/ 11-83/1294--- अतः मुझे, सु क्षीर चन्द्रा

कायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अभीन संक्षम प्राधिकारी को, यह मिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- उन् से अधिक है

भौर जिसकी सं० 5 एम-21 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्लो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्विक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रियफ्त के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कार्य है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिस्त उद्योध्य से उक्त अन्तरण दिल्ला के विश्वास कर दिल्ला के सामा का कि स्थाप कर सिंग स्थाप की स्थाप कर सिंग स्थाप की स्थाप कर सिंग स्थाप की स्थाप की

- (क) ब्रान्तरक से हुद किसी बाय की वाव्य त जनत ब्राधितियम के ब्रुपीन कर दोने के बन्तरक के ब्राधित्य में कमी करने या उससे ब्रुपी में सुविधा के सिए; ब्रोडिंगा
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) में अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है— (1) श्रीमती निर्मला शर्मा,
 निवासी सी-134;
 डी० डी० ए० फ्लैट्स;
 बसन्त इनक्लेय,
 नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री डी॰ एम॰ सक्सेना और
श्री के॰ एल॰ सक्सेना,
निवासी डी-4,
साकेत, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त, संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के शाजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सुब्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, यही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 5, बिल्डिंग नं० एम-219, ग्रेटर कीलाण-2, नई दिल्ली तादाधी 70 वर्ग गज ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्लो

तारीख: 6-7-1984

मोहर 🖺

# श्रुक्त बाह् , द्रौ , एव , पुर्स , नारतनाराज्य

**नायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-ध (1) के अर्थन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेजेंजेंजेंच ।, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिसाछ । ६ जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई० ए० गीः०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 11-83/1295—श्रत: मुझे, सुझें/र बन्दा

शायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें शबके पश्चातः जिस्त अधिनियमं महा गया हो, को भारा 269-श के सुधीन सक्षम प्राधिकारी को ४६ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार गृल्य 25,000/- रुपये व अधिक ही

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो प्राप्त करायुर, महरीनी, नई दिल्ली में स्थित है (प्राप्त दन्तसं उपायप क्षिण्यू में भौर पूर्ण रूप से वर्णित), रिजिन्द्राकर्ता अधिकार, के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) भ्रधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिएए अपार भूता है जल वो दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित अजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसि दश्यमान भीतफल से एसि दश्यमान भीतफल से एसि दश्यमान भीतफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिक (अजार में) को बीच एसि वन्तरिण को निष्य के प्रतिम स्था प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुक्ती ब बत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्ताक के दायित्व में किमी करन या उसस बचने में अधिश्रक के लिए; आडि/या
- (था) ऐसी किसी आयं का जिसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, एंएलने में स्विधा के लिए।

जतः जबा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्ति, अर्थात् :---- (1) श्री नरेश चन्द्र जैन, निवासी डी-35, पंचशील इनक्लेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सलमा जैदी पत्नी श्रीजेंड० एच० जैदी, निवासी ई-22, ग्रेटर कैलाम-1, नई दिल्ली।

> (श्रन्तरिती) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### सरमधी

कृपि भूमि तादादी ग्राम खानपुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली, तादादी 1 बीघा ग्रीर 7 बिश्बे, खसरा ने॰ 306 (0-15), 276/3 (0-12) ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-<sup>I</sup>, नई दिल्ली

तारीख: 6-7-84

मोहर:

प्ररूप बार्ड्ः दी. एन. एस ु-----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक श्रायक र जायुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज—I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-प्रार०-3/
11-83/1302-- स्रतः मुझे, सुधीर चन्द्राः
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 13 है तथा जो श्रलीगंज, करबला मार्केट, लोदी रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1983

का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के रूपमान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिशत निम्नितिहरू उद्योश्य है उक्त अन्तरण लिखित को बारसविक रूप के जन्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गायत उक्त श्रीध-नियम के संशीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा या किया जाना भाहिए था छिपान में सुविभा के विष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) 1. श्रीमती णांति देवी
2. श्रीमती स्वर्ण कोर द्वारा श्रटानी
श्रीमती छुण्णावन्ती,
निवासी जी - 34,
करवाला जोदी रोड,
नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल त्रुपृत्व श्री सरदारी लाल, निवासी जॉन् 34, ग्रलीगंज, करात्राला, लोदी रोड, नई दिएतो।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुखना जारो कर्क पृश्ताः स्थ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुः।

उक्त सम्परित के अपन के अपन्य में कोई भी आक्षेप इन

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार विखित में किए जा सकोंगे।

## अनुसूची

शाप नं ० 18, श्रलीगंज, करवला मार्केट, लोदी रोड़, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सडायक ऋष्यकर स्नायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 6-7-1984

मोहर 🕫

प्ररूप आह्र्य, टी, एन्. एस्ट्र------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरौक्षण),  $\pi$  प्रर्जन रेंज्-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/ एस० भ्रार०-3/ 11-83/1304--श्रतः मुसे, सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् नाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो प्राम कपासेरा, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख वनम्बर-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उष्कत अन्तरण निश्वित निश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृक्षिधा को लिए; आंड/या
- (च) एसी किसी आय या प्रैंकसी धन या जन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), जो प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः। जब्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-मुको उपमारा (1) है अभीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० भयाना बिल्डर्स प्रा० लि०, बी-9, मेय फैयर गार्डेन, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर श्री सुरेण भयाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती अंजु मधोक पत्नी श्री श्रनिल मधोक, निवासी सी-206, ग्रानन्द विहार, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तु सम्पृत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बनिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राइ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निध्य में किए जा स्कूरिंग।

स्पब्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिन्यमु के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अहीं अर्थ होगा जो उसु अध्याय में दिया गया है।

# **जन्**स्ची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे श्रौर 16 बिवे; खसरा नं० 641, ग्राम कपासेरा, नई दिल्ली, तहसील महरौली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—I; नई दिल्ली

तारी**ख**ः 6-7-1984

मोहर 🖫

# प्रकृष वाही<sub>न</sub> द<sub>िन</sub> पुर<sub>ं</sub> पुष<sub>ं</sub> स्टब्स्टन्स

# नायकड निवृत्तियुम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन सूच्या

#### बाइड सहस्राह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०~3/ 11-83/1305—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-म के अधीन सक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कपासेरा, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे ज्याबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी केकार्यालय, विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (190क एा 16) के अधीन, दिनौंक नवम्बर 1973

को प्रविक्त संपरित के उचित बाबार मृत्य से कम के ध्यमाब्
प्रतिकाल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्याल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य उसके ध्यमान प्रतिकल से, एसे ध्रमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्ति-दित्या) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त बन्तरण किसित वे बास्तविक इप से किथत नहीं किया गया है रू

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खिरन्दू में कमी कर्ष वा उससे व्यने में सुविधा के बिए; कोर/वा
- (क) एसी किसी आव या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था किया में सूविया के लिए;

ब्दः वज, उन्त निधिनयम् की धारा 269-व के वम्बर्यः मी, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वै नधीन, मिस्तिविस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मै० भयाना बिल्डर्स प्रा० लि०, बी-9, मेयकेयर गार्डेन, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर श्री सुरेग भयाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रंजू मधोक पत्नी श्रीग्रनिल मधोक, निवासी सी-206, ग्रानन्द विहार, नर्ष दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

क्कार यह सूचना जारी करके पृश्तिक संप्रितः के मुर्चन के सिहर कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्मत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्थानत्यों पद्र सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (अ) इस स्पना के राजपण में प्रकाशन की तारी की 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पतित में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वभाहस्ताकरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, वो उस सध्याय में दिया गया हाँ।

# अनुसूर्यो

कृषि भूमि तादादी 4 बीचे श्रीर 16 बिश्वे, ग्राम कपासेरा, तहसीत महरौली, नई दिल्ली, खसरानं० 640।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई विस्ली

तारीख - 6-7-1984 मोहर ः ्कृष् अर्ी ही. धृषः एस ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त अध्यक्त (निरीक्षण) भूजीन रेंज-, पर दिल्ली नई दिल्ली, दिनावा 6 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 11-83/1306---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1965 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार जिस्त अधिनियम काहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिधकारी दो यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थापन अंगीति जिल्हा राधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से व्यापक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जे साम कपासेरा, नई विस्ती में स्थित है (श्रीर इस्से उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नयम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के शिक्षा का गर एक में हाम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित के कि महा कि विश्वास करने का कारण है कि यहार कि लोगोंन्त का अचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से. १ से अवगान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उपविश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्राधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री श्ररविन्द धुमरा सृपुत श्री एच० डी० धुमरा, निवासी 10 सोची, 77, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी श्रंजू मधोक सुपुत्री श्रीकुंज विहारी वॉकैय, पत्नी श्री श्रनिल मधोक, निवासी सी 205, श्रानन्द विहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्षि।

ह्मच्चीकरण ह— इसमें प्रयुक्त सम्बं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी-4 बीचे झौर 16 विषये, खसरा नं० 603, ग्राम कापासेरा, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-I, नई दिल्ली

तारीखा: 6-7-1984

मोग

प्रक्य भार्ड. सी. एम. एव.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर काय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/ 11-83/1322--- ग्रतः मझे, सुधीर चन्द्रा

नायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 25 , 660 /- ₹5 , ਜੋ` ਆਂ ਪਾਨ *ਹ*ੈ

ग्रौर जिसकी सं० ई-23 है सथा जो ब्लाक नं० 1, एक्स० मोहस को० भ्रापरेटिव इण्ड० इस्टेट, दिरुली में रजिस्दीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर 1983

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विख्यास करने का कारण है कि ध्थापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक: रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अर्धिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या
- (क) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या **धन-कर अधिनियम, 1957** (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सविधाके लिए;

अत: अब, उक्त अपिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

30-186 GI|84

(1) श्री राज ईश्वर निवासी एच-66 एन० डी० एस० ई—1 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं व तेहखण्ड एसोसिएट्स प्राव्हिल द्वारा डाइरेक्टर या भागीदार: श्रीमती के० सी० ग्ररोडा श्री राम कुमार ईश्वर निवासी ई-66 एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षी :---

- (क) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया है।

# अनुसूची

इण्डस्ट्रीयल प्लाट नं० ई--23 ःलाक नं० बी--1, एक्सटेंगन मोहन को० श्रापरेटिव इंडस्ट्रीयल इस्टेट लि०, नई दिल्ली नावादी, 1318.33 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I नई विल्ली

तारीख : 6-7-1984

मोहुरु 🗈

प्रारुप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/ 11-83/1293--ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० एम-114 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-2 नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख नवस्वर 1983

को पृत्रोंक्त संपरित के उिचत बाजार भूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अल्लिंग्त की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल में एंसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तिय में वास्तिवक रूप में किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाइत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मीं कामी करने या उसमें बचने मीं स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, जिल्लाने में मर्निएए के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्भरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) मेजर गुरचरन सिंह रिषीराज सुपुत श्री जगत सिंह एम 114 ग्रेटर कैलाश-2 नई यिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निरंजन दास सहगल और श्री सुरिन्दर कुमार सहगल सुपुतगण श्री निरंजन दास निवासी एम-114 ग्रेटर कैलाण-2 नर्ष दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूर्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्बत में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रया है।

## **अन्स्**ची

इत्यायर पहेन्ड क्लोर महास नं लग्म-114 ग्रेटरकैलाश-2 नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज–1 नई दिल्ली

तारीख : 6-7-1984

मोहर:

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) भर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निवेश सं० ए० सी ० 10/रेंज-IV/कल०/84-85—-ग्रत, मुझे शंकर के० ब्यानाजी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेकात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क ने ने ने सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/-सं अधिक हैं

धौर जिसकी सं. 63, 64 है, तथा जो जी० टी० रोड, हावड़ा, में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-11-1983

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मूल्य, उसके ध्रमान प्रतिकल से एसे ध्रयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न्सिचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि। निवास के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में तुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती इवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिश्वत व्यक्तियों, जर्यात्:— 1. विश्वनाथ, सिउ कुमार लोहिया

(अन्तरक)

2. उदय कान्त सिष्ट

(व्यन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तन्नेवंधी न्यितयों पर स्पाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

न्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

# नगृत्यी

जमीन 5 काठा जमीन का साथ मकान पता 63, 64 जी० टी० रोड, (पार्ट), थाना-बाली जिला-हाबड़ा, घलिल सं० 1983 का 6244।

> शंकर के० ब्यानाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

ंदिनांक 9-7-84 मोहर : प्ररूप बाई.टी.एन: एस. -----

कायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत संस्कार

कार्याक्षय, सहायेक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जंन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निर्देण सं० ए० सी० 9/रेंज-IV/कल०/84-85---यतः मुझे मुझे शंकरके० ब्यानाजी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 64 है, तथा जो जी० टी० रोड, हावड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1098 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से हम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्के यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिकल, से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाक्त उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी अथ या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (१) के अधीन, निम्निनिक्त व्यक्तियों, अधीत हु— 1. श्री विश्वनाथ, सिउ कुमार लोहिया,

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती उरमिला सिंह

(ग्रन्तरिती)

को यहर पूचना जारी करने पूर्वेक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया हैं।

#### नन्स्ची

जमीत-4 काठा, जमीन का साथ मकान पता 64, जी० टी० रोड, (पार्ट), थाना—बालि, जिला—हाबड़ा, दललि सं० 1983 का 6245

> शंकर के० ब्यानाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

विनांक: 9-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वका

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निर्देश सं० ए० सी० 8/रेंज-4/कल०/84-85---ग्रतः मुझे, शंकर के० व्यानाजी

अगयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 63, 64 है, तथा जो जी० टी० रोड, हावड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिगस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18-11-1983

का पूर्वाभत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलियित उद्देवश्य से उकत अंतरण कि सिंप में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरूप से हुई किसी बाब की बावत, बचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाय वा किसी धन या नत्य बास्तिकों को जिन्हों भारतीय नायकर निधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या वृद्ध करू निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्त्रिती वृद्धारा प्रकट महीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए:

कतः अब. उक्त अधिनियम कौ भाष 269-ग के अनुसरण बे, में, उक्त अधिनियम की भाष 269-व की उपवास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:--- 1. श्री विश्वमाय, सिंउ कुमार लोहिया

(भ्रन्तरक)

2. श्री शंकर सिंह

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के गर्वन् के सम्बन्ध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती. हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुधारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, बो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगुसूची

जमीन -5 काठा जमीन का साथ मकान, । पता-63, 64 जी॰ टी॰ रोड, (पार्ट), थाना--बालि, जिला--हावड़ा। टलिल 1983 का 2793

> शंकर के० ब्यानाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग्र) ग्रर्जन रेंज∼ , कलकत्ता

विनांफ: 9-7-1984

मीहरः

ह्रसम् भार्दंुटी ुएन्. एस ्-- = ≥---

1. एस० बी० पी० (इण्डिया) लि०

(ग्रन्तरक)

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा. 269-म् (1) के श्भीन सूचना

2. ए० कामशियल

(भ्रन्सरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, 4, कलकत्ता

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निर्देश सं० 1495/एक्य रेंज-III/83-84:--अत: मझे, शंकर बनर्जी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह<sup>क</sup>), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 33 ए है, तथा जो चौरंगी रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्द्रीकरण रजिस्द्रीकरण प्रक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 24-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् वाजार मृत्य से कम के उपयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसीं नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: जीर/या
- (स्त) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर व्याधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहिया शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नग्त्र्यो

कमरा नं० टी॰ एन०-3, टी॰एन-4, टी॰सी॰-3/1, टी॰ सी॰-3/2, ग्रीर टी॰ सी॰-3/4, जी 22 तल्ला में भ्रवस्थित चटर्जी इन्टर नेशनल सेन्टर 33 ए, **चौरंगी** रोड, पर यह ब्राई० ए० सी० एक्य जिमान रेंज-III पर रजिस्ट्री हम्रा दिनांक 25-10-83 को नं० 127 के अनुसार ।

> शंकरके० ब्यानाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III, कलकत्ता

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण 🖈, 👫 , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 10-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप भार . टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सचना

1. श्री सुदर्णन कुमार केजरीवाल,

(भ्रन्तरक)

2. श्रोमती राधादेवी केजरीवाल

(भ्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, 3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निदेश सं० ए० सी०/रेंज- //कल०/84-85--श्रतः मुझे, शंकर के० व्यानाजी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 45 है, तथा जो जाउतला रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 19-9-83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल सं, एसे इत्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:----

- (क) बन्तरण संहुर्ष िकसी बाय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरण के दासित्य मों कमी करने मा उससे बचने में मृजिधा के लिए; और/भा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणे में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजियित भ्यक्तितयों, अधीत्:— को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के सिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हींकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

ंलाट जो 45 जाउतला रोड पर श्रवस्थित <mark>श्राई</mark>० ए० सी० एक्युजेशन, रेंज-<sup>I</sup>II में रजिस्ट्री हुश्रा, सं० 79 श्रौर विनांक 19-9-1983 में ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकता

दिनांक: 10-7-84

मोहर 🖰

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भः(1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निदेश सं० 1497/एक्यू०/रेंज- /84-85—म्प्रतः मुझ, शंकर बनजी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 45 है, तथा जो जावतला रोड, कलकत्ता में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्णक्ष्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक 19-9-1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निचित्र वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वे हुई किबी नाव की वावत अवधा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था. स्थिपने में मृथिधा के लिए;

1. श्री मुदर्शन कुमार केजरोवाल

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स भ्राजमीरा इनवेस्टमेंट (प्रा०) लि०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जिमील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर संक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी सन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्रियम:----इसमें प्रयुक्त धन्यों और पयों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अभ्याय में दिया गया है।

## नमृत्यी

प्लाट जो 45 जावतला रोड, कलकत्ता में प्रवस्थित है प्राई० ए० सी० (एक्यूजीशन-III) के कार्यालय में दिनोक 19-9-1983 को सं० 81के ग्रम्सार रजिस्ट्री हम्रा है।

> णंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारो यहायक स्रायकर स्रायक्त (तिरोक्षण) स्रर्जन रेंज I , कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अधीत:——

विनांक 10-7-1984 मोहर: प्रकार शाहर . टी . एए , एका , -------

आयकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

## भारत वरकार

कार्यालय, सहागक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कसकत्ता, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० 1498/एक्यू०/रेजााा/84-85---श्रतः मुझे शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकीं सं० 45 है, तथा जो जावतला रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 19-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक फल, निम्नलिसित उद्देशय से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— 31—186GI/84 1. श्रो सुदर्शन कुमार केजरीवाल

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स ग्राजमीरा इतवेस्ट मेट, (प्रा०) लि०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध मं काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### बन्स्ची

प्लाट जो 45 जावतला रोड़, कलकत्ता में प्रवस्थित है तथा जो ग्राई० ए० मो०, एक्यूजीशत-III के कार्यालय में दिनांक 19-9-1983 को सं० 80 के ग्रनुसार रजिस्ट्रो हुग्रा है।

> र्णंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकक्ता

दिनांक 10-7-1984 मोहर : प्रकप भाव". दी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत चरकारू

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजेन रेंज्ञा। कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० 1499/एक्यू०/रेंज-III/84-85—-म्रतः मुझे शंकर बनजीं

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. संअधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 76/2ए 276/2बो है, तथा जो विधान सारणी, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्णें एप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 29-11-83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम् के द्रश्यमान प्रतिफल के शिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह निश्वास् करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार भूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया य्या प्रति-फल निम्मतिखित उद्देष से उच्त अन्तरण कि चित्र में बास्तिबृक क्ष्य से किथत नहीं किया ग्या हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर./या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने भें सुनिया के सिष्;

कतः जब , उक्त जिमिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में , में , उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन , निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :-- 1. श्रोमती सुप्रभा मित्र, विलोप गंकर, मित्र, गंदीप गंकर मित्र श्रीर सुनील कुमार मित्र

(श्रन्तरक)

2. गुड डे, इस्टेट, (प्रा०) लि०

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वेक्त सम्परितः के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांड्र भी नाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—हिसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### and which

मकान और जमीन विधान सारणी में स्थित है तथा जो भाई० ए० सी० एक्यूजीशन रेंज- $II^{I}$  में दिनांक 29-11-83 को ए० 125 के भ्रनुसार रजिस्ट्री हम्रा।

र्णकर बमर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

दिनांक 12-7-1984 मो**हर** ः। प्ररूप भाइ.टी.एन.एस.-----

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्भाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अत्यक्त अत्वक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० 1500/एक्यू०/रेंज III/84-85—श्रतः मुझे शंकर बनर्जी

बायकर बरिधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

ग्रौर जिसकी सठ० 52/1, तथा जो हाजरा रोड कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 19-11-83

की प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निम्तिका में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान सें स्विधा के लिए;

जतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, सैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रो राम चन्द्रमाही

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स मीट को कर्मिश्रियल को ०

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हु।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृष्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहम्साक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्स्ची

मकान धौर जमोन जो 52/1 सजरा रोड कलकता पर ध्रबस्थित दिनोक 19-11-1983 को डोड मं $\circ$  1-11654 के ध्रनुसार रजिस्ट्री हुआ।

शंकर बनर्जी सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायेंक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-111, कलकत्ता

दिनांक 12-7-1984

भोहर :

पुरुष अहिं त होता तहार प्रमात

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ७६९-भ (1) के अभीन अचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 329/84-85---श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनिष्म 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके प्रसात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धार 269-स के संधीन सध्यम प्राधिकारी को यह विक्रमास का ये का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसान उचित बाजार सृत्य 25,000/ का से क्षीकर है

श्रीर जिसकी मं० घर है, जो मलकपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावछ अनुसूची में श्रीर जो पूर्णक्ष से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 11/83 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मत्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ध ही गर्र मुक्ते गह विश्वाम करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त संपन्ति का रिचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रसुद्ध प्रतिकान से अधिक है और अतरक (अनरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाय। गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कार दाने के अन्तरक के दासित्व " मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ंतर/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अधिकार भीधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पत्तिभी ह्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था. खिपान म स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा १६०-ए कं अन्मरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री सैयद श्रकबर ग्रहमद, 10-1-891, ए० सी० ग्राउन्ना, हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

 श्री मोहम्मद, श्रब्दूल रहीम, ऊमा बाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (लं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## समुची

संपत्ति, नं० 10-10-34, और 16-10-33/2, 3, 4 श्रीर  $_{\rm J}$  4, मलक्षदेट, हैदराबाद, रिजस्ट्रोक्टत विलेख नं० 5691/83, रिजस्ट्रोक्ति श्रीधकारों हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारा सह्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-7-1984 े

मोहर :

१रूप आहें.टी.एन्.एस.,-----

आथकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश मृं० ग्रार० ए० मी० नं० 330/84-85—-यतः मृझे एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के जधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रू. में अधिक है

स्रोर जिसकी मं० पलैट, है, जो दोमलगूडा, हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्णंक्प से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 11/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए,

 श्रो जे० प्रमाकर, राव भ्रोर भ्रन्य हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री के० प्रहलाद, राव, 1-2-282, ग्रीर 282ए, ज० बो० ए० यरकूल्ड श्रपाटमेंट, हैदराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपर्तित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक छ 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पटिकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनसन्त्री

प्लैट जे० बी एयरक्रू,ड श्रपाटमेंट, दोमल्म्यूजा, हैदराबाद विस्तीर्ण 9000 चो० जेट, रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 5931/83 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदरावाद ।

> ंएम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन जिम्निलिखित व्यक्तिसमां, अर्थात :---

दिनांक : 30-7-1984

मोहर :

प्ररूप बाइं. टी. एव. एस.-----

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सृच्ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 331/84-85—सतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नरसापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नरसापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्व्यमान प्रतिफल से, एसे ध्व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक ख्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किती शाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने वा दबसे क्यने में बुविधा क किए और कि
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—  श्री आए० एम० महेता पिता एम० जे० महेता, हैदरबस्ती,
 77/78, सिकन्दराबाद।

(अन्सरक)

2. मैंसर्स डेंपकन जेलाटाइन्स, प्रा० लि०, बाइ एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर: श्री जी० रामा, चन्द्रा वर्मा, कोम्पल्यी, हाकीमपेट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जन्मि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की जब्धि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में छे किसी व्यक्ति ध्वार;
- (व) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयंक्षत शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 5-01, गूंटे, मम्बापुर गांव, नरसापुर तालुक, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2357/83, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी नरसापुर।

एम० जेगन मोहन यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्टराबाद

दिनांक 10-7-1984 मोहर: प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. ------

# नायकर निधीनयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) से नधीन सुचना

भहतर चेंग्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 332/84-85——अतः मुझें, एम० जेगन मोहन,

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान हैं तथा जो संगारेड्डी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण क्ष्म क्रिसे विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संगारेड्डी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अध्य की बाबत, अक्स विविवय के अधीन कर दोने के अध्यरक को वासित्य में अभी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्थिया के सिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷---

- श्रीमती झार० तुलजा बाइ पित श्रार० बाझ्राथ, 4-1-352थी० हैदराबाद।
  - (अन्तरक)
- श्री एन० पांडू, 7-272, सेंगारेड्डी. मेंडक जिला।

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी वृत्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो डैक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## मन्त्ची

षुकान 7-33/7, संगारेड्डी, मेंढक जिला विस्तीर्ण 114 बौ॰ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 3927/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी संगारेड्डी।

एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर क्षायुक्त** (निरीक्षण) **क्षर्जन रेंज, हैदराबाद** 

दिनोंक 10-7-1984

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० मं० 333/84-85---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

25,000/- त. स आधक हैं

ग्रौर जिसकी सं० दुकान है, जो संगारेड्डी. में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है)
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संगारेड्डी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 83 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त देख्यमान प्रतिफल से एसे दुख्यमान प्रतिफल का पन्देह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथल नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

ं अत. अभ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती आरं तुल्ला बाई पति आरं बाबूराव, 4-1-352/बीं , हैवराबाद।

(अन्सरकः)

 श्री पी० श्रीनिवसा, 7-186/1, संगारेड्डी, मेंडक जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनसची

दुशान नं० 7-33/2, संगारेड्डी, विस्तीर्ण 114 चौ० फुट र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3925/83 राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगारेड्डी।

> ्म॰ जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-7-1984

मोहर:

# प्रकृप आहे. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 26ए-भ (1) के अभीन सृचना

भागत संग्रही

कार्यालय, सङ्गणिक कायवान अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० आर०ए० सी० नं० 334/84-85—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

अंग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25 000/रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है जो कोम्पल्ली, रंगारेड्डी जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), र्राजर्म्झाकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेडचेल, में रजिस्कट्रीरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस निम्नतिश्वित उष्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में कास्निवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बावत, उक्त विधियम के जनीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के विध्य जीर/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री जै० पी० गारमा श्रीर अन्य कोम्पल्ली विलेज, रंगारेड्डी जिला।

(अन्तरकः)

 मैसर्म मी० एस० ब्रदर्स, एन्ड को० भैनेजमेंट पार्टनर्स, श्री सी० पंडीत राष, 10-3-85/4, इस्ट मारेडापल्ली, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह स्थाना वारों करके पूर्वीयत संपत्ति के अर्थन की लिए कार्यनाहियां करता हुं।

## उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की अविश्या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध वो भी अविध काद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्वव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंची

भूमि विस्तीण 4 एकड़, कोम्पल्ली, मेडचेल, तालुक, रंगारेड्डी, जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5316/83, एजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी मेडचेल।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-त को अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—:

महरः:

तारीख: 10-7-1984

32-186GI/84

प्ररूप बाई. टी. एन. एस, -----

नामकर जिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदशाबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 ज्लाई 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं 335/84-85---अत: मुझें; एम० जैगन मोहन,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-गः से अधिक है

धौर जिसकी सं० दुकान है, जो संगारेड्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संगारेड्डी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्त्रर 83

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान शितफ ल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफ ल से एसे स्वयमान प्रतिफ ल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफ ल, निम्निलिश्तित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिश्तित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

श्रीमनी आरं ० नुलजा वाई पनि श्राद्भ० बाब्र्सव,
 4-1-352/वि० हैदराबाद ।

(अन्तरक)

श्री पीर्वृक्षाड्या, वितारंगया.
 7-186/1, संगारेड्डी, मेंडक जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्ग्य से 45 दिन की कविष या तत्स्य स्वाप्त की सार्ग्य सूचना की सामीस से 30 दिन की जविष, जो भी अविष् नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्थिकता में से किसी स्थित इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए आ सकरें।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

वान संगारेड्डी विस्तीणें 141 ची० फूट रजिस्ट्रीकृत विलेख मं 3923/83 रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी संगारेड्डी ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थात् । ----

दिनांक : 10-7-1984

मोहर 🖫

आरूप बाइ , टी. एते. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1), के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश मं० आए० ए० मी० नं 336/84-85 - यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उद्धर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीरजिसकी सं० भूमि है तथा जो दामर पोचमपत्ली, रंगारेड्डी जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विजत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, मेडचल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी काय मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवः, उन्त विधिनयन की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, प्रक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---  श्री पी० चांदम्बरम, ग्रीर अन्य अमूगुडा, मेडचेल तालुक, रंगारेड्डी जिला ।

(अन्सरक)

2. मैसर्स रोहीनी आटो इलैक्ट्रीकल्स, (प्रा०) लि० 7-18/2, संगीतनगर कालोनी, क्क्टपल्ली हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स ते 45 दिन की अविध या तुरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

# जनसनी

भूमि दोमर चोचमपल्ली' गांव, मेडचल शालुक, जिला रंगारेड्डी, रजिस्ट्रोकृत विलेख, नं० 5328, 5334, 5335, छौर 5336/83 रजिस्ट्रीकृती अधिकारी मेडचेल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 10-7-84 मॉक्रर : प्रक्ष भाइ.टी.एन.एस. -----

बाब्बर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 स (1) के अभीन सूचनः

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ए० सी०नं० 337/84-85---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्ष्मु प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

क्रौर जिसकी मं ० दुक्षान है, जो संगारेड्डी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में क्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय संगारेड्डी में रिजस्ट्रीकरण अधि-निमम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कार्यक्ष कर से कार्यक वहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण वे हुई किसी बाय की वायत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किस धाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के स्थि

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :—  श्रीमती आर० तुलजा बाइ, पत्ति आर० वाबूराव 4-1-352/बी०, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

श्री शंकर पिता रामचन्द्रर,
 7-272 संगारेड्डी, मेंढक जिला।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीत्र ज़क्त स्थावर संपत्ति में हित-भव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत विभागित के विभाग 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस सध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुक्तान संगारेड्डी , रिजस्ट्रीक्कृत विलेख नं० 3924/83, विस्तीर्ण, 114 चौ० फुट, र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगारेड्डी ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 10-7-1984 मोहर :

## प्रकार नार्षे की पुरुष् पर्या । । । ।

. बायकार जीवनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुवन.

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भावृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 338/84-85--अतः मझे. एम जेगन मोहन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि है तथा जो नानागनूर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिदापेट, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 83

कां पूर्विक्ष सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य र कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूम्में यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त फल निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्त-विक रूप से कथिश नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. क्रियाने में सुनिधा के लिए:

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन क्यिंक्तयों, अधीत्:—  श्री एस० बेंबटेस्बरका, श्रीर अन्य सिकत्वराबाद ।

(अन्तरक)

 मैंसर्स श्री निवासा स्टार्च कम्पलैक्स, बाइ एम० डी० श्री एस० मुरलीधर, सिद्दीपेट ।

(अन्सरिती)

को यह स्थान वारी करके पृथावत सम्पत्ति के वर्षन के हिन्छ कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जनीं या तत्सम्बन्धी स्थानतमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमिं को भी अनीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थानत हवारा;
- (क) इस स्वान के रावपत्र के प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पृत्ति के हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित के किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

भूमि विस्तीर्ण 24-10 एकड, नानागनूर, सीहीपेट, तालुक मेंढक जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख, नं० 2774, 2721, 2687, 2722 स्त्रीर 2688/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी सिहीपेट ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांकः : 10-7-1984

## मुख्य बार्ड : हो : एन : एस : -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ण (1) से मधीन सूचना

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० आए० सी० ए० नं 339/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं व बुकान है, जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपात्रद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर

को पूर्वोक्त सम्पंत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कमरण है कि स्थाप्चेंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) से बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधीनवस के अधीन कार बोने के अन्तरक के कायित्व में कमी ध्रेतने या उससे बचने में स्विभा के सिक्ष; बीर/बा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या कत्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकार निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निधिनयम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा ने सिए;

- श्री ए० व्ही० नारायण रेड्डी, श्रीर अन्य 6-3-344/1, बंजारा, हील्स, हैदराबाद।
   (अन्तरक)
- श्री राम निवास गुप्ता, पिता लेट तांबूमल, भारकमान, हैदराबाद।

(अन्तरिसी)

को यह सूचन। बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हो।

जनतं बर्म्यात के अवंग के सम्बन्ध में कोई भी बाधीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

#### अभूम्ची

दुकान डेक्कन टॉवर्स, 5-9-59/1, बसीरबाग, हैदराबाष विस्तीर्ण 992 ची० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5811/83, र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नतः नम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) हो अधीन, निम्निजिकित व्यक्तियों, कर्जान

तारीख: 10-7-1984

## प्रकृष काई. टी. एम. इस. ----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 ज्लाई 1984

निदेश सं० आर० सं१० ए० नं० 340/84-85--- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो को म्पल्ली, रंगारेड्डी जिला में स्थित हैं (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में डकल, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नयम्बर 83

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यक्मान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और म्फे यह विक्वाम करने का कारण है कि यथापुनोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफाल से, एसे क्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिकास, निम्नसिवित उब्देश्यों से अक्त बन्तरण किंविं निम्नसिवित उब्देश्यों से अक्त बन्तरण किंविं निम्नसिवित उब्देश्यों से अक्त बन्तरण किंविं निम्नसिवित अंवर्ष किंवा गया है:----

- (क) वन्तर्ल ने हुई किसी बाव की वान्त, उक्त अभिनिय्म के अभीन कर क्षेत्रे के बन्तरक के बाबिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भने वा अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीर निम्नलिसित ब्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री एभ०सी० सूब्बा राजू भौर भन्य कोम्पल्ली, मेडचल तालुक रंगारेड्डी, जिला।

(भन्तरक)

 मैसर्म गुप्ता, फैमिली ट्रस्ट, बाइ मैनेजिंग ट्रस्टीज, श्री अशोक कुमार गुप्ता, 1-8-20/1, मिनिस्टर्स रोड, सिकन्दराबाद।
 (अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके प्रॉक्त स्थित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध यो कोड़ों भी बाह्मप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की नविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धार;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सबुध किसी शन्य व्यक्ति इवाय जभोहस्ताशरी के वास विचित् में किए वा सकेंगे।

स्वक्षतीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कक्षों बहु वृक्षों का, जो सबक्ष विभिन्नम के वश्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वृक्ष होगा जो अस वृश्याय में विका युवा हैं।

#### अनुसूची

भूमि ग्रेप गार्डनस कोम्पल्ली, रंगारे**हुी जिला, बिस्सीणं** 5-20 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विलेखनं ० 4939/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी मेडचल ।

एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहामक आयगर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॉज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

ंप्ररूप **नाइ<sup>°</sup>. टी. ए**न. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 26∪-६ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
सर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 20 जुलाई 1984

निदेश सं० श्रार० ए० मी० नं० 341/84-85—-श्रतः मुझे. एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं दुकान है, जो मंगारड्डी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय संगारेड्डी में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिता श्रिष्ठकारी के कार्यालय संगारेड्डी में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठितम्म 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक नयम्बर83 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके इश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया म्या प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेंश्य से उध्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) जॅतरण ते हुई किसी भाग की शानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दामिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ए.मी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जन्ता किए था, जिल्लाने या मुनिया के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती आर० तुलजा, बाइ पित श्रार० बाबूराव, 4-1-352/बी०, हैंदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती **थी**० राजू, बाइ पति, सत्यनारायणा,  $9-185/\overline{a}/2$ , संगारेष्ट्री, मेढक जिला,

(धन्सरिती)

**को यह स्वना जारी करके प्**र्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हुं।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी त्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तार्राख़ से 45 दिन के भीतर उकत स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्हाक्षरी के . पास लिखित में जिल्ला सर्वातं।

स्थव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित हो, वही अर्थ हांगा जो उस शब्धाय में दिया गया है।

#### जनसूची

दुकान नं० 7-33/1, संगारेड्डी, मेढक जिला, विस्तीर्ण, 114, चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3922/83 रजिस्ट्री-कर्ना प्रधिकारी संगारेड्डी।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी गहाप रुआ**भकर** आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

माहर 🖫

प्ररूपः बार्दः टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दैवराबाद, दिनांक 10 ज्**लाई** 1984

निवेश सं० श्रार० ए० सी० नं०342/84-85---श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृत्य. 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० दुकान है, तथा जो संगारेड्डी में विवत है (ग्रौर इससे उपावत ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय संगारेडी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उनके रहयमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

- श्रीमती आर० तुलजा बाइ पति भार० याबूराव,
   4-1-352/बि, हैवराबाद
   (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बि० क्वांष्णा घेनी, पति बि० प्रभू, 1-32, पेव्दापूर, संवाशियपेट, मेंद्रक जिला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्स अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यी

ृकान नं० 7-33/5, संगारेड्डी, मेंद्रक जिला विस्तीर्ण 114, चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख,नं० 3898/83, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी संगारेड्डी ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

मतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित् :---33---186 GI84

दिनांक 10-7-1984 मोहर : प्रकर्ण नाइ ैं. इन्. एस्. - = = - --अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमृता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निवेश सं० श्रार० ए० सी० 343/84-85--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25.000/-रु. से अधिक है और जिसकी संब दुकान है, जो संगारेड्डी में स्थित है (ग्रीर

आराजमका स० दुकान ह, जा सगारहा म स्थित है (ब्रीर् इससे उपावद्ध अनुसूची में ब्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्री-कर्ता ब्रिधिकारी के कार्यालय संगारेड्डी में रिजिस्ट्रीकरण ब्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ब्रिधीन दिनांक नवस्ब 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उणित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके रहथमान प्रतिफल हे, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उस्त अन्तरण निम्नलिखित अन्तरण निम्नलिखित अन्तरण निम्नलिखित अन्तरण निम्नलिखित निम्नलिखित अन्तरण निम्नलिखित अन्त

- (क) जन्तरण से हुई किसी कर की बाबत, उक्त मुधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का किया कार्यका कार्यका अधिनियम , 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था , छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) लो सधीन, निक्सीलखित व्यक्तियों, अधीत् ः—  श्रीमती श्रार० तुलजा बाई पित श्रार० बाबूराव 4-1-353/ बि० हैक्फादाद।

(भ्रन्तरक)

 मोहम्मद कुतुबुद्दीन, पिता मोइनुद्दीन, 11-65/ई, संगारेड्डी, मेंदक जिला ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत विदयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इय मुख्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और बदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में प्रिशाबित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्सूची

दुकान नं० 7-33/4. संगारेड्डी, विस्तीर्ण 114 **चौ०** फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3926/83, रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी संगारेड्डी ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक 10-7-1984

प्ररूप **भाइ<sup>1</sup>.टी. एन .५स**्न--------

नायकर क्षिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकाडु

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 344/84-85—ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- स्त. सं अभिक हैं

भौर जिसकी सं घर है, तया जो लिगो मी गूडा, रंगा रेड्डी जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर 83

को पूर्वे वित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करें का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उव्योद्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की वावत , सक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्र---

- मेंसर्स एच० पोट्री, ग्रांर केंटल फीडस,
   बाइ श्री कमलुद्दीन रजनी,
   फ्लैंट नं० 128, करीमाबाद, कालोनी,
   चिराग भ्राली लेन, हैदराबाद।
   (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भार० लिंगया और अन्य 18-52, कमलानगर, दीलसूखनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **मन्स्**ची

घर नं० 1-77/4, श्रीर 3, लिगोजीगूडा, रंगारेड्डी, जिला, विस्तोर्ण 2072, चौ० गज, रजिस्ट्रवेकर्ता श्रधिकारी, हैवराबाद ईस्ट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7232, श्रीर 7231/83

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनोक: 10-7-84

मोहर 🕆

## प्रथम् बाह्रे. टी. एन , एस : ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) से नचीन् सूचना

#### सारत सहस्रह

भार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निर्दीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 345/84-85--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

सावकर निर्मानसम्, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त निर्मानसम्' कहा गया है), की भारा 269- क ने अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- इ. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो वाडापल्ली, मीरीयालगुडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मीरीयालगुडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नयम्बर 83

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत्त निम्नसितित उद्योग से उन्त बन्तरण निम्बत में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त सिप-नियम को नधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के मिए; बार्ड/बा
- (वा) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य जास्तिकों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाशमार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के विश्:

बतः बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—  के० लल्मी मल्द्धलम्मा भौर भ्रन्य वडापल्ली, मोरीयालगुडा, जिला।

(ग्रन्तरक)

 रासी सीमेंट लि० घर नं० 1-10-125, मामोक नगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उनत सम्परित के क्वान के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:----

- (क)) इस सूचना के श्राचपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तासील से 30 दिन की जबिंध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपृत्ति में हित विकास किसी जन्म व्यक्तित इवास अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकती।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया भवा ही।

#### ननसूची

भू । वस्तीर्ण 6-26, एकर, वडापल्ली, मीरीयालगुडा, रिजिस्ट्रीकृत। विलेख नं ० 564/84, 4154/83, 4153, 4368, 4340. 4341, 4275 4376, 4279/83, 4274/83, रिजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी मी वेयालगुडा।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो, तहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-7-1984

मोहर ह

प्ररूप आर्दः टी. एन . एस<sub>. .</sub> -------

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार जायकत (निर्धिक)
श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 346/84-85--यतः मुझे , एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो कट्टलमंडी हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्य से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवस्वर 1983

को पूर्विक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गूमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किस्तित में शस्तिकरूक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्रीमतो होरा बेन विठल दास,
 5-1-720, बान्क स्ट्रोट,
 हैदराबाद

(भन्तरक)

(2) इंटीमेट फ़ेंडस बान्क स्ट्रीट, हैवराबाव

(मन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारी सं 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रमुख्नी .

खुली जमीन, विस्तीर्ण 452 भौ० गज० घर नं० 5-4-786/1, कटटलमंडी, हैवराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5655/83, रजिस्ट्रीकर्ता प्रक्षिकारी हैवराबाद।

एम० जेयन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-7-1984

मोहर 🛭

प्रकृष बाही, दी . एन् . एवं . नामनावानानान

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक कायकार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 347/84-85--- ग्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कोहेड़ा, स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिकाम, 1908 (1908 का 16) के भ्रभीन नवम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मूण्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पल्क प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नितियों विद्यों में उपस्तियक क्ष्म से क्षित नहीं किया गया है उन्न

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नव, उनतं निभिनियमं की भारा 269-ण के अनुसरण वी, मी, हक्त अधिनियमं की भारा 269-ण की उपभाषा (1) की अधीन, निम्मनितित व्यक्तियों, अर्थात् ल्ल्ल (1) श्री के० लक्षम्मा भीर अन्य कोहेडा, रंगारेड्डी जीला ।

(भन्तरक)

(2) मैसर्स के० एम० एस० कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि० बाइ डारेक्टर गीरीण कुमार संधी, कोहेडा, रंगारेड्डी जीला ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्परित के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निकात में किए वा सकोंगे।

स्पक्टोक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वन्त्रवी

भूमि विस्तोर्ण 2 एकर, 22 गुंठे, कोहेडा, हैवराबाद इस्ट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7731, 7598, भौर 7512/83, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी हैवराबाद इस्ट।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरोक्षण) स्रजैन रेंज, दैदराबाद

तारीख: 10-7-1984

## प्रकृष बाइ . टी. एन . एत . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजव, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० मार०ए० सी०नं० 348/84-85-पतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० भूमि है, जो चीलकूर विलेज रंगारेड्डो जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्णस्प से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधिकारो के कार्यालय रंगारेड्डी जीला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई है और मुफे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंस-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) बंशरण से हुई किसी जाग की बाबस, उक्त वरिश्मियन के जभीन कर दोने के जंतरक के दामित्य में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; वरि/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैत्या के सिए;

वतः वतः जनत विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के कथीन् निम्मलिचित व्यक्तियों, वृशीत् व--- (1) श्री कांती भाई पटे ग्रौर ग्रन्य, 3-6-747/बि० हीमायतनगर. हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामकृष्णा चिल्ड्रनस ट्रस्ट बाई श्रीसी० रामा कृष्णा, 10-2-385/8, विजयनगर कालोनी, हैदराबाद ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविकत बुवारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किये का सर्कोंगे।

त्यस्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुर्य होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

#### जन्सूची

भूमि, एस०नं० 293, चीलक्रूर विलेज, रंगारेड्डी जीला, विस्तीर्ण 7-14 एकर, रजिस्ट्रोक्टत विलेख नं० 8497, 8496 श्रौर 8498/83, रजिस्ट्रोक्टर्ता अधिकारो रंगारेड्डी जिला।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) क्यर्जन रेंज, हैदराबाद

तारो**ख**: 10-7-1984

मोहर 🖺

## प्रकर् ् भार्यः ही.. एन्.. एस.. ५----

भायकर् अभिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुम्ता

#### भारत सुरकाट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० झार० ए० सी० नं० 349/84-85--यतः मुझे, एम० जैगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भिम है, जो मारोयालगूडा, स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूचों में भीर पूर्णक्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय मीरोयालगूडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हु—

- (क) जंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जभिनियम के ब्रुपीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जोंट्र/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, वर्षात् :-- (1) श्री टो॰ हानूमंतराव श्रोर ग्रन्य, घर तं० 9-1-मीरीयालगृडा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जैनी म्नादीनारायण गुप्ता मौर भ्रन्य, घरनं ० 26-27, मीरीयालगूडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

ल्बच्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अग्सूची

खुलो जमीन, मीरीयालगुडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4342, 4343, 4334, 4336, श्रीर 4335/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी मीरीयालगुडा।

> एम० जेगन मोहन सक्षमः प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

सारी**ख**: 10-7-1984

प्रस्प आर्ड. टी. एम. एस.------

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैक्सवाद

हैवराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० न्नार० ये० सी० न० 350/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25-000/- उ. से स्थिक है

श्रौर जिसकी संब फ्लैट है, जो नामपल्ली हैवराबाद में स्थित है (श्रौर इससे जपाबक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल कर पम्बद्ध प्रतिसत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

(1) मैसर्स काकतीया कन्स्ट्रकशनस प्रा० लि०, बाइ डारेक्टर श्री जी० श्रंजय्या, 5-4-435/8, नामपर्स्ली, स्टेशन रोड, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० वेंकटराव पिता एन० लक्ष्मीपती राव, 451, एल० श्राइ० जी० कालनी, रामचन्द्रापुरम, हैवराबाद

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी जानेष :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवि तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षेह्रस्ताकरी के पास निश्चित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्दों का, जो उसके अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अवसची

फ्लैट नं० 30, 5-4-435, नाम्पक्लो, स्टेशन रोड, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 5695/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहस सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

वारीख: 12-7-1984

## प्ररूप बाह्र', टी. एन्. एम्. .....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्वेश सं ० आ(र० ये ० सी० नं ० 35 1/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं विरहे, जो कूसाइगूडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से दर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मुलिचित उद्देश्य से उक्त मृत्तरण लिचित में वान्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् 📖

(1) श्रो एस० सोमालिंगम और अन्य,
 7-48, काप्र। विलेज,
 रंगारेड्डी जिला।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स कापरेस येलेक्टीकस प्रोडक्टस, बार्ड श्रो एस० शंकर राव, कूसाइसुडा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उकत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकिं व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ द्वागा. जो उस अध्याय में दिवा प्रया है।

#### अनुसूची

घर नं० 9-382/2, क्साइग्डा, हैदराबाद, रजिस्ट्रें(कृत विलेख नं० 8201, और 8452/83, रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-7-1984

त्रक्ष बाह्री, ट्री. एक्. एस :-------

नावकर निप्तिस्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्पीत स्वता

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराधाद

हैदराबाद,दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देशसं० आर०यो०सी०नं० 352/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत निधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर संप्रित, जिसका स्राचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० पलैट है, जो नामपरली' हैदराबाद में स्थित है (और इप्रसे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन नवस्बर 1983

की पृषेकित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करमें का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अन्तरितवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कार्यन से क्षा

- (क) अन्तर्भ वे हुई किवी नाय की वाधक, उन्हर विधानवस्थ के स्थीन कर वर्ष के अन्तरक की वादित्व के कामी करने या उन्हर्स क्वने के सुविधा के बिए; व्हीर/वा
- (व) एसी किसी आप या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकार विधिन्त्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तिरती द्वारा श्रुक्ट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, किया में सुविधा के निए;

नतः मस, उत्यतः अधिभियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्वां, अर्थात् :-- (1) मैं ससे काकतीया कन्स्ट्रक्शनस प्रा० लि० बाइ डाएरेक्टरजी० अंजय्या 5-4-435/8, नामपल्ली, स्टेशन 'रोड', हेवराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री के० सत्यनारायणा, 5-4-435/29, ग्रीन झाउस, नामपल्ली, स्टेगन रोड, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्चीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं० 29-5-4-435, नामस्ली, स्टेशन रोड, हैदरा-बाइ, विस्तीर्ण 410 चौ० फुट, रिजस्ट्री कृत विलेख मं० 5716/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **है**दरा**बाद**

तारीख: 12~7~1984

प्रकप् **मार्च**ः, दी<u>ः एतः, एस् .=-----</u> मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेशसं अभार । ए० सी० नं ० 353/84-85-- यतः मुझे, एस० जेगन मोहन,

मायकर अभिनियम्, 1961 (1961 কা 43) इसके परनात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स ने अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य \*25,-()00/- रत. से अधिक है

और जिसकी संख्या पर्लंट है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति की उचित गाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती '(अन्तरितियाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नीलीबत् उत्राप्य से उक्त अन्तरण लिखित् में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) क्लाइण से हुई किसी बाव की वावत , उक्त बर्धिनियम के ज्योन कर देने के बन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ने सिए; नरि/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करुतिरती वृज्यारा मकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिये था, कियाने में सुविधा नौ सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2:69-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) में सर्स काकतोय कन्स्ट्रभगम्स प्रा० लि० बाह डारेक्टरश्री जी० अंजय्या. 5-4-435/8, नामपल्ली स्टेशन रोड, हैदराबाद

(अन्तरकः)

(2) कु० एस० सौभाग्यवासी, पिताएस० आर० मोहन राव, 41, अंसवर रोड, बी०एच० इ०एल० कालोनी, तारबंड, सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के अर्थन के विज्ञा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 विनुकी अवधि, जो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकागे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रथुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### मन्स्यी

प्लैट नं० 19, घरनं० 5−4−435, विस्तीर्ण 32**8**, चौ० फुट० रजिस्ट्रीइत विलेखनं० 5694/83,रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखाः: 12-7-1984

मोहर 🥲

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई, 1984

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 354/84--85---यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो कट्टलमंडी, हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पुन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर धेने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमतो हो रा बेन विद्रश्रदास,
 5-1-720, बैंक स्ट्रीट,
 हैदराखाद

(अन्सरकः)

(2) श्रीमती हशताबाई आप्तीवाला, 1-1-530, मूझीराबाद, हैदाबाद

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्रोप ह—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अत्रिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थळकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकतः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विषयः गया हैं।

#### STATES

मेरोसन घर नं० 5-4-786/1, कट्टलमंडी, हैवराबाद, विस्तोर्ण 405, चौ० गज०, रजिस्ट्रीकृत विसेख नं० 5653/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैवराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आमकर आमुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निटिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

तारीख: 12-7-1984

## प्रकप नाइं :; दी : एन : , एस : ------

# जायकर अर्पुभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के वृभीष सुवृता

#### भारत चुड्कार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,बंगलूर बंगलूर,दिनांक 12जुलाई 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/793/83-84--यतः मुझे, आर० भारक्षाज

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं के म्युनिसिपल नं के 1796—1793/1507 है, तथा जो मारकेट रोड, चिकमंगलूर टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-11-83

को पृत्तिकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से विश्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रतिफल, निम्न्सिकत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिवक कप से कवित नहीं किया गया है :—

- (क) जनसरण से हुई किसी जान की बादत, जनस् जिप्तियम् के व्योग कर दोने के बंतरक के वागित्य में कमी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के जिए; जीर/वा
- (च) एसी किसी थाय या किसी थन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ज्तः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुतरण बें, बें, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षातु :--- (1) श्री श्रीनियास रोहि, एम० जी० रोष्ठ, चिकमंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वी० प्रेम, फोमेल हेलस वरकस, हिरेसगलूर, रेसिकेंट आफ मारकेट रोड. जिकसंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारी है से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पध्योकरण .— इसमाँ प्रयुक्त शब्दा और पदों का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1635/83ता० 18-11-83) सम्पत्ति है जिसकी सं० 1796-1793/1507, जो मारकेट रोड, चिकमंगलूर टाउन, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारी**ख**: 12--7--84

मोहरः

प्ररूप बार्ष. टी. एन्. एस. - - - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज,बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० मि० अ र० 62/792/83-84—यतः मुझे यतः मुझे देदिक भारगव

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का नारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकीं सं० 6 है, तथा जो आलटो पोरबोरिम सक ल बिरेज, बारकेज तालुक, इलहास, गोवा. में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 23-11-83

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एमे रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवित उच्चेश्य से उच्च कन्तरण सिवित में धास्तिवक रूप में किशन नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की वाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाये या किसी अने या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री अक्त श्रीघर बोन छले और (2) मिसस, अपरना अक्न बोन डले वासकोडामामा — गोवा

(अन्तरक)

(2) मेसर्स डामको बिल्डरस, रेप्रसेन्टेड बैंदो पारटनरस मगनलाल सदन, एस०वी० रोड, पनाजि, गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी निर्धि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नम्स्ची

(दस्तावेज मं० 929/83 ता० 23-11-83) नव तमान्ति है जिसका सं० 6, नोन एस० ''जारदिन'', जो आलटोपोखोरियम, सक्लाविलेज, बारडेंज तालुक, इसहास, गोवा, में स्थित है।

> इन्विरा भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक आंथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 6-7-84

मोहर 🄞

## प्रका बाही, दी. एत. एक .------

सायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जनरेंज,बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 जुलाई 1984.

निदेश सं० सी० आर० 62/791/83-84---यतः मुझे, इन्दिरा भागैना,

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के कथीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक है

और जिसकी सं० 484 है, तथा जो धोंना पावला, पणजी, गोंब, में स्थित है (और इस से उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसांक 1--11-1983

को प्रबंक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिख्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिरों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथिस नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण **ये हुई किसी जाय की बाबत, उक्त** जिम्हीनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जवने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एरेली किसी काम या किसी अन या कर्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनतः विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था किया में सुविधा के सिए;

शतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण भों, भों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभादा (1) के अधीन, निस्नितिषित व्यक्तियों, नर्थात है—- (1) मेसर्स पलमार बीच रेसनद ग्लेग्डेला, बिर्हेडिंग, 3 फ्लोर आरमुज रोड, पंजिस, गोवः

(अन्तरक)

(2) श्री सिवयो मिरियो फरटडो, नियर बिशापस वेल, सेंट इन्ज, पनिजम, गोंब

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास विकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उनस जीभीनयम के मुख्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं जर्थ हींगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## कामुकी.

(दस्त वेज सं० 915/83त ० 1-11-83)

सब सम्पत्ति है प्लाट नीन एस० सब प्लाट-ए आफ प्लाट बो आफ लाटस 'डि' उसका नापना 995 स्कोयर मीटरस,धोना, पावला, पनाजि, सोबा, में स्थित है।

> इन्विरा भागेवा सक्षम प्राधिकारी सक्षयक आक्ष्मर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 6-7-1984 मोहर: प्रस्थ बाइ . दी . एन . एम . -------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक कायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगसूर

बंगलूर, दिनांक 6 जुलाई 84

निर्देश सं० मी० श्रार-62/790/83-84--यतः मुझे इन्दिरा भारगवा

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 106, 107 है, तथा जो होखेनूर, श्ररकलेगोड़ तालूका, हासन डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नवस्वर 83 को

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अरकलगोड़ी में धारा 269ए बी, के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के सम्मूल/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्निकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुर्द किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1923 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, ग्रा धन-कर अधिनियम, १९५७ (1947 का १८) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट उट्टी किए। एया था या किया जाना चाहिए था. कियानी में स्विधा के निरा:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, नक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत जिल्लाकिक व्यक्तियों, अधित '----35 ---186GI/84 (1) श्री एस एस० बसवाराज मानेजर, सि० सी० जी० मि० एस० काफि, डिपोट, सोमंबार पैंट,

(अन्तरक)

(2) श्री वि० एम० तालाप्पा, प्लानटर, महदेश्वारा ज्लाक सोमबार पैट

(भ्रन्तरिती)

की वह तुचना धारी करके भूगोंक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्थवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के सभ्यन्ध भी कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से
  45 दिन की जनिभ या तत्संबंभी व्यक्तियाँ पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्चना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीष्ट से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मभोहस्ताक्षरी के गए निकास में किए जा सकोंगे।

ल्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किए-निवंश के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अमलची

(बस्तावेज सं० 768/83 दिनांक नवम्बर 83) सम्पति है जिसुका सर्वे नं० 106, 107 जो होडेन्र, ग्ररकलगुड तालुक, हासन डिस्टिक्ट ।

> (इन्दिरा भागेत्र) मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगल्र

सारीख: 6-7-84

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. - - -

**बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा** भारा 269-भ (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० श्रार०|62|789|83-84—यतः मुझे इन्दिरा भार्गव

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा पया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार जून्य 25,000/-स्त से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 71(235) है तथा जो विलेज सुरला श्राफ विचोलिम तालुक, सुरला ग्राम पंद्यायत, गोवा, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में शौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ग के कार्यालय विचोलिम गोवा रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नवस्वर 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एफ यह विश्वास वर्जने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण है लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उच्चा अन्तरण दिवित में यमनिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाइस, उन्नन अधिनियम के अभीत कर दोने के जन्तरक की दासित्व में कमी करने या जयसे उच्चने में मुक्तिभा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>7</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा ए किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अत: गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री बालचन्दा गनपत उमसर्वे रेसिडेंन्ट ग्राफ सुरला, विचीलम, गोवा ,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विरुष्टम् सलगावकर ग्रीर बदर पैर लिर सलगावकर हौस, वासकोडागामा. गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नम्स्ची

(दस्तावेज सं० 032/83 दिनांक 10-11-83) सम्पत्ति है नीत एस "गुःतमिल" पुराना सर्वे नं० 71 नया सर्वे नं० 235, जो गाव सुरला श्राफ बिचोलिम तालुका सुरला ग्राम पंजायत, गोवा, में स्थित है।

> इन्दिरा भागेत्र सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख :- 6-7-84 मोहर ⊭

### प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज बंगलूर

बगलूर, बदिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० आर०/62/40933/83-84—यतः मुझे भ्रार० भारध्वाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं 1623/6 है तथा जो नागप्पा ब्लाक श्रीरामपुरा में, स्थित बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्सि के कार्यालय श्री राम पुरम रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नबम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या नन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिपाने में सविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:—

- (1) श्रीमती रत्तन्मा
  - (2) श्रीमती क्कमिनि वाव
  - (3) श्रीमती वासन्ति लक्ष्मी
  - (4) श्रीमती सरास्वति राव
  - (5) श्रीमती नलिनि
  - (6) श्री वै सि० वी० राजन
  - (7) श्री वै सी सुब्बा राव

रेप्रसेंटेड वै मिसस रत्तनाम्मा नं० 1623/6,पार्क रोड नं० 1623/6, पार्क रोड़, नागाप्पा ब्लाक, श्रीरामपुरम,

बंगलूर -21

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चौडम्भा ग्रौर श्रीमती पश्मा, नं० 1623 6 बलाक, श्रीरामपुरम, बेंगलूर-21

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बतमची

(दस्तावेज नं० 2442/83 दिनांक नबम्बर 83) सम्पत्ति है जिसका सं० 1623/6, जो नागप्पा ब्लाक, श्रीरामपुरम, बेंगलूर में स्थित है?

रा० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर,

दिनांक : 12-7-84

### प्रकप भार्षः टी. एन. एस.-----

## लायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, बंगलीर

बंगलोर, दिनांक 12 जुलाई 84 निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/40974/83-84---अतः, मुझे, आर भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 6 है, तथा जो-I आर-ब्लाक राजाजिनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-11-83 को

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ख्यमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रोगशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्द्ररण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्स अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरणं संहुद्दं िकसी आयं की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए.

अतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिस्त स्थितिस्यों, अवित्  $g_{\rm corr}$ 

(1) श्री आर एस केशवन, नं० 11, परमाहन्सा रोड़, यादवागिरि, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्री हेच एन ध्याराकानाम,
दूर्सट ग्रौर रेप्रसेंटिग:मैसर्स ध्यारकान्त अनन्ताराम ऍन्टरप्रैसस, 257
VIII मैन रोड़, सवाणिवानणर,
बंगलोर-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध के कोई भा आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का., जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अनुसूची**

(दस्तावेज मं० 3369/83 ता० 17 - 11 - 84) सब सम्पति है जिसका सं० 6 जो I-आर-ज्लाक, राजाजी नगर, क्षेंगलूर-10 में स्थित है ।

आर भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलोर,

तारीख :- 12-7-84

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निद्धीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 12 जुलाई 1985

निवेश सं० सी० म्रार० 62/40951/83-84--यतः मुझे, म्रार० भारताज,

बायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 527/1, ग्रार० एस० नं० 961/1, हैं, तथा जो असावर, बोर्ड ग्राफ ग्रसावर, मंगलूर तालुक, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908, का 16) के ग्रधीन दिनांक 25-11-83

का पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बात्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आग की गावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मां कमी करने या उससे बचने मां सुविधा के लिए और/या
- (ण) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः अत्र उन्त अधिनियम की धारा 269-ए के लनूसरण में, भी, कक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात्:---

- (1) मिसस मिन्ना धवरियो,
  - न०, 11, हुयिन्स रोड़, कुक
  - (2) मिसस लिल्लियन हिंसीजा, टीन बंगलोर,
  - (3) मिसस सिलविया लोबो,
  - (4) बीट्रैंस भ्रवरियो,
  - (5) दरोत्ति श्रलबृक्यारक, होसै बाजार,

मंगलूर

(म्रन्तरक)

- (2) श्री नरासा लिन्गा शोट्टि,
  - (2) श्री प्रभाकर एन मोट्टि
  - (3) श्री गजानाना, शशि निवास, कामवाडि, शोद्धि, कुरयाला विलेज, ग्राफ बंन्टलाल तालक,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवारिहयां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकार्रेकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पूर्वों का, को उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसर्ची

(दस्तावेज सं॰ 1205/83 ता॰ 25-11-83)

सम्पत्ति है जिसका सं० टि० एस० 527/1, भ्रार० एस 961/1, जो भ्रत्तावर, बोर्ड भ्राफ भ्रतीवर, मंगलूर तालुक, में स्थित है।

आर० भारद्वाज) सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (मिरीक्षण) घर्जन रेंज, बंगलोर

दिनांक :- 12-7-84 मोहर ७

## प्रकल काहाँ, टी. एन. एस. -----

नायकर भी भी नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) - ग्रर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० श्रार० 62/40988/83-84— यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 28/2, 28/3, 28/4, 28/5, 28/7 है, तथा जो कुम्बरगोड़ विलेज, केंन्गेरि, बंगलोर-60 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगल्र में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-11-83

को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बौद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिनित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल  मेसर्स, जी० वर्द्धन प्राइवेट लिमिटेड, नं० 306, श्रक्त येमबरस, टार्डियो रोड, बंबई-34

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स एमल प्रोजेक्टस प्राइवेट लिमिटेड, नं० 33 ए, चौरंगि रोड़, कलकता-71

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुज्ञी

. (वस्तावेज सं० 5905/83 ता० 26-11-83)

सम्पत्ति है जिसका सं० सर्वे नं० 28/2, 28/3, 28/4 28/5, 28/7, जो कुम्बरगोड़, गांव केंन्गेरि, बंगलोर-60 में स्थित है ।

ग्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलोर

विनोक : 12-7-84

## प्रकप बाइ . टी. एन : एस . -----

श्रायकं र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, बंगलीर

बंगलोर, दिनांक 12जुलाई 84

निदेश सं० सी० म्रार० 62/40970/83-84—यतः मृक्षे, श्रार० भारत्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिता, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 4 है, तथा जो 3 कास, बी- स्ट्रीट, जया भारतिनगर, बंगलोर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शिवाजिनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-11-83 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितिफल, निम्निलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में अम्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की नामत, तक्त निधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने वा जलमे वक्ते में मुनिधा क सिए: बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन यां अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात्:--

- (1) (1) श्री एस० रामस्या 84, जीवनाहरिल, काक्स टीन बेंगलोर-5
- (2) श्री सी० एन० रामास्वामी, 17/1, विवेकार्नन्दा नगर टी० कास, वंगलोर

(अन्तरिती)

- (2) (1) श्री मोहन पाल वरगीस,
- (2) उषा मोहन वरगीस,
  5 सेन्द्रल श्रवसरवेटरि क्वाटसर,
  प्यालेस रोड़,
  बंगलोर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्क्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगस्ची

(बस्तावेज सं० 2176/83 ता० 22-11-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 4 जो III कास, बि० स्ट्रीट जयाभारति नगर, बंगलोर, में स्थित है ।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलोर,

दिनांक : 12-7-84

मोहर ।

## प्रस्प बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश स० सी० श्रार०62/40946/83/84—यतः मुक्ते, श्रार०भारताज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 27/1 सी नया सं० 27/11 हैं, तथा जो मराटे रनोजि राव लेन, कलासिपाल्याम, बंगलोर-2 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय बसवन-गुंडि में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम दिनांक 28-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्यमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है कि मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कुण से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक में दायित्व मों कमी कारने या उससे बचने में शृविधा के लिए; बार/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या क्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वाण प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, जिपाने में स्विधा के लिए,

जतः अव, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के जनुसरण भाँ, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियाँ, जर्मात् ६--- (1) श्री हैय बि० ग्रवदुल्ला नं० 21/12, श्रालबर्ट विकटर रोड, बंगलोर सीटि

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती परहातुन्निसा,
 27/11, रानाजि राव लेन,
 कल.सिप.लयम,
 बंगलोर~2

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वर्ग संची

(दस्तावेज स॰ 3400/83 त(॰ 28-11-83)

सम्पत्ति है जिसका स० 27/1-सी०, नया सं० 27/11 जो मराटे रानाजि राव लेन, कलासिपाल्यम, बंगलोर-2 में स्थित है ।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलोर

विनांक : 12-7-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

वायकर∗विभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्स (निरोक्षण) श्रर्जेम रेंज. बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 12 जुलाई 84

निवेश सं० सी० ग्रार०/62/40949/83-84-यत: मुझे, श्रार० भारद्वाज,

अस्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/-रत. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भ्रार० एस नं० 222- ए1ए1, 22-4 ए है, तथा जो काडिवलबैल गांव बिजय वार्ड, मंगलर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क धन्सूची में धीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, में मंगलर सीटि में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 29-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गईं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक म्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की <u>क्रायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा</u> के लिए; और/या
- (क्) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अपन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज∾ नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्टिपाने में सुविधा के लिए:

को क्षधीन्, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षास् इ

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) (1) कुमारी भरून ब्लासम बीन कौनटिन्हो, मिजय, काबुर रोड, मंगलोर-4

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती माया उनगर, बिजय, चार्च रोड, षंगलोर-4

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप हिल्ल

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति दवाराः
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कसे 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जासकों गे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शस्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(दस्ताबेज सं० 1226/83 ता० 29-11-83)

सम्पति है जिसका श्रार एस नं० 22-2 ए1 ए 1, जो 22-4ए, कोडियलबैस विलेज, बिजय, वार्ड, मंगलूर में स्थित है।

> श्रार भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बंगल्र

**धिनांक**: 12-7-84

मोह'र 🖫

प्ररूप आहर टी. एन्. एस ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के सभीन सूचना

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० मी० श्रार०/62/40943/83-84---यतः मुझे श्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 8(33) है, तथा जो II कास, I स्टेज ग्रोकलिपुरम, बंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता, ग्रिधकारी के कार्यालय श्रीरामपुरम में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1909 (1908 का 16) के ग्रिशीन दिनांक नवस्वर 1983

1909 (1908 का 16) के अशीन दिनांक नवस्वर 1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीज एसे बन्तरण के मिए तय गया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेंस्य से स्वत जंतरण सिचित में बास्सविक रूप से स्वित नहीं किया गया इर्ति करने स्व

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबर, धनर अभिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था, जियाने में सर्विया के लिए;

्रतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ के अनुकरण में, में स्वतः अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निक्कितिवाद व्यक्तियों, कर्यात् हरू- (1) श्री डी॰ सीनप्पा, न॰ 8, II कास, I स्टेंज, श्रोकलिपुरम, बंगलूर

(अन्तरक)

- (2) श्री डी॰ नारायनाच्या,
  - (2) जयाम्मा,
  - (3) एन० हतुमनया कुमार,
  - (4) एन० मशोक, मं० 43, H कास, म्रोकालीपुरम,

बंगलूर,

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूच्या चारी बहुरके प्रवेश्त सम्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त काविताओं में से किसी क्यीवत बुकारा;
- (क) इस सूच्या के रावपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी बन्द स्थावर स्थारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा स्केंगे।

स्थळीकरण: ----इसमें प्रयुक्त स्थ्यों श्रीट पूर्वों का, वो उस्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिशामित हैं, वहीं अर्थ होने को उस अध्याय में दिया नृजा हैं।

#### नग्रापी

(वस्तावेज सं० 2354/83 ता० नबम्बर 83,) सम्पत्ति है जिसका नया नं० 8, पुरामा नं० 33, जो II क्रास, 1 स्टेज, ग्रोकलिपुरम, बंगलूर, में स्थित है।

> न्नार**० मारद्वा**ज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगलूर

दिमांक : 12-7<del>-8</del>4

मोहर 🛭

प्रकम बाह्य टी : एव् , एव् ,------

जायकर जिमित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्थाना

#### भारतः सरकात

कार्यासय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्योक्षण) अर्जम रेज, अंगलूर

बंगलू विनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० **थार०** 62/40918/83-84--यतः मुझे, आर० भारद्वाज

नायकर निर्मित्यमं, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परकात् 'उन्त निर्मित्यमं' कहा गया हुँ), की भारा 269-च के निर्मित संभग प्राधिकारी की, यह निरम्भ करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित नायार मृस्य 25,000/- रा. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० 948 हैं, तथा जो हैय, ए० एच० II स्टेंज इंदिरानगर, बंगलूर में स्थित है (भ्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि कारी के आर्यालय शिवाजिनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908) 1908 का 16) के अधीन दिनोक 9 नवम्बर 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बीचत बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के बन्तह प्रतिशत से बिधक है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बस्तिबक रूप से किशत नहीं किया ववा है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उत्तके वचने में सुविधा के लिए, बाह्न/बा
- (क) एंसी किसी अंध का द्वैज्ञती अने वा अन्य आस्तिकों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम वा अन कर अधिनियम वा अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय असीरती वृंगीय प्रकट नहीं किया गमा भा मा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुनिधा के लिए;

जतः श्व, उत्तत शीधीनयम की धारा 269-प के अनुसरण में, भी, उत्तत् शीधीनयम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, वर्धात् झें— (1) श्री जै० शि० गोपिनास, ग० 238/1, V मैन रोड, गामारापैट बंगलूर-18

(अन्तरक)

(2) श्री नल्लारि, सुकुमार रेड्डी
नं. 554, IX-ए-मैन,
1 स्टेंज, इंदिरानगर,
बंगलूर 38

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्परित के ब्र्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अनिधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचन की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास लिखिस में किए जा संकेंगे।

स्यक्षित्राः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनके अभिनियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया चना है।

#### नम्त्यी

(बस्ता सं॰ 2042/83 ता॰ 9-11-83)

सम्पत्ति है जिसका सं० 948, जो एन० ए० एल II स्टेंज, इंदिरानगर, बंगलोर, भें स्थित है ।

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आबुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

**दिनां**क : 12-7-84

## प्रचल बाह्रीहु होतु हुन् हुन् प्रचान ------

भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन सुचना

#### BITTO STAIRS

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निर**ॉक्सक**) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० **छा**र०62/40896/83-84---यतः मुझें खार० भारदाज

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रि. से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं० 115/ए हैं, तथा जो मुदिनदमबूर विलेज उडूपि तालुक, दक्षिण कन्नडां भें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची भें ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है ), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1998 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि वशापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्य, असके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिकत का पल्छ प्रतिसत से विश्वक है बीर बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक से तिए तब पाना गया प्रतिक सन् विश्वामित उद्देश से उच्च बंतरण सिचित में बास्तिक सन्द ने कवित नहीं किया पना है है—

- (क) क्लारन वे हुइ किसी नाम की बायत क्या वाचि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सृतिभा के तिए और/वा
- (क) होती किसी नाम ना किसी पर ना सन्य आस्तियों की, विन्हीं भारतीय आक्कार समितियम, 1922 (1922 का 11) ना उनत न्यितियम, शा धन- कर निर्मित्यम, शा धन- कर निर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किना गुना था किया जाना चाहिए था, क्रियान में तृतिया से किए;

अतः अब, उक्त विधित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती फै॰ शारदा, डाटर जाफ किडिपूर जस्तु पुजारि, जम्हागिरि जाफ उडुपि टौन, पोस्ट उडुपि (अन्तरक)
- (2) एम० राधाकुरुण बोरकर सीम्पन, ब्रम्हागिरि आफ उद्युपि टौन, पोस्ट उद्युपि,

(अन्त रिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

(दस्तावेज र्सं० 131/83 ता० 10-11-83) सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 11/5ए, जो मुदनिवसबूर, विलेज उद्दुपि तालक+ दक्षिण कन्नादा, में स्थित है

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, बंगलूर

तारी**क** :- 12-7-84

मोहर 🕾

## प्रकार **वाद<sup>्</sup>्टी <u>. ए</u>न्. एन**्। बनन्तराज्यसम्बद्धाः

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन क्वना

#### नारत तरकार

कार्यौलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 84

निर्देश सं० सी० आर०/62/40954/83-84--मतः मुझे, भार० भारक्षाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० शार० एस 58-3ए1बी, हैं, तथा जो बोलूर गांव II बिज वार्ड, मंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावस अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर सीटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियस के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायिल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अस्य जास्तियीं की जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियज, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती लोरना फरनानिस
  - (2) बलावसिचम पिटर ंक्यूडो, ज्यूरनानडिस,
  - (3) फानसिस स्कावियर जोसफ फरनानिहस,
  - (4) श्रीमती बीटा मन्ने पैस
  - (5) श्री जोदाक मारक आलबर्ट फरनानिबस् नं० (2) से (5) रेप्रसेम्टेड बाय (1), हिलडेल बिल्ला, लेडि हिल मंगलूर,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऐवि जे० श्रार० सेक्चैरा, लान्ग लेन,

**ऊखा, मंगलू**र-6

(2) लियोनल्ला सेन्बेरा, नियर मारिगुडि, ऊखा, मंगलूर-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्थित्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थित्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृद्याय अधोहस्ताक्षरी के पास सिविद्य में किए जा सकने।

स्वक्यीकर्णः --इसमें प्रयुक्त सम्बं और पदाँका, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया ही।

#### वरस्यो

(दस्तावेज सं० 1148/83 ता० 18-11-83) सम्पत्ति है जिसका नं० 58-3ए-1बी, जो बोलूर विलेज II बिजी बार्ड, मंगलूर में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राक्षिकारी सहाक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारी**ष** : 12−7−84

प्ररूप शाह<sup>र</sup>्टी. एन*ः ऐंश्व*ा ----<u>---</u>

नायकर निभिनिसस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्था

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० **भा**र० न० 62/42165/83-84--यत: मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसुमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 7 हैं, तथा जो 1 स्टेज, कोरामंगला में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 नवम्बर 1983 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेदय से उक्त अन्तरण सिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बस्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उत्तर जीधीनयन के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में भूविधा के निष्: जीर/मा
- (क) एंसी किसी बाब या किसी बन या बन्ध वास्तियां की जिम्हें भारतीय जायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानी वाहिए था, स्थिन में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त आधीनसम् की धारा 269-म को, अनुसरण मी, जी, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तिविक स्वस्तियों अधीन, अधीन,

 जी कें अंगर० मीमन्ता, :2527, गुरू कुपा
 स्टेज, राजाजिनगर, अंगलूर -10

(भन्तरक)

(2) भी पी० के० जोसेफ ,
 9/2
 स्वाति रोड़ कास,
 शान्ति नगर,
 वंगलूर -27

(अन्तरिती)

को यह सूचना <u>जारी</u> कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपर्तित में हितबक्ष किसी अन्य अयक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

## बन्द्यों

(दस्तावेज सं० 5923/83 तां० 28-11-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 7 , जो I स्टेंज, कीरामंगला एक्सटेंग्शन, बेंगलूर, में स्थित है ।

> भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

, ला**रीय :** 12<del>-</del>7-84

मोडार अ

## क्ष मार् टी. एत. एव. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक नामकार नाम्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 84 निर्देण सं• सी० आर०62/40998/83-84--मतः मुझे, आर० भारदाज,

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- स्तु. से अधिक हैं

कौर जिसकी सं० 70, हैं, तथा जो निक्नारायण एयगार लेखोट, एम० एम० इंडस्ट्रियल एसटेट, VII ब्लाक, जयानगर, कनाकापुरा रोड़ बँगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बयानगर में रिजस्ट्रीकिरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन के 30—11—84 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृन्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे इंग्यमान प्रतिफल के पन्तह मीत्रात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यवस्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबता, उक्त जीधीनयंग के अभीत कर दोने के जन्तरक वाँ दासित्व में कमी करने वा उत्तसे क्यने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर विश्वित्यमः, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

नक्षः अस्त, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की, जनसरण मों, मों, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नभीम, निम्मलिकिस व्यक्तियों, वर्धात् :---  श्री एम० आर० राज्यागेपाल, नं० 378, 1 ब्लाक, प्रयानगर, बगलूर,

(बनारक)

(2) मैसर्स श्री कन्याका असोसियेटस, नं० 66, जुवेलरस स्ट्रीट, बंगलोर, रेप्रसेन्टेड बाये पार्टन्र : श्री जी० के० राजागोपाला गोट्टि

(अन्तरिती)

को सह स्थान चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम और रिचए कार्यवाहिया करता हो।

उन्त संपर्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी वासप :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवाँ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास सिवित में किए जा सकारी।

स्यव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों लाँर पर्वों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वृधि होंगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

#### नगुज्ञी

(वस्ताबेज फं॰ 3071/83 ता॰ 30-11-84)

सीं सम्पत्ति है जिसका सं० 70 जो निरूतारायण एँयागार लेखोट, एम० एम० इंडास्ट्रियल एसटेट्स, VII ज्लाक, जया-नगर, कमाकापुरा रोड, बंगलोर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलर

तारीख :-- 12-7-84

मोह्र्थः :-

प्रक्ष भाइ े टी. एन . एस .------

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म् (1) के अभीन सुचना

#### भारत संस्काड

कार्याल्य, सहायक सायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

संगलूर, विनांक 12 जुलाई 1984 निर्वेश सं० सी० आर० 62/4217/83-84--यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

वायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात 'उक्त निधीतयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर स्थ्यति, जिसका उजित वाजार मृस्य 25,000/- रा. से मधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 97 है, तथा जो I ब्लाक, कोरामंगला एक्सटेंन्मन, बंगलूर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर दक्षिण तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विववास करने का कारण है कि बचापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल विक्निलिस्त उद्देश्य ते उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है एक्न

- (क) अंबरण से हुए किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियन के अधीन कार योगे के अंबरक के वायित्व के कभी करने या उद्देश वचने में सुविधा के सिए; जरि/या
- (क) ऐसी किसी भाव या किसी धन वा जन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के सिए;

वतः शव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण वो, मी, उक्त विधिनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के विधीन, निम्मीकियस व्यक्तियों, अपीत् हुन्न  श्री ए० एम० जगनात, रेप्रसेन्टेड बै
 श्री ए० एस० गोपाल, 12/3, केमझिडज रोड, उदानि लेखौट, अलसुर, बंगलूर,

(अन्तरक)

(2) मिसस रीटा प्रकाश पी० ए० होल्डर श्री ए० पी० कुन्जू कुन्जु, 43/34, प्रोमेनाडे रोड, फेसर टीन, बंगलुर,

(जन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रीहवां गुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपव में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस क्षाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिबित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:----क्सजें प्रयुक्त बन्दों कीर पदों का, जो उक्त जीवनियम के अध्याय 20-क में वरिशावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उत अध्याय में विद्या गढा है।

#### वर्ग सची

(दस्तावेज सं० 5825/83 हा॰ 24-11-83)

. सम्पत्ति है जिसका सं० 97 जो I ब्लाक, कोरामंगला एक्सटेंग्शम, बंगलूर, में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर,

विमांक : 12-7-84

मोहर 🗄

प्ररूप बार्ष, टी. एम्. एस.----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सृचना -

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 84

निर्देण सं० सी० **भा**र० 62/42072/83-84—यत: मुझे, **अ**गर० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विदयस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 69/1 हैं, तथा जो गोहिंगेरे गांव , उत्तर हिलल होवलि, बंगलूर दक्षिण नालुक में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) 'रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय बंगलूर दक्षिण तालुक में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (198 का 16) के अधीन दिनांक 14-11-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उणित बाबार मृत्य से कम के क्रयसान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक कर से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अचने में समिधा के लिए: चौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाता खाहिए था, कियाने में मविधा शे लिए:

अतः श्रव, उक्त निभिनियम की भारा 269-त के अनस्थ में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती मुनियम्मा श्रीर कुछ लोग, गोहिगेरे गांव, अत्तरहलील होबलि, बंगलूर दक्षिण तालुक,

(अन्सरक)

(2) श्री जि० एन० जन्दा शेकर गौडा, सुदा फरम, कालेना, अग्रहारा, बेगुर होवलि, बंगलूर, दक्षिण तालक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र के प्रकाशन की तारीक्ष में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्ची

(दस्तावेज सं० 5654/83 ता० 14-11-83)

सम्पत्ति है जिसका सं० 69/1, जो गोहिंगे विलेज अर्धतरहिल होबलि, बंगलूर दक्षिण तालुक, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज पक्षम प्राधिकारी महायक अध्यक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बंगलूर

तारीख : 12-7-84

मोहर:

37-186 GI|84

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 84

निर्देण सं० सी० आर० नं० 40389/83-84---यतः मुक्को, आर० भारद्वाज,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० 1 श्रौर 2 है, तथा जो लाख भाग रोड़ बंगलूर में स्थित है रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्योत्त्य गाँधी नगर में (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 18-11-84

को पूबेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिविक रूप में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एमे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अस्ति असे किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) दि पीपल चारिष्टि फंनड, रिजिस्टरड आफिस एट नं० 97, डाक्टर आलगप्पा रोड़, मद्रास-84

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रागव रेडडी श्रौर असोसियेटस, रिजिस्टरड फम वे इटस पारटनर, श्री रागवा रेड्डी नं० 446, श्रार वि० एक्सटें-मन बंगलूर

(अन्त रितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्सावेज सं० 3174 /83 सा० 18-11-93)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 1 श्रीर 2 जो लाल भाग रोड़, बंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज ाक्षम बाधिनदी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख :- 12-7-8**4** 

प्रकृप बाह्न.टी.एन.एस...-------

जायकर जॉभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के सभीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, विनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ग्रार०62/42181/83-84--यतः मझ, ग्रार० भारताज,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

भीर जिसकी सं 132 हैं, तथा जो I ब्लाक, कौरामंगला एक्सटेन्यान, बंगलोर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), रिजस्ट्रीकरी श्रिधकारी के कार्यालय वंगलूर दक्षिण तालुक में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नबम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है यौर मुझे यह विश्वा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाजर माजार मूल्य उसके दृश्यमान श्रीतफल से, ऐने दश्यशान प्रतिफल का प्रतिक्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तर्भ (श्रन्तरकों) और अन्तरिन (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) मन्तरण एं हुई किसी याप की बाबत, उका बांछ-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
  - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरक्षी क्वारा प्रकट नहीं किया स्या या या किया भाना वाहिए था, क्रियाने में स्थिभ के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (ग्रन्तरक)

(2) रीटा प्रकाण 43/34, प्रोमेनाडे रोड़, फ्रेसर टौन, बंगलूर,

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

्उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध
  िकसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — ६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वनसर्ची

(दस्तावेज सं० 5669/83 ता० नवम्बर 83') सम्पत्ति है जिसका सं० 132, जो I ब्लाक, कोरामंगला एक्सटेन्शन, बंगलूर, में स्थित है ।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगसुर

तारीख : 12-7-84

प्रकम बार्च. टी, एन. एस.,-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के घषीन सूचना

### भारत संद्रकार

# कार्यास्य, सङ्ख्यक आयकार नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर,

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 84

निर्देस सं० सी० ग्रार०62/40940/83-84---यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूच्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 हैं, तथा जो 4 क्रास नागणा स्द्वीट शशादिपुरम, बंगलोर-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्द्रीकर्ता श्रतिकारों के कार्यालय गांधिनगर में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-11-84

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बावन उक्त बाँध-नियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; बाँद/वा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नारितयों को जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा ने सिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियके, अधीत्:--- (1) डाक्टर (मिसस) भुवानेक्वारि, तंम्बर 92, मोडल, हट्रस स्ट्रीट, बंगलूर

(ग्रन्तरक)

(2) मैसस वासन्ति, नं० 3/113/ए, 19 क्रास, ॥ मैन, के श्रार० रोड़, बनाणंकरि II स्टेज, बंगलोर-70

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्भीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। यही वर्ष होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया है।

### जनुसूची

(वस्तावेज सं० 2395/83 ता० 24-11-84 सम्पत्ति हैं जिसका सं० 9, जो 4 कास, नागप्पा स्थित शेशाब्रिपुरम, बंगलूर-20 (डिवीजन VII), में स्थित है।

श्रार भारद्वाज सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

प्रकृष भाषी, टी. एन. एस. ----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के नेधीन सूचना

### भारत चडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 84

निर्धेश सं० सी० श्रार० नं० 62/40972/83-84--- यतः मृक्षे श्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 1147 हैं, तथा जो एच ए० एल० स्टेज, बंगलूर में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय शिवाजिनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 18-11-83 को

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कर्मित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरुक् से हुन्द किसी बाव की वाव्यु, उत्तर अभिनित्युक के स्थीन कर दोने के अन्तरुक के शिवल्य में कमी कर्ने या उद्दे व्यने में सुविधा के लिए; स्टि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा अधिनिए।

नतः नव उन्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को नधीन, निम्नुलिखिक स्थनितयों, नथीन् ॥—— (1) श्री गोविन्द चनामस जगलयानि, नं० 40, डाक्टर कोस्टा फेंग्रीट, कूक टौन, कंगलूर, (अन्तरक)

(2) के० वि० रामना रेड्डि,
 नम्बर 1,
 रेस्ट हौस रोड,
 बठगलोर ,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्प :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ण) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यवा हैं।

## बगुसूची

(दस्तावेज सं० 2139/83 ता० 18-11-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 1147, जो एच० ए० एल० II स्टेज, बंगलूर में स्थित है ।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगसूर

'तारीख :- 12-7-84 मोहर : \_\_\_\_

प्रस्यः नाइं, टी. एन्, एस्, -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सधीन सुमना

### भारत सुरकाटु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 84

निर्देश सठ० सी० म्रार० 62/4097/83-84—यतः मुसे, म्रार० भारताज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार जिसे जिसे नियम कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्षित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 203 है, तथा जो II स्टेंज, राजाजिनगर वेस्ट ग्राफ का इं रोड़, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाकद ग्रानुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय राजाजिनगर में राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ता० 25-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक, के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

 श्री एच० भासकर, नम्बर 1722/11,
 III मैन रोड , रामाचन्द्रापुरम, श्रीरामपुरम, बंगलूर

(ग्रन्तरक)

(2) मैसस के० एस० भाग्यालक्ष्मी, नम्बर 125 II स्टज, राजाजिनगर, वेस्ट ग्राफ कार्ड रोड, बंगलुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🦫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के ग्राथपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -----इसमें प्रयुक्त क्षज्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# ननस्यी

(वस्तावेज सं० 3493/83 ता० 25-11-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 303, जो ।। स्टेज, राजाजिनगर वेस्ट ब्राफ कार्ड रोड, बंगलूर में स्थित है ।

> म्रार भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारी**ख**:-- 12-7-84 मोहर:- प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 84

निदेण सं० सी० श्रार० $62/40948/83-84^{4}$ -यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्रत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 79 है तथा जो पहक गांव बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मंगलूर सीटी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित् बाजार मृस्य से कम के स्वमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया
प्रनिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित
में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आप की बाबस, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था टा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन . निम्निजि**क्त अधिनतयों. अर्थात** ह—

- (1) श्री एम० वि० कुमार, कुमार निवास, विवेकानंदा रोड, मंगलूर, –5 (अन्तरक)
- (2) मैसर्स वोशानि स्रोसमान, श्राश सदन, विवेकानंदा रोड, मंगलूर –5

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना अग्नरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परि-भाषित हीं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसर्ची

(दस्तावेज मं० 1127/83 ता० 30-11-83) सम्भत्ति है जिसका नं० 79 ग्रार० एस० 60-5 ए; (1), जो पदकु विलेज, बंगलूर, में स्थित है।

> ग्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख :- 12-7-84 मोहर :- प्ररूप नाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

ध्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/40953/83-84---ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि. स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० 1641-ए 1, टि० एस० नं० 632-ए 1 है, तथा जो कसाबा बाजार, विलेज, नं० 10, बंदर वार्ड, मंगलूर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मंगलूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रघीन दिनांक 18-11-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जुधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने वा उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिथाने में सिविशा के निय

अतः मन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ध में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- सिं हिन्डीकेट बैंक,
 मिनपाल, दक्षिण, कन्नाडा,

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री पर्यक्षानाभा कावा,
  - (2) श्री सन्तोष कुमार पि० कावा, श्री गणेश प्रसाद हौस, बजपे विलेज, मंगलुर ।

(ग्रन्तरिती)

का ग्रह भूकना कारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध मा काई भी काक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरें।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### समस्यो

(दस्तावेज सं० 1154/83 ता० 18-11-83)

सम्पत्ति है जिसकी सं० घार० एस० 1641-ए1, टी० एस० नं० 632-ए 1 है, जो कस्बा, बजार विलेज, नं० 10, बंदर वार्ड, मंगलूरमें स्थित है ।

प्रार० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्राय्कर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रैंज, बंगलूर

विनांक 12 ज्लाई, 1984 मोहर 🖔 प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्नेक्षण) धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगल्र, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० श्रार० 62/40961/83-84--श्रतः मुझे, मार० भारद्वाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित नाजार मुख्य 25,000/- रा. से **जीभक हैं** 

श्रीर जिसकी सं० 3385, प्रेसेंट नं० 3379/3448, 3379/ए/ 3448, 3379 वि/3448 (पूरानी सं० 1550०/6, 1550/7, 1550/8) है, तथा जो सन्तेपेट, ज्मकूर टाउन, तुमकुर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अन्सुची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तुमकुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके उपयमान प्रतिफल से एोसे उपयमान प्रतिफल का पन्त्रहंप्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के तिए; और/दा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए।

अस्तः अब, उक्त अभिनियम की धास 269-भ के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियाँ . अर्थात :---38-186GI/84

ा. श्री फखरहीन, खान, श्रीलयास बाबा माहेब, संतेपेट, तुमकुर ।

(भ्रन्तरक)

2. सैयद श्रहमद, नं० 3379, 3379/ए, 3379/बि, 3448, संन्तेपेट, तुमक्र ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 🕏 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए क सकेंगे।

स्पच्चीकरण:--इसमो प्रयुक्त राज्यों और पर्वो का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही बर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

## अनस्थी

(दम्नावेज सं० 4377/83, ता० नवम्बर, 1983)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 3385, प्रसेंट नं० 3379/3448, 3379/ए/3448/ 3379 बि/3448 (पूराना नं० 1550/6, 1550/7, 1550/8,), जो सन्तेपेट, तुमकूर टाउन, तूनकर में स्थित है।

> ग्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बेंगलर

दिनांक 12-7-1984 मोहर:

# प्रकृत वार्षे . टी . एन् . एवं . . . - - - - - - -

बारकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) में नभीन स्पना

## मारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेश सं० सी० मार० 62/40898/83-84—मतः मुझे भार० भारद्वाज,

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात उन्तर मधिनियम कहा ज्या हैं), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, चिसका उचित् वाचार मूक्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रार एस 343-2, टी एस नं 176-2 है, तथा जो कोडियल बैल, बिलेज, मंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रीकारी के कार्यालय मंगलूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण श्रीकियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीकी दिनांक 9-11-83 को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रमान श्रीतफत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि संभापबोंकर संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एक ध्रमान श्रीतफल का पंत्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उकत अन्तरण सिचित में बास्तिक कुप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वे हुई जिल्ली बाव की बावत, क्यल जिल्लीनम् के नधीन कर बने के बन्तरक के बाबित्व के कभी करने वा उन्ने ब्यूने में बृविधा के सिंह; बीड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ता अभिनियम, सा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण ओं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) ■ अधीन, निम्निखिल व्यक्तियों, अर्थात्ः——  श्री पी० चन्द्राशेकी राव, पिक्लक, श्रनालिस्ट ए-3-5, रेस-कोर्स कालोनी, मदुरी-2

(भन्तरक)

श्रीमती शनाज शमसुद्दीन,
 306, III, व्लोर, प्रश्वाया, ग्रपार्टमेंन्टस,
 करंगलपाडि, मंगलूर ।

(मन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए पुरादद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्त में किए या सकेंगे!

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उनक्ष अधिनयम, के अध्याय 20-क में पृरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

# नन्स्त्री

(वस्तावेज, सं० 1072/83, ता० 9-11-83)

सम्मति जिसका सं० टी० एस० 176-2, श्रार० एस० नं० 343-2, जो कोडियलबेल, विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> त्रार० भारद्वाज सक्षम श्रधिका**रीः** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 12 जुलाई, 1984 मोहर: प्रकम् जार्<u>ष</u>ः दौ<sub>ः प्रनुः प्रस<u>्तान्त्रान्त</u></sub>

नायकद्भ निष्युत्तम्म, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के न्यीन स्थान

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर नायुक्त (निद्धीक्ष्)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० आर० श्रार-867/83-84/37ईई/—श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट डि॰ II, फ्लोर है, तथा जो 28/ए, स्थान्कि रोड, बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मृद्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सर्पारत का उवित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अम्प्रितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तथ पाया गया विकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) क्यारण से हुई किसी आय की बायत उक्त वृधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वृधिरच में कमी करने या सससे वचने में सृतिभा के सिए; बाँड/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रवेट नहीं किया भवा था या किया जाना चाहिए था कियाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) हो नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री गोपीचन्द राधाकृष्ण दास, 60, वेंकाट स्वामी रोड, (वेंस्ट) आर० एस० पुरम कोयम्बानूर

(भ्रन्सरक)

(2) मिस सीताबाई रामचन्द्र, 60, वैंकाट स्वामी रोड, (वेस्ट) बार० एस० पुरम, कोयम्बानूर

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोहूँ भी वाक्षेप 🖫 🗝

- (क) इस स्वना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन् की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 विन की अविभ, को भी अविभ बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सम्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य स्थावत वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्यी

(वस्तावज सं० 703/83 ता० 15-11-1983) सम्पत्ति है जिसका नं० प्लाट डी,  $\Pi$ , फ्लोर, जो गलफलिक श्रपार्टमेन्टस, 28/ए, स्थान्कि रोड, बंगलुर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 12 जुलाई 1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अंगलूर

बंगल्र, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० सी०ब्रार०नं० 62/ब्रार-857/83-84/37ईई/— यतः मुझे स्रार०भारद्वाज

भायंकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट 10 है, तथा जो द्रवेस्सा डी० कामेरियो, पनिज, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पनिज में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 10-11-1983

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उन्तर बाधिनियम के अभीन भार बोने के बन्तरक के बायित्य बों कमी करने या अनुसंस्थाने में सुविधा के सिए; बीर/शा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :——

- 1. (1) डाक्टर कटनो फास्सिसको डी० सौजा,
  - (2) वेश्वारितनो लुइस डिसौजा ग्रौर उनके पान्नी मरिया इना कोसटा, श्रजरेडो इ० सौसा।
  - (3) डाक्टर भ्रन्टोनियो बसिटियो डी॰ सौजा श्रौर
  - (4) जोसे स्कावियर डिसौजा श्रौर उनके पक्षीय लिगिया मरय्या मिने, डिसौजा, पनजि, गोवा। (श्रन्तरक)
- उल्हास नारायन पेटकर, सिविल कन्स्ट्राक्टर, सेंट इनेज, पनजिम, गोवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पृथाँकत सम्मृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उन्त सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्र्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जुन्धि बाद में सुनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

प्यापित रण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कः में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### गमस्था

(दस्तावेज सं० 695/83 ता० 10-11-83)

सम्पत्ति है जिसका ज्लाट नं 1 (प्रेडियल नं 205) नोन एस (कासा जोयो डिडियुस" एट ट्रावेस्सा डिकमेरियो, पनजि, गोवा में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 12-7-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

कायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क् (1) के अभीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/ग्रार-840/37ईई/83-84— ग्रतः मुझे ग्रार० भार**त**ांज

कायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० डी है, तथा जो 9 फ्लोर, स्थानिक रोड, बेंग्लूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बंग्लूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के इश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के निए स्य पाया गया प्रिन-कन निम्नीनिचित उद्वेष्य से उक्त मंतरण लिखित में बास्तिक क्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क्क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबल, उक्त विधिन्यम के अभीन कार घेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; अर्रि/वा
- (ण) एसी किसी बाब वा किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में स्विधा सै बिए;

अतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—  वियज बबूतमल सन्ग्रावि, मसर्स पी०टी० सी० सन्गवि, कंपनी, 110, शिवाजीनगर, पूना

(ग्रन्तरक)

 श्री विश्वेश्वरेय्या, एरन श्रीर स्टील लि०, बद्वबत्ति, करनाटका, श्रांच, ग्राफिस एट: 208-209, दलामल टवर, नारिमल पाइन्ट, बम्बई~21

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

डक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वधि, वो भी स्वधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वार्;
- (प) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्शिव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा भया हैं।

## नन्स्ची

(दस्तावेज सं० 680/83, ता० 2-11-83) सम्पति है जिसका प्लाट नं० डी०, 9, फ्लोर, उसका नापा 1060 स्क्वायर फीट, विल्डिंग नोन एस "गलफलिन्क, श्रपार्ट-मेन्ट्स", जो स्थान्कि रोड, बंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 12-7-1984 **मोहर** ६ प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन नुचना

भारत सरकार

भाषां ल्या, सहायक आयकार आयुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० श्रार० 62/श्रार-869/37ईई/83-84---यत: मुझे श्रार० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से ओं क है

भौर जिसकी सं 157 है. तथा जो वीलर रोड, भौर नं 29, प्रोमेनाडे रोड, बेंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 15~11-1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के सरमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से, एसे दूरयमान प्रतिकल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किसीनयम के सधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए ता, जिपाने में सुविधा की लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है सधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों. अधीत् :---

- 1. (1) एन० तम्बू चेट्टि
  - (2) राज कुमार तमबू चेट्टि,
  - (3) मिस रन्जनि तम्बू, चेट्टि,157, वीलर रोड, बेंगलूर

(भ्रन्तरक)

2. मामाता एन्टरप्राइसेस, नं 3, क्विन्स रोड, बेंगलूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- '(क) इस स्वान के राजपत्र म प्रकाशन की तारीक्ष से
  45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
  लिक्षित में किए जा सकर्ष।

ह्मच्चीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में टिगा गया है।

### मनसभी

(दस्तावेज सं० 705/83, ता० 15-11-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 157, जो वीलर रोड, ग्रौर 29 प्रोमेस्नाडे, रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 12-7-1984

ज्ञकर नाहुँ, टी., पुन⊴ ⊈क्ष्य अञ्चल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के सुपीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्**क्षिण**) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1984 निदेश सं. सी० भार० 62/भार-587/37ईई/83-84--- भतः

मुझे प्रारं भारताज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'ज कर अधिनियम' कहा गया हैं), की पाछ 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् नावाह मूज्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 4 (303) है, तथा जो हे फ्लार, मिलने ≠यानशन, नं० 242 (नया नं० 303), [V मन,

मल्लेखारम, बंगलूर में स्थित हैं (ग्रीरइससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 26-11-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफ न के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक्ष कत्त्र निम्निसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण है लिए तय पावा गया प्रतिक्ष कर्म किस्मितियों के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक्ष कर्म किस्मितियों के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक्ष कर्म किस्मितियों के सीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिक्ष कर्म से किस्मित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आव की वायत, क्या अधिनियम के ज्थीन कर देने के जन्तरक कें बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (क) गण्डे िल्यो अस्य या किसी धन या जन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 असे 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्षे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, किया के सिस्धा के निग्दा

जतः जब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— श्री एन० कुमारास्वामि, ग्रीच 3 कुछ लोग,
नं० 6, चन्द्राभाग, एवेन्यू, मलापुर, मद्रास-4 श्रौर
(2) मसर्स इंजीनियर एस्टेट्स, प्रा० लि०
नोशिरवान, म्यानशन, III फ्लोर,

नोणिरवान, म्यानगन, III फ्लोर, हेनरी रोड, गोलाबा, बम्बई-39

(भ्रन्तरक)

2. एम० एस० रामाकृष्ण, 270, म, मन, वेस्ट श्राफ कार्ड रोड, II, स्टेज, बंगल्र-86

(ग्रन्तरिती)

का वह बुज्या जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के मूर्जन के निक् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों दूर स्वना की तानीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचिस व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थायर मृम्पत्ति में हितवबृष् किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

ह्यूक्तीकर्ण्ः — इसमें प्रधुकत कथा और पर्यो का, तो कथा -व्यापनियम, के मुख्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया पना हैं।

## जग्मू जी

(वस्तावेज ५० 707/83, ता० 25-11-83) सम्पत्ति है जिसका प्लाट नं० 4, I झ्लोर, मलिगे म्यानशन, नं० 242 (नया नं० 303), जो IV मन, मल्लेम्बारम, बेंगलूर में स्थित है।

> ध्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनौंक 12-7-1984 मोहर ∷ प्रकार शाही. टी. एत. एः . ----- --

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) व, बधीन स्वृता

### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक मायकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 23 जूर्न 1984

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/40942/83-84—यत: मुझे मंजू माधवन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1965 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका -उचित बाज़ार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 13, ग्राउन्ड फ्लोर है, तथा जो जयामलहल रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 21-11-83

की प्रशेषित संपत्ति के उणित नाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मृत्ति का उजित नाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अम्सरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पृतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से स्था अन्तरण सिकित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए, बीर/बा
- '(ब) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, ज़िन्ही भारतीय अध-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, भा 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना धाहिए था. छिपाने में स्विभा के लिए;

कृत: अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थामु:---  र्भा एस० पी० अलेक्सानडर, 13. जयामहल रोड, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

श्री पी० वी० वरगीस,
 (2) डाक्टर (मिसेस) ग्रन्नाम्मा वरगीस,
 38, नेताजी भुबाश मार्ग,
 दरियागंज, नयी दिल्ली

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पृथांत्रित सुन्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त तम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिंच बाद में सम्मण्य झोती हो, के मीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्थबित इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्याय अभोहस्ताक्षरी के पाछ निमान में किए जा सकोंगे।

स्पछिकिरणः — इसमें प्रयूक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनिक्स के अध्याय 20-क में प्रिशाबिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पता हैं।

# नन्त्रुत्ती

(दस्तावेजसं० 2367/83,दिनांक 21-11-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 13, जो जयामहल रोड, बंगलूर में स्थित है।

> मंजू माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलर

्तारीख 23-6-1984<sub>.</sub> मो**ह**र ३ प्ररूप आर्ड. टी एन. एस. -----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 27 जून 1984

निर्वेश सं० सी० आर.०62/42168/83-84→—अत: मुझे, मंजू माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

जौर जिल्लको सं० प्लाट नं० 12 है, तथा जो प्रणान्त रेसिडेन्सीयल लेशाउट, बैंटफील्ड. बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर दक्षिण ताल्लुय, में रिजस्ट्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 24-11-83 को पूर्वेक्त सम्पति के उचित वाजार मुक् के कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिपत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धार्य से उचत अन्तरण निधित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सारण वाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ह—-

 श्री इ० बि० जे० कुन्हा, और 10 कुछ लोग. नं० 69, सेन्ट जान्स चार्ज रोड, बेंगलूर-5

(अन्तरक)

श्रो अनन्दा कस्तूरी,
 2992, एच० ए० एल० II स्टेज,
 बेंगलूर-38

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

#### नग्तुकी

(दस्तावेज, सं० 5838/83, दिनांक 24-11-83) सम्पत्ति है जिसका प्लाट नं० 12, जो प्रणान्त रेसिडेन्सियल लो-आउट, बेटफील्ड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनांक: 27-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

### भारत बरकार

कार्यां नव , सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 27 ज्न 1984

निर्देश सं० मी० आर० 62/42169/83-84--अतः मुझे मंज्र माधवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं क्लाट नं ा है, तथा जो प्रमान्त रेसिडेन्सियल ले-आउट, वैटफील्ड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर, दक्षिण ताल्लुक में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक 24-11-83 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उनत जिथिन नियम को जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे जजने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जय, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री इ० बि० जे० कुन्हा और 10 कुछ लोग, नं० 69, मेंट जान्स चार्च रोड, वेंगसूर।

(अन्तरके)

2. श्री के० वि० देवाराज, नं० 68/40, दोडडेय्या ले-आउट, अलसूर, बेंगलूण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही नर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### समस्यो

(दस्तावेज सं० 5836/83, तार्व 24-11-83) सम्पत्ति है जिसका प्लाट नं० 1, जो प्रणान्त रेसिडेन्सियल लेआउट, वैटफील्ड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधयन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. बेंगलुर

दिनांक: 27-6-1984

मोहर ध

प्रकार वाही, टी., इस., एक.,----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मभीन स्चना

### नारत शरकाह

कार्यासय, सहायक गायकर गायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

बेगलुर दिनांक 27जून 1984

निदेशसं० सी० आर० 62/42170/83-84---यतः मुझे मंजुमाधवन

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भाग 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं ० प्लाट नं ० 5 है, तथा जो प्रणान्त रेजिडेन्सियल ले आउट, बैटफाल्ड, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ऑर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेंगलूर, दक्षिण तालुक, में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय वेंगलूर, दक्षिण तालुक, में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-11-1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उपात बाबार मून्य से कम के क्यंगान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्मित्त का उपात बाबार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच एसे जन्तरित (अन्तरितों) के बीच एसे जन्तरित अधिक सन्तरण के सिए तन पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उपाय वहाँ किया नवा है :-----

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कड़ दीने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; अरि/या
- (च) एसे किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा से बिए;

शतः अवः, उत्तर अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, गक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्री इ० वि० जे० कुन्हा, और 10 कुछ लोग, नं० 69, सन्ट जान्स चर्च रोड, बेंगलूर-5
 (अन्तरक)

श्री ए० नटेरा.
नं० 48, 17 ऋस.
रंगनातापुरा,
मल्लेध्वारम,
बेंगल्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाही शुरू कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्वेशिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

## यगुज्**न**

(दस्तावेज सं० 5835/83, ता० 24-11-83) सम्पत्ति है जिसका प्लाट नं० 5. जो प्रणान्त रेसि**डेन्शिय**ल ले-आउट, वैटफोल्ड, बेंगलूर में स्थित हैं ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांस: 27-6-84

मीहर 🖫

# प्रकथ बाही. टी., एन्. एस्.,-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ण (1) के अभीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 जून 1984 निदेश सं० सी० आर० 62/40992/83-84--अतः मुझे मंजु माधवन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 60: 2, 45: 9, 57: 1, 57: 2 और 57: 3, है तथा जो गोहिंगेरे, विलेज त्तरहिल्ल, होबिल, बेंगलूर, दक्षिण तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर, दक्षिण तालूक, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-11-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण किखित में आस्तिकल इश्र से किथित नहीं किया गया है ——

- (क) अभ्यारण से हुइ किसी जाव की बाबत, खबरा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तारक औ दासिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों करें जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

 श्रीमती मुनियम्मा और कुछ लोग, गोहिंगेरे, विलेज, उत्तरहल्लि, होबलि, बेंगलूर दक्षिण तालुक।

(अन्तरक)

 श्री जि० एन० श्रीनिवास. कालेना. अग्रहारा, शोवा फारम, बेगुर हाबिल, बेगलूर,।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोस्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्ताबेज, मं० 5663/83, ता० 14-11-1983) सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 60:2, 45:9, 57:1, 57:2 और 57:3, जो गोहिगेरे विलेज; उत्तरहल्लि, होबल्लि, बेंगनूर, दक्षिण तालुक, में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

अत: अब, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, जवात् :--

विनांश: 30-6-1984

मोब्र 🖫

# भ<del>्यत्र वर्षः टी. युन्, एस्<sub>राप्य</sub>------</del>

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन सुषना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 16 जून 1984

निदेश सं. सी० ग्रार० 62/40991/83-84—यतः मुझे मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 151 है, तथा जो सारक्की II स्तेज, जे०पी० नगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर, दक्षिण ताल्लुक में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1903 का 16) के ग्रधीन दिनांक 18-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (का) अंतरण सं हुई किसी आयुक्ती वाबत्, उक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व मों अभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा खें निए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती लात स्लामि,
 पितन श्री एम० ए० नारायण स्वामी,
 41, श्रिक्षिपेट, बेंगलूर-33

(अन्तरक)

 श्री एस० के० गोपिनाथ, 317, एन० ग्रार० कालोनी, बेंगलूर-19

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>3</sup>, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### क्षत्र स्था

(दस्तावेज सं० 5724/83, ता० 18-11-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 151, जो सारिक्क II स्टेंज, जे० पी० नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, वेंगलुर

दिनांक 16-6-1984,

मोहर 🕉

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस्.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मधीन स्थना

## भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जून 1984

निदेण सं० सी० ग्रार० नं० 62/40966/83-84--- यतः मंज माधवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6/2 है, तथा जो गंगाधरा, चेट्टी रोड, बेंगसूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अभिक है और अंतरक (अंतरक ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के रिएए;

बतः बद, उन्त अभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण की, मी, उन्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीग, भिनम्नितिश्वित व्यक्तियों, अभीत् ह---

 श्रीमती लक्ष्मी परमेण्यरन, स्वर्गीय के० जी० परमेण्यरन, नं० 6, हावडिन, रोड, बेंगलूर, ।

(घन्तरक)

श्री श्रजित कोतानेत,
 मैसर्स कमलाक्शी कोतानेत,
 76, 11 श्रास, I स्टेज,
 इंदिरा नगर, बेंगलुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतः हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

(दस्तावेज मं० 2225/83, ता० 25-11-83)

सब सम्मित है जिसका सं० 6/2, जो गंगाधरा चेट्टी, रोड, स्रलमूर, बेंगलुर में स्थित है।

मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 15-6-1984 मोहर: प्ररूप काइ . र्टा. एन . एस . ----

भायकर अभिनियर, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुधना

### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० मी० श्रार्० 62/40935/83-84—-यतः मुझे मंजु माध्यन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियन' कहा गया है), भी धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 18(39/1) है, तथा जो रानासिगपेट, बेलिमशीद रोड, जिल मोहल्ला, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रीम दिनांक 30-11-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान श्रीतफन के लिए मंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया श्रीतफन, निम्नितिश्वत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्वत के बास्तिक इप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

करा। जब उनस अधिनियम की भारा 269-म को अनुसरण में में, उन्दर्स अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिक्षत व्यक्तियों, अभीन क्रिक्त

श्रो मुद्रामिन ग्रालियास,
 पो० एन० सुनील कुमार,
 15, रानयिमगपेट, जालिमशोव रोड,
 वेंगलूर ।

(न्प्रन्तरक)

 मिस्टर एस० मिन (मैनर), गाजियन श्रीर फादर, एम० सीनन, नं० 38/1, श्रावलाहल्लि, मैसूर रोड, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना अगरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन की अवधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार्शन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकोंगे।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2473/83, सा० 30-11-83) हब मम्मत्ति है जिपका मं० 18, (पुराना मं० 39/1), जो रानासिंगपेट, बेलिमशोद रोड, जालिमोहल्ला, बेंगलूर में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 15-6-1984 मो**ह**र

## त्रस्य बाह्र . टी. एम. एस. -----

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीर मुखना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, बेंगलूर
बेंगलूर, दिनांक 25 जून 1084

नोटिस नं० 62/40965/83-84--भ्रतः मुझे मंजु माधवन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 28 है, तथा जो नेताजी रोड, केंजर, टाउन, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इसक्के उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28-11-83

को प्रविक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यक्रान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अभ्यारण से हुइ किसी नाम की बाबत अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए कर, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :---

 वि दोहनावरू फेलोणिप, बोहनावरू निरूनेलवेलि, डिस्ट्रिक्ट, तिमलनाष्ट्

(ग्रन्तरिती)

2. दि इवनगेलिकल फेलोणिप धाफ इंडिया, कमोशन थान रिलोफ,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन् के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

चनत सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मतित में दितनदृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस ग्रहयाय में दिया स्वा है।

# अनुसूची

(यस्तावेज र्सं० 2248/83 दिनांक 28-11-83) सब सम्पत्तिहै जिसका र्नं० 28, जो नेताजी रो।, शेजर टाउन, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, बेंगलुर

तारीख 25-6-1984 मोहर : प्रकथ काई े टी. एन. एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 जून 1984

ि निदेश सं० मी० श्रार० 62/42278/83-84—श्रत: मुझे मंजु माधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2 है, तथा जो ज्योति निवास कालेज, मैन रोड. 5 ब्लाक, कोरामंगला, बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर, दक्षिण तालुक में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अदिनांक 21-11-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान
प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफाल का
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
श्रीतिफल, निम्निलिसित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिसित में
शास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में मृतिभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिन्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 के० शंकर नं० 101, हे कास मैन, मुधामानगर, बेंगलूर

(भ्रन्तरक)

 डाक्टर, इमितियाज ग्रहमद, मेकिरि, नं० 67, लाल भाग, रोड, बेंगलुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**र्डभी आक्षेप**:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्यभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्त्र

(दस्तावेज, सं० 50775/83, दिनांक 21-11-83) सम्पत्ति,हैजिसका सं० 2, जो ज्योति निवास निवास कालेज मैन, टोड, 5 ज्वक्ति, कोटामंगता ले प्राउट बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 30-6-1984 मोहरः प्ररूप भार्द .टी .एन .एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### भारत सरुकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 जून 1984

निदेश सं० सी० श्रार० 62/40969/83-84—श्रत: मुझे, मंज् माधवन,

आयकर अधिशियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 7 है, तथा जो कारलेसटन, रोड, कुक, टाउन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तिक कप से कथित नहीं किया गवा है ----

- (क्त) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री हाजी श्रजीज सेंट साहेब, मिनिस्टर्स क्वाटर्स, टी० चौडेय्या रोड, बेल्लारि रोड, है ग्राउन्ड, बेंगलूर।

(भन्तरक)

 श्रीमती इशरत खालील सहैबा, नं० 31, चिन्नास्वामी, मुदलेयार, रोड, टासकर टाउन, बेंगलूर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा. को उस अध्याय में विया गया है।

## **अन्स्**ची

(दस्तावेज सं० 2180/83 ता० नवम्बर, 1983) सम्पत्ति है जिसका सं० 7 जो कारलेसटन रोड, कूक टाउम, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बेंगलुर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिमियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 27-6-1984

मोहर 😃

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर बायुक्त (न<u>िंर</u>क्षिण)** ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 27 जून 1984

निवेश सं० सी० ग्रार० 62/42167/83-84—ग्रतः मुझे मंजु माधवन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 4, है तथा जो प्रशान्त रेसिडेन्यिणल ले-ग्राउट, बैटफील्ड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय बेंगलूर दक्षिण तालुक में रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन दिनांक 24-11-83

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) मंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिनियम के जभीन कड़ देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को बिन्हुं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा हो सिए;

बतः वद, उच्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उच्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्ः—  श्री इ० वि० जे० कुन्हा, घौर 10 कुछ लोग, नं० 69, सेंट जान्स धर्च रोड, बेंगलूर ।

(मन्तरक)

2. श्रीमती के० एस० पारवातम्मा, 905/83, 4, मैन , 5 क्रास, विध्यारन्यापुरा, मैसूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कर्क्यों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्सावेज) सं० 5848/83, तारीख 24-11-83) सम्पत्ति है जिसका सं० प्लाट नं० 4, जो प्रशान्त रेसिबेन्यिशक्ष लेखाउट, वेटफील्ड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर

तारी**व 1** 27-6-1984 **नोहर** 1

## प्रकृप नाइ. टी. एन. एवं. -----

# नाथकर निध्मियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नभीन स्मान

### भारत सडकार

कार्यालय, सक्षायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 जून 1984

निदेश सं० सी० श्रार० 62/40916/83-84-~श्रतः मुझे, मंजु माधवन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भाष 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है:

भीर जिसकी सं० 2203 एंड 2204 है, तथा जो III टास, जन्नापटक्षा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से निंगत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय जन्नापटका में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भधीन दिनांक 2-11-1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तारण से हुई किसी नाय की बाबस, उक्स विधिन्यन के बधीन कर दोने के अन्तरक के बासिस्कुमें कमी करने या उससे वचने में सुविधा की लिए, अरि/टा
- (च) एसी किसी आयु वा किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गमा था वा किया थाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित्ः

- (1) श्री सि० एम० सुबेय्या रेड्सि,
- (2) श्री सि० एम० नारायण रेड्डि रेड्डिगराकेरि, चन्नापटमा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रेवन्ना, III कास, रोड, एक्सटेंशन, वन्नाचटन्ना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हु।

उथत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति क्वारा ब्याहस्ताक्षरी के गत सिसित में किए का सकति।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्वों और पदों का, जो सक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र्ड</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

(दस्तावेज सं० 1327/83, दिनांक 2-11-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 2203 और 2204, जो III कास, म्युनिसिपल ए डिवीजन, एक्सटेंशन, चन्नापटन्ना, टाउन, में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सक्षायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगसूर

विनांक: 30-6-1984

प्रस्प नाहर, दी. एन., एस., ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निर्देशिय)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 23 जून 1984

निदेश सं० सी० श्रार० नं० 62/40943/83-84--श्रतः, मुझे, मंजु माध्यन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 13/1 है तथा जो जयामहल रोड, बेंगलूर में है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रतुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाँधीनगर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिपनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 24 नवस्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके श्रव्यमान प्रतिफल से, एसे श्रव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अन्धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाब्त उक्त अधि-गिवस के अधीन कर दोने के अस्तरक के दासित्व में कनी करने वा असरो वचने में सुनिभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तिवाँ को जिल्हां भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

(1) मिसेस श्रार० पी० श्रलेक्जेण्डर,13, जया महल रोड,बेंगलूर ।

(घ्रन्सरक)

(2) मै० कनाम फैमिली ट्रस्ट, 38, नेताजी सुभाष मार्ग, दरयागंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की ताड़ी कर 4.5 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रंगा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिकित में किए वा सकेंगे।

स्थळकिरण इ.--इसमें प्रयुक्त सन्दों नौर पर्यों का, को सन्त निभृतियम के नभाव 20-क में परिभाषिक हैं। नहीं नुर्थ सोपा जो उस नुभ्याय में विवा नवा हैं।

## नम्सूची

(दस्ताबेज सं० 2368/83 ता० 24-11-83)। सब सम्पत्ति जिसको सं० 13/1 है जो जया महल रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुकुत (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, बेंगसूर

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुकरण में, में,, उथल अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नसिक्षित व्यक्तियों, सुपति क्र—

तारीख: 23-6-1984

त्ररूप भाई.टी.एन.एसं.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 23 जून 1984

निदेश सं० सी० म्रार० नं० 62/40936/83-84--म्रतः

मुझे, मंजु माधवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 25/1 है तथा जो टी० जौडेय्या रोड, लोबर पैलेस ग्रारथर्डस, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्मलिचित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत , उसत बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; बॉर√या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

कतः जब, उक्त विभिन्निम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) व्ये वभीन, निस्तिजित्त स्योक्तियों अर्थात् :---- (1) श्रीमती सरोज रानी,3/25, लोवर पैलेस ग्रारथर्डस,बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मधुकर ए० झा भौर श्री कीर्ति कुमार ए० झा, 49/ए, जे० सी० रोड, कास, बेंगसूर।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सृचना के राजपंत्र में प्रकाक्षन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध . किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगें।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अगृजुची

(दस्तावेज सं० 2454/83 ता० 28-11-83)। सम्पत्ति जिसकी सं० 25/1 है (ए भाग ग्राफ शेडयूल सम्पत्ति) जो टी० चौडेय्या रीड लोवर पैलेस ग्रारथर्डस, बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख: 23-6-1984

प्रकप बाहै, टी. एग., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयु<del>वत</del> (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 जून 1984

निदेश सं० सी० भार० 62/42030/83-84---भतः मुझे, मंजु माधवन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 415 है तथा जो 3 फेस साराक्ति जे॰ पी॰ नगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है),, रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलूर दक्षिण तालुक रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 14 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी अरने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या अन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या नि-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धाग 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एच० चेन्नाप्पा,
 नं० 250/2, IV टी ब्लाक,
 जयानगर,
 बेंगलूर।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती टी० रोहिनी, बाइफ/भाफ बी० एम० चन्द्रेगौड़ा, न० 9, हाल इलेक्ट्रिकल कालोनी, बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अनुवान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे :

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

# मन्त्रची

(दस्तावेज सं० 5649/83 ता० 14-11-83)। सम्पत्ति जिसकी सं० 415, जो 3 फेस, साराक्तिक, जे० पी० नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकट्ट ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, क्षेंगलूर

तारीख: 30-6-1984

मोहर 🖫

# प्रकप नाही. दी. एत्. एव.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुमना

#### भारत संडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनोक 26 जून 1984

निदेश सं० सी० भार० 62/40963/83-84---- म्रतः मुझे, मंजु माधवन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 134, 135 136 ग्रौर 137 है तथा जो कामराज रोड, सिविल स्टेशन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारों के कार्यालय, णिवाजी नगर में रिजस्ट्री— करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 28 नवस्वर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के निए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निक्कित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावता, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

श्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) 1. श्रीएफ० महावीर कुमार ग्रीर
  - श्रीमती कस्तूरी भाई,
     219, कामराज रोड.
     बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

- (2) । श्री एन० नागराज,
  - 2. श्रीएन० प्रभुकिरन,
  - 3. मिस्स एन. सुरेका,
  - 4. श्री एन० लोकेड़ा,
  - 5. श्री एन० राविकिरन,
  - श्री एन० कुमार,
     157, के० कामराज रोड,
     बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्रत व्यक्तियों में से किसी अप्विस द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयूक्त कव्यों और पदों का, वो क्षवस्त्र अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नमृत्यी

(वस्तावेज सं० 2256/83 ता० 28-11-83)। सम्पत्ति जिसकी सं० 134, 135, 136 और 137 है तथा जो कामराज रोड, सिविल स्टेणन, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षमम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 26-6-1984

प्ररूप नाइ दी एन एस .-----

नायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्किन)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर,दिनोकः 16 जून 1984

निदेश गं० सी० आई० 62/40906/83-84--अत: मुझे, मंज्माधवन

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त् अधिनियमध्कहागया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रज्पये से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० 18-सी है तथा जो 4 मेन 5 ब्लाक जया नगर, बेंगलर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जया नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्विक्त संपति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके करयमान प्रतिफल से, एोसे करयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बायत, उच्छ अभिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के दर्गियल में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; भार/या
- (का) एंसी किसी अगय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ का, जिल्ह<sup>1</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधभाषं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्वाभावाकिया जाना भाहिए भा, स्त्रिपाने में मक्रिथाके सिए;

(1) श्रीमती कें लक्ष्मी देवी, रेप्रजेंटेड बाई मिसस कसेही प्रकाश, नं ० 408, 5 मेन रोड. राजा महल विलास, एक्सटेंशन, बेंगलूर-6 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीश्रीपुरम सुधाकर गुप्ता, रेप्रेजेंटेड बाई : श्रो एस० सीतारामैय्या, पार्टनर आफ श्रीनियासा स्टोर्स. जुबिली स्ट्रीट, पलभानीर, आंध्र प्रदेश।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्चीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा अने उस अध्याय में विवाह गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2756/83 ता० नवम्बर, 1883)। सब सम्पत्ति जिसकी सं० 18 सी, जो 5 मेन रोड. ब्लाक, जयानगर, ब्रोंगलुर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बतः अथ उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)

के सभीतः, निस्मलि**वितः स्थवितर्यो**ः **हर्यात्** 🏖---

41---186 GI/84

तारीख : 16-6-1984

गोहर:

प्ररूप आई.टी. रन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 जून 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/42279/83-84--अतः मुझे, यंज्माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- क. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० 2 है तथा जो ज्योति तिवास कालेज मेन रोड 5 बलाक कोरामंगला, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ग वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, बेंगलूर दक्षिण मालुक में रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22 नवम्बर, 1983

को पुर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का करण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया प्रा है क्ष्य

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त जीध-नियम के अधीन भार जीने के जन्तरक के बाबित्य में अपने अस्ते भारती मा जससे अचने में सुविधा के निष्ह; जीव/मा
- (त) श्रेसी किसी नाम वा किसी भूम या अस्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, वा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिया;

वतः वन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1). को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्राके० संकर,
 नं० 10, 1 कास 1 मेन,
 सुदामा नगर,
 बेंगलूर।

(अन्सरक)

(2) डाक्टर इमितियाज अहमद मेकरी, नं० 67, शाल बाग रोड, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांत्रत सम्पत्ति के अर्थन के स्थिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस सूजमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधेह-ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीक रण: --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, की उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ झोंगा को अभ्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 5793/83 ता० 22-11-83)। सम्पत्ति जिसकी सं० 2 है जो ज्योति निवास कालेज, मेन रोड, 5 ब्लाक, कोरामंगला, बॅगलूर में स्थित है।

> मंजु माधनन सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीखा : 30-6-1984

मोहर 🗈

# इक्ष्म बार्ड ही. एन. एस. - - - -

# नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 जून 1984

निदेश मं० सी० आर० 62/40964/83-84--अत: मुझे, मंजू माध्यवन

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिस्की सं० 77 (28) है तथा जो फोर्ट स्ट्रीट, कास सिविल स्टेंगन बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28 नवस्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्स बाधिनियम के बाधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उत्तसे व्याने में सुविधा के बिए; बरि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्म आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त क्षिणित्यम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अज्ञः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् कु----

- (1) 1. श्रीमतो एफ० महाबीर कुमार और
  - श्रीमती कस्तूरी भाई.
     नं० 219 के० कामराज रोड.
     बेंगलूर ।

(अन्तरक)

- (2) 1 श्री एन० नागराज
  - 2. श्री एन० प्रभु किरन
  - 3. मिस एन० सुरेखा
  - 4. श्रीएन० लोकेश
  - 5. श्रीएन० रविकिरन
  - श्रीएन० कुमार,
     नं० 157, के० कामराजरोड,
     बेंगलुर।

(अन्तरितो ।

क्षे यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अवंत के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वदिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी वदिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास तिकिय में किए जा सकेंगे।

स्वक्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया वना हैं।

#### मनसर्थी

(दस्पावेज सं० 2255/83 ता० 28-11-83)। सम्पत्ति जिसकी सं० 77 (पुराना सं० 28) जो फोर्ट स्ट्रोट कास, सिविल स्टेशन, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारोख: 26~6-1984

प्रस्प आई. टी. एन. एस. - - - --

भायकार शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायक र वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 जून 1984

निदेश सं० सि० भ्रार० 62/41000/83-84--भ्रतः मुझे, मंजु माघवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1562 है तथा जो 18 मेन, 39 कास 4 टी ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयानगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल से पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या अम-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरियी द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, जक्त सिधिनियम की धारा 269-ण की उण्णारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, सर्थात् ः— (1) श्री एस० परामेण्वरन. सीनियर मैनेजर, एकाउन्ट्स सेक्शन, केनारा बैंक, गोपालापुरम, कोयम्बदूर, तमिलनाडु।

(भन्तरक)

(2) डाक्टर एच० एस० गोपाल राव, गर्वनमेंट हेड क्वार्टर हास्पीटल, श्री काकुकुलम, ग्रान्ध्र प्रदेश।

(श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकृत्यन की तारीब सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ध्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरूनाक्षरी के पास सिचित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वग्स्की

(दस्तावेज सं० 3070/83 ता० 30-11-83)। सब सम्पत्ति जिसकी सं० 1562 है जो 18 मेन, 39 कास 4 'टी' ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर में स्थित है :

मंजुंमाधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बेंगसुर

तारीख : 22-6-1984

# प्रक्य नाइं . टो . एत् . एस् . ------

भावकर करिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वता

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (नि<u>रक्षिण)</u> श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 23 जून 1984

निदेश सं० सी० श्रार० 62/40967/83-84—श्रत मुक्को, मंजु माधवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 57 है तथा जो रियमन्ड रोड, बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन, तारीख 23 नवम्बर, 1983

का पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त मधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थिक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के ट्रिसए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिल्पाने में सुविधा के लिए;

जंतः सब् , उत्पत्तं सीधीनयमं की धारा 269-गं के अनुसरण में , में , उत्पत्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के सभीगं, निस्निसिसित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीपी० माधवन नायर,
  - 2. मिसेज रेना नायर
  - 3. मिसेस ऊषा उन्नी
  - 4. मिसेस श्रीलाना मेनन
  - श्री पी० माध्यन नायर नं० 57 (63), रियमन्ड रोड, बेंगलूर।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स सबारी ट्रस्ट, 21, किनग हाम रोड, बेंगलूर।

(ग्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्क बन्धरिक में अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाशेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से
  45 दिन की जविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामीस से 30 दिंन की जविभ, जो भी
  अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्पब्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी जर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्त्र्यो

(दस्तावेज सं० 2219/83 ता० 23 नवम्बर, 1983) सब सम्पत्ति जिसकी सं० 57 है जो रियमण्ड रोड, सिविल स्टेशन, बेंगलुर में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगसुर

तारीख: 23-6-1984

मोहर 🖫

# प्रकप नाइ . टी . एन . एन . -----

# भागकर मुभितिसन्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुभीन तुम्ला

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 28 जून 1984

निदेश सं० सी० मार० 62/41698/83-84---म्रतः मुझे, मंजु माधवन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 4 है तथा जो पोट्टेरी लेन, बेनसन टाऊन, बेंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपावक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रभीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफाल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विध्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे सम्यान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और संतरिती (अंसरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-क्षम, निज्नसिवित उद्योच्य से उक्त बन्तरण शिवित में वास्तिक्ष अप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरच से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जीप/या
- (क) एसी किसी नाय ना किसी भून या नत्य नास्तिनी का, जिन्हें भारतीय नायकर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या अनत् अभिन्यम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बृगारा प्रयट नहीं किया नवा था वा किया याना थाड़िए ना कियाने में स्विभा के लिए;

बत: बब, इक्त अधिनियंत की भाषा 269-म के वनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की भाषा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्निलिखित अ्यिक्तियों, अर्थात् :---

 श्री शिवा शंकररेथ्या, सेक्रेटरी: एन० जी० एस० एस० नं० 23, श्रपस्टेंरस, 5 कास, सुदामानगर, बेंगलूर।

(मन्तरक)

(2) श्री सैय्यद इसतियाफ ग्रहमद, केयर ग्राफ श्री एन० जी० एस० एस० 23, ग्रपस्टेंरस, 5 कास, सुदामा मगर, बेंगलूर।

(भन्तरक)

्क्यं नहृद्यना चारी करकै पृत्रॉन्स् सन्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त कक्वों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया ही।

# मन्स्यी

(दस्तावेज सं॰ 2277/83 ता॰ नवम्बर, 83) सम्पत्ति जिसका सं॰ 4 है तथा जो पोट्टी लेन, बेनसन टाऊन, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 28-6-1984

मोहर:

त्ररूप नार्षे . देते . एन <u>.</u> एस ८-------

भायक इ. मांभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगसूर, विनांक 28 जून 1984

निदेश सं० सी० म्रार० 62/41696/83-84--- मतः मुझे, मंजुमाधवन

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का झारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 5 (पोरणन) है तथा जो पोट्री लेन, बोरे बैंक रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेक्य से उचित अन्तरण लिखित को वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुत्रिधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसूरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिसियत ध्यक्तिस्ता, अर्थात्ःचा (1) श्री एच० शिव शंकारैग्या, सेकेटरी एन० जी० एस० एस० 23, ग्रपस्टेंरस, 5 कास, सुदामा नगर, बेंगसूर।

(बन्तरक)

(2) कुमारी सी० बी० कलयािन, मं० 12-ए, डेयागमल रोड, वसन्ता नगर, बेंगलूर ा

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (अ) इस मूलता है राजनत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिल की प्रकृषि था तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर मुखला की नामीन से 30 दिल की प्रवृक्षि, जो भी प्रवृक्षि यद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में में जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त अन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियंस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ दोगां जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नमृत्यी

(दस्तावेज सं० 2274/83 ता० नवम्बर, 83) सम्पत्ति जिसकी सं० 5 है (भाग) जो पोड़ी लेन, बोरे बैंक रोड, के जी० वैधाराहस्लि वेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बेंगलर

तारीख: 28-6-1984

मोहर:

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के सभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर,दिनांक 28 जून 1984

निदेश सं० मो० और० नं० 62/40387/83-84--अतः

मुझे, मंजुमाधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० 4 है तथा जो पोट्रारि लेन, बौरे बैंक रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधि कारों के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित साजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अभ्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वयः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ण के नन्तरण वः, मा, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (।) के संधीतः, निम्नीसिवित व्यक्तियाँ, अर्थात् क्ष्याः  श्री एस० शिवाशंकरैय्या, सेकेटरी:
एन० जी० एस० एस०, नं० 23, अपस्टेंग्स, सुदामा नगर, 5 क्रास, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० एस० मोहन, नं० 23, जवारैय्या. गार्डन, 3 ब्लाक, त्यागराजा नगर. बेंगनुर।

(अन्तरिती)

सा यह स्चना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (खं रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्धु किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्वक्कर्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया व्याहै।

# अनुसूची

सम्पत्ति जिसकी सं० 4, जो पोर्ट्रा लेन, बोरे बैंक रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजुमाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख : 28-6-1984

मोहर 🔟

# एक्य बार्ड टी, एन, एव ुल्ल्ला-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

## ज़ारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

बेंगलूर, दिनोक 28 ज्न 1983

निदेश मं० मी० आए० 62/41697/83--84----अतः मुझे, मंजुगाधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जियका उचित शासर मूल्य 14,006/- रु से अधिक है

और जिसको सं० 2 है तथा जो पोट्टी लेन, बेनसन टाऊन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणिन है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिरात्री के कार्यालय, णिवाजी नगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख नवस्वर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्निलियित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप में किथा गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई थिसी आब की बाबस, उक्छ अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बामिस्य में कमी करने या उससे बच्चमें में सुविधा के लिए; और/या

कतः क्षा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण्

(1) श्री एच० जित्रमं रिया, भेकेटराः एन० जी० एस० एम० न० 23, अपस्टेंग्य, 5 काप, सुदाभा नगर -वेंगलूर।

(अन्तर्यः)

 (2) श्री बी० अबराय ताईम, नं० 11/1, लक्ष्मी रोड, शांकि नगप, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुना;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्भूची

(दस्तावेज सं० 2276/83, जा०नवम्बर, 1983) नवित्ति जिसकी सं० 3 है तथा जो पोट्री लेन, बेनसन टाऊन, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन पक्षम प्राधिकारी सहाबक्ष आयजर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुरु

तारीख : 28∼6~1984

मोहर:

भूक्य बाह्<sup>र</sup>. टी. एवं. एस<sub>्</sub>-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थु (1) के बधीन सूच्ना

# भाउत् व्रकाड

# कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निरांशन)

अर्जन रेंज, बेंगलून

बेंगलूर, दिनांक 28 जून 1984

निदेश मं० मी० अ(र० नं० 62/40386/83-84—अतः मुझे, संजुभाधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार म्स्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 5 बी है तथा जो पीट्टी लन, बोरे बैंक रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिदारी के वार्यालय; शियाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख 28 नवम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार गूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाजत, उन्तर अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कारने या उत्तसमें अचने में सृविधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

चतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के जनसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डेंडभीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रका (1) श्री एम० णिवर्गाः रैंच्या,
नं० 23, अपस्टेंरय,
संकेटरी: एन० जी० एम० एस०,
5 क्रास, सुदामा नगर,
वेंगनूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुखा मंगलम्मा, 92, इण्डस्ट्रीयल टाऊन, वेस्ट आफ कार्ड रोड, राजा जी नगर, बेंगलुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के ग्राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (क)। इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उबस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **म**म्स्ची

(दस्तावेज सं० 2273/83 ता० 28-11-83) सम्पत्ति जिसकी सं० 5-बी, हैं चालना नं० 35, पी० टी० शीट 1086, जो पोट्री लेन, बोरे बैंक रोड. के० जी० बैदाराहल्ली, सिविल और मिलिट्री स्टेशन, बेंगलूर में स्थित है।

मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर **आयुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीखा : 28-6-1964

मोहर 🌣

प्ररूप भार्ष .. ट्री .. एन ु एस ु = = = ====

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीम स्चाना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक सायकर सायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 जून 1984

निदंश मं० मी० आर० 62/42526/83--84---अतः मुझे, मंजुमाधवन

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उम्लि बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो पोट्टी लेन, बनसन टाऊन, बेंगलूर में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त गंगित का एषित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के यीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने वें सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तिसर्यों, अर्थात् :--- (1) श्री एच० शिवगंकरैया
 स्केटरी नवोदया गुहा निर्माण
 सहायक मंग नियामित्ता
 23, अपस्टेरस, 5 क्रास,
 सुदामा नरग, बेंगलूर।

(अन्त रक)

(2) श्री बी० असगर फिह्म, रेप्रासन्टेड बाई हिज फादर, श्री एम० ए० बशीर, 11/1, लक्ष्मी रोड, शांति नगर, बेंगलुरू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकैंगे।

स्थाव्हीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

# मन्सूची

(दस्तावेज सं० 2276/83 ता० 28-11-83) सम्पत्ति जिसकी सं० 4 है जो पोट्री लेन, बेनसन टाऊन, बेंगलूर में स्थित हैं।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वेंगलूर

तारीख: 28-11-1984

मोहर ह

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० श्रार० 62/42280/83-84—ग्रतः मुझे, इन्दिरा भागर्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 1 है तथा जो ज्योति निवास कालेज, मेन रोड, 5 ब्लाक, कोरामंगला, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर (दक्षिण तालुक) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 23 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से यिधक है और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिवक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिंभियम, या अन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री के० शंकर,नं० 10, 1 क्रास.1 मेन, सुधामा नगर,वेंगलूर।

(भन्तरक)

(2) श्री के० एन० मुराली,
 नं० 9, नंजाप्पा रोड,
 णांति नगर,
 बेंगलूर-27।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दस
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्सची

(दस्तावेब सं० 5819/83ता० 23-11-83)

सम्पत्ति जिसको सं० 1 है तथा जो ज्योति निवास कालेज मेन रोड, 5 ब्लाक, कोरामंगला, बेंगलूर में स्थित है।

> इन्दिरा भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

**तारीख**: 5-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थाना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेज, बेगलूर बेंगलूर, दिनांक 5 जुलाई 1984 निदेण मं० सी० ध्रार० 62/42179/8-384—स्रातः

भूझो इन्दिरा भागेव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने सा कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० 69 (93), है तथा जो नैनाप्या शेट्टी पाल्या सारिक 3 फेस, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इरासे उगाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बेंगलूर दक्षिण तालुक में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23 नवम्बर, 1983

को पृथंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरिनियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त संनरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की वाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे जनने में सृधिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन का बन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिधित लाक्तियाँ, अर्थात् :--

(1) श्री नजीर ग्रहमद, रेप्नेजेंटेड बाई: ग्रब्दुल रहमान साहब, ग्रम्मावरपेट, कोलार टाऊन।

(भ्रन्तरक)

श्रीएच० एन० शिवाकुमार,
नं. 8/2, ईस्ट एण्ड रोड,
मटी ब्लाक,
जया नगर,
बेंगलूर-11।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सं में 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद स्वना की तामील से 30 दिन की ज्विधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६सं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्र भिक्ती अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के शास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यही क्षे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 5804/83 ता० 23-11-83)

सम्यक्ति जिसको सं० 69 (93 सर्वे नं० में) है तथा जो नैनाप्पा शेट्ट पाल्या, साराविक 3 फेस, बेंगलूर में स्थित. स्थित है।

> इन्दिरा भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 5-7-1984

मोहर :

बुक्ष बाह्ये, टीज एन , एस ,नन्दनननन

बायक्त अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बुधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैं दराबाव

हैदराबाद, दिनांक 3 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/40994/83-84--यतः मुझे, इन्दिरा भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2928 है तथा जो वार्च रोड लशकर मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्पा ग्रधिकारों के कार्यालय मैसूर में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन तारीख 26-11-83

को पूर्वा बंद संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हो कि यथापूर्वो वत संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित व वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तर्रण से हुई किसी अपन की बाब्द, उपट जिश्लियम के स्थीन कर दोने की अन्तरक की दिश्लिय में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जारितयों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री बी॰ एकमिणी, बाइफ श्री जो॰ विश्वनाथन, नं॰ 25, वैस्याल स्ट्रीट, कुलिनलै, ट्रिची डिस्ट्रोक्ट ।

(मन्तरक)

(2) श्री ए० ईक्ष्यरन, मैसर्स श्रवणी इन्टरप्राइजेस, 159/1, नागन्ना मार्किट, संत्तेपेट, मैसूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुल्ली

(दस्तावेज सं० 3570/83, ता० 26-11-83) सम्पत्ति है जिसकी सं० 2928 है जो चार्च रोड, लक्कर मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> इन्दिरा भार्गथ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बेंगसुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण कै, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) वे अधीन, निम्निविवित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीख: 3-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप, क्षाइ . टी. एन. एस. -----

भासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, वेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 ज्लाई 1984

निदेश सं० मी० श्रार० 62/42281/83-84—श्रनः मुझे, इन्दिरा भार्गव,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 1 है तथा जो ज्योति निवास कालेज, मनरोइ, 5 क्लाक, कोरामंगला, बेंगलूर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबस स्रमुसी में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर दक्षिण तालुक में रजिस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 24 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1927 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के निए;

अत: अव. उपल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा ≏69-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० णंकर,
 नं० 110, 1 कास, 1 मैन,
 सुदामा नगरा
 वेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० एन० मुरली, नं० 9, नंजाणा रोड, शांति नगरा बेंगलुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय तें , 45 दिन की अवधि या तत्सवधी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 5826/83 ता० 24-11-83) सम्पत्ति जिसकी सें० 1 जो ज्योति निवास कालेज, मैन रोड, 5 ब्लाक कोरामंगला, बेंगलूर में स्थित है।

> इन्दिरा भार्गव सक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, वेंगलूर

तारीख: 5-7-1984

मोहर:

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 4 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ग्राप्त 62/40388/83-84---ग्रनः मझे, इन्दराभार्गव

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपीति, जिसका उचित बीजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० /80/1 सि है तथा जो श्रतावर विलेज, मंगलूर तानुक में स्थित हैं (ग्रीर इससे उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिश्वकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिश्विनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्वीन, तारीख 26 नवस्बर, 1983

को एवा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेप स्वयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के दिश् तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखत उद्देष्य से उचत अन्तरण लिखित में अम्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उममे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) गैंपर्य धीरजलाल बिहुल जी और क्येनि, रिप्रेजेंटेड बाई: इट्स ट्रस्टी, श्रीमनी सृशीला धीरज लाल, फलनींट, मंगलूर।

(भ्रुन्तरक)

(2) श्री णवनद्रि पटेल मोहम्मद जामिल रिप्नेजेंटेड बाई: हिज फादर, श्री एस० पो० ग्रब्दुल फादर, नवागन कालोनी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपन्ति के अलग के लिए कार्यवाहियां करता हा।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (सं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों भें से जिसी ज्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अग्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1212/83 ता० 26-11-83) सम्पत्ति जिसकी सं० टी० एम० 80/1 सो है, जो असावर विलेज, मंगलूर में स्थित है ।

> टिन्दरा भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जेंगसूर

नारीख : 4-7-1984

मोहर :

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th June 1984

No. A.38013 184-Admn.III.—he President is pleased to permit Shri S. K. Avusthy, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. Carde of the Union Public Service Commission, to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 30th June, 1984 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33 12 73-Ests (1) dated the 24th November, 1973.

No. A.38013 2 84-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri M. S. Asnani, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 30th June, 1984 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33 12 73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

' S, BANERJEE
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

#### New Delhi-110011, the 2nd July 1984

No. A. 32014/1/84-Admn. III(I)—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on ad-hoc basis for the periods mentioned against each or until further orders whichever is earlier:—

SI. Name No.	-		Period for which promoted
S/Shri 1. Smt. N. Meera			. 1-7-84 to 31-7-84
2. K. L. Sud .	•	•	. 3-7-84 to 31-7-84
3. Km. Bharati			. 12-6-84 to 26-7-84
4. S.D. Mall .			. 18-6-84 to 1-8-84
		_	

#### The 5th July 1984

No. A. 31014/1/84-Admn. I—The President is pleased to appoint the following temporary Senior P. As. (Grade B of CSSS) who are holding the undermentioned posts in the cadre of Union Public Service Commission, substantively in the Grade of Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the Union Public Service Commission, New Deihithe dates mentioned below against their names:—

Sl. Name No.	Post holding at prosent	Date of confirmation
S/Shri	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
1. I. N. Sharma	Private Secretary (ad-hoc)	1-11-83
2. Hukam Cha	nd Section Officer	1-2-84
	The 7th July 1984	

No. P.1051-Admu.I.—On the completion of his deputation term and release from the post of Secretary, Sikkim Public Service Commission, Gantok, Shri M. R. Bhagwat a selection grade officer of CSS has assumed charge of the post of Deputy Secretary, UPSC with effect from the forenoon of 2nd July, 1984.

# The 9th July 1984

No. A. 12025 (ii)/1/83-Admn. III—Consequent on their having been nominated to the cadres mentioned against each 43—186GI/84

for appointment as Section Officers for inclusion in the Select List of Section Officers Grade for the year 1983 through Seniority Quota, the following Section Officers are relieved of their duties in this office with effect from the afternoon of 9th July, 1984:—

SI. No.	Name	Cadre to which nominated 1
1 . Sh	ri Raj Kumar	 Agriculture and Co-operation.
2.Shr	i K. C. Sehgal .	 Steel.

2. There is no vigilance case either pendind contemplated against Shri Raj Kumar or Shri K. C. Sehgal.

M. P. JAIN, Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

# CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 19th July 1984

No. 1-17/81-CFSL/5414.—Consequent on acceptance of resignation of Shri Hardan Singh, Senior Scientific Officer (Gr. II) Documents Central Forensic Science Laboratory Central Bureau of Investigation posted in Scientific Aid Unit Madras is relieved of his duties with effect from 11th June 1984 (Afternoon).

S. NAGPAL Administrative Officer (E)

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 9th July 1984

No. A.19023|4|84-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Phool Chandra as Public Prosecutor|C.B.I. with effect from the forenoon of 9-7-84 in a temporary capacity.

He is posted in EOW Br. at New Delhi.

## The 20th July 1984

No. A/22013/1/84/AD. V.—The Director/CBI and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to ampoint the following Inspectors to officiate as Dy. Superintendent of Police in Central Burçau of Investigation on adhoc busis from the date mentioned against their names until further orders:—

Name of the Officer	Branch to which posted	Date of ad-hoc promotion
Sarvashri 1. I. P. Sharma 2. S. B. Sinha	. CBI/Special Unit . CBI/CIU(F)	3-7-1984 30-6-1984 - (AN)
3. K.D. Sharma .	. CBI/CIU(P)	30-6-1984 (AN)
4. Ravi Prakash Sinha 5. Chetan Kumar .	. CBI/EOW/Bembay . CBI/Interpel (Coordination Division)	6-7-1984 30-6-1984 (AN)
6. B.N.P. Azad .	. CBI/CIU(B)	2-7-1984

The 21st July 1984

No. A-19014|6|84-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri C. Prabhakar, IPS (MH-1977) as Superintendent

of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 16th July, 1984 and until further orders.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

# DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 16th July 1984

No. O.II-1943 84-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Col. (Retired) Shyam Verma Commandant CWS, CRPF, Rampur for a period of two years in the first instance.

 Col. Shyam Verma took over charge of the post of Commandant CWS, CRPF, Rampur on the Afternoon of 16-5-1984.

No. D.I.-18|84-Esti-I.—The services of Shri A. K. Sharma Asstt, Comdt. of 39 BN CRPF, are placed at the disposal of Goct. of Punjab, on deputation basis w.e.f. 31-5-84 (AN).

### The 3rd July 1984

No. O.II-1971|84-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. T. K. Roy as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forencom of the 30th June, 1984 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

M. P. JAKHMOLA Asstt, Dir. (Estt.)

# DIRECTORATE GENERAL

# CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 5th July 1984

No. E-16013(2)|1|80-Pers.—Consequent upon his repatriation to State Cadre, Shri G. C. Lenka IPS (Orissa: 67) relinquished charge of the post of Commandant CISF Unit Rourkela Steel Plant Rourkela with effect from the afternoon of 30th April 1984.

No. E-16013(1)|2|82-Pers.—Consequent upon his repatriation to State Cadre Shri Hans Raj Swan, IPS (Har: 57) relinquished charges of the post of Deputy Inspector General (WZ) Central Industrial Security Force, Bombay with effect from the afternoon of 30th April 1984.

No. E-16016|5|82-Pers.—Reference CISF HQrs notification of even number dated 24-3-84.

2. The date of substantive appointment as Section Officer on transfer basis in respect of Shri M. Dhalwani is amended as 11th April 1983 forenoon instead of 1st September, 1983 forenoon.

No. E-38013(4)/1/84-Pers—President is pleased to appoint the following Inspectors/Executive on promotion as Assistant Commandant with effect from the dates shown against their names purely on ad-hoc & temporary basis:—

SI. No.	Name		Date of Promotion as Asstt. Commanda	CISF Unit where posted on promotion. nt.
1	2		3	4
1. Shi	ri V. B. R. Megudam	•	8-6-84 (FN)	<b>Gp. H</b> qrs. Calcutta.
, Sh	ri V. K. Thapa	• -	18-6-84 (FN)	CPT Calcutta

1	2			3 .	4
3. Shri R	. Jai <b>Raja</b> n	•		9- <b>6</b> -84 (FN)	DSP Durgapur
4. Shri I.	R. Uppal	•	•	31-5-84 (FN)	RSP Rourkela
5. Shri R	isal Singh		•		4 IG Mint Hyd.
6. Shri Sa	umuel Samps	on		30-5-84	(SZ) Trg. Res. Madras.
7. Shri B	. K , Jha				PTPP Parienha
8. Şhri D	. B. Raj .	•		30-5-84	KIOCL, Kudremukh
9. Shri J.	M. Pillai	٠		31-5-84 (FN)	
10. Shri R	aj Pal Chadh	18		30-5-84 (FN)	BCCL Jharia
11. <b>S</b> hri N	I. R. Rao			28-5-84 (FN)	FBP Farakka
12. Shri S	. C. Mohera		-	11-6-84 (FN)	BCCL Jharia
13. Shti K	. K. Singh		•	25-5-84 (AN)	

No. E-32015(3)|4|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri C. R. Singh on promotion as Deputy Commandant CISF Unit Cochin Port Trust Cochin with effect from the forenoon of 9th May 1984 purely on ad-hoc & temporary basis for a period of six months or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

# The 13th July 1984

No. E-16014(2)|3|81-Pers.—Consequent upon his repatriation to his parent codre, Shri R. M. Sharma relinquished charge of the post of Assistant Inspector General (I&P), Central Industrial Security Force, New Delhi, with effect from the afternoon of 5th March 1984.

No. E-16013(2)|20|84-Pers.—On appointment on deputation, Shri Lalit Bhatia IPS (Pb: 70) assumed charge at CISF HQrs New Delhi in the afternoon of 5th May 84 and was posted to CISF Unit IPCL Baroda where he assumed charge of the post of Commandant CISF Unit IPCL Baroda with effect from the forenoon of 17th May 1984.

No. E-32015(3)|3|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri R. C. Kalia on promotion as Deputy Commandant CISF Unit NFL Nangal with effect from the afternoon of 30th March 1984 on purely ad-hoc and temporary basis for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-16013(2)|20|84-Pers.—On appointment on deputation Shri J. S. Chahal, IPS (Pb:65) assumed charge at CISF HQrs New Delhi in the forenoon of 12th May 84 and was posted to CISF Unit BCCL Jharia where he assumed charge of the post of Commandant CISF Unit BCCL Jharia with effect from the afternoon of 26-5-84.

A. K. SAXENA Asstt, Ins. General (Pers.)

## New Delhi, the 23rd July 1983

No. E-28017|2|84-GA.H.—On voluntary retinement, Shri S. K. Banerjee. relinquished charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, IPCL Baroda w.e.f. the afternoon of 22-6-84.

S. ANANDARAM Dir. General CISF.

### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

# New Delhi, the 17th July 1984

No. 10|5|82-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 4-4-1984, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri K. R. Unni, Deputy Director (Programme) to the post of Joint Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, New Delhi for a further period upto the 31-8-84 or till the post filled in on a regular basis, whichever is earlier, under the existing terms and conditions,

2. The head-quarters of Shri Unni will be at New Delhi.

No. 10|6|82-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 10-4-84, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri Pradeep Menra, Assistant Director (Programme) as Deputy Director (Programme) in the office of the Registrar General, India New Delhi for a further period upto the 31st August, 1984 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier, under the existing terms and conditions.

2. The headquarters of Shri Mehra will be at New Delhi.

#### The 21st July 1984

No. 11|11|80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Bhattacharya, Accounts Officer in the office of the Director of Audit, C.W &M., Calcutta Branch, to the post of Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census, Operations, West Bengal, Calcutta by transfer on deputation, on a purely temporary and ad-houses, with effect from the 1st June, 1984 (forenoon) for a period not exceeding one year or till the post is filled in on a regular basis whichever period is shorter.

No. 11/11/82-Ad.I.—The President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of the undermentioned Investigators as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the offices as mentioned against their names, for a further period upto, the 31st August, 1984 or till the posts are filled in on a regular basis, whichever is earlier:—

- S. No., Name of the Officer and Office in which working
- 1. Shri D. R. Khanna-DCO, Bihar, Patna
- 2. Shri M. K. Mukherjee--DCO, Orissa, Bhubaneswar
- 3. Shri M. Vidya Sagar—DCO, Madhya Pradesh, Bhopal
- 4. Shri, V. P. Kataria-RG's Office, New Delhi.
- 5. Shri P. N. Sinha-DCO, Bihar, Patna
- 6. Shri A. L. Das-DCO, Bihar, Patna.
- 7. Shri P. V. James—DCO, Lakshadweep.
- 8. Shri G. M. D. Lone-DCO, Maharashtra, Bombay.
- 9. Shri R. S. Pandey-DCO, Uttar Pradesh, Lucknow.
- 10. Shri N. C. Sen-DCO, West Bengal, Calcutta.
- 11. Shri B. L. Sarmah--DCO, Nagaland, Kohima.
- 12. Shri D. P. Jain-DCO, U. T. Chandigarh.
- 13. Shri G. D. Singla—DCO, Haryana.

The above mentioned ad-hoc appointment shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by them on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid ad-hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefore.

V. S. VERMA Registrar Genl., India.

# MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 4th August 1984

No. 23|3|84-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased

by twelve points to reach 574 (five hundred seventy four), for the month of June, 1984. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of Jun, 1984 works out to 698 (six hundred ninety eight).

J. N. SHARMA Joint Director, Labour Bureau

#### MINISTRY OF FINANCE

### DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

#### BANK NOTE PRESS

Dewas, the 13th July 1984

- F. No. BNP|C|5|84.—Shri S. B. Deshmukh. Permanent Inspector (Control) is appointed to officiate as Deputy Control Officer in the Bank Note Press, Dewas in the Pay Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 5-7-84 (FN) until further orders.
- F. No. BNP|C|5|84.—In continuation of this office Notification number BNP|C|5|82 dated 3-11-82 the ad-hoc appointment of Shri A. K. Rastogi as Hindi Officer in Bank Note Press, Dewas is further continued upto 2-5-84 on the same terms and conditions.
- F. No. BNP|G|7|84.—In partial modification this office Notification of even number dated 26-2-84 the period of appointment of Shri S. B. Deshmukh a permanent Inspector Control to officiate as Deputy Control Officer in the Scale of Rs. 650-1200 Group 'B' Gazetted) on ad-hoc basis in Bank Note Press, Dewas w.e.f. 20-3-84 to 13-5-84 may be read as "20.3.84 to 18.4.84".
- F. No. BNP|C|5|84.—Shri S. B. Khadilkar, Permanent Inspector Control is appointed to officiate as Deputy Control Officer in the Bank Note Press, Dewas in the Pay Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 13-7-84 (Forenoon) until further orders.

M. V. CHAR, General Manager

# INDIAN AUDIT ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

#### CENTRAL REVENUES

# New Delhi, the 16th July 1984

No. Admn. I/O. O. No. 147—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints substantively the following officiating Audit Officers of this office against the permanent posts of Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the dates noted against each:

\$1. No.	Name S/Shri	Date of substantive appointment as Audit. Officer
1.	Shri C. L. Arora	13-6-1984
2.	" O. P. Malik	1-7-1984

# The 20th July 1984

No. Admn.I.O.O. No. 148.—Shri R. S. Sharma, an Assistant Audit Officer of this office has been absorbed permanently in the Bharat Heavy Electricals Limited. New Delhi, with effect from 8-5-1984 (F.N.) on the terms and conditions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) letter No. A-39020[14]84-EG.I dated 3rd July, 1984.

This has the approval of the Government of India conveyed vide C.A.G's letter No. 2013-N. 3|20-84-II dated 5-7-84.

VIJAYA MOORTHY Dy. Dir. of Audit (Admn.)

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

#### COMMERCE WORKS & MISC.

New Pelhi, the 24 July 1984

No Admn. III/2(1)/VIII/795—The Director of Audit, Commerce Works & Misc. New Delhi has ordered the promotion of the following Section Officers/Assistant Audit Officers as temporary Audit Officers on provisional basis in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 from the dates shown against each:—

SI. Name No.			Da	ite from which Promoted
S/Shri		 	 	, <u>, , , , , , , , , , , , , , , , , , </u>
1. S. K. Bhattachar	yн			16-3-1984
2. Suprio Mitra				16-3-1984
3. K. C. Agnihotri				30-4-1984
4, S. C. Dutta				4-5-1984
5, M. K. Jain				30-6-1984
6. M. M. Bhardwaj				30-6-1984

A. K. PATNAIK Dy. Director (Admn).

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 11th July 1984

No. Admn. I [8-132] 84-85 [80,—Sri S. Subramanian III, Sri G. R. Sarma, Sri B. Nageswara Rao I, Audit Officers, Office of the Accountant General (Audit) Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 30-6-84 A.N.

(Sd.) ILLEGIBLE. Sr. Dy. Accountant General (Admn).

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) GUJARAT

Ahmedabad, the 10th July 1984

No. Estt. (A)|60|3|(39)|8|868.—The Accountant General (Audit) Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri H. B. Rana, Section Officer (Audit) to officiate as Asstt. Audit Officer in the Office of the Accountant General (Audit) Gujarat, Ahmedabad with effect from 19-4-84 FN until further Orders.

The above is provisional and subject to the outcome in the Special Application No. 388 of 1984 in the Honourable High Court of Gujarat.

> (Sd.) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) KERALA

Trivandrum, the 18th July 1984

No. A.G. Audit[Entt Cash|1|10-3|84-85.—The following Audit Officers of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum retired from service on superanuation on the dates mentioned against each:—

- Shri M. K. Sankaranarayanan, Audit Officer— 30-6-1984.
- (2) Shri T. V. Krishnankutty, Audit Officer-30-6-1984.
- (3) Shri M. R. Govindan. Audit Officer-30-6-1984.

V. LAKSHMINARAYANAN Accountant General

# O.O. THE ACCOUNTANT GENERAL UTTAR PRADESH Allahabad, the 16th July 1984

No. Admn. [AG(Audit) II 13-7 364,—Following Audit Officers, on attaining the age of superannuation, have retired from the Govt. Service with effect from 30 June 1984 (AN):—

S]Shri

- 1. G. M. Bhagia.
- 2. Jagdish Narin Khanna.

B. K. CHATTOPADHYAY Sr. Dy. Accountant Genl. Admn.

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT N. E. RAILWAY

Maligaon, the 16th June 1984

No. 37.—Shri A, K. Chowdhury, Section Officer, who was working as Senior Accountant on deputation with SIB (MHA) Govt. of India, Tezpur has been granted proforma promotion as Asstt. Audit Officer on the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-1040]—under the Next Below Rule with effect from 1-3-84 until further orders.

R. A. BORKAR Dir. of Audit

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DÉFENCE SERVICES

New Delhi, the 18th July 1984

No. 1720/A-Admn./130/82-84—The Director of Audit, Defence Services, New Delhi is pleased to appoint the undermentioned Selection Officers/Section Officers (Audit) as Assistant Audit Officer in the Scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 from the date noted against each :—

SI. No.	Name						Designation	Office in which appointed	Dato from which appoin- tod
	S/Shri	 							
1.	R. C. Gupta .	• •	•	•	٠	•	Section Officer (Audit)	Jt. Director of Audit, DS, WC, Chandigarh.	1-3-1984
2.	V. Jayaraman .	•	٠	•	•		Selection Grade Section Officer (Audit)	Director of Audit, DS., New Delhi.	1-3-1984
3.	M. R. Ramachandran	•		•	•		Do.	Asstt. Director of Audit, DS, Bangalore.	2-3-1984
4.	B. L. Deb						Section Officer (Audit)	Jt. Director of Audit, DS, EC, Patna.	1-3-1984
<b>5</b> .	Maden Lal	-		•	•		Do.	Audit Officer, DS Jalandhar.	1-3-1984

1	2							3	4	5
·	S/Shri									
6.	P. C. Mitra		•		•			Section Officer (Audit)	Audit Officer, DS (Army) Calcutta.	1-3-1984
7.	D. N. Pant			•				Do.	Director of Audit DS, New Delhi.	1-3-1984
8.	K. A. Devasia .							Do.	Jt. Director of Audit, DS, - SC, Pune	1-3-1984
9.	N. Viswanathan .							Do.	Director of Audit (O. F) Calcutta.	1-3-1984
10.	D. P. Gupta							Do.	Director of Audit, DS, New Delhi.	1-3-1984
11	R. C. Talwar .							Do.	Do.	1-3-1984
	K. Sethumadhavan	•		•	•	•	•	Do.	Do.	1-3-1984
	S. S. Gupta						Ė	Do.	Do.	1-3-1984
	Ram Baboo Agarwal			•	Ċ	·	•	Do.	Do.	1-3-1984
	K. Natarajan .			•	·		·	Do.	Jt. Director of Audif, (O. F.) Kanpur.	19-3-1984
16.	Arun Kanti Banerjee					•		S.G. S.O. (A)	Jt. Director of Audit, DS, EC. Patna.	L-3-1984
17.	M. Rajagopalan .							Do.	Asstt. Director of Audit, DS. Madras.	1-3-1984
18.	Ranjit Kumar Chatterje	æ						Do.	Jt. Director of Audit, DS, EC, Patna.	1-3-1984
19.	K. V. Natarajan .							Do.	Jt. Director of Audit, DS (N) Bombay	1-3-1984
20.	K. K. Majumdar .				••			Section Officer (Audit)	Jt. Director of Audit, DS, EC, Patna	1-3-1984
21.	M. C. Pant							Do.	Jt. Director of Audit, (O. F) Jabalpur	1-3-1984
22.	A. Ghosh	,						Do.	Audit Officer, DS (P) Allahabad	1-3-1984
23.	Alok Bhattacharya							Do.	Director of Audit DS, New Delhi	1-3-1984
24.	R. N. Bandhyopadhyay				•			Do.	On deputation to the O/o the C&AG of India	1-3-1984
25.	M. K. Abraham .							Do.	Audit Officer, DS (O. F) Kirkee	1-3-1984
26.	Ghasita Singh .	,						Do.	Jt. Director of Audit, DS, CC, Meerut	1-3-1984
27.	D. K. Srivastava .			,			,	$\mathbf{D_0}$ .	Audit Officer, DS (P) Allehabad	1-3-1984
28.	A. K. Mishra .	٠		• •		-		Do.	Jt. Director of Audit, (O. F) Kanpur	1-3-1984
29.	M. N. Mukherjee .				•			S.G. S.O. (A)	Jt. Director of Audit, DS (N) Bombay	1-3-1984
.0	C. K. Panduranga Rao	•			•	•		Do.	Asstt. Director of Audit, DS, Bangalore	1-3-1984
31.	A. N. Mukherjee .			•	•	•	•	Do.	Jt. Director of Audit, DS, EC, Patna	1-3-1984
32.	Om Prakash I .	•		•	•	•		Section Officer (Audit)	Audit Officer, DS (NC) Jammu	1-3-1984
33.	G. Ramachandran .					•		Do,	Jt. Director of Audit, DS, SC, Pune	l-3-1984
34.	A. K. Adhikarl .	•			•	•	•	Do.	Director of Audit (O, F) Calcutta	1-3-1984
35.	T. K. Chakraborty							Do.	Do.	1-3-1984
	CSSV Ratna Sarma							Do.	Audit Officer, DS (O. F) Avadi	1-3-1984
17.	B. K. Khanna .					•		Do.	Avadi Audit Officer, DS Delhi Cantt.	1-3-1984
8.	Tulsi Dass	,						Do.	Jt. Director of Audit, DS (AF) D' Dun	1-3-1984
9.	Sat Narain Singh .							Do.	Director of Audit, DS, New Delhi	1-3-1984
Ю.	P. Rajagopalan Nair							Do.	Jt. Director of Audit, DS (N) Bornbay	1-3-1984
и.	S. P. Srivastava .		,					Do.	Director of Audit, DS, New Delhi	1-3-1984
12.	Ashim Kumar Sengupta			,				Do.	Jt. Director of Audit, (O. F) Calcutta	1-3-1984

i	2						3	4	5
S/S 43. N.	hri D. Saha			•		•	Section Officer (Audit)	Jt. Director of Audit,	1-3-1984
44. M.	C. Gupta	,					Do.	DS, EC, Patna Jt. Director of Audit,	1-3-1984
45. Ma	dan Mohan Lal		,				Do.	DS (AF) Dehradun  Jt. Director of Audit,	1-3-1984
46. Rar	ıvir Singh .		•				Do.	DS, WC, Chandigarh  Jt. Director of Audit	1-3-1984
47. Cha	aman Lal Oberoi						Do.	(O. F) Kanpur  Jt. Director of Audit,	12-3-1984
48. Isb	war Singh Ramney						Do.	DS, WC, Chandigarh Do.	1-3-1984
49. B. S	S. Mishra	•	•	•		•	Do.	Jt. Director of Audit, DS, EC, Patna	1-3-1984
	andi Prasad Yadav		•				Do.	Do.	1-3-1984
	R. Soni	•	-	•	-	٠	Do.	Jt. Director of Audit (O. F) Jabalpur	1-3-1984
52. R.	Thirumalai .	•	•	•-	•	٠	Do.	Director of Audit, DS, New Delhi	1-3-1984
	ardan Prasad Singh	٠.	٠	٠	•	٠	Do.	It. Director of Audit, DS, EC, Patna	1-3-1984
54. <b>K</b> . (	Gopalakrishnan	•		•	•	•	. Do.	Jt. Director of Audit, DS, SC, Pune	1-3-1984
55. N.	V. Dani	•		٠	•	•	S.G. S.O. (A)	Jt. Director of Audit, DS (N) Bombay	1-3-1984
56. A. S	S. Vorma	•	, '	-	•	-	Section Officer (Audit)	Jt. Director of Audit, DS, CC, Meerut	1-3-1984
	at Singh .		•				Do.	Do.	1-3-1984
	Ramamurthy .	•	•	•	-	•	Do.	Asstt. Director of Audit, DS (AF) Bangalore	2-3-1984
59. R. I	K. Shangari .	٠.	•	•	٠	•	Do.	Jt. Director of Audit, DS, CC, Meerut	1-3-1984
60. Jage	dish Raj		•	•	•	•	Do.	Director of Audit, DS, New Delhi	1-3-1984
61. Kal	i Charan						Do.	Jt. Director of Audit, DS, WC, Chandigarh	12-3-1984
62. Bha	wani Lal Verma	•	•				Do.	Director of Audit, DS, New Delhi	1-3-1984
63. P. <b>E</b>	Bhaskaran .			•	•		Do.	Jt. Director of Audit, DS, CC, Moorut	1-3-1984
64. K.	Subramanian .		•	•	•		Do.	Asstt. Director of Audit, DS, Madras	1-3-1984
65. V. 1							Do.	Do.	1-3-1984
	I. F. Navis	•	•	•	•	•	Do. Do.	Do. Jt. Director of Audit,	1-3-1984 1-3-1984
		•	•	•	•	•		DS, CC, Meerut	
	N. Dadheech .	•	•	•	•	•	Do.	Jt. Director of Audit DS, CC, Meerut	- 1-3-1984
	Rongachari .	•	•	•	•	•	S.G. S.O. (A)	Asstt. Director of Audit, DS, Madras	1-3-1984
70. <b>K</b> . 1	N. Ayyappan .	•	•	•	•	٠	Section Officer (Audit)	Jt. Director of Audit DS (N) Bombay	1-3-1984
71. J. I	. Tripathi .	•	•	٠	•	•	Do.	Director of Audit, DS, New Delhi	1-3-198
72. U.	Gopinathan .	•	•	•	•	•	Do.	Jt. Director of Audit DS, SC, Pune	1-3-1984
73. Hai	ns Raj Ahuja .	•					Do.	Jt. Director of Audit DS (A. F) Dehra Dun	1-3-1984
74. D.	Srinivasan ,		,	٠	,		S.G. S.O. (A)	Director of Audit, DS, New Delhi	1-3-198
	m Nath Handa .						Do.	Do.	1-3-198
76. K.	V. Raman .	•	•	•	•	•	Do.	Audit Officer, DS Delhi Cantt	1-3-1984
77. S. G	C. Deshpande .	•	1	•	•	•	Do.	Jt. Director of Audit, DS, SC, Pune	1-3-198
78. Sul	cumar Bose .	•		•	•		Section Officer (Audit)	Jt. Director of Audit, DS, EC, Patna	5-3-1984
79. N.	Ramachandran .						Do.	It. Director of Audit, DS, (N) Bombay	14-3-198
	Ramaswamy .	•					Do.	Asstt. Director of Audit.	1-3-1984

1	2						3	4	5
	S/Shri								
81.	Devendra Singh .		-				Section Officer (Audit)	Jt. Director of Audit DS, WC, Chandigarh	1-3-1984
82.	Subhash Ranjan Roy		•	•	-		Do.	Audit Officer, Do (Army) Calcutta	1-3-1984
83.	Kamal Saxena .						Do.	Jt. Director of Audit DS, CC, Meerut	1-3-1984
84.	B. M. Bhattacharya						Do.	Audit Officer, DS, (NC) Jammu	1-3-1984
85.	Baboo Lal	•			•		Do.	Jt. Director of Audit DS, WC, Chandigarh	1-3-1984
86.	R. B. Borotikar .					•	Do.	Jt. Director of Audit DS, SC, Pune	1-3-1984
87.	Ram Basawan Singh	•			٠		Do.	Audit Officer, DS (P) Allahabad	1-3-1984
88.	Vijay Kumar	•	•				Do.	Jt. Director of Audit DS, WC, Chandigarh	1-3-1984
89.	Ladli Saran		•				Do.	Audit Officer, DS (N) Vizag.	1-3-1984
90.	R. N. Ram						Do.	Audit Officer, DS (P) Allahabad	1-3-1984
91.	K. N. Venkataraman						Do.	Jt. Director of Audit DS, (N) Bombay	1-3-1984
92.	P. K. Chakraborty .		•				Do.	Audit Officer, DS (Army) Calcutta	1-3-1984
93.	. S. K. Jha		•	•			Do.	Jt. Director of Audit (O. F) Calcutta	1-3-1984
94.	S.L.Gupta			•			Do.	Jt. Director of Audit (O. F) Kanpur	1-3-1984
95.	. Karath Unni Krishni Me	non					Do.	Asstt. Director of Audii, DS (A.F.) Bangalore	1-3-1984
96.	. O. P. Vashist .						Do.	Audit Officer, DS (NC) Jammu	1-3-1984
97.	Kuldip Singh .						Do.	Audit Officer, DS Delhi Cantt	1-3-1984
98.	. Manohar Lal ,						Do.	Audit Officer, DS (NC)	1-3-1984
99.	. A. A. Jose						Do.	Jammu Jt. Director of Audit DS	1-3-1984
100.	. A. K. Bhowmik .						Do.	(N) Bombay  Jt. Director of Audit	1-3-1984
101	. N. K. Sehgal						Do.	(O. F) Calcutta  Jt. Director of Audit,	1-3-1984
102.	. Gabar Singh Negi .		,				Do.	DS, CC, Meerut  Jt. Director of Audit,	1-3-1984
103.	, Rich Pal Singh .			٠,			Do.	DS, CC, Meerut  Jt. Director of Audit,  DS NO. Chandra	. 19-3-1984
104.	. Ram Niwash Tyagi					•	Do.	DS, WC, Chand garh  Jt. Director of Audit,	1-3-1984
05.	Sibabrata Ghosh .						Do.	DS, CC, Meerut Director of Audit (O. F)	1-3-1984
106.	. K. P. Sharma			•			Do.	Calcutta On deputation to C&A.G.	1-3-198
107.	. K. Lakshmi Narayanan	• ,					S.G. S.O. (A)	of India Asstt. Director of Audit,	1-3-198
108	. A.K. Chakraborty		•	•	•		Do.	DS, Madras  Jt. Director of Audit,	1-3-198
109	. Harl Om Sondhi .						Do.	DS, SC, Pune Director of Audit, DS,	1-3-1984
110	. Samir Kumar Maitra						Section Officer (Audit)	New Delhi Director of Audit, (O. F)	1-3-198
111	. Sunil Kumar Biswas				•		Do.	Calcutta Jt. Director of Audit,	1-3-198
112	. Md. Ishrat Naseem						Do.	(O. F) Calcutta Audit Officer DS (P)	1-3-1984
113.	, Mrs. Chitra Mitra (Roy	Chov	w <b>d</b> hur	y)	•		Do.	Allahabad  It. Director of Audit	5-3-1984
114.	. Arun Kumar Chatterjee						. Do.	(O. F) Jabalpur  Jt. Director of Audit	1-3-198
112	. Sudarshan Singh .						Do.	(O. F) Calcutta. Audit Officer, DS (N. C) Jammu	1-3-1984

1 2					3	4	5
S/Shri					a .1		
116. Anil Kumar	•	•	•	•	Section Officer (Audit)	Jt. Director of Audit DS (A. F) Dehra Dun.	1-3-1984
117. Ashok Kumar Raina .	•	•	•	•	Do.	Audit Officer, DS (N. C) Jammu	1-3- 198
118. Kewal Krishan Chug .	٠ _				Do.	Jt. Director of Audit, DC, WC, Chandigarh	1-3-1984
119. Shashi Bhushan Roy .		•	•		Do.	Jt. Director of Audit, DS, EC, Patna	1-3-1984
120. Shamim Ahmed Khan					Do.	Do.	1-3-1984
121. M. E. Siddiqui		٠,٠			Do.	Jt. Director of Audit,	1-3-1984
122. Prem Chand Ghosh .					Do.	(O. F) Jabalpur Do.	1-3-1984
122. Prem Chand Ghosh		٠.	٠.	٠.	Do,	On deputation to Jt. Director	1-3-1984
124. Ram Raujan Prasad Verma					Do.	of (Food) Calcutta  Jt. Director of Audl1,	1-3-1984
125. S. Hariharan	•	•	•	,	Do.	DS, EC, Patna Asstt. Director of Audit,	1-3-1984
	•	•	•	•		DS (AF) Bangalore	
126. Nirmal Kumar Neogy .	•	•	•	•	Do.	Audit Officer, DS, Delhi Cantt.	1-3-1984
127. V. Samanathan	•	•	•	٠	Do.	Jt. Director of Audit, DS, SC, Pune	1-3-1984
128, K. C. Kuruvilla	•	•		•	Do.	Jt. Director of Audit, (O. F) Jabalpur	1-3-1984
129. N. Sundararajan					Do.	Audit Officer, DS (O. F) Avadi	1-3-1984
130. R. S. Balaji					Do.	Asstt. Director of Audit, DS, Madras	1-3-1984
131. Bahadur Singh Randhawa					Do.	Audit Officer, DS	1-3-1984
132. S. Viswanathan					Do.	Jalandhar Jt. Director of Audit,	1-3-1984
133, N.R. Narayanan					Do.	DS, SC, Pune Do.	1-3-1984
134. M. Sreedharan		:	•		Do.	Jt. Director of Audit,	1-3-1984
135. Ganga Das					Do.	DS (N) Bombay Audit Officer, DS (P)	1-3-1984
36. S. Mukherjee					Do.	Allahabad Director of Audit DS,	1-3-1984
37. Mahendra Pratap					Do.	New Delhi Jt. Director of Audit, DS	1-3-1984
138. Sushil Ranjan Roy			,		Do,	(N) Bombay Audit Officer, DS (Army)	1-3-1984
139. C. P. Dua				•	Do,	Calcutta Jt. Director of Audit DS	1-3-1984
140. K. N. Prasad					Do.	(A. F) Dehradun  Jt. Drector of Audit DS,	1-3-1984
41. R. B. Mishra	-		•	Ť	Do.	EC, Patna Audit Officer, DS (P)	1-3-1984
•	٠,	•	•	•		Allahabad	
142. Joti Ram	•	•	•	•	Do.	Jt. Director of Audit DS, WC, Chandigarh	1-3-1984
43. V. Ramachandran	•	•-	•	•	Do.	Audit Officer, DS, Delhi Cantt	1-3-1984
11. P.K. Bhuttacharjee .	•	•	•	•	Do.	Jt. Difector of Audit (O. F) Calcutta	1-3-1984
45. S. S. Sengupta	•	-•	•	•	Do.	Audit Officer, DS (N) Vizag.	1-3-1984
45. A. K. Chalil					Do.	Jt. Director of Audit DS, SC, Pune	1-3-1984
47. P. S. Rama Sharma .					Do.	Audit Officer, DS (O. F)	1-3-1984
48. C.G.S. Partickar					Do.	Ambajhari  Jt. Director of Audit DS,	1-3-1984
49. P. P. Mohanan					Do.	SC, Pune Do.	7-3-1984
50. Subhash Chandra					Do.	Jt. Director of Audit DS (A. F) Dehra Dun	1-3-1984
51. S. Basu Roy	•	-			Do.	Audit Officer, DS (P) Allahabad	1-3-1984
52. J. M. Godkhindi					Do.	Audit Officer, DS (O. F)	1-3-1984

1	2	<del></del>				*11	,	3	4	5
	S/Shri							······································		
153.	. R. N. Dixit .				•	-		Section Officer (Aud	Audit Officer, DS (P) Allahabad	1-3-1984
154.	Babu Ram ,			•		-	•	Do.	Jt. Director of Audit, DS (A. F) Dehra Dun	1-3-1984
155	. R. D. Shrivas							Do.	Do.	1-3-1984
156.	. Navin Kumar	٠		•				Do.	Jt. Director of Audit, DS, EC, Patna	1-3-1984
157.	. Uma Shankar Pra	bae				٠		Do.	Audit Officer, DS (P) Allahabad	1-3-198
158.	Ved Prakash		•	-	-			Do.	1t. Director of Audit, DS (A. F) Dehra Dun	1-3-1984
159.	L. R. Ubhrai							Do.	Do.	1-3-1984
160.	A. K. Chatterjee		·		•		•	Do.	Jt. Director of Audit (O. F) Jabalpur	1-3-1984
161.	S. C. Jha		-			•		Do.	Jt. Directof of Audit, DS (N) Bombay	1-3-1984
162.	K. K. Verma							Do.	Audit Officer, DS, (P) Allehabad	1-3-19 8
163.	M. M. Haque							Do.	Jt. Director of Audit, DS. (A. F) Dehra Dun	1-3-1984
164.	S. Moorthy .							Do.	Audit Officer, DS (Navy) Vizag	1-3-198
165.	V. Ranganathan							Do.	Jt. Director of Audit, DS, SC, Rune	1-3- 198
166.	P. M. Vijayaragha	van		-	-			Do.	Jt. Director of Audit, DS (N) Bombay	1-3-198
167.	Sri Kant Singh	•						Do.	Jt. Director of Audit (O. F) Kanpur	1-3-1984
168,	Smt. Indira Ravi V	/erma	٠.			•	•	Do.	Asstt. Director of Audit, DS, Madras	1-3-1984
169.	A. Uppili .		•	•	•	•	•	Do.	Jt. Director of Adit, DS, SC, Pune	1-3-198
170	S·K, Lakhsminar	ayana	n	•		٠	,•	Do.	Audit Officer, DS (Navy) Vizag	1-3-1984
171.	S. Kalyanaraman							Do.	Audit Officer, DS (O. F) Kirkee	1-3-198
172.	T. N. Gopinathan		•	•			•	Do.	Jt. Director of Audit, DS (N) Bombay	1-3-1984
173.	P. S. Tyagi .	-	•	•	•			Do.	Jt. Director of Audit, DS, SC, Pune	1-3-1984
174	M. M. Gupta							Do.	Audit Officer, DS, Delhi Cantt	1-3-1984
	R. S. Bhandari		•	÷	·		:	Do.	Jt. Director of Audit, DS (A. F) Dehra Dun	1-3-1984
176.	Om Prakash Jatia				•		•	Do.	Jt. Director of Audit (O. F) Kanpur	1-3-1984
177.	N. C. Das .		•		•		•	Do.	Audit Officer, DS (O.F) \ Ambajhari	1-3-198 4
178.	R. A. Kureel .				•		•	Do.	Jt. Director of Audit, DS, (A. F) Dehra Dun	1-3-1984

B. S. TYLE
Joint Director of Audit, Defonce Services
New Delhi

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 17th July 1984

No. AN/I/1419/4/Vol. I.—The following officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates shown against each:—

SI. Name No.			<del>-</del>	Date of con- firmation
1. Shri Nikhilesh Jha			_	12-2-1984
2. Shri Santokh Singh .	•	•	·	24-12-1983
3. Shri Neikhomang Neihsial				2 <b>-1-19</b> 84
				V. S. JAFA

Addl. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE

### ORDNANCE FACTORY BOARD

# DGOF HORS STENOGRAPHERS' SERVICE

Calcutta-69, the 7th July 1984

No. 13.—The D.G.O.F. is pleased to promote Shri R. N. Bose, Stenographer [Gr. B]Sr. P.A. as Stenographer Gr. A] P.S. (Group 'B' Gazetted) in offg. capacity in an existing vacancy from 23-6-84 until further orders.

D. R. IYER, DGOG Personnel for Dir. Geni. Ordnance, Factories

# MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 23rd July 1984

# IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 1|18|78-Admn(G)|5857.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Bakshi, Deputy Director (EP) in the Ministry of Commerce, as Deputy Directors (Drawback) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi on deputation basis with effect from 30th June, 1984 (AN).

RAJINDER SINGH
Jt. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

### New Delhi, the 16th July 1984

No. 6|1389|82-Admn(G)|5766.—On attaining the age of superannuation, Smt. Mary Thomas, Grade 'A' officer of (CSSS) in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1984.

M. L. JAYANT, Dy. Chief Controller of Imports and Exports For Chief Controller of Imports and Exports

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi-110066, the 3rd July 1984

No. 2(2-1)|83-Tex.—The National Craft Institute for Hand Printed Textiles, Ja:pur is hereby transferred to function under the "Rangatantra", the Design Society w.e.f. 1st June 1984.

Funds will be provided to the Society for implementation of the programmes of the Institute under budget allocation under Plea Schemes of the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Commerce, New Delhi.

SHIROMANI SHARMA, Development Commissioner (Handicrafts)

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

#### SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 18th July 1984

No. A-19018(297) | 77-Admn. (G).—Consequent on her reversion from deputation with the Bihar State Pharmaceutical and Chemical Development Corporation Ltd., Patna as Asstt. Manager, Smt. Sunita Kumari assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr.I) (Chem.) in the office of the D.G. (SSI), New Delhi on forenoon of 1-6-1984.

No. A-19018(676)|83-A(G).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Khanoji, Asstt. Director of Inspection, DGS & D, New Delhi, as Asstt. Director (Gr.I) (Mech.) at the office of the DC(SSI), New Delhi w.e.f. the forenoon of 18-6-84 until further orders.

S. K. PURKAYASTHA, Dy. Director (Admn).

# New Delhi, the 18th July 1984

No. A.31013[3]83-Admn.(G).—The President is pieased to appoint Dr. Manjit Singh as Director (Gr.I) (Metallurgy) in the Small Industry Development Organisation in a substantive capacity w.e.f. 1-2-1983.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn).

# MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 20th July 1984

No. A-19011(21)|83-Estt.A.—On his voluntary recirement on 29-2-1984 (AN) Shri L. G. Laghate, Permanent Deputy Controller of Mines and Officiating Regional Controller of Mines has been relieved of his duties from the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 29-2-84 and accordingly his name is struck off the strength of the effective establishment of this Department from the said date.

No. A-19012(113)|83-Estt.A.|P.P.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri M. G. Aurangabadkar, Assistant Mineral Economist (Statistics) is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 30-6-1984 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this Department.

P. P. WADHI, Administrative Officer for Controller General

#### SURVEY OF INDIA

#### SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehradun, the 17th July 1984

No. C--6099/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B'Post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB 880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on adhoc provisional basis:—

Si. No.	Name and Designation	Un <sup>1</sup> t/ Office	With effect from
	ri Raju Krishnan, rveyer Sel. Gd.	No. 86 Party (SCC), Visakhapatnam.	7-11-83(FN)
	rl M. L. Kumar, rveyor Sel. Gd.	No. 42 Party (NWC), Ambala.	25-8-83(FN)
	ri S. C. Mamgain, rveyor Sel. Gd.	No. 9? Part√ (SEC), Varanasi.	24-10-83(FN)

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

## DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RODIO

New Delhi-1, the 18th July 1984

No. 6(129)|63-SI.—On attaining the age of superannuation Shri M. K. Shome, Programme Executive, All India Radio, Silchar retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March, 1984.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

#### New Delhi, the 20th July 1984

No. A-32012 | 1 | 83-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri G. Ranganathan, Junior Accounts Officer of the Office of the General Manager, North Eastern Telecom Circle, Indian P&T Department, Shillong, as Accounts Officer in this Directorate in the Regional Office at Gauhati on transfer on deputation for a period of three years with effect from the forenoon of 9th July, 1984 on usual deputation terms as stipulated in the Ministry of Finance (Department of Expenditure)'s O.M. No. F. 10(24)-E.III(B) | 60 dated 4th May 1961 as amended clarified from time to time.

G. P. BHATTI.
Dy. Dir. (Admn).
for Dir. of Advertising & Visual Publicity.

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (STORE I SECTION)

New Delhi, the 19th July 1984

No. A.19011|5|84-S.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Manoj Kumar in the post of Assistant Depot Manager, Govt. Medical Store Depot, Bombay in a temporary capacity with effect from the forenoon of 12-6-1984, and until further orders.

R. C. GULATI, Dy. Asstt. Dir. (Stores)

#### New Delhi, the 21st July 1984

No. A.19018|9|83-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to apoint Dr. Pushkar Dev, to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of the 13th July, 1983.

T. S. RAO, Dy. Dir. Admn. (CGHS.I)

## MINISTRY OF AGRICULTURE

# DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 30th June 1984

No. F.5-52|83-Estt.(I)(Vol.II).—In continuation of this Directorate's notification issued under No. F.2(6)|78-Estt.(I) dated 10-9-80, the deputation period of Dr. D. B. Singh, permanent Touring Veterinary Officer, Department of Animal Husbandary, Madhubani (Bihar) in the post of Assistant Livestock Officer, Directorate of Extension is extended for a further period of one year from 1-9-83 to 31-8-84.

### The 7th July 1984

No. F.2-4|79-E.I.—Shri P. N. Chopra, Superintendent (Grade I) is promoted to the post of Assistant Administrative Officer, Group 'B' (Gazetted) (Ministerial), in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Despartment of Agriculture and Cooperation), on ad-hoc basis with effect from forenoon of 30th June 1984 to 29th September, 1984 or until further orders whichever is earlier.

R. G. BANERJEE Director Administration

# MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 7th July 1984

No.A. 19026 182-A-III.—The period of deputation of Shri S. D. S. Yadav, Accounts Officer of the office of the Accountant General (Audit), Haryana, Chandigarh, officiating Accounts Officer in the Directorate at Faridabad has been extended for a further period of six months beyond 2-6-84 on usual terms and conditions of deputation.

#### The 18th July 1984

No. A. 19025 14 84-A-III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Jagdish Prasad Meena has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad w.e.f. 30-6-84 (FN) until further orders.

#### The 19th July 1984

No. A. 19025|15|84-A-JII.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Kailash Chandra Rout has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Dte. at Faridabad w.e.f. 9-7-84 (FN) until further orders.

ATUL SINHA
Agricultural Marketing Adviser
to the Govt, of India

# BABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 19th July 1984

No. M|865|Estt. II|3594.—Shri Ganesh Trimbak Marathe relinquished charge of the post of SO|Engr-Grade SB on 31-5-1984 (AN) consequent on Superannuation.

R. C. KOTIANKAR Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 12th July 1984

Ref. No. DPD|41|3|83-Adm|17730.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Smt. Darshan Singh, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 6-6-84(FN) to 31-7-84(AN) in the same Directorate vice Shrl J. G. Sathe, Assistant Accounts Officer, grauted leave.

No. DPS|41|1|83-Adm.|17734.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri JOAQUIM JOHN PEREIRA a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 28-5-84 (FN) to 29-6-84 (AN) in the same Directorate vice Shri S. N. Deshmukh, Asstt. Purchase Officer granted leave.

P. GOPALAN
Administrative Officer

#### CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 10th July 1984

No. CED|A|2|16|4862.—The Director, Construction & Services Group Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. K. Mukheriee, a permanent Assistant Accontant, Construction & Services Group, as Assit.

Accounts Officer, on ad-hoc basis in Construction & Services Group, with effect from afternoon of 30-6-84 onward, Vice Shri B. K. Sen, Assistant Accounts Officer on deputation repatriated to the office of Accountant General (1) West Bengal.

B. V. THATTE Administrative Officer

## NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 20th July 1984

No. PAR|0704|1858.—Further to this office notification No. PAR|0704|1682 dated 22-6-1984, the appointment of Sri C. R. Prabhakaran, Asst. Accountant, as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad hoc basis is extended upto 22-8-84 or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

### NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 18th July 1984

No. NPB|3(262)|83-Estt.I|6476.—Chairman, Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri G. G. KULKARNI Stenographer (Sr.) of this Board as Assistant Personnel Officer in the same Board in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 30, 1984 to the afternoon of July 30, 1984 vice Shri T. S. Aswal, Assistant Personnel Officer deputed for training course.

R. V. BAJPAI General Administrative Officer

## REACTOR RESEARCH CENTRE

Kolpakkam, the 21st June 1984

No. RRC|A 32023|1|83-R|8857,--In continuation of this Centre's Notification of even number (8036) dt. June 5, 1984 Director, Reactor Research Centre has extended the period of officialing promotion of Shri Vadivel Vembian, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk of this Centre as Assistant Administrative Officer in the same Centre from 16-6-1984 to 22-6-84.

S. PADMANABHANI Administrative Officer

# MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 18th July 1984

No. E(I)00232.—In continuation of notification of even number dated 13th April, 1983, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Dr. Virendra Saxena as Hindi Officer in the General Central Service Group 'A' (Gazetted) in India Meteorological Department from 8th September 1983 to 6th June, 1984.

S. K. DAS Director General of Meteorology

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delh, the 3rd July 1984

No. A. 32014/5/82-EC(.)—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistant at present working as Assistant Technical Officer on an ad-noc

basis to the grade of Assistant Technical Officer on a regular basis with effect from the dates indicated against each and until further orders:—

SI. Name No.				Date	e of promotion
S/Shri			•	 _	<del> </del>
1. G. M. Mathew .					28-12-1983
2. S. V. Subba Rao					28-10-198
3. K. Anjanevalu				,	28-10-1983
4. M. Puranchandra	Rao				28-10-1983
5. S. Krishnan					28-10-1983
6. Mrinmoy Mallick					28-10-1983
7. B. S. Jajuha					28-10-1983
8. A. Srinivasan					28-10-1983
9. C. K. Da					28-10-1983
10. V. Srinivasan					28-10-1983
11. D. L. N. Murthy		-			28-10-1983
12. P. V. Rao					28-10-1983

#### The 12th July, 1984

No. A. 38013/1/84-EC—The undermentioned officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office with effect from the dates indicated against each on retirement on attaining the age of superannuation:—

Sl. Name & Designation No.	n Station	Date of retire- ment
1 Shri T. Paul, Assistant Communi- cation Officer	ASC, Delhi	31-5-1984(AN)
2. Shri V. J. Hudder, Assistant Communica- tion Officer	ACS, Hyderabad	F0-6-1984(AN)

# The 13th July 1984

No. A.19011 132 80-E.I.—On attaining the age of superannuation Shri P. N. Bhaskar, Aerodrome Officer, in the Office of the Director General of Civil Aviation retired from Government service on the afternoon of 30th June 1984.

O. P. AGGARWAL Assistant Director of Administration

Stores Depot, New Delhi.

#### New Delhi, the 16th July, 1984

No. A. 12026/1/83-ES—The Director [General of Civil Aviation is pleased to appoint the Jundermentioned officers as Hindi Officers in the scale of pay Rs. 650-1200 in the Civil Aviation Department with effect from the 30th June, 1984 (Forencon) on deputation basis for a period of two years and to post them in the offices shown against their names:—

- Shri S. P. Sharma
   O/o the Regional Director, New Delhi.
   Shri B. R. Rajput
   O/o the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi.
   Shri Brij Raj
   O/o the Controller, Radio
  - New Delhi, the 16th July 1984

No. A.32014 184-ES.—Sari G. N. Mehrotra, Administrative Officer (ad hoc) (Group 'B' post) in the office of the Principal, Civil Aviation Training Centre, Allahabad, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 30th June 1984, on attaining the age of superannuation.

### The 21st July 1984

No. A.32014|3|83-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Tek Chand Verma, Store Assistant to the post of Store Officer (Group 'B' post) on an ad-hoc basis, in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi, for a period of 6 months, w.e.f. the forenoon of the 6th June 1984, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

B. BHAUMIK
Assistant Director of Administration

### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the

No. 1|546|84-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, Bombay, hereby appoints Shri Narendra Singh as Assistant Engineer in an officiating capacity in the Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 4th June 1984 and until further orders.

#### The 13th July 1984

No. 1/520/84-Est.—The Director General Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. A. Saldanha, Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch for the periods from 16-4-83 to 30-4-83 and from 9-5-83 to 31-5-83, against short-term vacancies on ad-hoc basis, and as a local arrangement.

#### The 23rd July 1984

No. 1|544|84-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. R. Jawalkar, Audit Officer, Office of the Accountant General, Audit-I, Madhya Pradesh, Gwalior, as Accounts Officer in an officiating capacity in OCS Headquarters Office, Bombay on deputation basis with effect from the forenoon of the 25th June 1984 and until further orders.

R. K. THAKKER Dy. Director (Admn.) for Director General

# FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 20th July 1984

No. 16|429|84-Est-I.—The President Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun has been pleased to appoint Dr. Subhapati Nath to the post of Research Officer, Forest Soil-cum-Vegetation Survey Schome, Eastern Region, Midnapur, w.e.f. 18-6-84 (FN) in a temporary capacity, until further orders.

G. S. GROVER
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

# MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 10th July 1984

No. 11-TR(5)|84.—The President is pleased to appoint Shri Tapash Kumar Pramanic as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta on ad-hoc basis, with effect from 3-5-84 (Forenoon) until further orders.

AMITABH CHANDRA Dy. Director General of Shipping

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND

# COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M|s Decent Finance & Chit Fund (P) Ltd.

Jullundur City, the 16th July 1984

No. G|STAT|560|2578|2302.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s Decent Finance & Chit Fund (P) Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s Mansa Agricultural & Marketing Company (P)
Limited

Jullundur City, the 16th July 1984

No. G|STAT|560|2717|2300.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s. Mansa Agricultural & Marketing Co. (P) Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Firdos Financiers & Chit Fund Co. (P)

Limited

Jullandur City, the 19th July 1984

No. G|Stat|560|3019|2422,—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M|s Firdos Financiers & Chit Fund Co. (P) Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

B. M. JAIN Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh

# OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES MAHARASHTRA

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Premier Meters & Instruments Mfg. Co. Ltd.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 675 12720 560 (5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Premier Meters & Instruments Mfg. Co. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Burmah-Shell Properties Private Limited

Bombay-2, the 13th July 1984

No. 651 18655 560 (5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Burmah-Shell Properties Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. J. M. Filters Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 654|17115|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act,

1956 that the name of M|s. J. M. Filters Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shetty's Chit Fund Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 643|13670|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Shetty's Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. R. Khimji Trading Company Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 666|15249|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. R. Khimji Trading Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Wymac Components Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 660|15573|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Wymac Components Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Thermometers & Appliances Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 669 12378 560 (5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Thermometers & Appliances Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Neela Properties Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 653|15182|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Neela Properties Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Suvarna Film Distributors Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 644|4409|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Suvarna Film Distributors Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Venus Steel Products (India) Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 18417|652|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act,

1956 that the name of Venus Steel Products (India) Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Antares
Trading Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 662|26443|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Antares Trading Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Lature Construction Company Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 659|16312|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Lature Construction Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Raver General Stores Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 667|4747|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of The Raver General Stores Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Billimorla Productions Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 672 12234 560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name Lature Construction Company Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Macans Plastoform Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 657|17135|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Magans Plastoform Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Reckon Enamcled Wires Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 649 17987 560 (5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Reckon Enamelled Wires Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Venko Chemicals Private Ltd.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 648|15410|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act,

1956 that the name of Venko Chemicals Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kolhapur Builders Private Limited.

Bombay-400 002, the 16th July 1984

No. 673|16087|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. Koa Theatres Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Master Movie Makers Private Limited

Bombay-400 002, the 16th July 1984

No. 668|16655|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. Master Movie Makers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sanchar Publicity Consultants Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 645|14661|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Sanchar Publicity Consultants Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Electrides Private Limited.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 642 14016 560 (5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Electrides Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M.s. Koa Theatres Private Limited.

Bombay-400 002, the 16th July 1984

No. 665|18210|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. Koa Theatres Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Antares Properties and Estates Pvt. Ltd.

Bombay-2, the 16th July 1984

No. 661|26759|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Antares Properties and Estates Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sobner Private Limited

Bombay-400002, the 16th July 1984

No. 658|16941|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sobner Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Yuvraj Films Private Limited

Bombay-400 002, the 16th July 1984 '

No. 678 16610 560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. Yuvraj Films Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Paras Properties Private Limited

Bombay-400 002, the 16th July 1984

No. 680|16258|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. Paras Properties Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of AHF Hosiery and Ready Makes Private Limited Bombay-400 002, the 16th July 1984

No. 663|19428|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the AHF Hosiery and Ready Makes Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay-2.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Srtharikota Firewood Exporting Company Private Limited

Hyderabad, the 17th July 1984

No. 286|TA-III|560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sriharikota Firewood Exporting Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Friends Trading Company Private Limited

Hyderabad, the 17th July 1984

No. 302|TA-III|560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Friends Trading Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Auto Forgings Private Limited

Hyderabad, the 17th July 1984

No. 998|TA-III|560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Auto Forgings Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Naveena Andhra Printing Industrial and Agricultural Company Private Limited

Bombay-2, the 17th July 1984

No. 1255|TA-III|560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Navcena Andhra Pritning Industrial and Agricultural Company Private Limited unless cause is

shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh Hyderabad

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Kisan Board Private Limited

Bangalore-9, the 17th July 1984

No. 4162|560|84-85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. Kisan Board Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. - ILLEGIBLE Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore. 

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1984

Ref. No. HSR|107|83-84.—Whereas, J, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]; and bearing No.

Shop No. B-VII[79]1-East situated at Mohalla Jindian, Bazar Khazanchian, Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Ast, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
45—186G184

 Smt. Shakuntla Rani Widow of Shri Girdahri Lal So Shri Uttam Chand Juneja, Mohalla Rampura, Husar.

(Transferor)

(2) Shri Gobind Ram s]o Lala Siri Ram S]o Lala Nanu Ram, R]o Jain Gali, Mohalla Qazian Near Tilak Bazar, Hissar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforced persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Shop No. B.VII-79|1 East situated at Mohalla Jindian Bazar Khazanchian, Hissar and more fully described in the sale deed registered at No. 3374 dated 18-11-1983 with Sub-Registrar. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-7-1984

Seal :

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1984

Ref. No. HSR|109|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 79|III (West) situated at Mohalla Jindian Bazar Khazanchian, Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ct 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hissar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Raj Rani w/o Shri Ram Narain S/o Shri Uttam Chand Juneja, Mohalla Rampura, Hissar.

(Transferor)

(2) Smt. Rameti Devi Garg Wo Shri Gobind Ram, Resident of Jain Gali Mohalla Qazian, Near Tilak Bazar, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Shop No. 79|VIII (West) situated at Mohalla Jindian Bazar Khazanchian, Hissar and more fully described in the sale deed registered at No. 3435 dated 24-11-83 with Sub-Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 10-7-1984

Seal

#### FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1984

Ref. No. AMB|72|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
House No. 56-B, Model Town (511 Sq. Yds.)
situated at Model Town, Ambala City
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering Officer at Ambala in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Karambir Singh So Shri Udham Singh, Ro F-16, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jang Bahadur Kaushal S|o Shri Som Nath, R|o Bibipur, Distf. Patiala, Now House No. 56-B, Model Town, Ambala City,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being House No. 56 B situated at Model Town, Ambala City and more fully described in the sale deed registered at No. 5060 dated 15-11-1983 with Sub-Registrar,

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-7-1984

Seal:

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1984

Ref. No. AMB[73]83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

House No. 56 (400 sq. yards)

situated at Model Town, Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Ambala in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and\_or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Dr. Karambir Singh Slo Shri Udham Singh, Rlo F-16, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Tripta Kaushal Wo Shri Som Nath, Ro Bibipur, Distt. Patiala, Now House No. 56, Model Town. Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Property being House No. 56, Model Town, Ambala City and more fully described in the sale deed registered at No. 5061 dated 15-11-1983 with Sub-Registrar, Ambala.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-7-1984

Seal:

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1984

Ref. No. AMB|74|83-84.—Wherens, 1, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

and bearing No. House No. 56 (400 sq. yards) situated at Model Town, Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at in for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evision of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of that notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

 Dr. Karambir Singh Slo Shrl Udham Singh, Rlo F-16, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Som Nath Kaushal S|o Shri Ramji Dass, R|o Bibipur, Distt. Patiala, Now House No. 56, Model Town, Ambala City.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being House No. 56, Model Town, Ambala City and more fully described in the sale deed registered at No. 5062 dated 15-11-1983 with Sub-Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-7-1984

Seal

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1984

Ref. No. GRG|120|83-84.--Whereas, I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. House No. 11, Sector 4 situated at Urban Estate, Gurgaon

(and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act. 1908 (16 of 1908)

has been transferred under registration Act. 1906 (16 of 1906) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sarla Devi Bansal Wo Shri Lal Chand Bansal So Shri Heera Lal Bansal, Ro Plot No. 11, Sector 4, Urban Estate, Gurgaon.

(Transferor)

(2) SShri Surinder Chaudhary, Davender Singh, Ravinder Singh sons of Narain Singh, Ex-Guard, Ro Village Munda Khera, Teh. Bahadurgarh now Ro House No. 11, Sector 4, Urban Estate, Gurgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being House No. 11, Sector 4, Urban Estate, Gurgaon and more fully described in the sale deed registered at No. 3574 dated 24-11-83 with Sub-Registrar, Gurgaon. Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-7-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.I..F. COLONY, ROHTAK

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

Rohtak, the 10th July 1984

Ref. No. GRG[90]83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Total land area 2B, 2B-1|3rd share; 14 Biswa situated at Delhi-Gurgaon Road, Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rajwant Kaur Wd|o Ajmer Singh Through Ajit Singh s|o Ajmer Singh, R|o 3|11. Shanti Niketan, New Delhi.

(Transferor)

18497

(2) Shri Jai Kumar Jain So Sulad Mal Jain and Deepak Kumar So Jai Kumar Jain, Ro 1773-1774, Bhagirath Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land 14 Biswa situated at Delhi-Gurgaon Road, Gurgaon and more fully described in the sale deed registered at No. 3329 dated 2-11-1983 with Sub-Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-texAcquisition Range, Rohtak

Date: 10-7-1984

Seal:

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.J.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1984

Ref. No. GRG|91|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land 14 Biswas situated at

Delhi-Gurgaon Road, Gurgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Gurgaon on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ajit Singh slo Ajmer Singh, Rlo 3|11, Shanti Niketan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Kumar soo Shri Sulad Mal Jain and Deepak Kumar Jain So Jai Kumar Jain, Ro 1773-1774, Bhagirath Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this stice in the Official Canette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land 14 Biswa situated at Delhi-Gurgaon Road, Gurgaon and more fully described in the sale deed registered at No. 3330 dated 2-11-1983 with Sub-Registrar, Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Date: 10-7-1984

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1984

Ref. No. GRG[92]83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

Gurgaon in November, 1983

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land 14 Biswas situated at Delhi-Gurgaon Road, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
46—186G1|84

(1) Smt. Tina Grewal
Do Ajmer Singh
Through Ajit Singh,
Ro 3/11, Shanti Niketan,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Kumar Jain So Shri Sulad Mal Jain, and Shri Deepak Kumar so Shri Jai Kumar Jaln, Ro 1773-1774 Bhagirath Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the taid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land 14 Biswa situated at Delhi-Gurgaon Road, Gurgaon and more fully described in the sale deed registered at No. 3338 dated 2-11-1983 with Sub-Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th July 1984

Ref. No. III-957 Acq 84-85.—Whereas, 1, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 27, Part of H. No. 7 (Old) 18 (New), Ward No. 2 (Old) 11 (New) situated at Ward No. 11 New, P.O. Dist. Bhagalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Narayan Prasad Kotriwala, R[o Sujaganj, P.O.|Dist. Bhagalpur.

(Transferor)

(2) M|s. Dooars Transport Private Ltd., Through Shri Pawan Kumar Agarwal, At 134|1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 2340 sq. ft. with structures situated at Ward No. 11 New, P.O. Dist Bhagalpur and morefully described is deed No. I-11320 dated 11-11-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 11-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 11th July 1984

Ref. No. III-959[Acq[84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Plot No. 27, Part of H. No. 7 (Old.) 18 (New), Ward No. 2 (Old.) 11 (New) situated at Ward No. 11 New, P.O. Dist. Bhagepur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Banarasi Lal Kotriwala, R|o Sujaganj, P.O.|Dist. Bhagalpur.

(Transferor)

(2) M|s. Dooars Transport Private Ltd., Through Shri Pawan Kumar Agarwal, At 134|1, Mahatma Gandi Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Land measuring 3472 sq. ft, with structures situated at Ward No. 11 (New) P.O. Dist Bhagalpur and morefully described is deed No. 1-11322 dated 11-11-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta,

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date : 11-7-1984

Scal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001

Patna-800001, the 11th July 1984

Ref. No. III-958 Acq 84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. 27, Part of H. No. 7 (Old.) 18 (New.), Ward No. 2 (Old.) 11 (New.) situated at Ward No. 11 New., P.O. Dist. Bhagalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Shashi Kala Kotriwala, At 80-G, Lansdowne Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) M|s. Dooars Transport Private Ltd., Through Shri Pawan Kumar Agarwal, At 134|1, Mahatma Gandi Road, Calcutta.

(Transferee)

(2) Mrs. Meera Devi Chakravarthy, No. 23, III Main Road, Madras-600 028. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 1948 sq. ft, with structures situated at Ward No. 11 New, P.O. Dist Bhagalpur and morefully described in deed No. I-11321 dated 11-11-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Assist. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Now, thereofre, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PATN'A-800 001.

Patna, the 10th July 1984

Ref. No. III-954|Acq|84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Mouza Dhaiya No. 6, Khata No. 130, Plot No. 1397 situated at Mouza Dhaiya, P. O. Dist. Dhanbad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhanbad on 16-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Jitendra Investment Company Ltd, Through its Director, Sri Debendra Kumar Agarwalla, S|o Sri Banwari Lal Agarwalla, Regd. Office At-Lal Bazar, P. O. Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferor)

(2) Sri Bibhav Agarwalla, Slo Jogendra Kumar Agarwalla, At-Lal Bazar, Regd. Office At-Lal Bazar, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 6.92 decimals alongwith half of the pueca cottage building situated at mouza Dhaiya, P. O. Dist. Dhanbad and morefully described with D. S. R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Putna

Date: 10-7-1984

### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001.

Patna, the 10th July 1984

Ref. No. III-956 Acq 84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing Part of M. S. Plot No. 2083, 2088, & 2089, Ward No. II, Sheet No. XIII situated at Main Road, P.O. Dist. Ranchi. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 7-11-83 at Ranchi on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any moone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Uma Devi Budhia, Wo Sri Sheo Prasad Budhia, at P. O. Bariatu, Dist. Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Romi Jaiswal, So Late Krishna Lai Jaiswal, at 4 Clyde Row, Histings, Calcutta.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 13 Kathas 4 Chataks 5 Sq. Ft. with a Cinema Hall which is known as "Shree Vishnu Talkles", situated at Main Road, P. O. Dist. Ranchi and morefully described in Deed No. 11230 dt. 7-11-83 registered with D. S. R. Ranchi.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Patna

Date: 10-7-1984

# M|s. Jitendra Investment Company Ltd. Through its Director, Sri Debendra Kumar Agrawalla, S|o Sri Banwari Lal Agrawalla, Regd. Office At-Lal Bazar, P. O. Jharia, Dist. Dhanbad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Miss Smita Agarwalla,
 D|o Sri Debendra Kumar Agrawalla,
 At-Lal Bazar,
 P. O., Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001.

Patna, the 10th July 1984

Ref. No. III-953 Acq. 84-85.—Whereas, I. P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Rs. 25,000|- and bearing Mouza No. 6, Khata No. 130, Plot No. 1397 situated at Mouza Dhaiya, P.O. Dist. Dhanbad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhanbad on 2-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 8 decimals alongwith half of the pucca cottage building, situated at mouza Dhaiya, P. O. Dist. Dhanbad and morefully described in deed No. 12513 dated 2-11-83 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Patna

Date: 10-7-1984

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001.

Patna, the 10th July 1984

. Ref. No. III-955|Acq|84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ronge Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and Mouzahaiya being No. 6, Khata No. 130, Plot No. 1397 situated at Mouza Dhaiya, P. O. Dist. Dhanbad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhanbad on 30-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Jitendra Investement Company Ltd, Through its Drector,
 Sri Debendra Kumar Agrawalla,
 S|o Sri Banwari Lal Agrawalla,
 Regd. Office At-Lal Bazar,
 P. O. Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferor)

Miss Bhani Agrawalla,
 D|o Sri Debendra Kumar Agrawalla,
 At Lal Bazar,
 P. O. Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 8.25 decimals alongwith half of the pucca cottage building situated at mouza Dhaiya, P.O. Dist. Dhanbad and morefully described in deed No. 13278 dated 30-11-83 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Patna

Date: 10-7-1984

# 18507

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 12th July 1984

Ref. No. CHD|102|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. SCF site No. 335, Motor Market & Commercial Complex.

SCF site No. 335, Motor Market & Commercial Complex, Mani Majra U.T. situated at Chandigarh

(and more fully describ-d in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
47—186GI[84]

Smt. Daljeet Kaur
 Wo S. Jasmer Singh
 No. 2101 Sector 35-C Chandigarh.

(2) Smt. Shakuntla Lamba W|o S. Joginder Singh & S. Joginder Singh Lamba R|o 131 Sector 21-A Chandigarh.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

SCF site No. 335, Motor Market & Commercial Complex, Mani Majra U.T. Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 852 of Nov. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Acquisition Range
Ludhana

Date: 12-7-1984

### FORM ITNS----

 Smt. Narinder Kaur Wo Sh. Teja Singh Ro H. No. 467, Sector 15-A Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 12th July 1984

Ref. No. CHD[107]83-84.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

H. No. 467, Sector 15-A situated at Chandigarh. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Leela Wati Wo Sh. Paras Ram Sharma, Sh. Dharam Dutt, Sh. Haqiqat Rai and Ramesh Kumar Ss o Sh. Pars Ram Sharma R o Muradabad (U.P.) C o M s. Ramesh Metal Industries 43-D Kisrbl, (near Ganga Mandir) Muradabad.

(Transferee)

(3) Sh. Satya Paul Jain, Advocate Sh. B. B. Goyal both R|o H. No. 467 Sector 15-A Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. No. 467 Sector 15-A Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 898 of Nov. 1983 of the Registering Authority Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 12th July 1984

Ref. No. CHD|108|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

SCF No. 4, Sector 20-C situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Mrs. Aruvinder Kaur Wd|o Late Sh. G. S. Bedi Miss Sonu in her capacity as natural gaurdian, and Sh. Virinder Singh Bedi S|o late Sh. G. S. Bedi R|o H. No. 1619, Sector 7-C Chandigarh.
- (2) Dr. Krishan Lal Batra S|o Sh. Khem Chand Batra R|o H. No. 3016 Sector 20-D Chandigarh.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

SCF No. 4, Sector 20-C Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 900 of Nov. 1983 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984

Scal :

# FORM TINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, 9th July 1984

Ref. No. CHD[110]83-84.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 3129, Sector, 28-D situated at Chandigarh.

Plot No. 3129, Sector. 28-D situated at Chandigarh. (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

gistering Officer at Chandigarh in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Sh. Swaran Sing S|o
Sh. Atma Singh &
Sh. Sant Singh &
Sukhdev Singh (M) S|o
Sh. Swaran Singh,
Kamaljit Kaur &
Sarbjeet Kaur (M) Ds|o
Sh. Swaran Singh
through their father and natural guardian
S. Swaran Singh
S|o Sh. Atma Singh
R|o No. 38, Panditya Road,
Calcutta.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Sh. Prem Kumar Verma
S|o Sh. Girdhari Lal,
Smt. Santosh Verma
W|o Sh. Prem Kumar Verma,
Raman Verma and
Aman Verma (M)
S|o Sh. Prem Kumar Verma
R|o H. No. 3149 Sector 28-D Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 3129, situated in Sector, 28-D Chandigarh. (The property as mantioned in the sale deed No. 907 of Nov. 1983 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 9-7-1984

Scal:

#### FORM ITNS.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, 9th July 1984

Ref. No. CHD[114[83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Plot No. 3076, Sector 35-D situated in Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Bhagwan Dass Bansal and Mrs. Usha Bansal Rlo 1572, Sector, 18-D Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Sukhdev Singh Sobti Solo S. Prem Singh Sobti Ro SCO No. 295, Sector 35-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date, of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Plot No. 3076, Sector 35-D situated in Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 926 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 9-7-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. LUDHIANA.

Ludhiana, the 12th July 1984

Ref. No. CHD|115|83-84.-Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Plot No. 1177 Sector, 34-C situated at Chandgarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S. Hari Singh Bhandari S|o S. Avtar Singh Bhandari through his General power of Attorney Sh. Kartar Chand Dua So Sh. Ganda Ram Ro H. No. 2365 Sector 23-C Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Sharma Wo Sh. M. L. Sharma Sh. M. L. Sharma So Sh.Sham Dass Ro H. No. 1281 Sector 33-C Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 1177 Sector 34-C Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 930 of 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 12-7-1984

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 13th July 1984

Ref. No CHD|118, 119 & 120|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and hearing No.

and bearing No. House No. 705, situated at Sector 20-A, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

(1) S|Sh. Varinder Kumar Sood, Ashok Kumar Sood Ss|o Sh. Naubat Rai Sood & Smt. Kailash Sood W|o Sh. Rajinder Kumar Sood, House No. 33|11, Lal Quarters, Hapur Road, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) S|Shri Radhey Sham & Bharat Bhushan sons of Shri Chandan Lal C|o M|s. Jai Bharat Auto Centre, Booth No. 23, Sec. 21-C, Chandigarh.

(Transferce)

(3) Shri Hari Krishan Uppal S|o Shri Bodh Raj Uppal R|o House No. 705, Sec. 20 A, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 705, Sec. 20 A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deeds No. 957, 958 & 959 of November, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 13-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 12th July 1984

Ref. No. CHD|121|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 2268 Sector 35-C situated at Chandigarh, and more fully described in the Schedule annexed hereto),

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Surjit Singh Gill So Sh. Gurnam Singh Ro Vill, Chal Kalan, Teh. Moga

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur Wo Late S. Gurdev Singh Master Paramjit Singh and Master Devinder Singh Sso S. Gurdev Singh, through their mother and natural Guardian Smt. Surjit Kaur Ro H. No. 2268 Sector 35-C Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offickil Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. No. 2268, Sector 35-C Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 964 of Nov. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th July 1984

Ref. No. BRN 1&2 83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land measuring 16 Kanalas situated at Handiyaya, Barnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Barnala in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following or one, namely: ---48---186GI 84

(1) 1. Sh. Ashok Kumar Slo Sh. Sham Lal,

2. Smt. Santosh Wlo Sh. Ashok Kumar,
3. Smt. Kamlesh Wlo Sh. Suresh Kumar &
4. Smt. Sulakshana Rani Wlo Sh. Vijay Kumar.
Clo Mis Siri Ganesh Rice Mills,

Khudi Road, Barnala.

5. Sh. Hem Raj Sjo Sh. Biru Ram,

6. Smt. Bimla Devi Wjo Sh. Kishan Kumar,

7. Smt. Kiran Devi Wjo Sh. Subhash Kumar, Kaushalaya Devi Wo Sh. Sham Lal, Clo Mls Siri Ganesh Rice Mills, Khudi Road, Barnala.

(Transferor)

(2) Mls National Rice Mills, Khudi Road, Barnala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chamter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kanals situated at Handiyaya, Barnala. (The property as mentioned in the sale deed Nos. 4168 4169 of 11/83 of Sub-Registrar, Barnale).

> IOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-7-1984

(1) Shri Bhangi Singh So S. Nanak Singh Rlo Vill, Kushuman Teh. Nalagarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Batra Industries, Kothi No. 109 Sector, 8-B, Chandigath.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 12th July 1984

Ref. No. NLG|8|83-84.—Whereas, I, IOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land 5 Bighas 4 biswas at Vill. Kushuman situated at

Nalagarh-

(and more fully described in the Schedule annexed heerto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rolagarh in November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land 5 Bighas 4 biswas at Vill. Kushuman Teb. Nalagarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 548 of November 1983 of the Registering Authority Nalagarh).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the settle Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-metion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th July 1984

G.I.R. No. S-319 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Building No. 874 situated at Vill. Mohibullapur,

P.S. Mandion, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 2-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property 38 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Smit. Remu Seth.
- (Transferor) (2) Ms. Sumac International Pvt. Ltd., Lucknow through its Attorney, Shri Rajnish.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land with building No. 874, measuring 10212 sq. ft. situated at Village—Mohibullapur, P.S. Mandion, Lucknow, registering Authority, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Lucknow

Date: 12-7-1984

Seul :

(1) Shri Maghan Dass.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sangam Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti, 861, Muthiganj, Allahabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th July 1984

G.I.R. No. S-318 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/

and bearing Plot No. 2 and 3 situated at Kashiraj Nagar Housing Scheme.

Baluaghat, Allahabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Allahabad on 9-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

THE SCHEDULE

Plot Nos. 2 and 3 situated at Kashiraj Nagar Housing Scheme, Baluaghat, Allahabad, as mentioned in Form 37G No. 6600, dated 9-11-1983, registered by the Registering Authority, Allahabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the gald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 13-7-1984

Seal:

shall have the same meaning as given in that

Lucknow

(1) Shri Chhuttan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Meera Rani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th July 1984

G.I.R. No. M-195|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Open land Khasra No. 252 situated at Mauza—Majhaula, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 29-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land measuring 449.0724 sq. mtrs. situated at Mauza --Majhaula, Moradabad (Khasra No. 252) as mentioned in Form 37G No. 6667, dated 29-11-1983; registered by the Registering Authority, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Ram Dass Batra.

(Transferor)

(2) Muslim Fund, Najibabad Through Manager, Izfarul Haque

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th July 1984

G.I.R. No. M-194|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/-and bearing No.

Three storeyed building situated at Jayanand Bharati Marg, Kotdwara

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lansdown on 27-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Three storeyed building situated at Jayanand Bharati Marg, Kotdwara, as mentioned in 37G Form No. 672, dated 27-11-1983, registered by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th July 1984

G.I.R. No. C-42 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Tehsil—Sadar, Distt. Rampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Rampur on 9-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Deepak Khandelwal
 Shri Chandra Kant Khandelwal

(2) Mls Clean Food Corporation Ltd. Through Attorney, Shri Kabir Gana Roy, Bangalore.

(Transferee)

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of Thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bighas 2 Biswas 14 Biswansis situated at Tehsil—Sadar, Distt. Rampur, as mentioned in 37G Form No. 2436, dated 9-11-83, registered by the Registering Authority, Rampur.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX \* ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th July 1984

G.I.R. No. C-43 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinufter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land in three plots situated at Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Kamlesh

- 2. Smt. Raj Kumari Verma
- 3. Smt. Kailashwati

4 Shri Ramesh Chand Goel.

(Transferors)
(2) Chanakyapuri Sahkari Avas Samiti Ltd.
Through Shri Mahendra Pratap Kaushik &
Shri Bhoo Shanker Gupta,
Moradabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land in three plots measuring 3.91 acres as mentioned in 37G Form No. 6774, dated 14-11-1983 registered by the Registering Authority, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-7-1984

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th July 1984

G.I.R. No. M-191 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000and bearing

Khasra No. 160 and 188 situated at Kalyanpur, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 16-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-49-186GI 84

(1) 1. Shri Badlu

2. Shri Ram Dayal

3. Shri Ganesh Prasad

4. Shri Amar Nath.

(Transferors)

2) 1. Mohd. Irshad

2. Mohd. Izhar 3. Mohd. Iftkhar 4. Mohd. Ikhlaq

5. Mohd, Israr.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Khasia No. 160 and 188, measuring 1 Bigha 13 Biswas situated at Kalyanpur, Lucknow, as mentioned in Form 37G No. 10775, registered on 16-11-1983 by the Registering Authority, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Tikaram 2. Smt. Gomti Devi.

(Transferees)

(2) M/s. Meerut Oils and Chemicals Pvt. Ltd.
Through Shri D. C. Sharma,

(Transferce)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th July 1984

G.I.R. No. M-192 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land Khasra No. 17 situated at Village--Alipur, Teh---Hasanpur, Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Khasra No. 17, measuring 2.87 acres situated in Village—Alipur, Tehsil—Hasanpur, District—Moradabad, as mentioned in 37G Form No. 6221, registered on 1-11-1983 by the Registering Authority, Hasanpur.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-7-1984

(1) Smt. Tohida.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Mohd. Khalid Rashid.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th July 1984

G.l.R. No. M-193 Acq.—Whereas, f, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Open land situated at Vill. Islampur Das (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering Officer at Bijnor on 19-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 if 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land situated at Village—Islampur Das, as mentioned in Form 37G, dated 19-11-1983, registered by the Registering Authority, Bijnor.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following parameter:—

Date: 12-7-1984

(1) Shri Sriniwas Ram Chandra Manorkar.
(Transferor)

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shri Alok Kumar Trivedi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th July 1984

G.I.R. No. A-138 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Half portion of house with land situated at Daulat Bagh, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Moradabad on 30-11-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the footboard of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Half portion of house with land situated at Daulat Bagh. Moradabad, as mentioned in 37G Form No. 6707, dated 30-11-1983. registered by the Registering Authority, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following primons, namely:—

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th July 1984

G.I.R. No. Z-5 Acq.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Property No. 123C, 138, 141 and 169 situated at Village Mohammadpur, Teh. & Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 18-11-1983

has been transferred

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income trising from the transfer; **end/**or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Shanti Devi 2. Smt. Basanti Devi Alias Shanti Devi

(Transferor)

(2) 1. Shri Jamil Ahmad

Shri Mohd. Jaleel

(Transferee)

(3) Sellers

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions ued berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property Nos. 123C, 138, 141 and 169 situated at Village-Mohammadpur, Teh & Distt. Lucknow, as mentioned in Form 37G No. 10814, registered on 18-11-1983 by the Registering Authority, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-7-1984

FORM No. I.T.N.S.-

(1) Shri Sriniwas Ram Chandra Manorkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar Trivedi

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th July 1984

G.1.R. No. A-139 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Half portion of house with land situated at Daulat Bagh, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on 30-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Half portion of house with land situated at Daulat Bagh, Moradabad, as mentioned in Form 37G No. (6729) dated dated 30-11-1983, registered by the Registering Authority, Moradabad.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely ;-

Date: 13-7-1984

Cast :

(1) Shri Naubat Singh

(Transferor)

(2

(2) 1. Smt. Pushpa Lata 2. Shri Rati Kant

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, I UCKNOW.

Lucknow, the 13th July 1984

G.I.R. No. P-118 Acq.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land situated at Majhaula, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at Moradabad on 23-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferandor.
- (b) facilitating the coneealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 334.78 sq. mtrs, situated at Majhaula, Moradabad, as mentioned in the Form 37G No. 6530, dated 23-11-1983, registered by the Registering Authority. Moradabad

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-7-1984

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG LUCKNOW.

Lucknow, the 9th July 1984

G.I.R. No. 27|37EE|84.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Shop No. 9 situated at 11, M. G. Marg, Habibulla Compound.

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered us 269AB of the I.T. Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 7-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Halwasiya Properties (P). Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shri Navin Tandon

(Transferee)

Objections, if any, to be the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 9 on the ground floor, measuring 255 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M. G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under GIR No. 27/37EE/84, lated 7-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 9-7-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 9th July 1984

G.I.R. No. 26|37EE|84.—Whereas I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Shop No. 10 situated at 11, M. G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered us 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 7-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
50—186GI|84

(1) M/s. Halwasiya Properties (P). Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Ramji Tandon

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 10 on the ground floor, measuring 255 sq ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under GIR No. 26|37EF|84 dated 7-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 9-7-84

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANCE 57, RAM TIRTH MATE LUCKNOW

Luckness the oil lab 1994

Ref. G.I.R. No. 2337EE[84.—Whomen, I. A. D. 27478 being the Competent Authority under Section 2021. of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereins the income tax Act, 1961 (43 of 1961) thereins the income at the issaid Act'), have reason to believe that the conversable partial binding a fair market value exceeding 28 27.00 M- and bearing No. The first of the income of the in

The Commutant Authority of Eurknew rn 1-11-1983

the major parent consideration which is less than the fact of the of the aforesaid property and I have that the fair market value of the property in the supparent consideration therefor by the second of such apparent consideration in the second of the property in the second of such apparent consideration in the second of t

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922 on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) M's, Halwasiya Properties (P), Ltd., ilalwasiya Court, Haziatganj, Lucknow.

  (Transferor)
- (1) Ma ter Arjun Mehta

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazene or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immentation property within 45 days from the date of the mublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Nos. 6 and 7 on the fifth floor, measuring 540 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Commetent Authority, Lucknow, under GIR No. 25|37EE|84, dated 1-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 9-7-84

(1) Min. Halm by Prounting (2), Ltd., Halwasiya Court, Hazralgani, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok Kumat Dhall

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th July 1984

Ref. G.I.A. No. 24|37LE|84.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and braving No. Chief lets 20 and 21 should as 11, M. G. Marg, Habibuila Compound, Lucha, w

(and more fully described in the schedule annexed hereto) and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act, 1964 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the day of politication of this notice in the Official Cazette of a period of 70 a. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE-

Office Nos. 20 and 21 on the fourth floor measuring 550 eq. ft. in the Commerce House situated at 11, M.G. Marg. Habibol a Computed for line v. The agreement has been registered by the formation Asthophy, Lucknow, under GIR No. 24|37EE|84, dated 1-11-1983.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissionar of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-7-84

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M|s. Halwasiya Properties (P). Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mrs. Kanak Chaturvedi

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th July 1984

G.I.R. No. 23|37EE|84.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Office Nos. 12 and 13 situated at 11, M. G. Marg, Habibulla

Compound, Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under

and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the oforesaid pareone within a parious

Objections, if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Nos. 12 and 13, measuring 661-46 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under GIR No. 23|37EE|84, dated 1-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the following persons, namely:—

Date: 9-7-74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|667.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-bearing No. Flat No. 1, 1st floor, Secotr 7, Vashi, situated at New Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acquisition Range, Pune. on Nov., 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri A. R. Sheth, Hon. Secretary, Dyneshwari Co-operative Housing Society Ltd., Sector 7, Vashi, New Bombay.

(Transferor)

(2) Shri S. B. Tanlel and Shri B. G. Patil, At Karve, Post. Konkan Bhuwan, Tal. Dist. Thane At Kharegaon, P. O. Kalwa, Tal. & Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, first floor, sector 7, Vashi, New Bombay. (Area-71.52 sq. mts.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2539 in the month of Nov. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rang,
Poona

Date: 7-6-1984.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE,

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|C $\Lambda$ -5|37EE|84-85|673,—Whereas, I, SHASHIKANT KUL&ARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing C.T.S. No. 1205 113 4 (Part) Shivaji Nagar, situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. ACQN. Range, Pune on December, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Tatvarao Namdoo Ingale, 587, Shiyaji Nagar, Poona-4.
- (2) Shri Rajan Rambhau Thorave, Dhootpapeshwar Bldg., Giagaon Bombay-4.

(Transferor)

(2) M/s. Doccan Real Estates Pvt. Ltd., 13, Wilson Garden, Poona-411 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at C.T.S. No. 1205|1|3|4 Part-Shivajinagar, Poona-4. (Area-6000 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2358|83-84in the month of December, 1984.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Prona

Date: 7-6-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|672.—Whereas, I, \$HASH\KANT KULKARNI,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flot No. 2, Bldg, No. 2, C.S. No. 381 (Part) F. P. No. 254[12 signated at Bhayani peth, Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 1 NC. Acquisition Range, Pune, on Nov., 1983

for an opparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lust ament of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Darshana Builders, 813|14. Bhavani peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Shabbir H. Motiwala Mrs. Zaitoon Motiwala, 140, Ghaneker Road, Vile parle (E) Bombay-400 057.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, Building No. 2, Kogalwala Apts., F. P. No. 364 12. Bhavani peth, Pune-2.

(Arca—975 sq. (t.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1969|83-84 in the month of Nov. 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona

Date: 7-6-1984.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 5th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5.37EE|84-85|674.---Whoreas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 732, Part 2, C.S. No. 1923, Munjeri, Bibewadi, situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC. ACQN. Range, Pune, on Nov. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. M. V. Paygude, 10|8|4, Shukrawar peth, Punc-411 002.

(Transferor)

(2) M/s. Wugad Family Trust, 1216, Raviwar peth, Pune-411 902.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the audersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2246 in the month of November, 1983).

Survey No. 732, Part-s, C.S. No. 1923, Munjeri, Bibwewadi, Pune . Old Survey Nos. 1911 to 1923. Plot of land. (Area—16.510 sq. ft.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona

Date : 5-6-1984. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. IAC ΛCQ|CA-5|662|37EE|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing No. Flat No. 8, 5th floor in KPT-1, Plot No. 2, Hissa No. 8 S. No. 17A, Wanawarie situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

51-186GI 84

- (1) M|s, Parmar constructions, 321|3, New Timber Market Rd., Pune-2. (Transferor)
- (2) Mr. Homi J. Kaikobad & Mrs. R. H. Kaikobad, 431 2, Ashirwad Gultekadi, Pune-411 002. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 8, 5th floor, KPT-1, Plot No. 2, Hissa No. 8 S. No. 17A, Wanowarie, Pune-411 013.

(Area—790 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2344 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 28-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|663|37EE|84-85.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 16, 3rd floor, K.P. T-2,

Plot No. 4. Hissa No. 6 S. No. 17A, Wanowaries,

situated at Pune

18540

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of teh Registering

Officer at IAC Acqn, Range, Pune on Feb. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act ,I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M|s, Parmar Constructions, 321|3, New Timber Market Rd., Pune 411 002.

(Transferor)

(2) Mr. Mohan Kesharlal Kotwal, and Mrs. Sindhu Mohan Kotwal 11, Synagogue street, Pune-411 001,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, in K.P.T. 2, Plot No. 4, Hissa No. 6, S. No. 17A Wanowarie, Pune-13.

(Area—530 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3232 in the month of February, 1984).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 28-4-1984

(1) Sh. A. M. Rasne, Parnaik Galli, Ahmednagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Rajiv Arvind Shaha, Khist Lane, Ahmednagar.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1149|37G|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing No. S. No. 11A 1, Plot No. 9A to 10A and 131 situated at Ahmednagar, Savedi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S.R. Ahmednagar in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partieu has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Survey No. 11A|1, Plot No. 91A|10 and 131 Ahmednagar, Savedi, Near paprosey hospital, Ahmednagar. (Area—14203 sq. ft.).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 1516 in the month of November, 1983).

SHASHIKANT KULKARNA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons.

Date: 4-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Mukund Ramchandra Ghaises, 90 Kalpak Constructions, Ahmednagar,

(2) Dr. Mohan Shivdas Kshatriya,

(Transferor)

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1150|37G|84-85.---Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Apartment No. 301, Savedi J.R., Ahmednagar situated at Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Kukana, Tal.-Nevasa, D.-Ahmednagar.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

## THE SCHEDULE

Apartment No. 301, Savedi, Final Plot No. 274, Sub. Plot No. 11. (50.37 sq. mtrs.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3936 in the month of December, 83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 7-6-1984

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th July 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1139|37E|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and

bearing No. Land at Survey No. 1|13K|2, Rajawada, situated at SANGLI (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at MIRAJ-I on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideratio therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the agid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. P. R. Pawaskar, C.T.S. No. 1|13K|2, Khan Bhag, Durwankar, Rajawada, Sangli, (Transferor)
- (2) Sh. M. D. Bhate, C.T.S. No. 1|13K|2 Durwankar, Rajwada, Sangli.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at C.Ts. No. 1|13-K|2 at Sangli, Rajawada, (Area—153.16 sq. metrs.).
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Miraj-I, Miraj).
(Document No. 2456 in the month of Nov. 83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Dato: 9-7-1984

(1) Sh. A. V. Utkar and others, Ruikar Colony, Plot No. 68, Kolhapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Sham Fabricaters, Shivaji Udyan Nagar, C.S. No. 1325|37A-E-Ward, Kolhapur.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 4th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1140|37G|84-85.—Whereas, 1, SIIASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land at C.S. No. 1325-37|A, Ward E situated at Kolhapur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Kolhapur on Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Lad at C.S. No. 1325-37A Ward-E, Kolhapur.

(Area-2486 sq. ft.).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kolhapur under document No. 4498 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 4-6-1984

(1) Smt. L, V. Ursekar,

-----

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## Ramnagar, Dombivali (East), Dist. Thanc. (Transferor)

103, Anand Apartments, Ursekar Wadi,

(2) M/s. Anand-Deep Co-operative Housing Society Ltd., 'Ursekarwadi' Ramnagar, Do, bivali (East) Dist. Thane. (Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1141|37G|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

bearing No. Land & Building at S. No. 25A (Part) C.S. No. 5588, Gajbandan Patharli off Kelkar path, Ramnagar Dombivli (East) situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration of 1908) in the office of the Registering

Officer at S.R. Kalyan in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in ther Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at building at S. No. 25A(Part) C.S. No. 5588, village-Gajbandan Patharli off Kelkar Path, Ramnagar, Dombivali (East)

(Area-784.57 sq. mts. land-RCC framed structure-851.35 sq. mts. Open terrance 71.84 sq. mts. Garrage-27.88 sq. mts.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kalyan under document No. 2835 in the month of December, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 4-6-1984

## M|s Dube Brothers, D-95, Gurunanak Co. operative Housing Society Ltd. Thana (East) (Transferer)

(2) Navin Gaurav Co. operative Hsg. Socty., Dombivali, Dist. Thana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: -- The terms and expressions used harein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th June 1984

Ref. No. ACQ|CA-5|37G|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing the property of the pro No. Non-agril, land, hereditaments & premises situate at Thana Mauje Choule, Tal.-Kalyan, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Pune on November, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

## THE SCHEDULE

Non-agricultural land, hereditaments and premises situate at Mauje Choule, Taluka Kalyan Dist. Thana.

(Area 40 sq. vards)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 28 in the month of November, 83)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-6-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

## INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1371|83-84.—Whereas, J. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 355, Sub-Plot No. 12, Ground floor & first floor

situated at Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Punc on September, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object od:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

52-186GY|84

- (T) Shri Anilbhei Badurbhai Puiara. 9, Hantar Road, Camp, Ahmednagar (Transferor)
- (2) Jogeshwar Rijumal Karachiwala, Mahatma Gandhi Road, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underwigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 355, Bhinagar, Sug-Plot No. 12, Ground floor and first floor (1 4th part)

(Area 80 sq. mtrs.)

(Property as decribed in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Punc under document No. 3215 in the month of September, 1983,

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 25-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th May 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85.1144.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

SHASHIKANI KULKARNI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Mouje Bhinagar, S. No. 344, Sub-Plot No. 12, situated at Mouje, Bhinagar Ahmednagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Ahmednagar on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shii Anilbhai B. Pujara, at 9 Hunter Road, Camp Nagar, Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Shri Pareshwar S. Karachiwala, Mahatma Gandhi Road, Ahmednagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(Mouje Bhinagar, S. No. 355, sub plot No. 12, Ahmednagar. Area-474 sq. meters)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 3216 in the month of Nov. 1983)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 25-5-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85,—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Property at C.S. No. 1806 C-Ward situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Kolhapur on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri Vishnu Dattatraya Rashingkar, 2. Shri L. V. Rashingkar and sou. V.V. Rashigk-kar E- Ward, Surve Colony, V:indavan Co-op. Housing Society, Kolhapur

(Transferor)

(2) Shri Vyankatesh Ganpayya Kamat, Shri Ramesh V. Shaubaug. E-Ward House No. 1141-Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at C.S. No. 1806-C-Ward, Kolhapur. (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kolhapur under document No. 4537 in the mouth of Nov. 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date . 22-5-1984

Qen1 -

(1) Shri P. K. Patil, 934, A-Ward, Kolhapur.

(Transferor)

NOWICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. A. Rathod, 1165, E-Ward, Kolhapur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th May 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|84-85.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Gujar Galli, C.F.S. No. 274, B-Ward, Kolhapur situated at Kolhapur

Sub-Registrar, Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gujar Galli, C.T.S. No. 274, B-Ward, Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kolhapur under document No. 5045 in the month of Nov., 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Ishereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 29-6-1984

## FORM I.T.N.S .-

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th May 1984 -

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-G|1147|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing S. No. 355 Sub-plot No. 12, Mouje Bhingar 1st & and floor situated at Ahmednagar S. R. Ahmednagar on November, 1983 (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:--

(1) Shri Anilbhai B. Pujari At 9 Hunter Road, Camp Nagar, Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Shri Prabhudas R. Karachiwala, Mahatma Gandhi Road, Ahmednagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property S. No. 355; Sub-plot No. 12, Mouje Bhingar. Ahmednagar. (Area—80 sq. meters)

(Property as described in tae sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 3213 in the month of November, 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 25-5-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th May 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-G|1148|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 12, S. No. 355, 1st & 2nd floor (1|4th part) situated at Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C. Acqn. Pune on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Anilbhai Badarbhai Pujari,
 Hanter Road Camp,
 Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Purushottam Rijumal Karachiwala, Mahatma Gandhi Road, Ahmednagar.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 12, S. No. 355, first and second floor (1|4th Part), Bhingar (Area sq. mtrs. 474).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub. Registrar, Ahmednagar under document No. 3214 in the month of September, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 29-5-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1151|37-G|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

S. No. 59 (Part) Ahmednagar Savedi,

situated at Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registering Officer at S.R. Ahmednagar in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Sayyad Akbar and others. Savedi, At Ahmednagar.
- (Transferor)
- (2) The Sumeer Sahakari Griha Nirman Sanstha Ltd., Chief promotor-Shri Shaikh Mustak Ajii, Telikhunt, Ahmednagar.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the agrees of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Survey No. 59 (Part) at Ahmednagar, Savedi. (Area-2 Acres).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 144 in the month of December, 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-G|671|84-85.-Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing S.P. No. 3, P. No. 125, S. No. 103 CTS No. 1973, Yerawada situated at Pune-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune in November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Mrs. F. M. Zanzibarwalla, Flat No. 32, Wonderland, 7-M. G. Road, Pune-1.

(Transferor) (2) Shri S. S. Gupta,

Kashmiri Colony, Yeravada, Punc-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S.P. No. 3, P. No. 125, S. No. 103, CTS No. 1973, Yerawada, Pune-6. (Area-land 8700 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1949 in the month of November, 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 4-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M|s. Deosthale Karandikar and Associates, 720, Jagannath, Navi peth, Pune-30.

(Transferor)

(1) M|s. R. S. Patel and Co., 816|8 Bhavani Peth, Dapodi, Pune-12. Pune-2.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|670|84-85.—Whereas, J. SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Office No. F-1, 2nd floor, Ashwini Commercial Centre, C.S. No. 1044, New Shukrawar peth, situated at Pune-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908; in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53-186 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. F-1, 2nd floor, Ashwini Commercial Centre, C.S. No. 1044, New Shukrawar Peth, Tilak Road, Pune-30. (Area—460 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2586 in the month of December, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date 28-4-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|669|84-85.—Wher-as, I. SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing Flat No. E-3, Hemers Park Co. op. Hsg. Society, 30, Bundgarden Road, Punc-1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Pune in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paraous, namely;—

 M|s. Ramesh Construction Co., Dheeraj Chambers, 9, Woudhy Road, Fort. Bombay-1.

(Transferor)

(2) M|s. Transport Corporation of India. 33|A|1, Bombay-Pune Road, Dapodi, Pune-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. E-3, Hermes Park Co. op Hsg. Society, 30 Bund Garden Road, Pune-1.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range Pune under document No. 2092 in the month of November, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 7-6-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th July 1984

Ref. No. 1 Nov.83.—Whereas, 1, MRS. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No. 1/23 & 2/23, Present No. 9, Kattur Sadayapan St., Periamet,

situated at Madras-600 003

(Doc. No. 295|83)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument O1 transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Z. Abdul Rasheed, So Shri S. K. Zackriah East St., Thattankulam Srivaikuntam Taluq, Tirunelveli Dist.

(Tranwferor)

(2) K. K. S. A. Shaik Mohideen, Slo K. K. S. Abdul Samath, 28, Tirunagar Colony, Erode, Periyar Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building:—9, Kattur Sadayapan St., Periamet, Madras-600 003, (Doc. No. 295|83).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th July 1984

Ref. No. 3 Nov.83.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House, ground and premises bearing door No.--Venkatesa Maistry St., new Washermanpet, Madras-81 R.S. No. 4186, situated at Madras-81

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering flicer at Royapuram (Doc. No. 1904|83) in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Balu Mudaliar, 2. Sekar, 3. Pappammal, 4. Jayalakshmi, 5. Gajalakshmi 6. Leelavathi (Minor) 7. Gunasekanan and 8. Rukmangadan, No. 506. Thiruvottiyur High Road, Madras-21. (Transferors)
- (2) P. G. Ramraj, No. 6, Sudalaimuthu Nadar St., New Washermanpet, Madras-81.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: —Venkatesa Maistry St., New Washer-manpet, Madras-81 (Doc. No. 1904|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J
Madras-600 006

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

 Sri A. M. Satyanarayana, No. 19, Venkatesapuram Colony, Madras-23.

(Transferor)

 K.O. John So K. N. Oomar, 2.81, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th July 1984

Ref. No. 19|Nov.83.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Actfi 1961 (3 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 996, S. No. 223|18, 1B, Koyambedu Village, Anna Nagar, Madras-40 situated at Anna Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3661|83) on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

Anna Nagar (Doc. No. 3661|83) on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land:—Plot No. 996, S. No. 223|1B, Koyambedu Village, Anna Nagar, Madras-40 (Doc. No. 3661|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 6-7-1984.

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Chinnasamy Poen, Slo Shri Chitta Poen, Vupparappatty, Vellar Village, Thoppur, Dharmapuri.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(2) Smt. Abitha Kuthambal,Wo Shri M. Jayaraman,81 A Angamman Koil Street,Salem Town.

(Transferee)

#### ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th July 1984

Ref. No. 52|Nov|83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. situated at Thoppur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharmapuri (Doc. No. 2278|83) on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property at Thoppur Village, Dharmapuri,, (Doc. No. 2278|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th July 1984

Ref. No. 52|Nov|83.—Whereas, J, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Thoppur Village situated at Dharmapuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Dharmapuri (Doc. No. 2279 83) on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :-

(2) Shri Chinnasamy Poen, S|o Shri Chitha Poen, Vupparappatty, Vellar, Thoppur P.O. Dharmapuri Dt.

(Transferor)

(2) Shri M. Jagannathan, S|o Shri Murugesa Mudaliar, 81 A Valluvar Street. Rasipuram, Salem

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture land at Thoppur Village, Dharmapuri Dt. (Doc. No. 2279|83).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 6-7-1984

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) B. S. Govindarajulu, So Subbiar and others, Sankarlal, Manickampillai St., Sevvai Pettai, Salem-3.

(Transferor)

(2) P. S. Ramasamy, So Pava Nannier, and sons R. Rajaram and Sankar, Navalar Nedunchezhian St., Salem-2.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th July 1984

Ref. No. 57|Nov.|83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

T.S. No. 118 (Doc. No. 1308|83) situated at Salem Town-C Division 6th Ward, Savaipettai, Manickampillai St. Ward

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR III Salem on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Salem Town-C Division 6th Ward, Chevvaipettai, Manickam Pillai St., G Ward—Vth Block T.S. No. 118 (Doc. No. 1308/83).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-7-1984

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Vaiyapuri and others, Mudalaipatti Village, Namakkal Taluka.

> Slo. Ramaswamy Gounder, Nochipatti paramanandam Palayam Village,

(2) R. Suppan and others,

Namakkal,

Salem Dist.

(Transferor)

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600-006, the 6th July 1984

Ref. No. 68 Nov.83.—Whereas, I, MRS, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. situated at Land 78 cents

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal (Doc. No. 1772|83) on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land: -0.78 land (Doc. No. 1772|83).

PREM MALINI VASANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
54—186 GL|84

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600-006, the 6th July 1984

Ref. No. 70|Nov|83.--Whereas, MRS, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing No. Agriculture land at Kommorapalayam, situated

at Namakkal Salem Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal J.S.R.I. (Doc. No. 956|83, 957|83) on

November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri D. Krishnasamy Chettiar & others, Slo. Shri Danappal Chettiar, Alegapuram, Salem Town, Salem Distt.

(Transferor)

(2) Shri V. D. Manicka Mudaliar and another, 127 Thirunagar Colony, Erode-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Agriculture land at Kommarapalayam, Namakkal T. K. Salem Distt., (Doc. No. 956/83 & 957/83).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-

Date: 6-7-1984.

Seal

## FORM NO. I.T.N.S,----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600-006, the 6th July 1984

Rel. No. 72|Nov|83.-Whereas, I, MRS, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing No. Karkoodal Patti Village, situated at Namakiripet,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakiripet (Doc. No. 1102|83) on Nov., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

' (1) Shri P. Varudhappan & others, Slo. Shri Palanivel Gounder. Oruvankuruchi Village, Namagiripet, Salem

(Transferor)

(2) Shri P. Sengoda Gounder. Slo. Shri Palaniappa Gounder, Vellakalpatti, Salem,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land at Karkoodalpatty Village, Salem. (Doc. No. 1102/83).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 6.7-1984.

Seal: \

## FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600-006, the 6th July 1984

Ref. No. 72A[Nov.;83.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Karkoodalpatty Village situated at Namagnipet. Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Namagiripet (Doc. No. 1102/83) on Nov., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. Sengoda Gounder, Slo. Shri Palaniappa Gounder, Vellakkalpatty, Namagiripet, Salem.

(Transferor)

(2) Shri P. Varudhappan & others, Slo. Shri Palanivel Gounder, Oruyankuruchi, Namagiripot, Salem Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within to period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land at Karkoodalpatty Village, Salem Distt. (Doc. No. 1102/83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 6-7-1984.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600-006, the 6th July 1984

Ref. No. 76|Nov.|83.—Whereas, 1, MRS, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No. situated at Ponnar kulam pit Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S. R. Sendamangalam. (Doc. No. 1456|83). on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Thayammal, and others,
Saraswathi,
Ramesamy,
Rajalakshmi,
Murugesan,
Slo, Late Atumuga Panradam,
Perumal Koil.
Chendamangalam,

(Transferor)

(2) K. Ramasamy, K. Remapoyan, So Kuppazagapoyan, Pattathian Kuttai, Periakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land—Ponnarkulam pit Village S. No. 146/1Y, 5.04 Acres. (Doc. No. 1456/83).

MRS. PREMA MALINI VASAN.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 6-7-1984

Scal:

## r <u>, – 1990, unicessamente</u>r a la alem<u>nement p</u>erce, cultare e la <u>lactica tradicione</u>te de la colonia della colonia de la colo FORM ITNS-

(1) Shrimati S. Chittal Wlo. Shri M. A. R. S. AR. Swaminathan, 56, Jawahar Street, New Town. Karaikudi-623 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Alagammai, Wlo Shri L. Vellayan, Hope dell Estate Leadyseal Road. Yercaud,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-J. MADRAS-600 006

Madras-600-006, the 6th July 1984

Ref. No. 79|Novi83.-Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing No. Yercaud situated at Vercaud, Salem Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Yercaud (Doc. No. 228[83) on Nov., 1933 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

(a) facinitating the reduction or evasion of the liability of the transeror to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land & Building at Yercaud, Salem D. T., (Doc. No. 228)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-7-1984

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 000

Madras-600 006, the 6th July 1984

Re.f No. 80|Nov.|83.--Whereas, I. MRS. PRFMA MALINI VASAN,

bieng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Nancheivudayar P.O., situated at Namakkal (and more fully described in the Scheduled aanexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Velur, (Salem Dt.) (Doc. 1429'83) on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid erceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Yacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I here'by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Cohngamalam, woo Srinivasan, 74, Frode Town, Erode Taluk.

(Transferor)

(2) K. Sundararajan, s|o N. V. Kandasamy Kounder, Nancheivudayar P.O., Namakkal Taluk,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ex 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires Inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

Land: 4.19 Acres of Land at Velur Namakkal, Vellore, (Doc. No. 1429).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 6-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th July 1984

Ref. No. 84 Nov. 83 .- Whereas, I,

MRS. PREMA MALINI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000]—and bearing

Land at Koneripatty Village situated at Athur t.k., Satem D.t. (and morefully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Thammampatty (Doc. No. 1361, 1362 & 1363/83) on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) I; Shri A, Fakkir Mohammed Sahib. So Shri Abdul Rahman Sahib, Thammampatty P.O.,

Athur T.K., Salem D.t.

Shri V, Karuppazhagi Gounder,
Solo Shri Vaiyapuri Gounder, Thammampatty, Salem D.T.

Smt. Lachumaivee, Wo Shri Karuppazhagi Gounder, Koneripatty, Athur T.k., Salem D.t.

(Transferor)

(2) Shri K. Jaimullabudeen, So Shri K. M. H. Kadhar Saheeb. Edappadi, Salem D.t.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture land at Koneripatty Village, Athur T.k., Salem D.t. (Doc. No. 1361/83, 1362/83 & 1363/83),

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-7-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th July 1984

Ref. No. 85 Nov.83.—Whereas, I. MRS. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269 h of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Salem, Jalakandapuram Land 4.82 Acres of land situated at (Doc. No. 1318/83, 1319/83)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer

of the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Arukkaniammal, wo Kuttiappan, and others, Sappanipatti Kattu Valavu, Vanavasi (P.O.) Mettur Taluk.

(Transferor)

(2) Rajamani, wlo N. Subramani, Sappanipatti Kathu Valavu, Vanavasi (P.O.), Mettur Taluk. Rajammal, wlo S. P. Gopalan, Sappanipatti Kathu Valavu, Vanavasi (P.O.), Mettur Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land:—Land at Salem—Jalakandapuram, Vanavasi. (Doc. No. 1318, 1319/83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras 600 (10)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

55-186 GI|84

Date: 6-7-1984.

 Chitthaie Ammal and others Salem Taluk, Chennagiri Gramam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Easwaran, so Solaiappa Gounder and others, Salem Taluk, Neikarappati.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th July 1984

Ref. No. 89[Nov. 83.—Whereas, I.
MRS. PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 2698 of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000]- and bearing
No. 46[1—4 Acre 0.72; S. No. 46[2 4 A.O. 74; 46[3-4 A.O.
53; 46[7—4 A. 1.20; 91[3A—4 A.D. 64; 91]1B 4 A 1.05
situated at Chennagiri
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
Office of the Registering
at Veerapandy (Doc. No. 840[83) on November 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land—Survey No. 46|1 A. 4 0.72, 46|2 A.O. 74 4 O.71 46|3 A. 4 0.53, 46|7 A. 4 1.20, 91.3A 4 Acres 0.63, 91.1B 4 acres 1.05, (Doc. No. 6.) 840|83.

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th July 1984

Ref. No. 93|Nov.83.—Whereas, 1, MRS. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land and building at, Ayanvilangudi, situated at Podumandapam. Madurai

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer

at Pudumandapam—(Doc. No. 2840|83) on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M. Subbiah, slo Muthu, Door No. 43A, S. M. P. Colony, Anna Nagar, Madurai-20.

(Transferoi)

(2) T. Subramanian, s|o Davasi, Door No. 63, Paraitheru, Nilakkottai Village, Nilakkottai Taluk, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building:—at Ayanvilangudi, Pudunandapani. Madurai. (Doc. No. 2840|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras 600 006

Date: 5-7-1984

(1) Sri Ramanan, so W. R. Krishnamurthy lyer, Thiruyannamalai.

(Transferor

(2) Muthia Thevar, soo Poonnamarath Thevar, Namathevanpatti, Sathur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th July 1984

Ref. No. 96|Nov.83.—Whereas, I. MRS. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land and building situated at Thirupparangundram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer nt Thirupparangundram (Doc. No. 1734|83) on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the subject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Thirupparangundram. (Doc. No. 1734|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 5-7-1984

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th July 1984

Ref. No. 98|Nov.83.-Whereas, I. MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No.

40, Mclapperumal Maistry Street, Merku Chandai Pettai Rd., Madurai situated at Pudumandapam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registartion Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam (Doc. No. 2713|83, 2714|83 & 2715|83) on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri K. Venkataraman, so late M. V. K. Krishnasamy Iyer and others, 25E, Sriranga palayam Road, Salem.

(Transferor)

(2) Sri S. P. V. Thangaraj, slo S. P. Vadivel Nadar, 35, Melapperumal Maistry Street, Melachandaipettai Theru, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & building at No. 40 Melachandaipettai Street, Pudumandapam, Madurai. (Doc. No. 2713)83).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1984

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th July 1984

Ref. No. 106A|Nov.83.—Whereas, I,
MRS. PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing
Kurukkapuram Village situated at Rasipuram, Salem D.t.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Rasipuram (Doc. No. 2288, 2289|83) on November 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
proprty, as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ith respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shr Kiandappan alias Peria Gounder & others, Akkaraiyangkadu, Kurukkupuram Village, Rasipuram T.K.

(2) Shri Akbar Basha, 8 Majith Street, Nakammkal P.O., Salem D.t.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agriculture land (Dry) at Kurukkupurem Village, Rasipuram T.K. (Doc. No. 2288, 2289|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1984.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th July 1984

Ref. No. 109 Nov.83.—Whereas, I, . MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land at Thallakulam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Thallagulam (Doc. No. 5406[83]) on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the teduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India. Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following primas namely:——

- Sri M. A. Suppuswamy, Trustee, Srichooravali Subbiar Dharma Trust, 19, Tamil Changam Road, Madurai.
  - (Transferor)
- Sri S. Vellai Pandian, slo Sri Subbiah Thewar,
   Lal Bahadur Sastri Street,
   Anna Nagar, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Thallakulam, Madurai. (Doc. No. 5406|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Properting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 5-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Arunachala Nadar & others, S|o Shri Sivakkaiyar Nadar, 10 Salai Mudaliar Street, Chokkikulam, North Madurai, Madurai-2.

(Transferor)

(2) Shri K. Ramanathan, 153 North Veli Street, Simmakkal, Madurai-2,

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 6th July 1984

Ref. No. 116 Nov.83.—Whereas, 1, MRS. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing situated at Chokkikulam, North Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 5230|83) on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Streef House at Chokkikulam Village, Madurai-2. (Doc No. 5230|83).

PREMA MALINI VASA?
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 (1)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
56—176GI|84

Date: 6-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th July 1984

Ref. No. 121|Nov.|83 —Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 41, Danappa Mudali, Agraharam, situated at Madurai, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai Dt. (Doc. No. 6187 & 6188|83)

on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the sald Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56—186 GI 84

 Shri S. Subramanian & others, Clo Truthful Coy, Ellisnagar, Madurai.
 Shri S. Ganesan, Clo Mls TVS & Sons Ltd., Pudukottai.

(Transferor)

 Shri S. V. Arunachalam & others, 41 Danappa Mudali Agraharam, Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at 41 Danappa Mudali Agrharam, Madu-(Doc. No. 6187 & 6188|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 6-7-1984.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### 1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th July 1984

Ref. No. 127 Nov. 83.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

(Doc. No. 1173) Door No. R. C. Street situated at Manamadurai Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Manamadurai (Dov. No. 1173 83) on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Arpudha Mary Amma, Manamadurai.

(Transferor)

 Jawaharlal and others, slo Cheeniappa Nadar, Parthibanoor Main Road, Manamadurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Door No. 44, R. C. Street, Manamadurai Town. (Doc. No. 1173).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-persons, namely:—

Date: 6-7-1984.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

### TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras, the 6th July 1984

Ref. No. 128|No. 83.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and No. 7, Madurai, Thallakulam Sub div. Survey 10—Chookkikulam Race course Old survey No. 840|2B—Door 7. situated at Madurai (Doc No. 4985|83) 4986, 4097|83 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thallakulam on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as eforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acz, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of enght to be disclosed by the transferce for the 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

V. Subramanian Cheetiar,
 Race course, Chookikulam,
 Madurai.

(Transferor)

(2) Minor R. Saraswathi and others, By F & G S. Rajendran, 204, Naicker, Pudu Theru, Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Door No. 7, T. S. No. 840 2B, Thallakulam, Sub. D. Survey Ward 10 Chokkikulam Race course, Old Survey No. 840 (2 (Doc. No. 4905, 4906, 4807 83.)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 6-7-1984

#### FORM TINS-

Shri T. P. Sivanandam,
 S|o Shri P. P. M. T. Ponnusamy Nadar,
 44 North Cotton Road,
 Tuticorin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri S. Gandhiraj, and others, So Shri V. hinnaiya Naicker, Muthananthapuram Street, Koilpatty.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 6th July 1984

Ref. No. 143|Nov|83.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. situated at Koilpatty.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Koilpatty. (Doc. No. 2635|83) on Nov. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under said act in
  respect of any income arising from the transferor;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land at Koilpatty. (Doc. No. 2635]83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madràs

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-7,1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 6th July 1984

Ref. No .155|Nov|83.—Whereas, t, MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Ambur, Vellore N.A.D. t., situated at Vellore, N.A.D. t, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambur (Doc. No. 2180 83) on November 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nod/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri V. L. Abdul Fasith, & others, V. L. Navab Veethi, Ambur, N.A. Dt.

(Transferor)

(2) Shri K. Mohammed Zaciria Sahib, Mohammed Uura 1st Street, 3rd Cross, Ambur, N.A. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Ambur, N.A.Dt., (Doc No. 2180) 83.)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-7-1984 Scal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 6th July 1984

Rcf. No. 162|Nov|83.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

New Survey H1 12.3, situated at Nesamani Nagar. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Nagercoil. (Doc. No. 1456 83 to 1462 83) on Nov. 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri N. Ravindranatha Tagore, & others, Sio Shri Narayana Pillai, Kottar.
  - 2. Smt. Valliyammal, & others, Do Shri Narayana Pillai, Farnakulam, Kerala State
  - Earnakulam, Kerala State.

    3. Shri N. Stalin & others,
    Slo Shri Narayana Pillai,
    Alapizhai, Kerala State.

(Transferor)

 Shri M. Paul Rffin, Slo Shri Muthaiyah, Advocate, Eesamani Narar, Nagercoil.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE.

Agriculture land at Nagercoil, (Doc. No. 1456 to 1462|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date : 6-7-1984

Scal :

#### (1) Sh. Anupam K . Shah, HUF

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shailesh R. Khichadia

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR.II 37EE 3744 83-84.—Whereas, I, LAXAMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000]- and bearing No. Flat No. 24, 2nd floor, Radhika Apaitments, Irla Nala, JVPD Schme, Vile Parle, Bombay 400 049. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement in registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 24, 2nd floor, Radhika Apartment, Plot No. 3, North of Irla Nala, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle, Bombay 400 049.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3744|8384, dated 14-11-1983.

LAXAMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-7-1984

#### FORM I.T.N.S.—

(1) Fredrick Mendonca (2) Peter Frendandes

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

> Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2731|84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD,

A. FRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 22, Rolling Mills Co-op. Hsg. Scty l.td. A-6|13, J.B. Nagar, Borivi (W), Bombay-103 - situated at Borivii (W) (and more fully described in the schedule appared hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ecceds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sold Act, or the Weight-sax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 22, Rolling Mills Co-op. Housing Society Ltd. A6|13, J.B. Nagar, Borivli (M), Bombay-103. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37|EE|2731|83-84 Dt. 7-11-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namey :-

Date: 12-7-1984

Scal:

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Gosalia & Shah Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamlaben Amritlal Nathawani

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2828|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

Shop No. 4, Ground floor, Minal Apartment, Bapu Bhagwe Road, Dahisar (W), Bombay-68.

situated at Dahisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 19-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57---186 GJ|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, Minal Apartmnt ,Bapu Bhagwe Rd, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2828 83-84 dt. 19-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-7-1984

FORM ITNS----

(1) Mls. Samrat Builders

(Transferor)

(2) Mr. Winston Peria & Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2807|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 31-B, I. C. Colony, Road No. 5, Borlvli (West), Bombay-400 013.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

in the Office of the Registering Officer at Bombay on 25-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /et

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 31-B, I. C. Colony, Road no. 5, Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 2807 83-84 dt. 25-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. I-4|37EE|2601|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 402, 4th floor, A-Wing, Sumer Nagar, S. V. Road,

Opp. Kora Kendra & Gokuldham Borivli (W) Bombay-92.

situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 11-11-83

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Sumer Developments

(Transferor) (2) Shri Jagdish prasad Nathuram Gupta (Kulwak) (Transferee)

(3) Vendor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402. 4th floor, A-Wing, Sumer Nagar, S. V. Road, opp: Kora Kendra & Gokuldham, Borivli (W), Bombay-92. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. ARIV|37EB|2601|83-84 dt. 11-11-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Hombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-7-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2587|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. A|14, 4th floor, Saibaba Dham, Off S. V. Road, Borivali (W), Bombay-92.

situated at Boriwali (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls. Arun International

(Transferor)

(2) Mr. Jayesh Hasmukhlai Choksi

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A'14, 4th floor, Saibaba Dham ,Off, S. V. Road, Borivali (w) ,Bombay-400 092.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 2585 83-84 ct. 25-11-83.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-7-1984

(1) Ms. Trimurti Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gama Baladin Yadav

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV[37EE]2755[84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 102, 'Rohan Apartment, Nayagaon, Mandapeshwar

Road, Borivali (W), Bombay-68. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given us that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, 'Rohan Apartment', Nayagaon, Mandapeshwar Road, Borivali (West), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No .ARIV|37EE|2755 83-84 dt. 1-11-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dato: 12-7-1984

(1) M/s. Trimurti Constructions

(Transferor)

(2) Smt. Mary Raymond D'Silva

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2754|84-85.---Whoreas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Flat No. 103, 'Rohan Apartment', Nayagaon, Mandapshwar Road, Borivali (W), Bombay-68.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 103, 'Rohan Apartment', Nayagaon, Mandapeshwar Road. Borivali (W), Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2754 83-84 dt. 1-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-7-1984

(1) M/s. M. N. Construction Co.

(Transferor)

18593

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dilipbhai Lalji Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. ARIV|37FE|2760|84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Flat No. 2, ground floor, Gyan Amrit, Shantilal Mody Rd., Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, Gyan Amrit Bldg., Shantilal Mody Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2760|83-84 dated 8-11-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rnage IV, Bombay

Date: 11-7-1984

Scal:

(1) M|s. Space Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Saralaben M. Vyas & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2751|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. A-i|A-2|8, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. A-I/A-2/B, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (E) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III]37EE|2751|83-84 dated 17-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rnage IV, Bombay

Date: 11-7-1984

Scal:

(1) M|s. Trimurti Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Smt. Mabel Vincent Berretto.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. ARIV]37EE[2756[84-85....Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 101, 'Rohan Apartment', Nayagaon, Mandapeshwar Road, Borivali (W), Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

Bombay on I-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

58-186 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-cation of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101, 'Rohan Apartment', Nayagaon, Mandapeshwar Road, Borivli (W), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2756|83-84 dated 1-11-83.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Rnage IV, Bombay

Date: 11-7-1984

(1) Shri Lalitbhai B. Bhatt.

(Transferor)

(2) Smt. Shaila Purushotam Amin.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2762|84-85.—Whereas, I, . A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

A6|3, The Grover Co-op. Hsg. Ltd., Jeevan Bima Nagar, Borivali (W), Bombay-103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office at the Registering Officer at

Bombay on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A6|3, The Grover Co-op. Hsg. Ltd., Jeevan Bima Nagar, Borivali (W), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2762|83-84 dated 7-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ruage IV. Bombay

Date: 11-7-1984

Seal ;

(1) Shri A. H. Lakhani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. P. Tiwari.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2677|84-85.—Whereas, I, A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.Shop No. 5, Ground floor, Estee Apartment, Saibaba Nagar, Borivali (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Estee Apartment, Saibaba Nagar, Off. S. V. Road, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. ARIV|37EE|2677|83-84, dated 21-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV,
Bornbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

Date: 12-7-1984.

(1) Shri Mangesh Kesarinath Mhatre.

(Transferor

(2) Smt. Meenaben Vishnurao Ayde.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2766|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the irrimovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. D-2, Ground floor, "Gayetri Apartment", "Laxmi Nagar Project", 3rd Kasturba Road, Borivli (East), Bombay-66 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D-2, Ground floor, "Gayetri Apartment", "Laxmi Nagar Project" 3rd Kasturba Road, Borivli (East), Bombay-400 066.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. ARIV|37EE|2766|83-84, dated 15\_11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV,
Bombay

Date: 12-7-1984.

#### (1) Mr. A. H. Lakhani.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Babubhai Valji Vaghela.

Mr. Rasikbhai D. Panchal.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

### INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE IV, **BOMBAY**

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2898|84-85,---Whereas, I, A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. 6, Ground floor, Saibaba Nagar, Off. S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Saibaba Nagar, Off. S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 2898, dated 11-11-83.

> A. PRASAD Competent, Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 12-7-1984.

Scal:

(1) Goyal Builders P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om prakash T. Agarwal & Shri Omkar T. Agarwal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 11th July 1984

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Ref. No. ARIV|37EE|2826|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing
No. Flat No. 101, 1st floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E) situated at Dahisar (E) Bombay-68 (and more fully described in the Schedule enneyed bereto)

Shivaji Road Dahisar (E) situated at Dahisar (E) Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 2826 83-84, dated 3-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1984.

(1) Goyal Building Pvt. Ltd.

(Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shivaji Yeshwant Parab.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2823|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 0001- and hearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 201, 2nd floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68 situated at Dahisar (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 3-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propetry as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has been truly stated in the said infrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2823|83-84, dated 3-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV,
Bombay

Date: 11-7-1984,

#### PORM ITNS-

(1) Ms. Space Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Neeta A. Shah.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE IV. **BOMBAY**

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV[37EE]2754[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

not bearing
No. Shop No. A-I/A-2/3, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar
(E), Bombay situated at Dahisar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of Bombay on 16-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration 257 such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. A-I-A-2|3, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2754|83-84, dated 16-11-83.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV. Bombay

Date: 12-7-1984.

(1) Mis. Space Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Malati Niranjan Ranna.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IV, **BOMBAY** 

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2753|84-85,---Wherens, I, A. PRASAD

prasad being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Shop No. A-3|A4|5 of Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (E), Bombay situated at Dahisar (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Bombay on 16-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. A-3A4|5 at Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (E), Bombay. Competent The agreement has been registered with the Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2753|83-84, dated 16-11-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

59—186 GI|84

Date: 11-7-1984,

seal:

(1) Star Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Manjula Seventilal Shah & S. B. Shah.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2727|84-85.—Whereas, I, A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 204, A-Wing, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-

92 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-83 for an apparent consiferation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesele property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 204, A-Wing, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92. (Slam Glazy Apartment)

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 2729 83-84, dated 7-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV,
Bombay

Date: 12-7-1984.

,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2600|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 401, 4th floor in A-Wing, Sumer Nagar, S.V. Rd., Opp. Kora Kendra & Gokuldham, Borivli (W), Bombay-92. situated at Birivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11th November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Sumer Developers

(Transferor)

- (2) Shri Satichandra Jagdishprasad Gupta (Transferces)
- (3) Vendor (Person in ocuptation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, A-Wing, Sumer Nagar, S.V. Rd., Opp. Kora Kendra and Gokuldam. Borivisli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR|IV|37EE|2600|83-84 dt. 11-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-7-1984.

Seal a

(1) Mr. Kesarimath. K. Kathe,

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vishnu Zimaji Kamble

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2741|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Survey No. 23, Hissa No. 2 and C.T.S. No. 332, part & original plot No. 299 and final plot No. 242 of T.P.S. Borivli III, village Eksar situated at Borivli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay, on 11th November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforosaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Srvey No. 23, Hissa No. 2, C.T.S. No. 332 part and bearing original plot No. 299 and final plot No. 242 of T.P.S. III, Village Eksar, Borivli.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2741|83-84 Date 1-11-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bombay

Date: 12-7-1984.

Scal:

(1) Shri Kanji M. Vora

(Transferors)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Smt. Ila Vasatlal Barot

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY** 

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|4273|83-84.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Shop No. 26, Ord. floor, Shreeji Darshan, C.T.S. No. 100, Survey No. 96, Hissa No. 3, S. V. Road, Kandival (W), Bombay-67, situated at Kandivali (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay, on 21st November 1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 26, ground floor, Shreeji Darshan, C.T.S. No. 100 surveyNo. 96, Hissa No. 3, S. V. Road, Kanlival (W), Bom-

The agreement has been registered with the Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 4273 83-84. Date 21-11-1983.

> A. PRASAD Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range **Bombay**

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-7-1984.

(1) Shri Gautam Laljibhai Patadla & Smt. P. G. Patadia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Leelawati M. Demania

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occuptation of the property)
(3) Transfee from 31-8-1983.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2955|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Star Galaxy Apartments, B-Block, 2nd floor, Flat No. 206, L.T. Road, orivli (W). Bombay-92 situated at Borivli. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay, on 21st November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Star Galaxy Apartments, B-Block, 2nd floor, Flat No. 206, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 3700 83-84 date 21-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984.

Scal:

#### (1) Shri Sukhdayal Tikamdas Daswani.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Hayagreeva Achar

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1400|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Room No. 135, Dadar Commercial Premises Co-op. Society, D. P. Road, Dadar, Bombay-14, situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authortiy

at Bombay on 23rd November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquistion of the said p-operty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Room No. 135, Dadar Commercial Premises Co-op. Socty. D.P. Road, Dadar, Bombay-1.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.—I|1296|83-84. dated 23|11|1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984.

(1) Shri Trilok Vishnubhal Dave

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rao Ravindra Baburao

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 11th July 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.-I|37EF|1479|83-84.—Whereas I, A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred & as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop No. 19, Ground floor, C Wing of M|s Shree Krishnalaya Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Sion, Bombay-400 022. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 19, Ground floor, C Wing, M|s Shree Krishnalaya Co-op. Housing Society Ltd., Sion Bombay-00 022.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|924|83-84 dated 11-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1984

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1328|83-84,—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Unit No. 5 & 5A, 'West View' Building, Veer Saverker Marg. Prabhalevi, Bombay-400 025

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

60-186 GI|84

(1) M s Pragati Investments

(Transferor)

(2) Nilesh Kishorkumar Family Trust

(Transferee)

(3) M|s Pragati Investments

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 5 & 5A, West View Building, Veer Saverker Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1193|83-84 dated 15-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1266|83-84.—Whereas J. A. I AHJRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Unit No. 1 & 1A on Ground floor and basement, West View Building, Veer Saverker Road, Prabhadevi Bombay-400 025 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferrel and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Pragati Investments

(Transferor)

(2) Shri Kishorkumar Bhimfi Zaveri

(Transferee)

(3) M/s Pragati Investments

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 1 & 1A on Ground floor and basement of West View Bldg. Veer Saverker Road, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.-I 1173 83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. 4th floor,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-7-1984

### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR,-I|37EE|1418|83-84.—Whereas 1, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

Flat No. 43, Pachim Apartment B, Kashinath Dhuru Road,

Off Cadell Road, Dadar, Bombay-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferrel and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Sushila T. Bansal

(Transferor)

(2) M|s Amar Silk Mills

(Transferee)

(3) M|s Amar Silk Mills
(Person in occupation of the property)

(4) Mrs. Sushila T. Bansal.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 43, Pachim Apartment B, Kashinath Dhuru Road, Off Cadell Road, Dadar, Bombay-28.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|1318|83-84. dated 26-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-7-1984

Scal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### FORM I.T.N.S.-

(1) International Nickel Services Ltd. U.K.)

(2) Rediffusion Advertising Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

No. AR.-1|37EE|1314|83-84.—Whereas, I. Ref. A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

Office Premises in the building known as Sterling Centre' North East Corner, 4th floor, Dr. Annie Besant Road,

Bombay-400 018

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Premises in the building known as known as Sterling Centre' North-East Corner, 4th floor, Dr. Annie Besant Road, Bombay-400 018.

Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1215|83-84 dated 8-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Data: 13-7-1984

Scal:

# FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984 Ref. No. AR-1]37EE|1327|83-84.—Whereas, 1, A. LAHIR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 3 & 3A, 'West View' Building, Veer Saverkar Marg, Prabhadevi Bombay-400 025,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferrel and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M s Pragati Investments

(Transferor)

(2) Neeta Kishorekumar Family Trust

(Transferee)

(3) M|s Pragati Investments

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intropevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 3 & 3A, 'West View' Building, Veer Saverker Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.I|1192|83-84 dated 15-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.-I[37EE]1397[83-84.—Whereas I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 45 on 4th floor, Wing-D, Mamata bldg., Plot No.
926, TPS No. IV, New Prabhadevi Road, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
in the office of the Competent Authority at
Bombay on 23-11-1983 Bombay on 23-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) M|s Gundecha Builders

(Transferor)

(2) Mr. Mahendra Devshibhai Pithia Mrs. Rupa Mahendra Pithia

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Flat No. 45 on 4th floor, Wing-D, Mamata Building, Plot No. 926 T.P.S. No. IV, New Prabhadevi Road, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR[1295]83-84 dated 23-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-7-1984

Seal -

(1) M|b Dee Bce Exports

(Transferor)

(2) M|s Binjusaria & Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1033-A|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

Shop No. 20 on the Ground floor and Godown No. 20 in the Basement, Bhangwadi Shopping Arcade, Kalbadevi Road, Bombay-400 002

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

has been transferrel and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 20 on the gr. floor and Godown No. 20 in the basement, Bhangwadi Shopping Arcade, Kalbadevi Road, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I/Deemed/37/83-84, dated 15-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Dhanraj Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Sanjeev B. Jain

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1080|83-84.--Whereas I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

& Nahar Industrial Estate, Lower Parel Bombay-400 013 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferrel and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1983

for an apparent consideration and

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gagetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Gala No. 134 on 1st floor of building known as (Al' at Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-400 013.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.I | 957 | 83-84 dated 15-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

Scal:

(3) Transferce

## FORM ITNS----

(1) 1. Smt. Jetley Mukta Motiram

2. Smt. Shringee Shanta Kanayalal 3. Shri Jetley Motiram Topanlal

(Transferor)

(2) Shri Trivedi Arvind Jayshankar 2. Smt. Trivedi Sharmishta Arvind

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.-1|37EE|1397|83-84.--Whereas I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 26, 5th floor, Building No. 9, Navjivan Co-op. Housing Society Ltd., Lamington Road, Bombay-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-11-1983

61-186GI|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforested property and I have reason to besieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 26, 5th Floor, Building No. 9, Navjivan Co op. Housing Society Ltd., Lamington Road, Bombay-8,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1342|83-84 dated 18-11-1983.

> A LAHIR. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Pratapsingh Karsandas Asher

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Kiran Silk Mills Pvt. Ltd.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-I[4971]83-84.--Whereas, 1

A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Land bearing C.S. No. 1390 and 1 1392 of Lower Parel

(and more fully descirbed in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1624|81 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 21-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

### FORM ITNS—

NOTIFYE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (3) Transferor

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1297|83-84.-Whereas I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25(000)- and bearing

Unit No. 19, 1st floor, Milan Industrial Estate, Cotton Green, Bombay-400 033

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferrel and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persona namely:-

(1) Mr. Kanaiya Sadarmal Israni

(Transferor)

(2) Mr. Nand Gulabrai Badlani

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period-sof 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 19, 1st floor, Milan Industrial Estate, Cotton Green, Bombay-33.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I 1203 83-84 dated 5-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-7-1984

Scal:

(1) Dr. (Mrs) Indra Santamaria (Gandhi) Mr. Ashok Gogi Gandhi

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. V. Subramanian

(3) Shri Ashok G. Gandhi

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.-I]37EE|2522|83-84.—Whereas 1, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

Flat No. 13, 2nd floor, Gulestan Co-op. Housing Soc. Ltd., Sion (East) Bombay-22.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferrel and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 13, 2nd floor, Gulestan Co-op. Hsg. Soc. 1td., Sion East, Bombay-22.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|Deemed. 30|83-84 dated 2-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-7-1984

Soul:

(1) Shri Ganesh Narayan Nerurkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Dhirajlal Maganlal Shah Mrs. Maltiben Dhirajlal Shah

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1315|83-84.--Whereas I, Λ. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Flat No. 6 of 2nd floor in Suprabhat Apartment Co-op. Housing Society I.td., Gyan Mandir Road, Dadar, Bombay-28 (and more fully described in the schedule annexed heroto) has been transferrel and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- THE SCHEDULE
- Flat No. 6 on 2nd floor in Suprabhat Apartment Co-op. Housing Society Ltd., Gyan Mandir Road, Dadar, Bombay-28.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1216|83-84 dated 16-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever speriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) Smt. Sulochanadevi M. Kedia.

(Transferor)

(2) Sh. Savla P. Daga.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3929|84-85.-Whereas, I. A. LAHIRL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Flat No. 18, 4th floor, Gokul Shyam Soc. Ltd., Devidayal

Road, Mulund (West), situated at Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 4th Floor, Gokul Shyam Soc. Ltd., Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III]37EE|1530|83-84 dt. 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1984

# FORM ITNS----

(1) Shri Pratap C. Chavan.

(Transferor)

(2) Shri Dwarkanath M. Kale.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III 37EE 3898 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 2, Ground floor, Varad Vinayak, Vallabbaug.

Lane Extn., Ghatkopar (E), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983 ...

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for "the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, Varad Vinayak, Vallabhbaug Lane Extn., Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial, No. AR.III 37EE 1527 83-84 dt. 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Date: 13-7-1984

(1) Mrs. Lucy John Dias.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kuppuswami Pillay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III]37EE[4163]84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. B-5, 'Nav Swagharkul Sahakari Gharbandhani Sanstha (M), Vakola, Santacruz (E), Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the

and the agreement is registered under section 259AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-5, Nav Swagharkul Sahakari Gharbandhani Sanstha (M), Vakola, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/37EE/1608/83-84 dt. 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Date: 13-7-1984

FORM IINS-

(1) Smt. Suraj Bela Jain.

(Transferor)

(2) Mr. Syed All Husain Ayoced.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

> Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4363|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |- and bearing

Flat No. 2, Bldg. No. 6, 6th Floor Damodar Park, LBS Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 2, Bldg. No. 6, 6th Floor Damodar Park LBS Marg, Ghatkopar (West) Bombay-86. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR,III|37EE|1646|83-84 dt. 1-11-1983.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--62--186GJ 84

Date: 13-7-1984

#### FORM ITNS ...

(1) Shri Inderjit Singh Sarupsingh Bhasin

(Transferor)

(2) Smt. Ranjit Kaur D. Magoo.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV.37EE|4113|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Iacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop No. 13, Gr. floor, Acharva Commercial & Shopping Centre, Dr. Gidwani Rd., Chembur, Bombay-74. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 13, Gr. floor, Acharya Commercial & Shopping Centre, Dr. Gidwani Rd., Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|1640|83-84 dt. 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 13-7-1984

(1) Smt, Elizabeth Thomas

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mary Shanker.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4117|84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 1, Our Lady of Egypt Coop. Hsg. Soc. Ltd., Prashant,

Kalina, Bombay-98.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 catalog2) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1111127 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, Our Lady of Egypt Coop. Hsg. Soc. Ltd., Prashaut, Kalina, Bombay-98.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1634|83-84 dt. 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

Scal:

(1) Mrs. Krishna L. Hemlani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Gunwanti B. Jeswani,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III | 37EE | 4285 | 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

Flat No. 602, Bldg., S2, Malad Kokil Coop. Hsg. Soc. Ltd. Sunder Nagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 602, Bldg., S2, Malad Kokil Coop. Hsg. Soc. Ltd. Sunder Nagar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1641|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 13-7-1984

(1) Shri Raghunatraj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vedprakash Chawla & others

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/3940/84-85.---Whereas, I, A, 1,AHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Gala No. 17-A(IV), Ground floor Land Survey No. 48, Part

Gala No. 17-A(IV), Ground floor Land Survey No. 48, Par 19 Bombay Agra Road, Ghatkopar, Bombay-86,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. 17, A(IV), Ground Floor Bombay Agra Road, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|3940|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 13-7-1984

#### HORM ITNS ---

(1) Shri P. N. Kothari

(Transferor)

(

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Nilesh Corpn.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER. OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3934|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Survey No. 200 (part), CTS No. 288, Agra Road, Bhadup,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Survey No. 200 (part), CTS No. 288, Agra Road, Bhadup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority ombay vide serial No. AR.III]37EE|1563|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

----

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4483 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 401 4th floor, Shanti Apartment, Sarojini Naidu Road, Mulund (W), Bombay-400 080.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income Ot any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Suleman Memonji & Ors.

(Transferor)

(2) Shri R. R. Mishra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 401 4th floor, Shanti Apartment, Sarojini Neidu Road, Mulund (W), Bombay-400 080.

The agreement has been registered with the Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1621|83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Date: 13-7-1984

(1) Mr. Natvarial D. Vishwakarma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Nirmala N. Shah.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4126|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Flat No. 6. Maheshwar Deep, C.H.S. Ltd. Chatkopar East. Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Maheshwar Deep, C.H.S. Ltd. Chatkopar East, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III[37EE]1623[83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 13-7-1984

#### FORM TINS----

(1) Shri P. N. Kothari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Flash Lite Enterprises

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37CE|4265|84-85.—Whereas. I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. P. N. Kothari Fstate, Survey No. 200 (Part), C.T.S. No. 288, Agra Road, Bhandup, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

P. N. Kothari Estate, Survey No. 200 (Part), C.T.S. No. 288, Agra Road, Bhandup, Bombay,

The agreement has been registered with the Computent Authority Bombay, vide serial No. AR.III]37EE[1585[83-84] dated 1 11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

sub-Now-Date: 13-7-1984

Seqi-

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—63—186G1|84

(1) Mr. Rasiklal J. Dave,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subhash S. Paradkar,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th Inly 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4187|84-85. --Whereas, 1,

A. LAHIKI, teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 6, 2nd fl. Plot No. 6, CTS No. 112|6. Village Chincholl, Goregoon (E), Bombay-63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay, on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforthan iff ten paparent consideration therefor by more than iff ten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand for
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said are Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd fl. Plot No. 6, CTS No. 112/6 Village Chincholi, Goregaon (E), Bombay-063.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide scrial No. AR.III|37EF|1609|83-84. dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984.

Scal:

### ——— (1) Malini Kurup

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. Madhavi Amma

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4|32|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Rs. 25,000]- and bearing
Flat No. 9, Chandrika Bldg., Abhyudhyaya Co-op. Hsg. Socy.
Ltd., situated at 9th Road, Chembur, Bombay-71.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bombay, on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, Chandrika Builling, Abhyudihyana Co-op. Dtd., Hsg. Society Dtd., 9th Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1602|83-84. dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Aupthority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 13-7-1984.

### FORM ITNS----

and the second of the second o

(1) M/s. Ganesh Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Baby Daniel.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II]|37EE|4482|84-85.---Whereas, I, A. LAHIRI,  $\ensuremath{\text{A}}$ 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

Flat No. 34, 'B' Wing 3rd fl. "Neelima Apartment, Jangal Mangal Road, situated at Bhandup, Bombay-78.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bombay, on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as tre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 34, 'B' Wing, 3rd fl. "Neelima Apartment" Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1613|83-84. dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Aupthority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Now, therefore, in pussuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4485|84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 11, Plot No. 46, Kanjur Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Kanpur, situated at Bombay-400 078.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bombay, on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ot
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mis. Modern Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Santos Loudis.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 11 Plot No. 46, Kanpur Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Kanpur, Bombay-400 078.

The agreement has been registered with the Competent Date: 11-7-1984

Authority Bombay vide serial No. ARIII|37EE|1614|83-84. dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Aupthority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 13-7-1984.

(1) Shri Bhimrao K. Rakte

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Fredrick L. Martin & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.JII|37EE|4167|84-85.--Whereas, I, A. I.AHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

Flat No. A-12, Nav Swagharkul Sahakari Gharbandhani Sanstha (M), Vakola, Santacruz (E), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Bombay, on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-12, 'Nav Swagharkul Sahakari Gharbhandhani Sanstha Vakola, Sentacruz(E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EF|1635|83-84. dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 13-7-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37FF|4130|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Flat No. 6 Abhilash Apts., CTS No. 1466 J. N. Road, Mulund (West), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered annexed under the Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay, on 1-11-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M|s. Mantri Development Corporation (Transferor)
- Shri Padamshi A|s Velji K. Dharod & Shri Mukesh Velji A|s PaJamshi Padamshi Dharod.
- (3) Mantri Development Corporation
  (Person in occupation of the property)
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Abhilasha Apts., C.T.S. No. 1466, J. N. Road, Mulund West, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1600|83-84. dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Aupthority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 13-7-1984.

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Atzal J. Ladak (2), Shri Salim J. Rupanc (3) M/s Ladak Constructions.

(2) Shri Joseph M. Desai.

(Transferors)

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4127|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 102, 1st floor. Shakil Apts. Vekola pipe Line, Santacruz, East Bombay-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1st November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 ef the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and /or

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st Floor, Shakil Apts., Vakola Pipe Line. Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. ARJII!37EE 1601183 84 dated 1-11-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 13-7-84.

(1) Shri P. N. Mothari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hariram Tahilram Kaloni.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR. III 37EE 4181 84-85.—Whereas I, A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

P. N. Kothari Estate, Survey No. 200 (part), CTS No. 288

Agra Rd. Bhandup, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1st November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument. of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1457 (27 of 1957);

P. N. Kothari Estate, Survey No. 200 (part), CTS No. 288, Agra Road, Bhandup, Bombay-400 078.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III 37FE 1590 83-84 Competent

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--64-186GI 84

Dated: 13-7-84.

dated 1-11-83,

#### FORM I.T.N.S.--

(1) Shri Rajendra Hansraj Thacker.

(Transferor)

(2) Shri Pravin Jamnadas Thakkar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III. BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR. III|37EE|4358|84-85.—Whereas J. A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 11, Bldg. No. 9, Mukand Iron Staff Association Co-op, Hsg. Soc. Ltd. Gawanpada Rd. Mulund (E), Bombay-400 081

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; apd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11, Bldg. >, Mukund Iron Staff Association Co-op. Housing Society Ltd. Gawanpada Road, Mulund (B), Bombay-400 081.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide, serial No. AR.III|37EE|1593|83-84 dated 1-11-83.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 13-7-84.

Geol :

THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH

#### FORM ITNS-

(1) Mr. Gupta Goyal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Triveni Development Corpn.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR. [II] 37EE] 4331 84-85. - Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 5, Bldg. A. Triveni Nagar, Kolini Pada Village Kuvar Malad (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I reason to beleive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

· Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 5, A. Treveni Nagar, Kolini Pada, Village Kuvar Malad (f.), Bombay. The agreement has been registered with the

Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1597 83-84 dated 1-11-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 13-7-84.

(1) Ajay Builders.

(Transferor)

(2) Mataprasad Sukhuram Chorajiya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4373|84-85.—Whereas J, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 11, 4th fl. Laxmi Nivas, Plot No. 63-B, CTS No. 1231, Zaver Road, Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11, 4th fl. Laxmi Nivas, Plot No. 63, CTS No. 1231, Zaver Road, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR, III 37EE 1594 83-84 dated 1-11-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 13-7-84.

(1) Shri Basbaram Rawaldas.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Sajjanraj Gandhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EF|4205|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 502, 5th fl. Veena Nagar, 'C' Wing, Govind Nagar Road, Malad (W), Bombay-64

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Hat No. 502, 5th fl. Veena Nagar 'C' Wing, Govind Nagar Rd. Majad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1571|83-84 dated 1-11-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 13-7-84.

(1) Shri Dwarkanath Manikarao Kale.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Madhuben R. Gandhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July, 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|4119|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Building No. 175, Flat No. 4879, 2nd floor, Suvarna Rekha Co-op Housing Society, Ltd., Pantnagar, Ghatkopar (E), Bombay-400075

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or Building No. 175, Flat No. 4879, 2nd floor, Suvarna Rekha Co-operative Housing Society Ltd., Pantnagar, Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EE| 1624|83-84 dated 1-11-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

#### FORM ITNS----

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Soma Jairam Rane & Ora.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th July, 1984

Ref. No. ARIII|37EE|4188|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-aud bearing

Flat No. 9, Ground Floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (West), Bombay-400064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, Ground Floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (West), Bombay-400064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EE| 1624|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Mr. Sylvin Aandrade.

(Transferor)

(2) Smt. Latife Sarfuddin,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Rombay, the 13th July, 1984

Ref. No. ARIII|4166|84-85.-Whereas, I,

A. LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 12, Suhana Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 4|5 Survey No. 192 (pt.) L.B.S. Marg, Kurla,

Bombay-400070.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 12, Suhana C-operative Housing Society Ltd. Plot No. 4|5 Survey No. 192 (pt.) L.B.S. Marg, Kurla, Bombay-400070.

The agreement has been registered with the Competent Bombay Authority, vide serial No. ARIII 37EE 1624 83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 13-7-1984

(1) Mr. Mohandas Bijoon.

(Transferor)

Mrs. Paramjit Kaur Bhagraj.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIII 37EE 4354 84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No.

R-4|14, Sundernagar, S.V. Road, Malad West, Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred.

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said proper: may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Gays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

R-4|14, Sundernagar, S.V. Road, Malad West, Bombay-64.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EE| Authority, Bombay vide 1624|83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -65---186GJ|84

Date: 13-7-1984

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

\_

(2) Shri Kashinath N. Baul & Ors.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July, 1984

Ref. No ARIV|37FE|4185|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 8, Ground Floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (West), Bombny-400064.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, Ground Floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (West), Bombay-400064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV[37EE] 1624[83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 13-7-1984

#### FORM ITNS----

(1) Mis. Gold Coil Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Ubaldo Correa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-LII BOMBAY

Bombay, the 13th July, 1984

Ref. No. AR.III]37EE|4075|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing House No. 148 (Part Flat No. 734 to 737, Village Kole Kalyan, Vakola Santacruz (F), Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 734 to 737, Village Kole Kalyan, Vakola Santaeruz (E), Bombay-400055.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIII'37EE| 1554|83-84 dated 1-11-1983.

A LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Karmali Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Sunanda Vasude Bhogle & Ors.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

('Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July, 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4276.—Whereas, 1, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 204, Al Sabha, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies compound, S. No. 388/3, Malad, Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explainable:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 204, Ai Sabhn, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies compound, S. No. 388[3, Malad, Bombay-64

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EE| 1624|83-84 dated 1-11-1983.

A, LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

Seul:

FORM ITNS----

(1) Ms. Mantri Development Corporation.

may be made in writing to the undersigned :-

ever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri R. S. Vyas & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July, 1984

Ref. No. AR.III|37EF|4111|84-85,—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

Flat No. 12, Abhilasha Apar(ment of J. N. Road, Mulund (West), Bombay-400080,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12, Abhilasha Apartment of J. N. Road, Mulund (West), Bombay-400080,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37FE| 1624|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

1) Shri Narendra Shantaram Sawant,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pandurang Ravji Sawant.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3990|84-85.—Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 21, 2nd floor, Dco Apartment, Kole Kalvan

Flat No. 21, 2nd floor, Deo Apartment, Kole Kalvan Village Vakola, Santacruz, Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 21, 2nd floor, Deo Apartment, Kole Kalyan Village Vakola, Santacruz, Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EE| 1543|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-7-1984

(1) M15, S. R. Mohite.

(Transferor)

(2) M

(2) Mrs. Samshun Nisa Hussein Rais.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July, 1984

Ref. No. ARIII|37EE|3987|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 1. Ground floor, Plot No. 19. Shanti Kunj, Mahul Road, Chembur Bombay-74.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guistte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sake Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Plot No. 19, Shanti Kuni, Mahul Road, Chembur Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARIV|37EE| 1540|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 13-7-1984

(1) M/s. B. Parikh & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ravikant Krushnakant Kale.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July, 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4329 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

B-315, Virwani Industrial Estate, Western Express Highway 3rd floor, Goregaon, Bombay-62.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ed 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, an purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

B-315, Virwani Industrial Estate, Western Express Highway 3rd floor, Goregaon, Bombay-400062.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-II|37EE|1603|83-84 dated 1-11-1983,

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 13-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July, 1984

Ref. No. AR-III|37EE|4124|84-85,-Whereas, I, A. LAHIRI.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 7, Kim Cottage, Sant N. M. Marg, Ghatkopar

(West), Bombay-84.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely; -- 66-186GI|84

(1) M|s. Kim Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Pramila K. Parab and Shri Krishna M. Parab.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 7, Kim Cottage, Sant N. M. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-84.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide 1647|83-84 dated 1-11-1983. vide ARIII 37EE serial No.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Ajay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vasant Vishnu Maykear & Ors.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, Bombay

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-111[37EE|3961]84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 9, 2nd fl. Rushabh Nagar, S. No. 74, CTS No.

564 Mulund East, 90, Cross Rd., Bombay 81.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Bombay on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official the Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9 2nd fl. Rushabh Nagar, S. No. 74, CTS No. 564 Mulund East 90, Cross Road, Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III 37EE 1533 83-84 dt. 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 13-7-1984

(1) Smt. Radhkabai Veerumal Hirani.

(Transferor)

(2) Smt. Champa Gobind Talreja.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-III|37EE|4161|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value expending Rs. 25,000, and hearing No.

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 22, Vikas of Shri Chembur Ganesh Co-op. Hsg. Soct. Ltd. Kumbarwadas, Chembur Naka, Bombay-400 071. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983.

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the cald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thet Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 22, Vikas of Shri Chembur Ganesh Co-op. Hsg. Society Ltd. Kumbharwada, Chembur Naka. Bombay-400 071. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/37EE/1619 83-84 dt. 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Smt. Laxmi Murlidhar Kotai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukhtar Ahmed Abdul Gaffar Ansari. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, Bombay

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-III|37EE|4379|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000! and bearing No.

Flat No. 12, 2nd fl. from Bindu Bldg. S. V. Road, Near

Filmistan Studio, Goregaon (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 'Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of htis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd fl. Prem Bindu Bldg. S. V. Rd. Near Filmistan Studio, Goregaon (W), Bombay-400 062.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR-III|37EE|1595|83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Ms. Golden Const. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sharda M. Husain.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, Bombay

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-III|37EE|4325|84-85.---Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 15, 4th fl. CTS No. 5782 (P) 5783(p) Village Kole Kalina, Bombay-29.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreeement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, the store, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, 4th fl. CTS No. 5782(p) & 5783(p) Village Kole Kalyan Kalina, Bombay-29.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR-III|37EE|1604|83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Mr. Jawaharlal N. Gupta & Others.

(Transferor)

(2) M/s. Triveni Development Corpn.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, Bombay

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-III]37EE|4330]83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Shop No. 4, Blg. A. Triveni Nagar, Kohni pada village Malad (E), Bombay.
(and more fully described in the schedule annexted hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the 'varties has not been truly stated in the said instrument of nsfer with the object of :tra.

- (a) facilitati. The reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of up income arising from the transfer; respect of and/or
- (b) facilitating the conc calment of any income or any moneys or other ass ets which have not been or which ought to be a isclosed by the transferee for the purposes of the 1 indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 4, Bldg. A, Triveni Nagar, Kohni Pada Village Malad (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR-37EE|1592|83-84, dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore is pursua ace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26' ID of the said Act to the following persons, namely :-

Dato: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Mis. Lubin Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Benedict Ignatius Netto.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-III|37EE|4378|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. B|7, 3rd fl. Part. A. Village Valand, Orlam, Malad

(W), Bombay-400 064.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating use concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1922

#### THE SCHEDULE

Flat No. B 7, 3rd Fl. Part A. Village Valani, Orlem, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR-III 37EE 1596 83-84, dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|11-83|1351.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Malikpur Kohi Alias Rangpuri New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gajinder Singh, 7|1, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. S hive Raj Gupta, 6 Community Centre, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Agricultural land, at village Mallkpur Alias Rangpuri, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 Of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

1() Shri Gobind Ram, B-44, Aligani Karbla, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Arjan Dass and Shri Ram Parkash sons of Sh. Ramchand, B|43, Aliganj Karbla, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|11-83|1345.—Whereas, I,

Ref. No. IAC|Acq-1|SR-III|11-83|1345.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
Shop No. 3 situated at Khanna Market, Lodhi Road, New Delbi

Delhi.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the oncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 3, with additional strip of land (27.07 and 5.8 Sq. Yds. at Khanna Market, Lodhi Road, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act of the following persons, namely :-67-186 GI 84

Date: 6-7-1984

#### FORM JTNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Gurbachan Singh Slo Sh. Bishan Singh, Plot No. 54, Tughlakabad Esta., New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kanwaljit Singh Slo Sh. S. Raja Singh, B-47, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-1|SR-111|11-83|1347.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 45 situated at Khasra No. 615 1, Plot No. 90 2 Church

Road, Jangpura Bhogal, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Delhi on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 45 Khasra No. 615|1, on Plot No. 90 Church Road, Jangpura Bhopal, New Delhi. Measuring 171 Sq. Yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|11-83|1344.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land, situated at Village Tuglakabad, Teh. Meh-

rauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration euch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act. In
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Butterworth India (P) Ltd., 15th Floor Atma Ram House, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

Sh. Prit Pal Singh,
 B-24 West End Colony,
 New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garetta.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land-Khasra No. 1525, 1526, 2270 1518 Village Tuglakabad, Teh. Mehrauli, New Delhi. Measuring 19 Bigha 10 Biswas.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-1|SR-111|11-83|1138.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural land situated at Village Jaitpur, Tehshil Mehrauli,

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :--

(1) Sh. Arjun Singh, Village Jaitpur, Teh, Mohrauli, New Delhi.

(Transferer)

(2) M|s, Ahluwalia Contracts (1) Pvt. Ltd., B-4 205, Safderjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 76 Min, at Village Jaitpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi. Measuring 2 Bighas and 8 Biswas.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 6-7-1984

### FORM 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. [AC|Acq-I|SR-III]11-83|1339.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Agrilcultural land situated at Village Jaitpur, Tehsil Mebrauli

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ; that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Arjun Singh Slo Shri Nota Singh, Village Jaitpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ahluwalia Contracts (1) Pvt. Ltd., B-4/205, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as nie defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land-Khasra No. 77/1, Village Jaitpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.
Measuring 2 Bighas and 6 Biswas.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 6-7-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|11-83|1340\ Wheras, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Vallage Jaitpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on Nov. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Arjun Slo Sh. Nota Singh Village Jaitpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s Ahluwalia Constructs (1) Pvt. Ltd. B-4|205, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 77|1, At Village Jaitpur, Teh. Mehrnuli New Delhi. Measuring 2 Bighas and 6 Biswas.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Delhi|New Delhi.

Date : 6-7-1984

#### FORM ITNS -----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|11-83|1341.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Agriculture land situated at Village Jaitpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on Nov. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely tem(2) Sh. Arjun Singh Slo Sh. Nota Singh Village Jaitpur, Teh. Mehra New Delhi. Mehrauli.

(Transferor)

(2) M|s Ahluwalia Constructs (I) Pvt. Ltd. B-4|205, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land Khas No. 75 Min Village Jaitpur, Teh. Mehrauli, New Delhi. Measuring 2 Bighas and 8 Biswas.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date: 6-7-1984

#### FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|11-83|1342.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. Agricultural land situated at Village Jaitpur, Teh.

Mehrauli, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1983. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Arjun Singh Slo Nota Singh Village Jaitpur, Teh, Mehrault, New Delhi.

(Transferor) (2) Mis Ahluwalia Contracts (I) Pvt. Ltd. B-4|205, Safdarjung Unclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 76 Min Village Jaitpur, Teh. Mehrauli, New Delhi. Measuring 2 Bighas and 8 Biswas.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Delhi New Delhi.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, **NEW DELHI**

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|11-83|1343,--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Agricultural land situated at Village Jaitpur, Teh.

Mehrnuli New Delhi

Mehrauli, New Dolhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on Nov. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

(1) Sh. Arjun Singh So Nota Singh Village Jaitpur. Teh. Mehrauli. New Delhi.

(Transferor)

(2) M<sub>18</sub> Ahluwalia Contracts (I) Pvt. B-4|205, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of rotice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 107/3 Village Jaitpur, Teh. Mehrauli, New Delhi Measuring t Bigha.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tua Acquisition Range-1. Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-68-186 GI'84

Date: 6-7-198.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Kamla Devi Wo L. Chhanga Lal Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vijay Mehta 65 Friends Colony, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I. NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC Acq.I|SR-II|11-83|1332.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Property situated at Gadiapur Tehsil Mehrauli, New Delbi.

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed heretor, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on November, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indiau Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Property in Khasra No. 640 at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi. Measuring 1 Bigha and 19 Biswas.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date: 6-7-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Jwala Das 2|4-B, Jangpura-A, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Lila Wanti 2|17-A, Jangpura-A. New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|11-83|1329.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 2|17-A, situated at Jangpura A, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazerts.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning my given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property 2|17-A, Jangpura-A, New Delhi, Measuring 200 sq. yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 6-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-II|11-1327.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Agricultural Land situated at Village Sultanpur, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s Capital Land Investment Corp. G-9, Sidharth,
 Nehru Place,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Yusuf Husain & Maan Paiker Hasan 78 Yashwant Place, Chanakyapuri, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ant, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE -

Agricultural land Khasra No. 739 (1-0) 740 (0-6), 743 (1-10), 744 Min (0-15), 745 (4-4) 746 (4-16) at Village Sultanpur, New Delhi Measuring 12 Bighas and 11 Biswas.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-fux Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi.

Date: 6-7-1984

Seal '

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|11-83|1327.—Whereas. I. SUDH|R CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding ·Rs. 25,000/-and bearing

Quarter No. E-107 situated at Aliganj, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Prem Dass & Sh. Parmeshwari Dass, Sh. Tulsi Dass E-107, Aliganj New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Didar Singb E-107, Aliganj New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Govt. built Quarter No. E[107, (DI) Aligan] New Delhi. Measuring 291.36 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi New Delhi.

Date: 6-7-1984

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984.

Ret. No. IAC|Acq.I|SR-III|11-83|1323.--Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- bearing Agricultural Land situated at Village Rajkot Tehsil

Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) S|Sh. Kamal Luthra, Rati Ram Lala Ram, Ram Saroop
 Narpat 6. Rameshwar Ss o Neta Village Rajokri, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s Luthra Farms, Village Rajori, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 1126 (4-16), 1133 (4-16) 1138 (4-7) at Village Rajokri Tehsil Mehrauli, New Delhi. Measuring 13 Bighas and 1 Biswas.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date: 6-7-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|11-83|1324.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-and bearing

Agricultural land situated at Village Rajokri, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) S|Sh. Kamal Luthra,

2. Rati Ram

3. Lala Ram

Ram Saroop
 Narpet

6. Rameshwar all

Ss|o Neta Village Rajokri, New Delhi

(Transferor)

(2) M|s Luthra Farms, Village Rajokri, New Delhi.

Through its Prop. Bimal Luthra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land, Khasra No. 1139 East (2-5) 1140 East (2-17), 1142 (7-0) Village Rajokri New Delhi. Measuring 12 Bighas 2 Biswas.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-to.
Acquisition Range-I,
Delhi[New Delhi.

Date: 6-7-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME: TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, **NEW DELHI**

New Delbi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.i|SR-III|11-83|1259.--Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural land situated at Village Shaurpur, Tehell

Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not; some or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice tander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Laxman Dass & Mrs. Lajwanti C-32, Malviya Nagar. New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s H. K. International 4|12, Industrial Area, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the distribution of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE -SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 3 at Village Shaurpur, Tehsil Mehrauli New Delhi, Measuring 3 Bighas and 10 Biswas.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomestax Acquisition Quest I. Pielhi New Delhi.

Date: 6-7-1984

Seal '.

meumica madúa estudio de l

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-1, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC [Acq. [18R-11]] 11-83]1260.--Whereas, I. SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Agricultural land situated at Village Shaurpur, Tehsil

Mehrauli, New Delhi.

(and morefully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in November, 1983

at Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons nomely ;--- 69-186 GU84

(1) Sh. Laxman Dass & Mrs. Lajwanti C-32, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

Ms H. K. International 4|12, Industrial Area, Kirtl Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 3 (1-8) 2 Min (2-1) Village Shaurpur Tehsil Mehrauli, New Delhi. Measuring Bighas and 9 Biswas.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi New Delhi.

Date: 6-7-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|AcqI|SR-III|11-83|1261,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Agricultural land situated at Village Shaurpur, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Laxman Dass and Mrs. Lajwanti C-32, Malviya Nagar, . New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. H. K. International4|12 Industrial Area, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 4 at Village Shaurpur, Tehsil Mehrauli Now Delhi. Measuring 4 Bighas and 12 Biswas.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Delhi New Delhi.

Date: 6-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF \$961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Laxman Dass & Smt. Lajwenti C-32, Malviya Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) M|s. H. K. International 4|12, Industrial Area, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC AcqI SR-III 11-83 1262 .- Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 28 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

Agricultural land

situated at Village Shaurpur, Teh. Mehrauli,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; صد/ المحلة

(b) facilitating the concealment of any income or any organs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultūral land Khasrā No. 2 (Min. (1-1) 5 Miji (2-7) Village Shaurpur Teh. Mehrauli, New Delhi. Measuring 3 Bighas and 8 Biswas. at

> SUDHIR CHANDRA Competent Authorny Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Date: 6-7-1984

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acql|SR-III|11-82|1268.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
bearing No. Property No. 1861
situated at Village Mubarikpur Kotla, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Tirkha Ram L-12 Lakshmi Nagar, Delhi-92.

(Transferor)

(2) S|Sh. Surinder Kumar Jain Ashok Kumar Jain sons of Sh. Nathu Ram Join, and Master Rajesh Kumar Jain S|o Sh. Ashok Kumar Jain, 136 Tagore Park, Delhi-110009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 1861 Village Mubarikpur Kotla, New Delhi. Measuring 127.8 Sq. Yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

Date: 6-7-1984

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-1[SR-33]111-83]1272.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Agricultural land

situated at Villore Gadarent con elechi-

tand more fully described in the Schedule annied hereto), has been transferred

under the Registration Ver, 1960 (1968) in the office of Registering Officer

at Delhi in November, 1983

for an apparent consideration, which is less than the fate market vaule of the aforestid property and T have reason to total ve that the rain model totals of the property at the refer total exceeds the apparent consideration the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other angers which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(i) Smt. Hakumai Bai Woo Sh. Aaru Mal Village Gadaipur, New Delhi.

(Transferor)

(2) S|Sh. Ashok Kakkar and Suresh Kakka: Ss|o Sh. Dargahi Dass Greater Kailash, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural Jand Khasra No. 531 Min Village Gadaipur, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Anthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi.

Date: 6-7-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. 1AC|AcqI|SR-HI|11-83|1273.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

Agricultural land situated at Village Jonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Delhi in Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ved Parkash So Paya Ram Village Gadaipur, New Delhi,

(Transferor)

(2) S|Sh. Ashok Kakkar and Suresh Kumar Kakkar Sons of Sh. Dargahi Dass, Greater Kailash New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1|8th Share in agricultural land Mustatil No. 27 Killa No. 11|2 (1-2), 18|(4-5), 19 (4-16), 20|1(2-1) Village, Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Deihi.

Measuring 12 Bighas and 4 Biswas.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date: 6-7-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER. OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|11-83|1274.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Agricultural land situated at

Village Honapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Trilok Chand Sjo Sh. Daya Ram Village Gadaipur, New Delhi.

(Transferoi)

(2) Sh. Ashok Kakkar and Suresh Kumar Kakkar Sons of Sh. Dargai Dass Greater Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter,

# THE SCHEDULE

1|8th share in agricultural land Mustatil No. 27 Killa No. 11|2 (1-2) 18 (4-5), 10(4-5) 20|1(2-1) Village Jonapur Teh. Mehrauli, New Delhi.

Measuring 12 Bighas and 4 Biswas.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi.

Date: 6-7-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DFLHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC Acq.I SR-III 11-83 1275.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Agricultural land

situated at Village Jonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Delhi in Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personer personer. persons namely:-

of the that ballach shrough afterney bo, Daya Ram Village Gadaipur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kakkar & Surests Kumar Kokkar sons of Sh. Sargahi Dass Greater Kailash, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever peclod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Agricultural land (1/8th share) Mustatil No. 27 Killa No. 11/2 (1-2), 18 (4-5), 19 (4-16) 20/1(2-1) Village Jonapur, Tch. Mehtauli, New Delhi. Measuring 12 Bighas and 4 Biswas.

> SUDHIR CHANDRA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Delhi New Delhi

Date: 6-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|AcqI|SR-JII|11-83|1276.--Whereas, J, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Agricultural land

and bearing Agricultural land situated at Village IJonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

70—186 († [84

Sh. Rajinder Parkash
 Sh. Daya Ram
 Village Gadaipur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kakkar and Sh. Suresh Kumar Kakkar Sons of Sh. Dargahi Dass Greater Kailash, New Delhi,

. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1|8th share in agricultural land, Mustatil No. 27 Killa No. 11|2 (1-2), 18 (4-16), 19 (4-16), 20|1 (2-1) Village Jonapur. Teh. Mchrauli, New Delhi.

Measuring 12 Bighas and 4 Biswas.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi|New Delhi

Date: 6-7-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acql|SR-III|11-83|1292.---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bea)ri(ng No. B-27 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fake market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 1) 1. Gurdeep Singh Bhatia
 2. Pritam Singh Bhatia
 3. Lt. Col. Jaspal Singh Bhatia
 4. Guroachan Singh Bhatia sons of Late Dr. Sunder Singh Bhatia rlo 429 Race Course Road Ambala Cantt. Haryana.

(2) S. Santokh Singh S|o lateS. Rattan SinghC-III|226 Janakpuri, New Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property No, B-27 Defence Colony New Delhi.

SUDHIR CHANDRA.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 6-7 1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq1|SR-III|11-83|1294.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 5, situated at

Building No. 219-M, Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Nirmala Sharma
 134 D.D.A., Flats, Basant Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. D. M. Saxena, & Sh. K. L. Sexena, D-4 Saket, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5 in Building No. M-219 Greater Kadash-II New Delhi.

Measuring 70 sq. yds. (58.10 Mtrs).

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date:: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Sh. Naresh Chand Jain, D-35, Panchsheel Enclave, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Salma Zaidi Wlo Z.H-Zaidi R o E-22, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|AcqI|SR-III|11-83|1295.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Agricultural land situated at

Agricultural land situated at Village Khanpur Teh. Mehnauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Agricultural land at Village Khanpur, Teh. Mehrauli, New Dolhi.

Measuring 1 Bigha and 7 Biswas Khasra No. 306(0-15) 276|3(0-12).

> SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 6-7-1984

# FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|SR-III|11-83|1302.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 18 Aliganj,

situated at Karbala Market, Lodhi Road,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Shanti Devi
 Smt. Swaran Kaur through
 Attorney Smt. Krishana Wanti,
 G-34 Karbala Lodhi Road, New Delhi.
 (Transferor)

(2) Sh. Sohan Lal S|o Sardari Lal, R|o G-34 Aliganj Karbala Lodhi Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 18 Aliganj Karbala Market, Lodhi Road, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 6-7-1984

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-JII|11-83|1304,--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to beleive that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No.
Agrl. land situated at Village Kapashera, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at

Delhi on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

(1) M's Bhayana Builders (P) Ltd., B-9, Mayfair Garden, New Delhi through, its Director Shri Suresh Bhayana.

(Transferor)

(2) Mrs. Anju Madhok C-206, Anand Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 641 at Village Kapashera, New Delhi. Measuring 4 Bighas and 16 Biswas

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 6-7-1984

(1) Mls Bhayana Builders (P) Ltd., B-9, Mayfair Gardens, New Delhi.

('Transferor)

NOITCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Anju Madhok Wlo, Shri Anil Madhok C-205, Anand Vihar, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI
New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq 1|SR-III|11-83|1305.--Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (4.3 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Kapashera, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1983

Defin on Nov. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any means arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 640 at Village Kapashera, New Delhi. Measuring 4 Bighas and 16 Biswas.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1984

(1) Arvind Dhumra Slo Sh. H. D. Dhumra 10 Sanchi, 77 Nehru Place, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Anju Madho Wlo Shri Anil Madhok C-206, Anand Vihar, New Delhi.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ! G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DFI.HI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq. i|SR-III|11-83|1306.-Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding s. 25,000|- and

No. Agricultural land situated at Village Kapashera, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No 603 at Village Kapashera New Delhi. Measuring 4 Bighas and 16 Biswas.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 6-7 1984

(2) Sh. Raj Eshwar H-66, NDSE-I New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s Tehkhand Associates (P) Ltd., Through its Director|Share-holder Smt. K. C. Arora Sh. Ram Kumar Eshwar H-66, NDSE-I New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq 1|SR-III|11-83|1322.--Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Indl. Plot No. E-23, situated at Block I, Extn. Mohan Co-op. Indl. Estate New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on November 1983 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
71—186G1|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Plot No. E-23, Block B-I Extn. Mohan Co-op. Indl. Fstat; Ltd., New Delhi, Measuring 1318.33 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1
Delhi|New Delhi.

Date: 6-7-1984

Seal;

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF IHL INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Major Gurcharan Singh Rishiraj So Shri Jagat Singh, M-114 Greater Kailash II New Delhi

(Transferor)

(2) Mr. Niranjan Dass Sehgal & Mr. Surinder Kumur Sehgal Sons of Sh. Niranjan Dass M-114 Greater Kailash-II New Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DFI HI

New Delhi, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|11-83|1293.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- ad bearing No. M-114 situated at Greater Kailash-II New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire second floor of House No. M-114 Greater Kailash Part-II New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authorify Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range ( Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-10|ACQ. R-IV|CAL|84-85.-Whereas, 1, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 63 & 64 situated at G. T. Road (Part) Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

D. R. Howrah on 28-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Sri Biswanath Lohia Sri Shew Kumar Lohia 171|1, J. N. Mukherjee Road, Salkia, Dist. Howrah

(2) Sri Uday Kanta Singh 29-A, Hume Pipe Basti Sakchi, Jamshedpur, Bihar (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: 5 cottahs with structure

Address: 63 & 64 G. T. Road, (N) (Part) P. S. Bally

Dist. Howra h,

Deed No.: 6244 of 1983

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutto 16 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-9|ACQ.R-IV|CAL|84-85.--Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 64 situated at G.T. Road, Howrah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

D.R. Howrah on 18-11-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Biswanath Lohia and Sri Shew Kumar Lohia 171|1, J. N. Mukherjee Road, Salkia, Dist. Howrah.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Singh 106, Girish Ghosh Road P.S. Bally, Dist. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in hte said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lend: 4 cottahs with structure.
Address: 64, G.T. Road Liluab, P.S. Bally, Dist.
Howrah.
Deed No. 6245 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IV CALCUITA

Calcutta, the 9th July 1984

Ref. No. AC-8|ACQ.R-IV|CAL|84-85.--Whereas I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. 63 & 64 situated at GT Road (Part) Howrah

No. 63 & 64 situated at GT Road (Part) Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 18-11-83,

Howrah on 18-11-83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said sot, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Biswanath Lohia and Sri Shew Kumar Lohia 171 1, J. N. Mukherjee Road Salkia, Dist. Howrah. (Transferor)
- (2) Sri Shankar Singh 106, Girish Ghosh Road P.S. Bally, Dist. Howrah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 5 cottals with structure. Address: 63 & 64 g.t. Road (Part) PS Bally, Howrah. Deed No.: 2793 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-7-1984

(1) S.B.P. (India) Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) A. Commercial.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th July 1984

Ref. No. 1495|Acqn.R-III|84-85.--Whereas I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

No. Chatterjee International Centre 33A, situated at

Chowringhee, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. R-III, Calcutta on 24-11-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that office spaces Nos. TN-3, TN-4, TC-3[1, TC-3]2 & TC-3]4 having an area of 2000 Sq. Ft. approx on the 22nd floor at Chatterjee International Centre, Calcutta at 33A. Chowringhee, Calcutta, registered in the office of the C.A. (I.A.C., Acqn. R-III) vide Sl. No. 127 Dt. 25-10-83.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date . 10-7-1984

(1) Sri Sudarshan Kumar Kejriwal.

(Transferor)

(2) Smt. Radha Devi Kejriwal.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th July 1984

Ref. No. 1496 Acgn. R-111 84-85 .-- Whereas J, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovmarket value exceeding able property, having a fair Rs. 25,000 and bearing

No. 45, situated at Jhawtala Road, Cal-19, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registeration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

J.A.C. Acqn. R-III, Calcutta on 19-9-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that property being flat at 2nd floor measuring 1500 Sq. ft. situated at 45, Jhawtala Road, registered in the office of the C.A. (I.A.C. Acqn. R-III, Cal) vide Sl. No. 79 Dt.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-III 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date . 10-7-1984

(1) Sri Sudarshan Kumar Kejriwal

(Transferor)

(2) M/s. Ajmera Investments (P) Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 10th July 1984

Ref. No. 1497 Acqn. R-III 83-84.—Whereas I, SANKAR BANERIEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 45, situated at Jhawtala Road, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. R-III, Cal on 19-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that property being flat at 1st floor measuring 1500 sq. ft. at premises No. 45, Ihawtala Road, Calcutta-19 registered with the office of the C.A. (I.A.C., Acqn. R-III, Cal) vide Sl. No. 81 Dt. 19-9-1983.

SANKAR BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwni Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesals property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Date: 10-7-1984

Scal:

#### FORM I.T.N.S.----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 10th July 1984

Ref. No. 1498 Acqn, R-III 84-85.—Whereas I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
No. 45, situated at Jhawtala Road, Calcutta-19. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 1.A.C., Acqn. R-III, Cal. on 19-9-1983 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tex Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
72—186GI|84

(1) Sri Sudarshan Kumar Kejriwal

(Transferor)

(2) M|s. Ajmera Investments(P) LTD.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the 3. me meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that property being flat at 1st floor measuring 1500 sq. ft. at permises No. 45, Jhawtela Road, Cal-19, Registered with the C.A. (I.A.C., Acqn. R-III, Cal.) vide Sl.: No. 80 Dt. 19-9-1983.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kiuwai Road, Calcutta

Date: 10-7-1984

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Suprova Mitra, Shri Dilip Sankar Mitra, Sri Sandip Sankar and Sri Sunil Kumar Mitra.

(Transferor)

(2) Good-Day Estates Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1984

Ref. No. 1499|Acqn.R-III|84-85.—Wnercas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 76|2A & 76|2B situated at Bidhan Sarani, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at I.A.C. Acqn. R-III, Cal. on 29-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresuid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that 1|6th part or share of partly 2 storeyed and partly 5 storeyed brick built building and of 11 cattahs and 40 Sq. ft. at premises No. 76|2A & 76|2B, Bidhan Sarani. Cal. Registered in the office of the I.A.C., Acqn. R-III, Calcutta vide Sl. No. 125 dt. 29-11-83.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 12-7-1984

(1) Sri Ram Chandra Auddy.

(Transferor)

(2) M|s, Mitco Commercial Co. Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1984

Ref. No. 1500|Acqn. R-III|84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competer. Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Agt'), here reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 52|1, situated at Ha - Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-11-83

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evention of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that property of one storyed building with land measuring 5K, 25 Sq. Ft. at premises No. 52/1 Hazra Road, registered with S.R.A., Cal., vide No. 1-11654 of 1983 Dt. 19-11-83.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 12-7-1984

Scal:

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 329|84-85.--Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Jucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Malakpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereot), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regsitering

at Hyderabad on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance 'Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said st, to the following persons, namely :--

(1) Sri Syed Akbar Ahmed, 10-1-891, A. C. Guards, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Abdul Raheem, Rlo. Uma Bugh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. 16-10-34 and 16-10-33|2, 3, 4, and 5, Malakpet Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5691 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-7-1984

(1) Sri J. Prabhakara Rao & Others, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Prablad Rao, 1-2-282 and 282 A, J. B. Air Cooled Apartments, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 330|84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the imnevable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing
No. Flat situated at Domalguda Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Registra.

has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat in J. B. Air Cooled Apartments situated at Domalguda. Hyderabad admeasuring 900 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5931 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-7-1984

Seal r

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF UNDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 331|84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land situated at Narsapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Natsapur in Nov., 1983 fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Srl R. M. Mehta, So M. J. Mehta, Hyderbasti, 77/78, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Ms. Deccan Gelatines (P) Ltd., Rep. by its Executive Director Sri G. Sree Rama Chandra Verma, Kompalli via Hakimpet, Sccunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 5-01 guntas situated at Mambapur village Narasapur Taluk registered by the S.R.O., Narasapur vide document No. 2357 83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-7-1984

(1) Smt. R. Tulja Bai, W|o R. Baburao, 4-1-352|B, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri N. Pandu, 7-272, Sangareddy, Medak Dt.,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 332|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Shop situated at Sangareddy

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sangareddy in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imminovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop in 7-33|7 at Sangareddy, Medak Dt., admeasuring 114 sft., registered by the S.R.O., Sangareddy vide document No. 3927|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-7-1984

Soal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HŶDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 333|84-85.—Whereas, 1,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop situated at Sangareddy (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sangareddy in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. R. Tulja Bai, W|o R. Baburao, 4-1-352|B, Hyderabad.

(2) Sri P. Srinivas, 7-186|1, Sangareddy, Medak Dt.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this series in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 7-33|2 at Sangareddy admeasuring 114 sft., registered the S.R.O., Sangareddy vide document No. 3925|

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-7-19834 Scal:

# FORM ITNS----

(1) Sri J. P. Sharda & Others, Kompalli Village., R. R. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and a property to the extension of the property of the propert

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. C. S. Brothers & Co. Managing Partner Sri C. Pandit Rao, 10-3-85/4. East Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (Λ. Ρ.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC No. 334|84-85.—Whereas. I.
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to
set the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Kompalli R.R. Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer

at Medchal in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as green in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 4 acres situated at Kompalli. Medchal Taluk R. R. Dt., registered by the S.R.O., Medchal vide document No. 5316|83,

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 73—186GI[84

Date: 10-7-1984

#### FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HŶDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 335|84-85.--Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Shop situated at Sangareddy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangareddy in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. R. Tulja Bai, Wo R. Baburao, 4-1-352|B, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Adaviah, So Rangaiah, 7-186 I, Sangareddy, Medak Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop situated at Sangareddy admeasuring 114 sft., registered by the S.R.O., Sangareddy vide document No. 3923 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 336|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Dommar Pochampalli, R. R. Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deca registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Medchal in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. Chidambaram and Others, Ammuguda, Medchal Taluk, R. R. Dt.

(Transferor)

(2) M|s. Rohini Auto Electricals (P) Ltd., 7-18|2, Sangeethanagar Colony, Kukatpally Hyderabad.

(Transferee)

Objections, many, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land situated at Dommar Pochampalli village, Medchal Taluk, R. R. Dt., registered by the S.R.O., Medchal vide document Nos., 5328, 5334, 5335, 5336|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-7-1984

(1) Smt. R. Tulja Bai, W|o R. Babu Rao, 4-1-352 B. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Shakar, So Ramchander, 7-272, Sangareddy, Medak Dt.,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 337/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Shop situated at Sangareddy
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Sangareddy in Nov., 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid accounty and I have teason to

market value of the uforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop situated at Sangreddy registered by the S.R.O., Sangareddy admeasuring 114 sft., vide document No. 3924|83.

M. JEGAN MOHAN Competent\_Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-7-1984

(1) Sri S. Venkateshaiah and Others, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Sri Srinivasa Starch Complex, By M. D. Sri S. Muralidhar, Siddipet.

('Transferee')

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 338|84-85.-Whereas, I.

PART III—SEC. 1]

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. I and situated at Nanagnoor

tand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siddipet in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 24-10 acres situated at Nanagnoor, Siddipet Taluk, Medak Dt., registered by the S.R.O., Siddipet vide document Nos. 2774, 2721, 2687 2722, 2688 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

Date: 10-7-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sri A. V. Narayana Reddy & Others, 6-3-344 1, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ramnivas Gupta, slo late Tibrumal. Charkaman, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.) Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 339|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop situated at Basheerbag, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income exising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop in Deccan Towers, 5-9-59 1, Basheerbagh, Hyderabad admeasuring 992 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5811 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC No. 340|84-85,---Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land situated at Kompalli R.R. Dt.,

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Medchal in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Ch. Subba Raju and Others, Kompalli, Medchal Taluk, R.R. Dt.,

(Transferor)

(2) M|s. Gupta Family Trust Rep. by Managing Trustees Sri Ashok Kumar Gupta, 1-8-20|1, Minister's Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land with grape gardens at Kompalli, R.R. Dt., admeasuring 5-20 acres registered by the S.R.O., Medchal vide document Nos, 4939[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 26PD(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt. R. Tulja Bai, wo R. Babu Rao, 4-1-352 B. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. B. Raju 'Bai wlo Satyanarayana, 9-185|B|2, Sangareddy, Medak Dt.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC No. 341/84-85.--Whereas I, M, JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Shop situated at Sangareddy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sangareddy in November 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 7-33 I, Sangareddy, Mcdak Dt., admeasuring 114 sft., registered by the S.R.O., Sangareddy vide document No. 3922 83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-7-1984.

(1) Smt. R. Tulja Bai wlo R. Babu Rao, 4-1-352 B, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. B. Krishna Veni wo B. Prabhu, 1-32, Peddapure, Sadasivapet, Medak Dt

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC No. 342|84-85.-Whereas I,

M. JEGAN MOHAN.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop situated at Sangareddy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Sangareddy in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

'(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 7-33|5 at Sangareddy, Medak Dt., admeasuring 114 sft. registered by the S.R.O., Sangareddy vide document No. 3898|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderahad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by ythe issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---74-186GI 84

Date: 10-7-1984.

(1) Smt. R. Tulja Bai wlo R. Baburao, 4-1-352 B, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Md. Qutubuddin, slo Moinuddin, 11-65 E, Sangareddy, Medak Dt,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC No. 343|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. SHOP situated at Sangareddy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangareddy in November, 1983

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to between that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop in 7-33|4, Sangareddy admensuring 114 sft, registered by the S.R.O., Sangareddy vide document No. 3926|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

#### (1) Mis. H. Fountry and Cattle Feeds, Rep. by Sri Kamaluddin Rajani, Flat No. 128, Karimabad Colony, Chirag-Ali-Lane, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri R. Lingaiah and Others 18-52, Kamalangar, Dilsukhnagar, Hyderabad.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC No. 344|84-85.—Whereas 1,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000]—and bearing

No. Honse situated at Lingojiguda, R.R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Hyd-East in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

House No. 1-77/4 and 3, at Lingojiguda R. R. Dt., admeasuring 2072 sq. yds. of land and 2745 sft., plinth registered by the S.R.O., Hyderabad-Past vide document Nos. 7232 and 7231/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1984.

#### FORM I.T.N.S .-

(1) Kotha Laxmi Mallamma and Others, Wadapally, Miryalaguda Dt.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) RAASI CEMENT LTD., H. No. 1-10-125, Ashoknagar, Hyderabad.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC No. 345 84-85 .-- Whereas I,

M. JEGAN MOHAN,
Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Lands situated at Wadapally Miryalaguda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Miryalaguda in November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that M. JEGAN MOHAN,

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

whichever period expires later;

from the service of notice on the respective persons

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 6-26 acres situated at Wadapalli, Mir-yalaguda registered by the S.R.O., Miryalaguda vide docu-ment Nos. 564|84, 4154|83, 4153, 4368, 4340, 4341, 4274, 4275, 4376, 4279|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1984.

- (1) Smt. Heera Ben Vittaldas 5-1-720, Bank Street, Hyderabad.
- (Transferor)
- (2) Intimate Friends Club, Bank Street, Hyderabad.

(Transferge)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC No. 346 84-85.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing No. Land situated at Kattalmandi Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot of land admeasuring 452 sq. yds. at H. No. 5-4-786|1, Kattalmandi, Hyderabad registered by the SR.O., Hyderabad vide document No. 5655|83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-7-1984.

FORM I.T.N.S. -

(1) Sri K. Laxmamma and Others Koheda, R.R. Dt. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mis K.M.S. Constructions (P) Ltd., Rep. by Director Girish Kumar Sanghi, Koheda, R.R. Dt.

(Transferoe)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC No. 347/84-85.--Whereas I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Land situated at Koheda, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Hyd-East in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a paried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used aerein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres 22 guntas situated at Koheda, Hyd-East registered by the S.R.O., Hyd-East vide document No. 7731, 7598, 7512|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in surmance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-7-1984.

#### FORM I'INS

(1) Shri Kanti Bhai Patel and Others, 3-6-747 B, Himayathnagar, Hyderabad,

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ramakrishna Children's Trust Rep. bv Sri C. Rama Krishna R|o 10-2-385|8, Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 348|84-85.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000|and bearing

No. Land situated at Chilkur village, R.R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.R. Dt. in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land in S. No. 293 at Chilakur village, R.R. Dt., admeasuring 7-14 acres registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 8497, 8496, 8498]83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderahad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-7-1984.

(1) Sri T. Hanumantha Rao, and Other H. No. 9-1. Miryalaguda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC No. 349/84-85.-Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Land situated at Miryalaguda, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority Miryalaguda in November 1983,

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Sri Jaini Audinarayana Gupta and Other, H. No. 26-27, Miryalaguda.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land situated at Miryalaguda, registered by the S.R.O., Miryalaguda vide document Nos. 4342, 4343, 4334, 4336 and 4335 83 (5 separate safe deeds).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-7-1984.

 M|s. Kakatiya Constructions (P) Ltd. by Director Sri G. Aniayya, 5-4-435|8, Nampally Station Road, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC No. 350|84-85.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|
and bearing

No. Flat situated at Nampally Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the office of Hyderabad in November 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
75—186GI[84]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(2) Sri N. Venkat Rao So N. Laxmipathi Rao,

451, LIG Colony, Ramachandrapuram, Hyderabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 30 in 5-4-435 at Nampally Station Road, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5695|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. No. 351|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

House situated at Kusaiguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

R.R. Dt. on 11|83

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following person samely:—

 Sri S. Somalingam and Other, 7-48, Kapra Village, R.R. Dt.

(2) M|s. Capres Electronics Products, Rep. by Srl S. Shankar Rao, Kusaiguda, Hyderabad. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 9-382|2 at Kusaiguda, Hyderabad registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 8201 and 8452|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 352|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Hyderabad on 1183

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent con-sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(p) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Ms. Kakatiya Constructions (P) Ltd., Rep. by Director G. Anjayya, 5-4-435/8, Nampally Station Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Satyanarayana, 5-4-435|29, Green House, Nampally Station Road '! Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Flat No. 29 in 5-4-435, Nampalli Station Road, Hyderabad admeasuring 410 sft, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5716 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hvderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984

(1) M/s. Kakatiya Constructions (P) Ltd., by Director Sri G. Anjayya, 5-4-435, Nampally Station Road, Hyderabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kum. S. Soubhagya Valli, Dlo S. R. Mohan Rao, 41 Akbar Road, BHEL Colony, Tarbund, Secunderabad.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 353|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat situated at Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1909) in the office.

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrering Officer at

Hyderabad on 11 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19 in H. No. 5-4-435 admeasuring 328 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5694|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 354|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the competent authority under Section

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House situated at KattaImandi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Heera Ben Vittal Dass, 5-1-720, Bank Street, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Hussaina Bai Arsiwala, 1-1-530, Musheerabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises bearing H. No. 5-4-76|1, Kattalmandi, Hyderabad admeasuring 405 sq. yds. of land and 100 sft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5653|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTIICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th July 1984

C. R. No. 62|793|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Municipal No. 1796—1793 1507 situated at Market Road, Chikmagalur Town

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at

Chikmagalur on 18th Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shriniyas Shetty Slo Late Shri Bellavy Gundappa Shetty, M. G. Road, Chikmagalur.

(Transferor)

(2) Shrimati V. Prem Wlo Shri M. R. Shivashankar, Female Health Works, Hiremagalur, Rlo Market Road, Chikmagalur.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1635|83\*84 Dated 18th Nov., 83)
Property bearing No. 1796—1793|1507 situated at Market Road, Chikmagalur Town.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-7-1984

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th July 1984

C. R. No. 62|Notice No. 792|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, INDTRA BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

6 (Six) area about 693 Sq. mts. "Jardin" situated at Alto Porvorim, Sarula Village, Bardez Taluk, Ilhas, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Has under Document No. 929 83-84 on 23-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mr. Arun Shridhar Bondale and
 Mrs. Aparna Arun Bondale,
 Vasco da Garra, Goa.

(Transferor)

 M[s. Daymoo Builders, represented by two partners, Maganial Sadan, S. V. Road, Panaj, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the efforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 929|83-84 Dated 23-11-1983) All that plot of Land bearing No. 6 known as "Jardin" admeasuring 693, Sq. mts. situated at Alto Porvorum, Sarula Village, Hardez Taluk, Ilhas, Goa.

INDIRA BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commussioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-7-1984

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th July 1984

C. R. No. 62|Notice No. 791|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, INDIRA BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having s. fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Plot B under No. 484 situated at Dona Paula, Panaji, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Ilhas, Panaji, Goa, Under Document No. 915 83-84 Dated on

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mls. Palmar Beach Resort Glendela Building, IIIrd floor, Ormatz Road, Panjim, Gov.

(Transferor)

(2) Savio Mario Furtado Near Bishop's Well, St. Hez. Panjim, Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 915|83-84 Dated 1-11-1983).

All the plot of Land known as Sub Plot A, of Plot B of Lots 'D' admeasuring about 995 Sq. mts., Dona, Paula, Panaji, Goa.

INDIRA BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th July 1984

C. R. No. 62|Notice No. 790|83-84|ACQ|B.—Wherens, I, INDIRA BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/apri bearing No.

Sy. 106, 107 situated at Hodenoor, Arkalgodu Tq. Hassan Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Arakalgudu Under Document No. 768|83-84 on Nov., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

76-186GI[84

Mr. S. S. Baravaraja.
 Manager,
 C. C. G. C. S. Coffeedepet.
 Somwarpet,

(Transferor)

 Mr. B. N. Nalappa, Planter, Mahadeswara Block, Somwarpet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 768|83-84 Dated Nov., 1983).
Property bearing Sy. No. 106, 107, situated at Hodenoor,
Arkalgodu Tq., Hassan Dist.

INDIRA BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-7-1984

### FORM No. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th July 1984

C. R. No. 62|Notice No. 789|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, INDIRA BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the haid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

71 Revonue Survey No. 235 situated at Village Surla of Bicholim Taluk, Surla Gram Panchayat, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bicholim, Goa Under Document No. 302|83-84 Dt. on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Balchandra Ganpat Umarye, Resident of Surla, Bicholim, Goa.

(Transferor)

(2) V. N. Salgaocar & Brother Pvt. Ltd., Salgaocar House, Vasco-de-Gama,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 302|83-84 Dated 10-11-1983). The property known as "Gutimali" under Old Survey '71—Tresent revenue Survey No. 235 situated at Village Survey of Bicholim Taluk, Surla Gram Panchayat, Goa.

INDIRA BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dangalore

Date: 6-7-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th July 1984

C. R. No. 62|40933|83-84|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500]- and bearing

No. 1623|6 situated at Nagappa Block, Srirampuram. Bangalore-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Bangalore Under Document No. 2441 83-84 Dt. November 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Mrs. Ratnamma,

- 2. Mr. Y. C. V. Rajan, 3. Mr. Y. C. Subba Rao, 4. Mrs. Rukmini Rao,
- 5. Mrs Vasanthy Laxmi,
- 6. Mrs. Saraswathy Rao and Mrs. Nalini,

GPA Holder represented by Mrs. Ratnamma, No. 1623 6 Park Road, Nagappa Block, Srirampuram, Bangalore-21.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Chowdamma and 2. Mrs. Padma, No. 1623 6, Park Road, Nagappa Block, Srirampuram, Bangalore-21.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### · THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2441 83-84 Dated November, 83). Property No. 1623 6, Nagappa Block, Srirampuram, Banga-

> R. BHARDWAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-7-1984

 R. S. Keshavan, No. 11, Parawahawsa Road, Yadavajri, Mysore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. N. Dwarakanath,
Trustee & Representing,
Mls. Dwarakanath Anauthram
Enterprises, 257, VIII main road,
Sadashivanagar, Bangalore-3.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th July 1984

C. R. No. 62|40974|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

and occiting two.

6 situated at I-R Block, Rajajinagar, Bangalore-10

(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred in the Office of the registering Officer at
Rajajinagar on 17-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

. Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3369|83-84 Dated 17-11-1983). All that property bearing No. 6 situated at I-R-Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangaloro

Date: 12-7-1984

Soal:

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th July 1984

C. R. No. 62|40951|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. 527[1, RS. No. 961]1 situated at Attawar, Ward of Attawar, M'lore Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore City on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Mrs. Minna Abreso, 2. Mrs. Lillian D'Souza,

3. Mrs. Sylvnia Lobo,

Mrs. Beatince Abream,
 Mrs. Dorthy Albuguesque,
 Hosie Bazzar M'lore,
 No. 11, Huchin Road, Cook Town,
 B'lore.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Narasa Linga Shetty, 2. Mr. Prabhakar N. Shetty,

3. Mr. Gajananan, Shashi Niwas, Kambady, Kuryala Village of Bantwal Tq.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the saidlycation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1205|83-84 Dated 25-11-1983). Property bearing No. T.S. 527|1, R.S. No. 961|1, Situated at Altawar, Ward of Altawar, Mangalore Taluk.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, L hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M|s. G. Varadan Private Ltd., No. 306, Arun Chambers, Tardeo Road, Bombay-34.

(Transferor)

(2) M/s. ENEL Projects Private Ltd., No. 33A, Chourangi Road, Calcutta-71.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th July 1984

C. R. No. 62|40988|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 28|2, 28|3, 28|4, 28|5, 28|7 situated at Kumbargud Village, Kevgeri, Bangalore-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bangalore Under Document No. 5905|83-84 on 26-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5905|83-84 Dated 26-11-1983). Converted Land with building bearing Survey No. 28|2, 28|3, 28|4, 28|5, 28|7 in Kumbargud Village. Kengeri, Bangalore-60.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th July 1984

C. R. No. 62|40970|83-84.ACQ|B.—Whereas J. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l-and bearing No.

4 situated at III Cross, 'B' St., Jayabharathinagar, Bangalore-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinagar on 22nd November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assista which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Ramaiah,
 Jeevana hallo,
 Cox Town, Bangalore-5.
 Shri C. N. Ramaswamy,
 Vivekananda Nagar, T Cross,
 Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Mohan Paul Verghese.
2. Shrimati Usha Mohan Verghese.
5. Central Observatory Qts.
Palace Road,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2176|83-84 Dated 22nd Nov., 83). Property bearing No. 4, III Cross B-Street, Jayabharathinagar, Bangalore-33.

R. BHARDWAJ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hangalore

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri H. B. Abdulla, No. 21|12, Albert victor Road, Bangalore city.

(Transferor)

(2) Shrimati Farthathunnissa, 27/11 Raneji Rao Lane, Kalasi palyam, Bangalore-2.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001. Bangalore, the 12th July 1984

C.R. No. 62|40946|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 27|1-C situated at New No. 27|11, Marathe Ranaji Rao Lane, Kalasi Palyam, Bangalore-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Basavanagudi on 28th Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3400|83-84 Dated 28th Nov. 83)
Property recting New No. 27|11, situated at Marathe Ranoji Rao Lane, Kalasi palyam, Bangalore-2.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, mererore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984

(1) Kumari Aurun Blossomveen Countinho, Do Late Mr. J.P.A. Countinho, Bejai Kavoor Road. Mangalore-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Maya Unger, W]o Maxwell Unger, Bejai, Church Road, Mangalore-4.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 12th July 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

C.R. No. 62|40949 83-84|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. R. S. No. 22-2A1A1, situated at 22-4A, Kodialbail Village, Bijai Ward. Mangalore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of at M'lore City on 29th Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 1226|83-84 dated 29th Nov 83)

THE SCHEDULE

Property bearing R.S. No. 22-7A1A1, situated at 22-4A, Kodialbail village, Bijai ward, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he sald Act, to the following persons, mamely:-77—186GI|84

Date ; 12-7-1984

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 12th July 1984

C.R. No. 62|40934|83-84|ACO|B.--Whereas, 1. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. New 8, old No. 33 situated at IInd Cross, Ist Stage,

okalipuram. Bangalore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Sriram puram on Nov. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri D. Scenappa No. 8, II Cross, 1st Stage Okali puram, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri D. Narayanappa Jayamma
 N. Hanumantha Kumar 4. N. Ashok No. 43. II Cross. Okali puram, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2354|83-84 Dated Nov. 83) Property bearing New No. 8, Old No. 33, situated at II cross, I stage, Okali puram, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 12th July 1984

C.R. No. 62|40918|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 948 situated at HAC II Stage, Indira Nagar, aBngalore, (and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shivaji nagar on 9th Nov. 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri J. G. Gopinath, No. 238|1, 5th Main Road, Chammaraj pet, Bangalore-560018.

(Transferor)

(2) Shri Nallavi Sukumar Reddy No. 554, 9th 'A' Main Est stage, Indira nagar Bangalore-560038.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document 2042|83-84 Dated 9th Nov. 83) Property bearing No. 948, situated at HAC II stage, Indiranagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-7-1984

FORM ITNS \_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Kumari K. Sharada D|o Kidi yur Annu Pujari, Brahmagiri of udupt Town Post udupi

(2) Shri M. Radha krishna Borkar,

Sea man, Brahmagiri of

udupi Town Post udupi.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 12th July 1984

C.R. No. 62|40896|83-84|ACQ|B.-Whereas, 1,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 11/5A, situated at Mudanidambur Village. Udupi Taluk, D.K.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at udupi on 10th Nov. 1983.

yor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1131|83-84 Dated 10th Nov.83) Property bearing No. S. No. 11|5A, Madanidambur village, Udupi Taluk, D.K.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely-:---

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th July 1984

C.R. No. 40954|83-84.ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

R.S. No. 58, 3A 1B situated at Boloor Village 2nd Bija Ward, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City on 1st November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- Mrs. Lorna Fernandes,
   Aloysius Peter Jude Fernandes,
   Francis Xavier Joseph Fernandes,
   Mrs. Rita Anne Pais
   Sri Jodrph Mark Albert Fernandes
  - No. (2) to (5) are Repd. by (1) Hilldale Villa, Lady Hill, Mangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. TVY J. R. Scaueira Wlo Walter M. C. Seaueira, Long Lane, Urva, Mangalore-6. 2. Leonalla Seaueira, Wlo Louis Onwald Seaueira, Near Marigudi, Urva, Mangalore-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1148|83-84 Dated 18th Nov. 83)
Property bearing No. 58-3A 1B, situated at Boloor Village,
2nd Bijai Ward, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

SIONER OF INCOME-TAX

Bangalore-560 001, the 12th July 1984

C.R. No. 62|42165|83-84|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ.

k. Bhardway.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Site No. 7 situated at 1 Stage Koramangara Extension, Bangalore-34 (and move fully described in the Schedule appared hearts)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 5923 83-84 Dt. 28-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the 'transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which quant to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. K. R. Bheemanna, Sjo K. Raghavendra, 2527, Guru Krupa, II Stage, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Mr. P. K. Joseph, Slo P. J. Kurian 9|2, Swasti Road Cross. Shantinagar, Bangalore-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5923|83-84 Dated 28-11-1983) Vacant site No. 7 in I Stage, Koramangala Extension, Bangalore-34.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-7-1984

# FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th July 1984

C.R. No. 62|40998|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 70 situated at Thirunarayana Iyengar layout, M.M. Industrial Estate, VII, VII Block, Jayanagar, Kanakpura road, Bangalore

(and more fully described in the schedule

annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar on 30-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. R. Rajagopal, No. 378, I Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri G. K. Rajagopala Setty Repd. by (partner) Mis. Sri Kanyaka Associates No. 66, Jewellers Street, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3071|83-84 Dated 30-11-1983)
All that property bearing No. 70, situated at Thirunarayana Iyengar Layout, M.M. Industrial Estate, VII Block,
Jayanagar, Kanakapura Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE **BANGALORE-560 001** 

Bangalore-560 001, the 12th July 1984

C.R. No. 62|42171|83-84|ACQ|B.—Whereas, I. BHARDWAJ R.,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Site No. 97 situated at I Block, Koramangala Extension,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bangalore under Document No. 5825 83-84 Dt. 24-11-83) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) B. M. Jaganath So B. Mallanna Gowda, represented by Mr. H. S. Gopal, 12/3 Cambridge Road, Udani Layout, Ulsoor, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Rita Prakash Power of Attorney Holder Mr. A. P. Kunju Kunju 43|34 Promenad Road, Fraser Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that-Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5825|83-84 Dated 24-11-1983)
Vacant site No. 97 Block I Koramangula Extension. Bangalore.

> BHARDWAJ R., Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range. Bangalore

Date: 12-7-1984

#### FORM I.T.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th July 1984

C.R. No. 62|42072|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, BHARDWAJ R., Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing Survey No. 69:1 Dry Land situated at Gottigere Village, Uttarhalli Hobli, Bangalore South Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at

Uttarhalli Hobli, under Doc. No. 5654 83-84 Dt. 14-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
78—186G1|84

 Smt. Mumianna & others, Gottigese Village, Uttarhalli Hobli, Bangalore South Tq.

(Transferor)

(2) Mr. G. N. Chandra Shekara Gowda Sudha Forum Kalina Agrahana, Begur Hobli, Bangalore South Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

(Registered Document No. 5654|83-84 Dated 14-11-1983)
Dry Land bearing Survey No. 68:1 in Gottigere Village.
Uttarhalli Hobli, Bangalore South Taluk.

BHARDWAJ R.,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ΔCQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th July 1984

C.R. No. 62|40389|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, BHARDWAJ, R.

BHARDWAJ, R.
being the Competent Authority under
Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 1 and 2 situated at Lalbagh Road, Bangalore-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 3147/83-84 dated 18-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faculitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wigalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The People Charity Fund, Regd. Office at No. 97 Dr. Alagappa Road, Madras-84.

(Transferor)

(2) M/s. Raghava Reddy & Associates, Registered Firm by its Managing Partner Mr. Raghava Reddy, No. 446, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3174|83-84 Dated 18-11-83)
Property No. 1 and 2 Lalbagh Road, Bangalore-27.

BHARDWAJ, R.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th July 1984

C.R. No. 62|42181|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, BHARDWAJ, R.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Site No. 132 situated at 1 Block Koramangala

Extension, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Bangalore under Document No. 5669 83-84 on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri H. Arjanappa,
 730, Block-III,
 Rajaji Nagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Rita Prakash,43|34 Promenade Road,Fraser Town, Bangalore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5669]83-84 Dated Nov. 1983) Vacant site No. 132 Block-I Koramangala Extension, Bangalore.

BHARDWAI, R.
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 12-7-1984

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th July 1984

C.R. No. 62|40940|83-84|ACQ|B.—Whereas, I. BHARDWAJ, R.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Site No. 9 situated at 1V Cross, Nagappa Street, Seshadri puram Bangalore-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 2395[83-84 on 24-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. (Mrs.) Bhuvaneshwari, Wo Mr. T. Nagaraju, No. 92 Model House Street, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Vasanthi, Woo K. S. Badarinarayan Rao, 3-113-A, 19th Cross, II Main Road, K. R. Road, Banashankari II Stage, Bangalore-70.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2395/83-84 Dated 24-11-1983) Site bearing No. 9 situated at IV Cross Nagappa Street, Seshadripuram, Bangalore-20 (Division No. VII).

BHARDWAJ, R.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 12-7-1984

 Shri Govind Jethamal Jagtiani, No. 40, D'costa Layout, Cooke Town, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. V. Ramana Reddy, No. 1, Rest House Road, Bangalore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th July 1984

C.R. No. 62|40972|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, BHARDWAJ, R. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property hanivg a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 1147 situated at HAL LL Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shivajinagar on 18-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2139|83-84 Dated 18-11-83)
Property bearing No. 1147, situated at HAL II Stage,
Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BHARDWAJ, R.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th July 1984

C. R. No. 62|40977|83-84|Acq.B|—Whereas, I, BHARDWAJ, R.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Site No. 203 situated at II stage Rajajinagar West of Chord

Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bangalore under Document No. 3493 83-84 dated on 25-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri H. Bhaskar, No. 1722 11 III Main Road, Ramachandrapuram, Srirampuram, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) Mrs. K. S. Bhagya Laxm?, No. 125, II Stage, Rajajinagar West of Chord Road, Bangalore-10.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanded:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3493[83-84 Dated 25-11-83) Site No. 203 situated at II Stage, Rajajinagar West of Chord Road, Bangalore.

HHARDWAJ, R. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 12-7-1984

 Mr. M. V. Kumar S|o Late Mr. M. Babu, "Kumar Nias" V. Vekananda Road, Mangalore-5.

(Transferor)

(2) Mrs. Roshni Osman, Wlo Dr. Mohd Osman Pasha, "Asha Sadan" Vivekananda Road, Mangalore-575005.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th July 1984

C.R. No. 62|40948|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, BHARDWAI, R. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 79 situated at Padavu Village (R.S. No. 60-5A(1),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 1227 83-84 dated 30-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely te-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1227 83-84 Dated 30-11-83), Property No. 79 R.S. No. 60-5A(1) Padavu Village, Bangalore.

BHARDWAJ, R.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 12-7-1984

Scal;

FORM I.T.N.S.—

(1) The Syndicate Bank, Manipal, D.K.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sri Padmanabha Kava
 Mr. Santosh Kumar P. Kava,
 Ganesh Prasad House
 Bajpe Village,
 Mangalore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560001, the 12th July 1984

C.R. No. 62|40953|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, BHARDWAJ, R. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

RS 1641-A1, TS No. 632-A1, situated at Kasaba Bazar village, No. 10, Bunder Ward, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City on 18-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1154/83-84 Dated 18-4-83).

Property bearing No. RS. 1641-A1, TS No. 632-A1, situated at Kasba Bazar Village, No. 10, Bunder Ward, Mangalore.

BHARDWAJ, R.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 12-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th July 1984

C.R. No. 62[40961]83-84[ACQ]B,--Whereas, J, BHARDWAJ, R. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|-Later No. 3385, Present No. 3379|3448, 3379|A|3448, 3379B| 3448 (Old No. 1550|6, 1550|7, 1550|8) situated at Santhepet, Turnkur Town, Turnkur (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

79-186GJ[84

(1) Shri Fakruddin Khan, Alias Baba Saheb, Santhepet, Tumkut.

(Transferor)

(2) Shri Syed Ahmed, No. 3379, 3379 A, 3379 B, 3348., Santhopet, Tumkur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4377|83-84

Dated Nov. 83)

Property bearing No. 3385, Present No. 3379[3448, 3379] A|3448, 3379B|3448(Old No. 1550]6, 1550]7, 1550[8) situated at Santhepet, Tumkur Town, Tumkur.

BHARDWAJ R. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th July 1984

C.R. No. 62|40898|83-84|ACQ|B.—Whereas, I. BHARDWAJ, R. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

RS. 343-2, TS. No. 176-2, situated at Kodialbail Village,

Mangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mangalore City on 9-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under whsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Shri P. Chandrashekar Rao, Public Analyst, A-3-5, Race Course Colony, Maduri-2.

(Transferor)

(2) Smt. Shamany Shamsuddin, 306, III Floor, Akshaya Apartment, Karangalpady, Mangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULF

(Registered Document No. 1072|83-84 Dated 9-11-83). Property bearing No. TS. 176-2, RS. No. 343-2, situated at Kodialbail village, Mangalore.

> BHARDWAJ, R. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-7-1984 Seal:

#### FORM ITN9-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th July 1984

C.R. No. 62|R-867|37EE|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, BHARDWAJ, R. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. D II floor situated at 28 A Sankey Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 703 83-84 dated 15-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value o fite property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Gopichand Radhakishindas, 60, Venkataswamy Road (West), R. S. Puram, Coimbatore-641002.

(Transferor)

(2) Mrs. Sitabai Ramchand,60, Venkataswamy Road (West),R. S. Puram, Coimbatore-641002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn. No. 703||83-84 dt. 15-11-83). Flat No. D. II floor situated at "Golflink Apartments 28-A Sankey Road, Bangalore-560052.

BHARDWAJ, R.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 12-7-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th July 1984

C.R. No. 62|R-857|37EE|83-84|ACOB.—Whereas, I. BHARDWAJ, R. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing (Flat No. 1) and property known as "Lasa Joo de Daus situated at (I floor) area of 447 sq. mts. Travessa de Camerio,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Omicer at Panaji under Document No. 695|83-84 dated 10-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Dr. Kanta Franscisco de Souza
   2. Bennardino Luis de souza and his wife Maria Ena Costa Azaredo E Sousa.
   3. Dr. Antonio Basilio De souza and
   4. Jose Xavier De souza and his wife Ligia Maria Menczes D'souza,
   All residing at Panaji Goa.

  (Transferor)
- Shri Ulhas Narayan Patekar, Civil Contractor, St. Inez Panjim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn. No. 695,83-84 dt. 10-11-83)

Property known as "Casa Joas de Dew" along with one flat No. I to constructed in that property bearing Matriz predial No. 705 land admeasuring about 447 sq. mts. at Travessa de-Camerio, Panaji, Goa.

BHARDWAJ, R.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 12-7-1984

#### FORM ITNS----

 Shri Vijay Babutmal Sanghvi, Mls. P. T. Sanghvi Company, 110, Shivajinagar, Poona.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th July 1984

C.R. No. 62[2340]37EE[83-84]ACQ[8.—Whereas, I, BHARDWAJ, R. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. situated at Flat No. D on 9th floor admeasuring 1060 sq. ft. of the building known as "Golaink Apartments" Sanky Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer (No. 680|83-84) Bangalore on 2-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Visweswaraya Iron & Steel Ltd., Bhadravathi-57301, Karnataka, Branch Office at. 208-208 Dalamal Tower Noriman Point, Bombay-40021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 680|83-84 Dated 2-11-1983).

Property bearing No. Flat No. D, on 9th Floor, admeasuring 1060 sq. ft. of the building known as "Golflink Apartments", situated at Sanky Road, Bangalore.

BHARDWAJ, R.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Bangalore

Date: 12-7-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th July 1984

C. R. No. 62|R|869|37EE|83-84|ACQ|B.--Whereas, I, BHARDWAJ, R.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 157 situated at Wheeler Road and 29, Promenade Road, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Doc. No. 705 83-84 Bangalore on 15th Nov 1983

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer, and/oc
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shrimati N. Thumboo Chetty,

Mr. Raj Kumar Thamboo Chetty,
 Miss Ranjani Thumboo Chetty,
 157, Wheeler Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Kumari Mamata Enterprises, No. 3, Queens Road, Bangalore.

(Transferce

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .- The terms and expressions used heroit as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 705|83-84 dated 15th Nov., 1983). Property bearing No. 157 situated at Wheeler Road and 29, Promenade Road, Bangalore,

> BHARDWAJ, R. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore.

Date: 12-7-84

#### FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th July 1984

C. R. No. 62|R-587|37-EE|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, BHARDWAJ, R.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 4, I floor, Mallige Manions, No. 242 (New No. 303) situated at IV main, Malleswaram, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Bangalore Doc. No. 707|83-84 on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. Kumaraswamy & 3 others, No. 6, Chandrabagh Avenue, Mylapore, Machas-4, &
 Mjs, Engineer Estates P. Ltd., Noshirwan Mansoin, III Floor, Henry Road, Golaba, Bombay-39.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Ramakrishna, 270, H. Main, West of Chord Road, H. Stage, Bangalore-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 707|83-84 dated 25-11-83).

Property bearing No. Flat 4, I floor, Mallige Mansions, No. 242 (New No. 303), situated at IV main malleswaram. Bangalore-3.

BHARDWAJ, R.
Competent Authority
Inspecting Assett, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore.

Date: 12-7-84

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 23rd June 1984

C. R. No. 62|40942|83-84|ACQ|B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R<sub>S</sub>, 25,000/-and bearing

No. 13(G.F.), situated at Jayamahal Road, B'lore. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Office at Gandhinagar on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. P. Alexander, No. 13, Jayamahal Road, B'lore.

(Transferor)

P. V. Varghese,
 Dr. (Mrs.) Annamma Varghese.
 No. 38, Nethaji Subhash Marg,
 Daryagani, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2367|83-84 dated 21-11-83).

All that property bearing No. 13, situated at Jayamahal Road, Bangalore.

MANU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore.

Date: 23-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th June 1984

Ref. No. C. R. No. 42168/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Plot No. 12, situated at Prashanth Residential layout Whitefield, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore South Tq. on 24-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

80---186GI|84

 Shri E. V. J. Cunba & 10 others, No. 69, St., Johns Church Road, B'lore-5.

(Transferor)

(2) Sh. Anand Kasturi, 2992, HAL II Stage, B'lore 38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5838|83-84 dated 24-11-83).

Property bearing plot No. 1, situated at Prashanth Residential layout, whitefield, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore.

Date :27-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ATQUISTION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th June 1984

C. R. No. 62|42169|83-84|ACQ|8.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing

Plot No. I, situated at Prashant Residential layout Whitefield, Bangalore.

(and more fully described in the schedule annexed heisto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

at Blore South Tq. on 24-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri E. V. J. Cuuha & 10 others, No. 69, St. John's Church Road, Ellore-5.

(Transferor)

(2) Shri K. V. Devraj, |No. 68|40, Doddiah Inyout, Ulvoor, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzite.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5836|83-84 dated 24-11-83).

Property bearing plot No. 1, situated at Prashanth Residential layout, whitefield, Bang-dore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore,

Date: 27-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th June 1984

C. R. No. 62|42170|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 5 situated at Prashant Residential layout, Whiteheld,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has over transferred in the Ottlee of the registering Officer at B'lore South Tq. on 24-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen nor cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay taxe under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri E. V. J. Cuuha & 10 others, No. 69, St. St. John's Church Road, B'lore-5.

(Transferors)

(2) Shri A. Natesh, No. 48, 17th Cross, Ranganathapura, Malleswaram, Bangalore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explination: The arms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5835|83-84 dated 24-11-83). Property bearing No. Plot 5, situated at Prashanth Residential layout, whitefield, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-6-1984

Scal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrimati Muniyamma & Others, Gottigere Village, Vttarhalli Hobli, B'lore South Taluk.

(Transferor)

(2) Shri G. N. Srinivas, Kabena Agrahana Shobha Farm, Begur Hobli, Bangalore.

(Transferore)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE,

#### BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th June 1984

C. R. No. 62|40992|83-84|ACQ|B.—Whereas I, MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market Rs. 25,000|- and bearing No. Sy. No. 60:2, 45:9, 57:1, 57:2 and 57:3 value exceeding

situated at Gottigere Village Uttarhalli Hobli, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore South Tq. on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5663|83-84 Dated 14-11-83]
Property bearing Sy. Nos. 60:2, 45:9, 57:1, 57:2 and 57:3, situated at Gottigere Village, Uttarhalli Hobli, 57:3, situated at Bangalore South Tq.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Shrimathi Latha Swamy, wo Sri M.A. Narayana Swamy, 41, Akkipet, Bangalore-33.

(Transferors)

(2) Shri S. K. Gopinath, 317, N. R. Colony, Bangalore-19.

(Transferors)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th June 1984

C. R. No. 62|40991|83-84|ACQ|B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. 151, situated at Sarakki II Stage, J. P. Nagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at Bangalore South Taluk on 18-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period or 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5724]83-84 Dated 18-11-83]
All that property bearing No. 151, situated at Sarakki II Stage, J. P. Nagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th June 1984

C. R. No. 62/46/366/33-84/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

6|2, situated at Gangadhara Chetty Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Office: at Shivajinagar on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesame exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and their theorems. Consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Lakshmi Parameswaran, Late K. G. Parameswaran, No. 6, Haudin Road, Bangalore.

(Transferor)

1. Shii Ajit Kothaneth
 2. Mrs. Kumalakshi Kothaneth,
 76, 11th Cross, I Stage,
 Indiranagar,
 Bangalore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2225[83-84 Dated 25-11-1983) All that property bearing No. 6[2, situated at Gangadhara Chetty Road, Ulsoor, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-6-1984

.- ಆರಂಭ ರಾಜಕಾಗಿ ಕಾರ್ಯ ಕ್ರಾಮಾನ್ಯ ಸಂಪರ್ಣ ಸರ್ಚಿಸಿದರು.

#### FORM ITNS----

NOTE, & CHURCK SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSUFCIING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

#### ACQUISITION RANGE, PANGALORE 560 001

Dangalore-560 001, the 15th Inno 1984

R. No. 62/40935[83-84] ACQB,-Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore Income-Tax, Acquisition Range, Brigatore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersible property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. 18 (ctd No. 39]1), situated at Reparinghpet, Belimasheed Road, Jalimohallh, Bangulore

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaudhinagar on 30-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the opparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

್ ಪ್ರಾತ್ರ ಕರ್ನಿ ಕರ್ನಾಟ್ ಕ್ರಾಂತ್ರಿಯ ಮುಖ್ಯಮಿಕುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಇದ್ದು ಕ್ರಾಂತ್ರಿಯ ಕ್ರಿಯ ಕ್ರಾಂತ್ರಿಯ ಕ್ರಾಂತ್ರಿಯ ಕ್ರಿಯ ಕ್ರಾಂತ್ರಿಯ ಕ್ (1) Shri Subramani alias P. N. Sunil Kumar, 15, Ranasinahpet, Islimatheed Koad. Bangelore

(Transferor)

(2) Mr. S. Mani (Minor) Gardian & Father No. Scenan, No. 38|1, Avalahalli, Mysore Road. Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servace of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

HAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2473|83-84 Dated 30-11-83] All that property bearing No. 18 (old No. 39]1), situated at Ranasinghpet, Belimasheed Road, Jalimohalla, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangaiore

Date: 15-6-1984

#### PORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th June 1984

C. R. No. 62|40965|83-84|ACQ|B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 28

situated at Nethaji Road, Franger Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Dohuavur Fellowship Dohuavur Nirunelveli Dist., Tamil Nadu.

(Transferor)

(2) The Evengelical Fellowship of India Commission on Relief, 11, Machperson Road, Fraser Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2248]83-84 Dated 28-11-83] All that property bearing No. 28, situated at Nethaji Road, Franger Town, Bangalore.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri K. Shankat, No. 10, I Cross, I Mair, Sudhamanogar, Bangalore-27.

(Transferou)

(2) Dr. Imtiaz Ahmed Mehkri, No. 67, Lalbagh Road. Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th June 1984

C. R. No. 62|42278|83-84|ACQ|B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 0001, and bearing No.

exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.
2, situated at Jyothi Nivas College Main Poad, V Block, Koramungala, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore South Tq. on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5775|83-84 Dated 21-11-83]
Property bearing No. 2, situated at Jyothi Nivas College,
Main Road, V Block, Koramangala Layout, Baugalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

81-186GI|84

Date: 30-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th June 1984

C. R. No. 62|40969|83-84|ACQ|B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

7, situated at Carleston Road, Cooke Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at Shivajinagar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Haji Azeez Sait Saheb Ministers Quarters, T. Chowdiah Road, Bellany Road, High Grounds, Bangalore.

(Transferor)

(2) Sint, I Shrath Khaleel Sabeba, No. 31, Chinnaswamy Mudaliar Road, Taskei Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2180|83-84 Dated Nov. 83]
Property bearing No. 7, situated at Carleston Road, Looke Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-6-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th June 1984

C. R. No. 62|42167|83-84|ACQ|B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value appearable.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. 4,

situated at Prashanth Residential layout, whitefield, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore South Taluk on 24-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid prpoerty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in thes aid instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any imposes arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri E.V.J. Cunha & 10 others, No. 69, St. John's Church Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimathi K. S. Parvathanna, 905|83, IV Main, V Cross, Vidyaranyapana, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5848 83-84 Dated 24-11-83]
Property bearing No. Plot No. 4, situated at Prashanth
Residential layout, white field, Bangalore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secvition 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-6-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Shri C. M. Subaiah Reddy,
 C. M. Narayana Reddy,
 Reddygarakeri,
 Channapatna.

(Transferor)

(2) Shri Revanna,
III Cross Road Extension,
Channapatna.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th June 1984

C.R. No. 62|40916|83-84|ACQ|B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

2203 & 2204,

situated at III Cross, Channapatna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Channapatna on 2-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1327|83-84 Dated 2-11-83]
Property bearing No. 2203 and 2204, situated at III Cross,
Municipal A Division Extension, Channapatna Town.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-6-1984

(1) Mrs. R. P. Alexander, 13, Jayamahal Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) M|s. Kanam Family Trust, 38, Nethaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore, the 23rd June 1984

R. No. 62[40943]83-84[ACQ]B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

13-1, situated at Jayamahal Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinggar on 24-11-1983

Gandhinegar on 24-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ... manufer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2368|83-84 Dated 24-11-831 All that property bearing No. 31/1, situated at Jayamahal Road, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 23-6-1984

Scal:

 Shrimati Saroj Rani, 3 25, Lower Palace Orchards, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Madhukar A. Shah & Kirthy Kumar A. Shah, 49 A, J. C. Road Cross, Bangalore.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

New Delhi, the 23rd June 1984

C. R. No. 62|40936|83-84|ACQ|B.—Whereas I, MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sakd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. 25-1, situated at T. Chowdaiah Road, Lower Palace Orchards, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Incian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2454|83-84 Dated 28-11-83] Property bearing No. 25|1, (Portion of 'A' Schedule property) situated at T. Chowdaiah Road, Lower Palace Orchards, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-6-1984

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

New Delhi, the 30th June 1984

C.R. No. 62|42030|83-84|ACQ|B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
415, situated at Phase, Sarakki, J. P. Nagar, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the registering Officer at
Bangalore South Tq. on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the at tealment at tay income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri H. Chennappa, No. 250|2, IV, T Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati T. Rohini w/o V. N. Chandregowda, No. 9, HAL Electrical Colony, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document 5649|83-84 Dated 14-11-83]
Property bearing No. 415, situated at III Phase, Sarakki,
J. P. Nagar, Bongalore

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-6-1984 ·

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th June 1984

C.R. No. 62|40963|83-84|ACQ|B.—Whereas 1, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore 134, 135, 136 & 137,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 134, 135, 136 & 137 situated at Kamaraj Road, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri F. Mahavir Kumar & Smt. Kasturi Bai, 219, Kamaraj Road, Bangalore. Bangalore.

(Transferors)

- (2) 1. S|Shri N Nagaraj,
  - 2. N. Prabhu Kiran
  - 3. Miss N. Surekha,

  - N. Lokesh
     N. Ravi Kiran
    - N. Kumar No. 157, K. Kamaraj Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2256|83-84 dated 28-11-83] Property bearing No. 134, 135, 136 & 137, situated at Kamaraj Road, Civil Station, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-6-1984

(1) Shrimati K. Lakshmi Devi, GPA holder Mrs Kasetti Prakash, No. 408, V Main Road, Rajamahal Vilas Extn. Bangalore-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Shri Sripmam Sudhakara Gupta, GPA holder Sri S. Scetharamaiah, Pr. of Srinivasa Stores, Janith Street, Palawaner, Andhra Pradesh.

(Transferce)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 (001

Bangalore-560 001, the 16th June 1984

C. R. No. 62|40906|83-84|ACQ|B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

18 C, situated at V Main Road, V Block, Jayanagar,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jayanagar on November, 1983

and for

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfer.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2756]83-84 dated Nov. 83] All that property bearing No. 18 c, situated at V main Road, V Block, Jayanagar, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-6-1984 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

82-186GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th June 1984

C. R. No.  $62|42279|83-84|\Lambda CQ|B$ .—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 2, situated at Jyothi Nivas College Main Read, V Block, Koramangala Layout, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. on 22-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri K. Shankar, No. 10, I Cross, I Main, Sudhamanagar, Bangalore.

(Transferor)

 Dr. Imtiaz Almed Mehkri, No. 67, Lalbagh Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5793|83-84 Dated 22-11-83].
Property bearing No. 2, situated at Jyothi Nivas College
Muln Road, V Block, Koramangala, Bangalore,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometar
Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-6-84

 Shrimati F. Mahavir Kumar &
 Smt. Kasturi Bhai,
 K. Kamaraj Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) 1. S|Shri N. Nagaraj N. Præbhu Kiran

Miss N. Surcka
 N. Lokesh
 N. Ravikiran

N. Kumar No. 157, K. Kamaraj Road, Bangalore.

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th June 1984

C. R. No. 62|40964|83-84|ACQ|B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangaiore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saig Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 77 (Old No. 28) situated at Fruit Street Cross, Civil Station,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Shivajinagar on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2255|83-84 Dated 28-11-83]
Property bearing No. 77 (old No. 28), situated at Fruit Street Cross, Civil Station, Bangalore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 26-6-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd June 1984

C.R. No. 62]41000|83-84]ACQ|B.-Whereas I, MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Rauge, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1562, situated at 18 Main, 39th Cross, IV 'T' Block, Jaya-

nagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 30-11-1983

fayanagar on 30-11-12-33 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri S. Parameswaran, Senior Manager, Accounts Section, Canara Bank, Gopalapuram, Coimbatore-18 Tamil Nadu.

(Transferor)

(2) Dr. H. S. Gopal Rao, Govt. Head Quarters Hospital, Srikakulam, Andhra Pradesh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3070|83-84 Dated 30-11-83] All that property bearing No. 1562, situated at 18th main, 39th Cross, IV T Block, Jayanagar, Rangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-6-1984

### FORM ITNS

المستقلة ومستقلها والمستقل والمستقلة والمستقلة والمستقلة والمستقلة والمستقلة والمستقلة والمستقلة والمستقلة والم

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 23rd June 1984

C.R. No. 62|40967|83-84|ACQ|B.--Wherens 1, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

57, situated at Richmond Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 23-11-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri P. Madhavan Nair,

Mrs. Rewa Nair
 Mrs. Usha Unni

4. Mrs. Sreelatha Menon

 Sri P. Madhavan Nair, No. 57(63), Richmond Road, Bangalore.

a the grade in

(Transferor)

(2) M|s. Sabari Trust. 21, Cunninghave Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2219]83-84 dated 23-11-83]
All that property bearing No. 57, situated at Richmond Road, Civil Station, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 28th June 1984

C.R. No. 62|41698|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing

No. 4, situated at Pottery Lane, Benson Town, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shivashankaraiah, Secretary, N.G.S.S., No. 23. Upstairs, V cross Sudhamanagar, B'lore-27.

(Transferor)

(2) Shri Syed Istiaq Ahmed, Clo. N.G.S.S., 23, Upstairs, V cross, Südhamanagar, B'lore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document 2277|83-84 Dated Nov., 83)
Property bearing No. 4, situated at Pottery Lane, Benson
Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 28th June 1984

C. R. No. 62|41696|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5 (Portion), situated Pottery Lane, Bore Bank Road B'Jore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at at Shivajinagar in Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. as respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri H. Shivashankaraiah, Secretary, N.G.S.S.
 Upstairs, V cross, Sudhamanagar, B'lorc.

(Transferor)

(2) Kum. C. B. Kalyani, No. 12-A, Diagnal Road, Vasathanagar, B'lore.

(Transferee)

'Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2274|83-84 Dated Nov, 83)

Property bearing No. 5 (Portion), situated at Pottery Lanc Bore Bank Road, K. G. Baidarahalti, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-6-1984 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri H. Sivasankaraiah, Secretary, N.G.S.S. No. 23, Upstairs, Sudhamanagar, V Cross, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri H. S. Mohan, No. 21, Jawaraiah Garden, 111, Block, Thyagarajanagara, B'lore.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 28th June 1984

C.R. No. 62|40387|83-84|ACQ|B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 4, situated at Pottery Lane, Bore Bank Road, Blore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreel to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2275|83-84 Dated 28-11-83)

Property bearing No. 4, situated at Pottery Lane, Bore Bank Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-6-1984

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 28th June 1984

C.R. No. 62|41697|83-84|ACQ|B,...Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000]- and bearing
No. 2, situated pottery Lane, Benson Town, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar in Nov., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri H. Sivasankaraiah, Secretary, N.G.S.S.
 No. 23, Upsatirs, V cross, Sudhamanagar, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri B. Abiar Naycen, No. 11/1, Lakshmi Road, Shanthinagar, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2276|83-84 Dated Nov. 83)

Property bearing No. 2, situated at Pottery Lane, Benson Town, Bangalore.

MANTU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Pate 7 28-6-1984."

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 28th June 1984

C.R. No. 62|40386|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable actions to be the said Act'), have reason to believe that the immovable actions to be the said Act. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
No. 5-B, situated at Pottery Lane, Bore Bank Road, B'lore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Shivajinagar on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri H. Sivashankaraiah Secretary, No. 23, Upstairs, N.G.S.S., V Cross, Sudhamanagar, B'lore-27.

(Transferor)

(2) Shrimati Sarvamangalama, 92. Indle Town. West of Chord Road, Rajajinagar, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2273|83-84 Dated 26 11-83)
Property bearing No. 5-B, Chatta No. 35, P. T. Sheet
1068, situated at Pottery Lane, Bore Bank Road K. G. Byadarahalli, Civil & Military Station, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-56) 001.

Bangalore, the 28th June 1984

C. R. No. 62|42526|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANIU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 4, situated at Pottery Lane, Benson Town B'lore. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Shri H. Shivashankar, Secretary, Navodaya Griha Nirmana Sahayaka Sangha, Niyamitha, 23, Upstairs, V Cross, Sudhamanagar, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri B. Asrar Faheem. Repd. by his father Mr. M. A. Basheer, 11|1, Lakshmi Road, Shanthinagar, B'lore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2276|83-84 Dated 28-11-83)

Property bearing No. 4, situated at Pottery Lane, Benson Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri K. Shankar, No. 10, I Cross, I Main, Sudhamanagar, Bangalore.

(2) Shri K. N. Murali, No. 9, Nanjappa Road, Shunthinagar, Bangalore-27. (Transferor)

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th July 1984

C.R. No. 62|42280|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, INDJRA BHARGAVÁ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing

No. 1 situated at Jyothi Nivas, College Main Road, V Block,

Koramangala, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered in Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority Bangalore South Tq. on 23-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion fo the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5819[83-84 Dated 23-11-83). Property bearing No. 1, situated at Jyothi Nivas College. Main Road, V Block Koramangala, Bangalore.

> INDIRA BHARGAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 5-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th July 1984

C.R. No. 62|42179|83-84|ACQ|B.--Whereas, I, INDIRA BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing No. 69 in Sy. No. 93 situated at Nainappa Setty Palya, Sanakki III Phase, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority Bangalore South Taluk on 23-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

 Shri Nazeer Ahmed Repd. by Abdul Rahmansaheb, Amavarpet, Kolar Town.

(Transferor

H. N. Sharadanna,
 H. N. Shivakumar
 No. 8/2, East end Road,
 IV 'T' Block, Jayanagar,
 Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5804|83-84 Dated 23-11-1983)

Property bearing No. 69 in Sy. No. 93, situated at Nainappa Setty Palya, Sanakki III Phase, Bangalore.

INDIRA BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore.

Date: 5-7-1984

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

ICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd July 1984

C.R. No. 62|40994|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, INDIRA BHARGAVA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 2928, situated at Church Road,

Lashkar Mohalla, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mysore on 26-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. V. Rukmini, Wio Shri G. Viswanathan, No. 25, Vysyal Street, Kulithalai, Trichy Dist.

Shri A. Eswaran,
 Mls. Sanavana Enterprises,
 159|1, Nagamma Market,
 Santhepet, Mysore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3570|83-84 Dated 26-11-1983)

Property bearing No. 2928, situated at Church Road, Lashkar Mohalla, Mysore,

INDIRA BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore.

Date: 3-7-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th July 1984

C.R. No. 62|4228|83-84|ACQ|B.—Whereas, 1, INDIRA BHARGAVA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 1, situated at Jyothi Nivas College Main Road, V Block, Koramangala, Bangalore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the registering Officer at Bangalore South Tq. on 24-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of LAY income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri K. Shankar, No. 110, I Cross, I Main, Sudhamanagar, Bangalore.
- (2) Shri K. N. Murali, No. 9, Nanjappa Road, Shanthinugar, Bangalore.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5826|83-84 Dated 24-11-1983) Property bearing No. 1, situated at Jyothi Nivas College Main Road, V Block, Koramangala, Bangalore.

> INDIRA BHARGAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-7-1984

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th July 1984

C.R. No. 62|40388|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, INDIRA BHARGAVA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. T.S. 80 1C situated at A Havar Village, Mangalore Yaluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore on 26-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Dhirajlal Vittalji & Co. Repd. by its Trustee, Smt. Sushila Dhirajlal, Faluir, Mangalore.

(Transferor)

(2) Shri Shabandi Patel Mohd. Jameel, repd. by his father Shri S. P. Abdul Khader, Navayath Colony, Bhatkal.

(Trnsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertumay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1212/83-84 Dated 26-11-1983)
Property bearing No. TS 80/1C, situated at Attavan Viilage,
Mangalore,

INDIRA BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore.

Date: 4-7-1984